

# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन  
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध  
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतर्हसिंह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

सुहता नैरासी शि ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर ( राजस्थान )

# मुंहता नैणसी री ख्यात

[ भूतपूर्व मारवाड राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान मुंहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एव सलग्न गुजरात, सीराष्ट्र और मध्यभारत आदि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास ]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर ( राजस्थान )

विक्रमाब्द २०२४ }  
प्रथमावृत्ति ७५० }

भारतराष्ट्रीय शकाब्द  
१८८६

{ ख्रिस्ताब्द १९६७  
{ मूल्य ८ ७५ पैसे

---

मुद्रक - श्री हरिप्रसाद पारीक, साधना प्रेस, जोधपुर

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Samskrit, Prakrit, Apabhramsa,  
Old Rajasthan, Gujarati and Hindi works pertaining to  
India in general and Rajasthan in particular.

General Editor

Dr FATAH SINGH

M A., D Litt.

# MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices

by

ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

*Published under the orders of the Government of Rajasthan.*

By

The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana

[ RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE ]

JODHPUR (Rajasthan)

## सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध अनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता में, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठोंय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह "मुहता नैणसीरी व्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-वाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक व्याति-इच्छुक मित्र' १९३४ ई० में इस ग्रंथ की प्रस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, सपूर्ण ग्रंथ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रंथ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिन्द और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह थोड़ा है। ग्रंथ का महत्त्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अर्थपरायणता में है जिसको इस ग्रंथ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारको एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण ही नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। "सुखस्य मूलम् अर्थः" को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रंथ के अन्त में जो लम्बा शुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों में पाठान्तरो का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चाताप करना व्यर्थ है।

आशा है कि लौकिक जीवन के अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति इससे प्रेरणा ग्रहण करके हमारी वर्तमान आर्थिक समस्याओं का, उसी तत्परता और लगन से अध्ययन करेंगे जिससे इतिहास समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान आदि के विद्यार्थी "मूहता नैशासीरी ह्यात्" का उपयोग अपने-अपने विषय के लिए करेंगे ।

जय हिन्द; जय हिन्दी

गुरु पूर्णिमा, २०२४ ।  
जोधपुर. }

फतहसिंह

एम.ए, डी.लिट्.

## विषयानुक्रमणिका

१.	सञ्चालकीय वक्तव्य	१-२
२	चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
३	भूमिका भाग	१-४२
	(१) भूमिका	१-२४
	(२) महाराजा जसवर्तसिंह के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी	२५-३६
	(३) महाराजा जसवर्तसिंह-प्रथम	४०-४२
४.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०
	१ वैयक्तिक—	
	(१) पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
	(२) स्त्री            ,,	१०९-११७
	(३) अश्वदि पशु नाम	११८
	२ भौगोलिक—	
	(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
	(२) पर्वत जलाशयादि   ,,	१६५-१७१
	३. सांस्कृतिक—	
	(१) ग्रंथ, सत्या, कर, मायादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
	(२) देवो-देवता तीर्थादि                   ,,	१८१-१८८
	४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक)	१८९-१९०
५	परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलिया	१९१-१९३
६.	परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की साथ-नामावली	१९४-२०८
७.	परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
८.	परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
९	परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र	२११-२३१



# मुंहता नैगसी री ख्यात के चारों भागों की संपूर्ण विषय - सूची

## भाग १

### १ सीसोदियां री ख्यात

१. घात (गँहलोत कहीजं तिणरी)	१
२. घात (बापा गुहादित री)	३
३. घात रांणा राहप री	६
४. घात दूसरी (नै कविता- राखळ बापा रा)	७
५. सीसोदिया रा भेद	८
६. घात रांणा चीतोड़ रा घणियां री	९
७. पीढियां री घिगत (इतरी पीढी ताईं अँ सर्मा कहांणा)	९
८. इतरी पीढी दीत-ब्राह्मण कहांणा	१०
९. घात (हारीत रिख नै राखळ बाप री)	११
१०. इतरी पीढी राखळ कहांणा	१२
११. माहप नै राहप री घात	१३
१२. रांणा हमीर सू' पाटवियां रा बेटा री घिगत	१५
१३. गीत रांणा सांगा रो	१८
१४. रांणा उर्देसिघ री घात	२०
१५. घात राणा उर्देसिघ उर्देपुर वसायां री	३२
१६. घाटी राह री हकीकत	३५
१७. गिरवा री हकीकत	३६
१८. च्यार छपन री हकीकत	३६
१९. घात (कछवाहा मानसिघ नै रांणा प्रताप वेढ हुई तिणरी	३९
२०. मेवाड रा भाखरां री घिगत	४०

२१. नदी तीन री विगत-चांबळ, बाभणो, पगघोई	४५
२२. दीवाण रँ नास-भाज विखा नू बडी ठोड़ इतरी, इतरा गांवां माहि	४६
२३. वनास नदी नीसरी तैरी हकीकत	४७
२४. घात चारण आसिये गिरधर कही, समत १९१७ रा भादवा सुदि ९ नै	४९
२५. घात एक रांणा कू'भा चित- भरमिये री	५१
२६. रांणा राजसिघ नू पातसाही तरफ री इतरी जागीरी छै तिणरी घिगत	५२
२७. घात १ सीसोदिया राघवदे लाखावत री, राघवदे नू रांणै कुमै नै राख रिणमल मारियो तिणरी	५३
२८. घात १ घीठू भाभरण कही मांडघ पातसाह रो मेवाड जेजियो लागै तैरी	५५
२९. घात (रांणो अमरा रँ विखा री)	५६
३०. गीत (राणा अमरा रो)	५८
३१. घात (सोदा-वारहूठ घाहूरु री)	५९
३२. घात पठाण हाजीखान नै रांणा उर्देसिघ हरमाडुं वेढ हुई तिणरी	६०
३३. घात (राणा अमरा रँ विखा री फेर)	६२



३४	सकतावत (पीघो) नै रावत मेघ रै मामलो हुग्रो तिणरी घात	६४
३५.	सीसोदिया चूडावतां री साख	६६
३६	घात सीसोदिया डूगरपुर घांसवाहळा रा घणियां री	७०
३७.	घात घांसवाहळा रा मानसिघ री	७३
३८	घात डूगरपुर घांसवाहळा रा घणियां री (पीढियां री विगत)	७७
३९	घात सीसोदियां री (राधळ समरसी लोहडै भाई नू चीतोड दी तिणरी)	७९
४०.	घात घांसवाहळा री	८७
४१	घांसवाहळा रै सोंघ री विगत	८८
४२	गैहलोता री चौबीस साख	८८
४३	पवारां री पेंतीस साख	८९
४४	चहुवाणां री चौबीस साख	८९
४५	साख इत्ती पढिहारां भिळै	८९
४६.	सोळकियां री साख	९०
४७	घात देवळिया रै घणियां री	९०
४८	घात(जीहरण रा मुकाता री)	९०
४९	देवळिये नै राणा रै मुत्तक री काकाट हण गावां	९५

## २ वूदी रा घणियां री ख्यात

५०.	घार्ता (राध साखण रा पोतरा हाडा चूडी रा घणियां री)	९७
५१	हाडां रै पीढिया री विगत	१००
५२.	घात हाडै सुरजमत्त नारायण- दासोत्त नै राणा रत्तनसी मामलो हुवो निण तमै री	१०२
५३	घात (हाडा सुरजन नू राणा उर्दसिघ वूदी दीघी तिणरी)	१०९
५४	गंधी रा देस री हकीकत	११३

५५.	घात (बू वी रा देस रा रज- पूतां री विगत)	११७
५६	घागडिया चहुवाणां री पीढी	११९
५७	घार्ता (चहुवाण डूगरसी वालावत री)	११९
५८	घात दहियां री	१२२
५९.	वूदेलां री घात	१२७
६०	वूदेलां री घात (कविप्रिया- प्रथ केसोदास कियो तिण मांहे सू)	१२८
६१.	एकण ठोड पीढिया पू पिण मांडी छै	१३०
६२.	वारता गढबांधव रा घणियां री	१३२

## ३. घात सिरोही रा घणियां री

६३	घात (आवू लियां री)	१३४
६४.	पीढी सीरोही रा घणियां री	१३५
६५.	घात राध सुरताण री	१४२
६६	विचली घात (देवडै विजै सूर्जे री)	१४४
६७.	घात (डूगरोत्त देवडां री)	१६२
६८	गीत चौबा जेंता री आडा दुरसा री कह्यो	१७०
६९.	गीत चौबा खोमा भार- मलोत्त री	१७१
७०.	घात (थिराव रै परगनें रा चहुवाणां री)	१७२
७१	घात (सीरोही री हकीकत घाघेला रामसिघ नैणसी नू जाळोर में कही)	१७२
७२.	घात सीरोही रा घणियां- पाटवियां री आवू लियां री	१८०
७३	कवित्त-छप्पय सीरोही रा टोकायतां रा	१८४
७४.	कवित्त रामसिघ सिरोहिये रा	१९१

४. भायलां रजपूतां री ख्यात

७५. पवारों री भायला साख री हकीकत	१६३
७६. वात चहुवांणा सोनगरा री राव लाखणोतां री	२०२
७७. वात सोनगरा री	२१२
७८. वात सिंघावलोकिनी (तापस वांभण नै सोमइया महादेव री)	२१३
७९. वात सोमइयो महादेव, कांनडदेजी री नै कांघळ तथा बीजां री	२१६
८०. वात (बीके दहिये री, जाळोर री गढ भेळायो तिणरी)	२२३
८१. वात साचोर री	२२७
८२. वात चहुवांणां साचोर रा घणियां री	२२९
८३. पीढिया री विगत	२३०
८४. वात (बोड्डां री)	२४५
८५. बोड्डा री वसावळी	२४७
८६. वात (कांपळिया चहुवांणां रै साख री)	२४८
८७. वात (कूभा कांपळिया री)	२४८
८८. वात खोचिया री (पीढियां)	२५०
८९. वात (खोची मांणकराव री)	२५०
९०. वात (घारु आंनळोत री)	२५३
९१. वात (खोची आंना री)	२५३
९२. वात अणहलवाडा पाटण री	२५८
९३. कवित्त (चावडें पाटण भोगवी तिणरी साख री)	२५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख री कवित्त	२६०
९५. पाटण वाघेला भोगवी तिण साख री कवित्त	२६१
९६. सोळकिया री साख इतरा	२६२
९७. वात सोळकिया पाटण आयां री	२६३

९८. वात पाटण चावोडा घी सोळकिया रै आर्व जिणरी	२६६
९९. वात १ जाडुवा लाखा नूं सोळकी मूळराज मारिया री	२६७
१००. वात रुद्रमाळो प्रासाद सिद्धराव करायो तिणरी	२७२
१०१. कवित्त सिद्धराव जैसिघवे रै देहुरै रा, लल्ल भाट रा कल्या	२७७
१०२. वात सोळकिया खंरडा री	२७९
१०३. सोळकिया रै पीढियां री विगत	२८०
१०४. वात (साखलं रतनै जेमल नै मारियो तैरी)	२८१
१०५. वात (जैमल रतनो काम आया री)	२८३
१०६. वात सोळकी नाथावता री	२८३
१०७. वात सोळकी राणा रै वास देसुरी रा घणिया री	२८४
५. कछवाहां री ख्यात	
१०८. वात राजा प्रथोराजरी	२८६
१०९. पीढी कछवाहा री, भाट राजपाण मडाई	२८७
११०. कछवाहा सूरजवशी कहीर्ण त्यारी विगत	२९१
१११. कछवाहा री विगत	२९३
११२. कछवाहा री वसावळी री विगत	२९५
११३. वात एक गोहिला खेड रा घणिया री	३३३
११४. वात गोहिल खेड छाडनै सोरठ गया तिणरी	३३४
११५. पवारा री उतपत नै पीढी	३३६
११६. वात पवारा री	३३७
११७. पवार वाघ री श्रीलाद रा साखला हुवा तिणरी विगत	३३८

११८. पीढिया री विगत (साखलां री)	३३६
११९ साखला जागळवा	३४४
१२०. घात रायसी महिपाळोत री	३४४
१२१. इतरी पीढी जागळू साखलां रं रही	३४६
१२२. घात (चूडा, गोगा, धरढकमल, हरभम, रामवेपीर नै दूजा)	३४८
१२३. घात (नापो साखलो नै फेर)	३५३
६ सोढां री ख्यात	
१२४ सोढां री पीढी	३५५
१२५ घात पारकर रा सोढां री	३६३
१२६. घात पारकर री	३६३

## भाग २

## ७ ख्यात भाटिया री

१ श्री जदुचशी कहीजें	१
२. घात भाटिया री	३
३. जेसळमेर रा वेस री हकीकत घोळवास लिखाई	३
४. खडाळरा गांवा री विगत	४
५ जेसळमेर रा वेस री हकीकत मु॥ लखे मडाई	६
६ घात भाटियां री पीढी, धारण-रतनू गोकळ मंडाई	६
७ घात रावळ घडसी री	१३
८ यसायळी रा गीत, भवनो रतनू कहै	१४
९ भाटी ध्याळा कहीजें तिणरी घात	१५
१० घात (सोमवंशी भाटियां री परिवन पुराण माहि)	१५
११. घात यिजेराव चूडाळें री	१७
१२ घात परिहाही री । देवराज याम ऊपर गयो तिणरी	२५

१३. घात (घार रं मूहते री)	२६
१४. घात भाटियां री (साख मगरिया री)	३१
१५. घात गजनी पातसाह री	३३
१६ घात (रावळ जेसळ री)	३५
१७. घात (जेसळमेर री रांग मंडाई तिणरी)	३६
१८. कविता भाटी सालवाहण रा (नं आगली पीढियां)	३७
१९. घात राठोड सीमाळ री	४२
२०. धारता (वीकमसी री)	४४
२१ घात (पातसाह रा गुरु मारिया तिणरी)	४५
२२ घात (मूळराज नं कमालदी री । जेसळमेर ऊपर फोज विदा कीधी)	४६
२३ घात (मूळराज कना कमालदी लोषां मांगी तिणरी)	४६
२४. घात (कमालदी नू हठ करनं विदा कियो)	५०
२५ घात (कमालदी गढ घेरियो)	५०
२६. घात (बीज उदारण री । दूहा- सोरठा । आगली हकीकत)	५१
२७ घात (रावळ दूर्व तिलोकसी री)	५६
२८. घात (रावळ दूर्वो नं तिलोकसी मुध्रा री । दूवा रा गीत)	६१
२९. घात (रावळ घडसी राणा रतनसी रो बेटो कमालबी रं धरठ रह्यो तिणरी)	६६
३०. घात (रावळ हुध्रा तिणारी)	७५
३१. पीढी (जेसळ सू)	६२
३२. घात (रावळ भीम री)	६४
३३. घात (रावळ भीम री फेर नं दूजी)	६६
३४. मनोहरवास रा प्रवाडा	१०३
३५. घात भाटियां माहि केलहणां री साख	११२

३६. राव केलहण देरावर लियां री घात (फेर वूजी)	११६
३७ धीकूपुर रँ घणियां नँ राठोडँ सगाई तथा धीजा	१३२
३८ केलहणा नँ धीकानेर रा घणिया सगाई	१३३
३९ भाटिया केलहणा नँ कछवाहा सगाई	१३३
४० तळाई, कोहर नँ गांवा री हकीकत	१३४
४१ घात एक (राव मालदे तथा राव जेसा री)	१३७
४२ घात गाढाळा केलणा री	१४०
४३. विगत (केलहण री पीढी, केलहणां री खरड रा कोहर तळाई आदि री)	
४४. हमीर-भाटियां री साख	१४४
४५. घात (जेसा भाटियां री साख)	१५२
४६ रूपसी भाटियां री साख	१६६
४७. सरवहिया री पीढी	२०२
४८. घात सरवहियां री	२०२
४९. घात सरवहिया जेसा री	२०६
५०. घात (सरवहिया जेसा नँ पातसांह री)	२०७
५१. घात (सरवहिये जेसे चारण रा मांगस छोडाया	२०८
५२. घात जाडेचा री	२०९
५३. घात रायधण भुज रा घणियां री	२०९
५४. पीढी	२१५
५५. गीत कुवर जेहा भारावत री	२१५
५६. घात लार्ख री	२१६
५७. घात (जाडेचा फूलघषळ री)	२२५
५८. घात (जाम ऊनड सावळसुध कवि रोहडिया नू आउठकोड सामई दी तिण री)	२३६
५९. घात १ जाम ऊनड सावळ- सुध री	२३८

६०. वेढ १ जाम सत्ते नँ अमीखान हुई तिणरी घात	२४०
६१. घात १ भाला रायसिध मांन- सिघोत नँ जाडेचा जसा घव- ळोत नँ जाडेचा साहेब हमीरोत वेढ हुई तिणरी	२४४
६२. घात (भाला रायसिध नँ जाडेचा साहेब री)	२४९
६३. घात १ जाडेचा साहिव री नँ भाला रायसिध री फेर लिखी	२५३
६४. भाला री वंसावळी	२५६
६५. घात भाला री	२५८
६६. मेवाड रँ भाला री घात	२६२
६७. मेवाड रा भाला री पीढी	२६५

#### ८ राठोडों री ख्यात

६८. रावजी श्री सीहेजी री घात	२६६
६९. राव आसयांनजी री घात	२७६
७०. वात राव कानडदेजी री	२८०
७१. रावळ मालोजी री घात	२८४
७२. घात धीरमजी री	२९९
७३. घात रावजी चूडंजी री	३०६
७४. गोगादेजी री घात	३१७
७५. अरडकमलजी चूंडाघत री घात	३२४
७६. वात रावजी रिणमलजी री	३२९

#### भाग ३

#### राठोडों री ख्यात द्वि. भा. सू चालू)

१. वःत राव रिणमलजी अर महमद रँ आगम रँ लडाई हुई ते सम री	१
२. रावळ च० मालजी री घात	३
३. घात राव च० धाजी री	५
४. घात राव धीकाजी री	१३

५ भटनेर री घात	१६	२६ घात सीहै सौंधळ री	१२३
६. घात राव धीफेजी री, धीकानेर घसायो तें सम री	१६	३० घात रिणमलजी री	१२६
७. घात काघळजी री, काघळजी काम आयो तें सम री	२१	३१ नरबद सतावत री वात, सुपियारदे लायो तें सम री	१४१
८. वात राव तीडे री अर रावळ साघतसी सोनगरै रें भीनमाळ वेढ हई तें सम री	२३	३२. घात नरबद राणैजी नू आख दीवी तिर्य सम री	१४६
९ वात पताई रावळ साको कियो तैरी (पावागळ रें घेरै री)	२५	३३ वात राव लूणकर्णजी री	१५१
१०. घात राव सलखैजी री	२६	३४. घात मोहिलां री	१५३
११. गढ सभिया तैरी ह्यात	२८	३५. मोहिला रें पीढियां री हकीकत	१५८
१२. घात राव सीहोजी (रें वश)री	२६	३६ छद वे-अखरी, राठोड रामदेव रा कहिया	१६७
१३. जेसळमेर री घात	३३	३७ वूहा, चारण चांप सामोर रा कहिया	१६८
१४. पूगळ राव	३६	३८ चौहानो की पीढियो की टिप्पणी	१६८
१५. धीकूपुर राव	३६	३९. वूहा पीढियां री विगत रा	१६६
१६. धरसलपुर राव	३७	४० छत्तीस राजकुळी इतरै गढे राज करै	१७३
१७. मुगल-चकता-भाटी	३७	४१ परमारां री वसावळी	१७५
१८. धारवारै रा भाटी	३७	४२. राठोडां री वसावळी	१७७
१९ घात वूदें जोघावत मेघो नर- सिघदासोत सौंधळ मारियो तें सम री	३८	४३ टोक वंठां री विगत	१८१
२०. घात पेतसीह रतनसीहोत सोसोदियं चूटाघत री	४१	४४ जोघपुर री पीढियां (टोक वंठां री विगत)	१८२
२१ गुजरात देस राज्य घर्णनम्	४६	४५ भिन्न भिन्न धाकां रा समत (गढ लियां री विगत)	१८३
२२ पाटन पी ह्यापना श्रीर घासकों का राज्यकाल (टिप्पणी)	४६	४६ बिली राजा वंठा तियारी विगत (राज कियो तिका विगत)	१८५
२३ घात मकघाणा रजपूता री (भाला कहांणा तैरी)	५७	४७. वात सेतराम धरवाईसेनोत राठोड री	१६३
२४. घात पाचुजी री	५८	४८. धीकानेर री हकीकत	२०५
२५ घात मार्ग घोरमवे री	८०	४९. राठोड पृथ्वीराज कल्याण- मलोत संबधी टिप्पणी	२०६
२६. घात हरवास ऊहूट री	८७	५०. वलपतसिह रायसिहोत संबंधी टिप्पणी	२०६
२७. घात राठोड नरै सूजाघत, लीमं पोकरणै री	१०३	५१. सतिया हई	२०६
२८. जंमन घोरमदेघोत नै राव भासदेव री घात	११५		

५२. जोधपुर रा राजाभ्रा री ख्यात	२१३	६०. वात चद्रावतां री	२३६
५३. टिप्पणिया	२१३-२१५	६१. पीढिया री हकीकत	
५४. किसनगढ री विगत	२१७	(चद्रावता री)	२४७
५५. जेसलमेर री ख्यात	२२०	६२. घात सिखरो वहलवै रहै तैरी	२५०
५६. पीढिया (वीकानेर रा		६३. वात ऊदै ऊगमणावत री	२५६
६३ ठिकाणा री)	२२३-२३४	६४. वूदी री धारता	२६६
(१) सिरगोता री	२२३	६५. क्यामखान्या री उत्पत्त नै	
(२) खपावतां री	२२५	फर्तहपुर जूभणू वसायो	
(३) नारणोता री	२२७	तैरी वात	२७३
(४) रत्तनवासोता री	२२८	६६. दौलतावाद् रा उमरावा	
(५) रावतोतां री	२२९	री वात	२७६
(६) धीदावता री	२३०	६७. आदिदास्त	२७८
५७. जोधपुर रा सरदारों री		६८. आदिदास्त	२७९
पीढिया (ऊदावता रा		६९. सागमराव राठोड़ री घात	२८०
१४ ठिकाणा री	२३५	७०. टिप्पणी (कान्हडदे-प्रबन्ध	
५८. विगत	२३८	सू उद्धृत)	२९३
५९. अकबर री जन्म कुडळी			
नै टिप्पणी	२३८		

[ चौथे भाग की विषय-सूची के लिए

कृपया पृष्ठ उलटिये ]

## भाग ४

१	चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका	१
२.	संचालकीय वक्तव्य	१
३.	चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
४.	भूमिका	१-२४
५.	महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी	२५-३६
६.	महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम	४०-४२
७.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०

### १. वैयक्तिक—

(१)	पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
(२)	स्त्री नामानुक्रमणिका	१०९-११७
(३)	श्रद्धादि पशु नाम	११८

### २. भौगोलिक—

(१)	ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
(२)	पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१

### ३. सांस्कृतिक

(१)	ग्रंथ, सस्था, फर, मापादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
(२)	देवी-देवता, तीर्थादि ,,	१८१-१८८

### ४. सम्पत्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या)

८.	परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ	१९१-१९३
९	परिशिष्ट ३—पव, उपाधि और विरुदादि की सार्थ नामावली	१९४-२०८
१०	परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
११.	परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
१२	परिशिष्ट ६—गुह्यपत्र	२११-२३१

## भूमिका

राजस्थान वीरो और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम शूरवीरो के ओजस्वित रक्त की असंख्य भावनाओं और अनगिनत सतियों के जीहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलों में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जीवट की एक संजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और मानवीय संवेदना की सुषमा स्रोतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वयं युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरो ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असंख्य सती वीरांगनाओं के जीहर-यज्ञों और वीरो के मरणोत्सवों (अभूतपूर्व और अगणित नारी और नरमेघों) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरो के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेकों ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड़ है। ऐसे वीरो, भक्तों और कवियों का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढ़ा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलियाँ अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परंपराओं में अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्गार प्रकट किये हैं<sup>१</sup>।

१. (अ) Rajasthan is the language of a brave and heroic people. Rajasthan literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the



राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है<sup>२</sup>। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ख्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ख्यात-

---

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary. ....I am eagerly looking for the day when a full-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature.

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(ग्रा) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(द) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhal, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२ प्राठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवल्यमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-इ-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। धर्मप्रदा की परम्पराओं का सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन ख्यातों का महत्त्व बहुत अधिक है ।

‘ख्यात’ शब्द

राजस्थानी में ‘ख्यात’ शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा है । ‘ख्यात’ मूलतया संस्कृत भाषा का शब्द है । यह ‘ख्या’-प्रकथने धातु से ‘क्त’ प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है । संस्कृत भाषा में मुख्यतः इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम ।
२. आहूत या आवाहित ।
३. विदित या परिज्ञात ।
४. कीर्तिमान या सुप्रसिद्ध ।
५. उक्त या ज्ञप्त ।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ । और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि<sup>३</sup> ।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखकों ने ‘ख्यात’ शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यञ्जक बना कर प्रयुक्त किया है । उन्होंने इसे इतिहास ( इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण ),

३. देखिये संस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

- |                             |   |  |
|-----------------------------|---|--|
| (१) मोनियर विलियम्स         | : | संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी, न्यू एडिशन          |
| (२) जे०टी० मोलेस्वर्थ       | : | मराठी-इंगलिश डिक्शनरी, दूसरा संस्करण १८५७ ई० |
| (३) एन०वी० रानाडे           | : | ” ” १९११ ई०                                  |
| (४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी | : | संस्कृत शब्दार्थ कोस्तुभ                     |
| (५) गि०शं० महता             | : | संस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२६ ई०            |
| (६) पन्यास मुक्तिविजयजी     | : | शब्द रत्न महोदधि सवत् १९६३                   |
| (७) अमरकोश                  |   |  |
| (८) अभिधान चिन्तामणि कोश    |   |  |

हिन्दी शब्दकोशों में ‘ख्यात’ शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३ वह कविता जिसमें योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि ।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहलु ५. जाणीतुं आदि ।

मराठी कोशों में—१. पराक्रम २. कीर्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों में—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि ।

ऐतिह्य ( पौराणिक वृत्तात ), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएं ) आदि का व्यजक माना और तदनुकूल ख्यात' शब्द का प्रयोग किया ।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई । फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहासकारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की श्रमूल्य निधि है ।

### ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है । केवल राजाओं और नवाबों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व सक्रान्ति काल का इतिहास है । देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है । वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था । इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आँखों से ओझल नहीं किया जा सकता । ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं ।

सामन्तगोही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्गों की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तुकला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं । तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह श्रमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है ।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो समार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर सवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।<sup>४</sup> उसे अब तत्वज्ञ और मनीषियों की सजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक सस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में सस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस सस्था ने अपने शौश्रू काल में ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्हीं प्रकाशनों में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

### इस ख्यात का महत्व

'मुहता नैणसी री ख्यात'<sup>५</sup> जोधपुर के महाराजा जसवतसिंह प्रथम के दीवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वश के विख्यात मुहता नैणसी जयमलोत द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रन्थ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

४. 'दीर्घ वारो देस, ज्यारो साहित जगमगै।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी संस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार में शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराम उज्ज्वल

५. 'मुहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रन्थविधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोड़ा री ख्यात' = राठोड़ वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड़ री ख्यात' मेवाड़ राज्य का इतिहास में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबधित' न होकर 'के' द्वारा लिखी गई होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यो मे ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब मे 'मुहता नैणसी रो ख्यात' बहुत महत्व की है। इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातो की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं। स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० श्रीभा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों मे और स्व० रामनारायण दूगड द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनो खण्डो की भूमिकाओ मे ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है।\* मुशी देवीप्रसाद मुसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है।<sup>५</sup>

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं। एक संस्करण स्व० श्री रामकण्ठजी आसोपा द्वारा मूल रूप मे उनके निज के रामध्याम प्रेस मे मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था। दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० श्रीभा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है। पहला भाग स० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ९ वर्ष बाद सम्वत् १९९१ मे प्रकाशित हुआ है।

इनसे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातो का आधार भी प्रायः नैणसी रो ख्यात ही रही हुई मालूम होता है। उनमे अनेक प्रसंग नैणसी रो ख्यात के घों के घों उद्धृत कर लिये हैं। उदाहरण के तौर पर दयालदास रो ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलो मे से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा।

नैणसी रो ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदास रो ख्यात पृ० ८

“ ” ” ३ ” ६४ ” ” ” ” ६५

“ ” ” ३ ” १२०-१२१ ” ” ” ८२, २६८ इत्यादि।

७. वि. स १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिये जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है। ... .. यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी सतोपदायक नहीं हो सकता।

—श्रीभा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुनी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उनके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे। मुशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजश्याम-इतिहासज मूला नैणसी की ख्यात के विषय में एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था।

—श्रीभा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७४

प्रस्तुत ख्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात में भी है कि नैणसी ने ख्यात में प्राप्त समस्त सामग्री साधारण स्वीकार की है। उन्होंने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वालों के नाम ही नहीं लिखे, अपितु कहीं-कहीं तो उनका पूरा परिचय, सम्बन्ध, मित्ती और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध डिगल-कवि और चारणजन हैं।

६. (१) पोरकरणा ब्राह्मण कवीसर जसवन्त रो भाई जोशी महेशदास।
- (२) मुंहतो लखो, सं० १७०० माह वदी ६ मेइते में जसलमेर रो हाल लिखायो।
- (३) आठो महेशदास छत्राला भाटियाँ रो बात, सं० १७०६ फागण सुदी १५ रो लिखाई, सं० १७२१ माह माहे लिख मेली।
- (४) मुंहते नरसिंघदास जमलोत (नैणसी रो भाई) डूगरपुर में रावळ पूंजा रं करायोडो देहरा रो प्रशस्ति लिख मेली, समत १७०७ मे।
- (५) वूदला सुभकरणा रं चाकर चक्रसेन मंडाई, सं० १७१०।
- (६) चारण आसियो गिरधर सं० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
- (७) चारण भूलै रुद्रदास भाण रं साइया भूला रे पोतरं कही, संमत १७१६ रा चंत मांहे।
- (८) सं० १७२१ रा जेठ मांहे रा० रामचन्द्र जगनाथोत मंडाई।
- (९) खिडियो खींवराज सिसोदिया रो चूणडावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो सं० १६२२ रा पोह वदी ५।
- (१०) बात एक वीठू भाकरण कही।
- (११) दधवाडियो खींवराज, बात पठाण हाजीखान राण उदैसिध वेठ हुई तिरारी लिख मेली। संमत १७१४ रा वैसाख मांहे।
- (१२) देवडो धमरो चंदावत रो परधान बाघेलो रांमसिध नू धमरं नैणसी करं मेखियो, उण कही।
- (१३) मुहणोत सुंदरदास जाळोर बकां लिख मेली।
- (१४) रतनू गोकुळ पीडिया मंडाई। गोकळ रतनू कह्यो।
- (१५) चारण चांदण खिडियो।
- (१६) भाट सगार नीलिया रो पडियारा रो साखा लिखाई।
- (१७) भाट राजपाण उदैहीरो, पीढी कछवाहां रो मंडाई।
- (१८) बात १ जीब रतनू धरमदासाणी कही नै पहला सुणी थी तिका तो लिखी हीज हुती। बात जाडेचा साहिब रो नै भासा रायांसिध रो फेर लिखी।
- (१९) भाखडी रावळ भीम रो आसियो पीरो कहे।
- (२०) राव नीवो महेशोत सवणी।
- (२१) गाडण पसायत।
- (२२) बारहठ खीदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्त्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विष्वमनीय है।

### ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिंगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि की समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है<sup>१०</sup>।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

- (२३) चारण वीरधवल डूहा कहै।  
 (२४) गाठण सहजपाळ।  
 (२५) सावळसुध रोहटियो।  
 (२६) भांणो मीसण, वडो घाखरा रो कहणहार।  
 (२७) ढाढो..... इत्यादि।

इनके प्रतिरिक्त वारहठ ईसरदास, दुरसो घाढो, केशवदास, रतनू नवलो, वारठ यीठू, घासराव रतनू, घासियो दलो, लल्ल भाट और चारण चांदो आदि डिंगल के प्रसिद्ध कवि और गृह्य वात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक वात यूं सुणो' या 'समत् १७२२ आसोज माहै परबतसर मांहे तिसी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की मनुष्यम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हर एक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

बोलियों से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाड़ी'<sup>११</sup> की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपों में विकसित होने वाले अंकुरों का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सागोपाग नमूना है<sup>१२</sup>। अन्य भारतीय भाषाओं की समकालीन परंपराओं की तुलना में इसकी परंपरा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमें पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात<sup>१३</sup>, वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिंघावलोकनी, मिसाल, साख, परियावली, वंसावली, पीढिया आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब में ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अंग होने के साथ उसका

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'जूनो गुजराती' अथवा 'मारु-गुजर भाषा' अभिहित किया है।

१२. Rajasthani dialects form a group among themselves differentiated from Western Hindi on one hand and from Gujarati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independent language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi. If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G. A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट में अनधराव व नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक दृष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

चर्चामिश्चारणानां क्षितिस्मरण ! परंप्राप्यसमोद लीलां  
मा कीर्तेः सोविदल्लानवगणय कवि प्रात(?) वाणी विलासात् ।  
गीतं ख्यातं च नाम्ना किमपि रघुपतेरद्य यावत्प्रासा -  
हाल्मीके रेव धार्मी ववलयति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परंपरा : भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का चारण' नामक लेख।



विकसित परिमार्जित और प्रौढ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्याती से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्त्व को समझा जा सके—

### ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसीरी ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदिया री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटिया री लिख्यते' इत्यादि। वात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

### घात, घारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'वात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतंत्र ऐतिहासिक वात-साहित्य की बातें बड़ी होती हैं<sup>१५</sup>।

### हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

### पीढी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

### साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—भाला, छात्राळा और महेवचा, वाडमेरा आदि। (३) किसी वात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

१५. 'वात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह वात पृ. १८४ महाराजा जसवतसिंह प्रथम (अपूर्ण) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसीरी का उल्लेख महत्त्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सूदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह वात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

**विगत**

किसी वश या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध व्यौरे को विगत कहा जाता है।

**याद, याददास्त, आदिदास्त**

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका संक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोट्स।

**प्रस्ताव**

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारंभिक संकेत, जैसे—  
एकदा प्रस्ताव।

**हवालो**

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

**सिंघावलोकनी बात**

पूर्वल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

**परियावली, चंसावली**

देखें पीढी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशाओं के अतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशाओं के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारपरीण तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।<sup>१५</sup>

क्रीडा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में सशक्त अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिंगल एवं राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-भण्डार बहुत ही मूल्यवान है।<sup>१६</sup>

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशाओं का उल्लेख मिलता है—

‘दिसि खोज भय्यो खट-पच-दूण, जुडियो नह पापण धम्म जूण’।

सोलह दिशाओं में जिन आठ विशेष दिशाओं के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से इद्र, तहड, खरक, भरहेर, रूपारास और पचाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१६. वल्लभविद्यानगर, धी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश शोधार्थियों के लिये (सर्व-सुलभ आवृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमें ‘नैरासी री ख्यात’ के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरो और रूढि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एव उनके प्रयोग भाषा की प्रौढता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।<sup>१७</sup> सहस्री स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

### विविध विषय

प्रस्तुत स्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें सक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, वधेलखड, बुदेलखड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूढाड के कछवाहे और मारवाड़ (जोधपुर और बीकानेर) के राठीड राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, बूदी, झालावाड़, जयपुर-शेखावाटी, सिरौही, डूंगरपुर, वांसवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एव दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की वादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी सकलित हो गया हुआ है।<sup>१८</sup>

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस स्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, रो, रो, रं
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणं, तणर
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरर, केरं
४. संदा, सदी, सदियाँ, सदी, संदर, सदे
५. हंदा, हंदी, हंदियाँ, हदी, हदर, हंदं
६. नो, नो, ना, नर
७. पा, पो, पो, पं
८. बर, बी, बी, के इत्यादि

१८. नैणसीरी स्यात में चौहानों, राठीड़ों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वनाशक्तियों का इतना प्रबुद्ध संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से सकलित यह ख्यात विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तील, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदान्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, शासन और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रोझ-मीज आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टँकसाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तियाँ, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखायें और वंशावलिर्ण, परम्पराएँ और रीति-रिवाज, राजदरवार, सवारियों, तीर्थाटन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जवादि, जलहर (जलक्रीडा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जोहर और साका, सतीत्व और स्त्री-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और सस्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढंग; शत्रुता और मित्रता; पहाड़ और नदियाँ, नगर और गाँव; जत्र-मत्र और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान, चोरो की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण, देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्थापत्य कला) सबही और अन्य दिभिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस ख्यात साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

### अनुशीलन सूत्र

जैसा कि ख्यात के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत ख्यात में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वैसा अब मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लडाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्बन्ध एवं उनकी जागीरों का जो विवेचन दिया है, वह भी कम महत्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड़, कच्छ, वुदेल्खंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है। —श्रीका अभिनन्दन ग्रन्थ, ती. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ, एव पारकर (घाट-<sup>१६</sup>सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और सस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. वाणिज्य, माप-तौल, सिक्के और राजकर<sup>१०</sup> ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१६ घाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढडा, मिठ्ठी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और उमर-कोट के सोढाण खट का नू-भाग) मारवाड राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की मिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्तों से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-प्रवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाट को वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सीमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दुगाण्णो (दुरगाण्णो), फदियो, टको, दोरटो, जनादी, छकट, दाम, ड्यू, सोनइयो, रुपियो, महमूदी, फियोयी (पीरोजी, पेत्रोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयों से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

#### ५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व सतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व सस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और सस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शाकुन-प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन सवधी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

#### ६. पुरातत्व सवधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है, जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मंगळीक, वषामणा, गुळ, सूखडी, वळ, भेट, तलार, वाव, पेतकस, दडवराड, दाण, वहतीवाण, पाधवराड, तुलावट, मळबो, लांचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोभ, पूझी, घोड़ाचारण, ढोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, फोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टांक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि वान्यादि के मापो के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एव पारकर (घाट-<sup>१६</sup>सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. चाणिज्य, माप-तोल, सिक्के और राजकर<sup>१०</sup> ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१६. घाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढडा, मिठ्ठी, छोर, नगरपारकर, नीकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का नू-भाग) मारवाड राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की मिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्तों से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड को वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सोमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दृगांगी (दुरगांगी), कटिया, टको, दोकडो, जनादी, छकट, दाम, छवू, सोनइयो, रुपियो, महूमूदी, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तौल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयो से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

#### ५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व सतुष्टि से युद्धो मे विजय और राज्यों की प्राप्ति व सस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हे अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नो का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मदिरो का निर्माण, मूर्त्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनो के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शाकुन-प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओ ने किस प्रकार इस ख्यात मे दिशाओ और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओ के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनो में दिक्साधन संबन्धी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

#### ६. पुरातत्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरो

---

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है, जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मंगळीक, वधामणा, गुळ, सूखड़ी, वळ, भेट, तलार, वाव, पेशकस, दंडवराड, दाण, वहतीवाण, पाधवराड, तुलावट, मळवो, लाचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोम, पूछी, षोडाचारण, डोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, फोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टाक आदि तौल और मण, मांणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि घान्यादि के मापों के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।



अरहड, अळघरो, आसथान, गैपो, छाहड, पावू, पेथड, वैरड बाहड, सीयक हडवू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं ।

नामो को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है । 'राणो रूपडो', 'राव तीडो' आदि राजाओ के ऊनता-सूचक नामो मे यही भावना काम करती हुई दिखाई पडती है, तुच्छता की बोधक नहीं है ।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रो मे दिखाई पडते हैं । श्रावड, ईहड, गायड, जसमादे, लाछा, हुरड आदि स्त्री नाम; कमघज किराड खेडेचा, चीवा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम, और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूडी, ईकुरडी, किराडू और कूड़ी आदि गाँवो के नाम—एसे सहस्रो नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं ।

मध्यकालीन पुरुष नामो मे, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बन्ध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियो ने अपने नामो का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था । तातारखा, लाडखा, अलखा, महमंद और भाखरखा आदि हिन्दुओ के पचासों मुसलमानो नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना हैं । जबकि क्षत्राणियो ने क्षत्रियो (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है ।

### ११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात मे सैकड़ो सतियो का विवरण उल्लिखित है । इसमें ऐसी अनेक वीरागना और पतिव्रता सतियो का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है । उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं । उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है । वे अवश्य पूजनीय हैं । परंतु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है । मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये विना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था ।<sup>२४</sup> एक पुरुष की उसकी अनेक परिनियों के सिवाय

२४. 'साहरो' से घमकार पाछा गया । ध्यान देनं तो सगरो तोरण नीचं पड़ियो छं । साहरो कसो—'बी, सती हुयो सगरं नू सेनं । सती नू कडो जु बाहिर आवं ज्यु सगरं नू दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था<sup>२५</sup> । कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? वे सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुई कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था । कहाँ वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति-का महगमन किया जाता था । यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये वहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहा-कुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहाँ यह घोर नरमेघ का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारंभ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के वाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय है ।

देवाँ ।' ताहरा वीदणी नू भीतर जाय कहियो । ताहरा वीदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हवँ तो हू सती न हवू । सगरँ नू घोंसनँ नाख देवो ।' पाछँ आयनँ कहियो—'जी, संभँ नहीं ।' ताहरां कहियो—'जी, म्हे एकलँ ही सगरँ नू वाळां ?' तो कही—'म्हे अणसमाही ही सती करी ?' ताहरा कह्यो—'घावो वारँ ।' ताहरां जानी ही सिलह पहरँ छँ, मांडी ही सिलह पहरँ छँ । वेहु हथियार वानँ छँ, सिलह पँहरीजँ छँ । ताहरा वीदणी दीठो अर मा अर वाप नँ कहियो—'हे ठाकुरां-रजपूता ! हू वँर खेतसीह रो छूँ, घर एकली रँ वास्तँ घणा जीव मरँ छँ, तँ हूँ सगरँ साथ वळीस ।' वीदणी बाहिर आयनँ सगरँ साथ वळी ।

—नैणसी रो ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानिया, एक सवास, वारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियों की और एक पातरियों की रसोईदार ब्राह्मणी=कुल २२ स्त्रियाँ साथ में जली थी ।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियाँ, २० दासियाँ, ६ उदविंगनियाँ, २० गायनँ और २ हजूर-बैंगनियाँ=कुल ५७ स्त्रियाँ जलकर मरी थी ।

—नैणसी रो ख्यात, भा ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

## १२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवतसिंह) के विरुद्ध सईया वाकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहंलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण भाषव का, सिवाना के चौहान सांतल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठीड के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलो के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हड़दे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के सबध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी। द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

### ख्यात का प्रस्तुत सस्करण

प्रस्तुत 'नेणसीरी ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयण गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दू। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की सद्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार करली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी हम ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतिया थी। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन श्रवसर पाकर वे हमारी अनेपस्थिति में हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४०७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रों को, 'रतनरासो' और संपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हे वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद वीकानेर में श्री अग्रचंदजी नाहटा के यहाँ अकस्मात् दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियों के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री माघातासिंहजी वीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अतः इस प्रति को देख कर उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। प्रति ने न जाने कहां-कहां की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। हरिरस और ख्यात के पत्रों का आज तक कोई पता नहीं लगा।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भीमसिंहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस में कई महीनों तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो धोखा खाना पड़ा और हानि उठानी पड़ी, इस हरिरस के द्वितीय संस्करण के संबंध में भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादकों के नाम से ये दोनों ग्रंथ प्रकाशित हो गये। वीर सतसई के सम्पादन में और हानि उठाने में श्री सोतारामजी लालस भी साथ में थे।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियों से सब से पुरानी और शुद्ध एवं विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति-ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयों के साथ पुनः सम्पादन किया गया है जिसे सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन त्रुटित पत्रों की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नहीं लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूगा गांव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नों से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नहीं लगी।

इधर मुहणोत श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वंशज मुहणोत सुधराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पडा । बहुत दिनों के बाद स्व० प० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतियें प्राप्त हुई । यद्यपि ये प्रतियां इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थी, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था । एक वहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाडी शिकस्ता लिपि की स्व० प० रामकर्णजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने मे अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमे भिन्न-भिन्न जगहो के दो तीन पत्र त्रुटित थे । इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे । अन्त मे एक बहुत सुन्दर प्रति चि भूपति-राम के अधक प्रयत्नो से कई हाथो मे होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और पाठो को शुद्ध करने एव त्रुटित अक्ष की पूरति करने मे बड़ी सहायता मिली । बीकानेर मे प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठो का मिलान करने मे सहायता ली गई । अनूप सस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबन्ध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी । यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सीहथल के वीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है । अधिकांश प्रतियें इसीकी प्रतिलिपियें मालूम होती हैं, क्योकि उनमे भी वीठू पन्ना का नाम अनेक बातो के अंत में यो का यो उल्लिखित है । प्रस्तुत सस्करण को तैयार करने मे इन सभी प्रतियो के आधार से पाठो का मिलान करने और शुद्ध करने मे बड़ी सहायता मिली ।

मे जब बीकानेर मे था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पघारना हुआ था । उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस काँपी दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राज-स्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी । उनको कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारो भाग पाठको की सेवा में प्रस्तुत हैं ।

समस्त ख्यात-ग्रन्थ तीन भागो में सम्पूर्ण हुआ है । चौथा भाग इस वृहत् ग्रन्थ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है । इसमें चारो भागो की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वंशवितक, भौगोलिक और सास्कृतिक नामो के तीन विभागो के सात उप-विभागो मे इस ख्यात की वृहत् नामानुक्रमणिका पृष्ठाको के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका में १०००० हजार से अधिक नामों का संकलन हुआ है। नामों की इतनी बड़ी संख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थों में शायद ही आसकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद्ध और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओं की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-संज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दों की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियों का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलियों (जो केवल अनूप सस्कृत लाइब्रेरी, वीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग में दिए गए हैं।

ख्यात के इस संस्करण को तैयार करने में मुझे जिन महानुभावों की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम विरस्मरणोय है। इसके प्रकाशन से उनकी आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अंश को पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पंडित विश्वेश्वरनाथजी रेड, महामहाध्यापक स्व. पं. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियों का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अग्रचन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बड़ा भारी आभारी हूँ।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वंश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुधराजजी मुहणोत से 'नैणसी की ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी अन्यो की भाँति निराश ही होना पड़ा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप सस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बड़ा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं ।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है । इनका भी मैं आभारी हूँ ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है ।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय सचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है । और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-सचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर सभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है ।

साकरिया - सदन

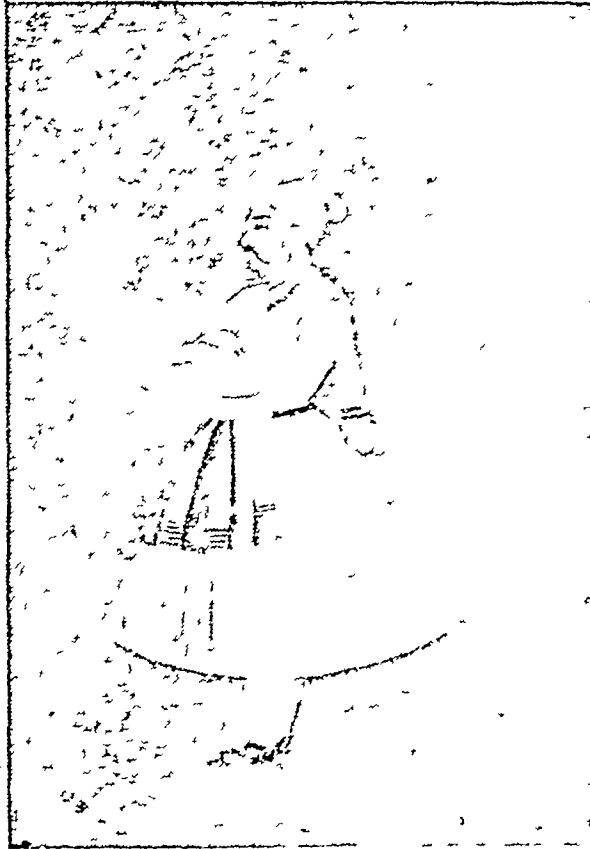
वल्लभ-विद्यानगर

रामनौमि, २०२४ वि.

आं. बबरीप्रसाद साकरिया

मुहता नैणसी री ख्यात, भाग ४ ]

## मुहता नैणसी



[ नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहणोत  
नैणसी की ख्यात' से सधन्यवाद पुनर्मुद्रित ]





## जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान प्रसिद्ध ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण नगर मे गोहिल क्षत्रियो<sup>१</sup> के राज्य को नष्ट कर मारवाड मे राठीड़ राज्य की सर्व प्रथम नीव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पौत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रों मे से सब से बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर मे श्री जिनचद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया<sup>२</sup>।

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को भगाकर राठीड़-राज्य की स्थापना इस नगर मे सर्व प्रथम की। (इसीलिये राठीड़ों की मूल शाखा खेडेवा कहलाई)। गोहिल और डामी आसथान के घातक से भाग कर सौराष्ट्र मे चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। ओझाजी ने लिखा है कि खेड़ या खेडपुर 'क्षौरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर खटरो का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर बचे हैं। बड़े मन्दिर मे श्री रण-छोडराय की वही भव्य और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीऋषभदेव के मन्दिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ मे विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मत के अनुसार मोहणोत शाखा के प्रवर्तक मोहणजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्यातो मे मुहणोत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करने गये। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावडी के पास आकर खटे हुए। इतने मे ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्ध शिवसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को जल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० सं० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम मे उनके द्वारा जैन-धर्म अंगीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' नामक श्रीहजारीमल बाठिया का लेख और 'श्रीसवाल जाति का इतिहास' के 'श्रीसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड मे 'मुहणोत' उपखंड पृ० ४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली।'

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलम्बी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालो में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये ।

ओसवाल जाति में परिवर्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठौड़ वंश से मोहणोतो का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा ।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए । जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थी<sup>३</sup> । महाराजा गजसिंह के समय वि. स. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे<sup>४</sup> । यह बड़े दानी<sup>५</sup> और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे । इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी ।

मुहता जयमल के पाँच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे । इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिंगसर शु. ४ शुक्रवार को

३. माधोदास केसोदासोत भलो रत्नपूत हुयो । सं० १६१४ रावळा थी गांव भवराणी गावा १० सू दीधी हुती । इराश चाकर जमल मुहणोत खानाजगी कीबी जद भवराणी छोड़ सं० १६८८ मोहवतखा रं वसियो । पछे भमरसिधजी रं । पछे राजा जैसिधजी रं वसियो माधोदास ।

—धांकीदास री ख्यात, वात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री भांगीमल एडवोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्बन्ध १६६० दिया है ।

५. जयमलजी का निरुप साधुओं को जलेबी बाँटने का नियम था । जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं को जलेबी मिलनी बंद हो गई । सब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पसटघा परा, दीर्ज किणुर्न दोस ।

जमल जळेधी से गयो, साधा करो संतोस ॥

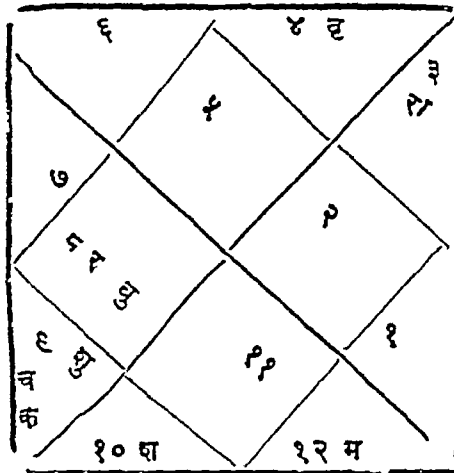
—विद्यमित्र, पूजा दीपावली ग्रंथ, १९६३, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रदासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से ।

धांकीदास ने भी अपनी ख्यात की वात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जमल, जालोर का नाम भी अच्छे दाताओं में गिनाया है ।

हुआ था<sup>६</sup> । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का संचालन किया था । सम्वत् १६६४-६५ में बलोचो से फलोदी की लड़ाई, स १७०० में राडघरा की लड़ाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोकरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कार-वारियों के पहुँचने पर रावल रामचन्द्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवन्तसिंह ने राठीड वीर सैनिकों और नैणसी को सेना देकर भेजा<sup>७</sup> । लड़ाई के पश्चात् राठीडी सेना का पोकरण पर अधिकार हो गया । इधर रावल मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतार्थ सेना भेजकर रावल रामचन्द्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

६. सवत १६६७ मिंगसर सुद ४ वार शुक्र, उ० ४२ । गतांश ६ मु० श्रीनैणसीजी जन्म



—हमारे निज के संग्रह 'विगत' में से श्री मदनराज दीलतराम मेहता, जोधपुर के संग्रह में — 'संवत् १७६२ रा मित्ती असाठ सुद ६ मुहणोत अमरसिधजी री पोयी सू' ।

७ स० १७०६ रा असाठ वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण मार्य विदा कीवी । राठीड गोपालदास सुदरदासोत मेड़तियो १, राठीड वीठळदास सुदरदासोत मेड़तियो २, वीठळदास गोपालदासोत चापो ३, नारखान राजसिधोत कूपो ४, भडारी जगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंगवी प्रताप ७ ।

—वांकीदास री व्याप्त, घाठ स० ३२१

सम्बत् १७१४ मे महाराजा जसवतसिंह ने नैणसी की सेवाश्री से प्रसन्न होकर मिया फरासतखा की जगह इन्हे अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया। स १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया।

महाराजा जसवतसिंह को श्रीरगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था। उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था। राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हे गाव वखिश कर देने तक का अधिकार था। महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति मे महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था<sup>८</sup>।

कहा जाता है कि बाद में महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे<sup>९</sup>।

८ दीवानगी के काम मे नैणसी कितना विश्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

‘सिधश्री महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवतसिधजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसे सुप्रसाद वांचिजो। अठारा समंचार भला छै। थाहरा देजो। लोक, महाजन रेत रो दिलासा कीजो। कोई किय ही सौं जोर ज्यादती करण न पावै। काठी-कोर्रा रो जापतो कीजो। कवर रँ डील रा पाणो रा जतन करावजो।

परबदास थाहरी जोधपुर सू फेरु आई। हकीकत मालूम करी। थे अगनाथ लवमोदासोत नू पटो दियो गाव ३ सु भलो कीनो।

—ओसवाल जाति का इतिहास : ‘राजनैतिक और सैनिक महत्त्व’ खंड, पृ० ४६.

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची। कोई ऐसी राजनैतिक दौध-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मौत का कारण बनना पड़े। श्री हजारोमल वांठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख मे लिखा है कि—

‘जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिफ्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे। और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों बधुओं को माघ वदि ९ (ता० २९ दिसंबर) को कैद कर दिया।’

श्री अणवरुद नाहुटा ने ‘वरदा’ वर्ष ३ अंक १ मे ‘अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह जीयायत की ऐतिहासिक बात’ में लिखा है कि—

‘महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्याचार हासल (फ्रिड-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र पने जाना और त्रिमगे गांवों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवतसिंह छत्रपति शिवाजी को दवाने के लिये औरंगजेव की

लाख रुपयों की हानि होना बताया है। इन अठारह लाख रुपयों को नैणसी से दंड के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा कर दी। नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने को तैयार नहीं था। उसने तो एक पाई भी खाई नहीं थी। तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दंड तो माफ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को दीवानगोरी से हटाकर उसकी जगह मिनै भंडारी को रख दिया और यह आज्ञा कर दी कि भविष्य में मेरी कोई भी संतान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगी; ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं।'

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विशेषांक, १९६३ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था। गर्व का परिणाम मजाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जंगली सिंह की लड़ाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा। प्रोग्राम बनाया गया। कुश्ती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर को चौर ढाखा। इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की घोहरत और भी अधिक फ़ैल गई। लेकिन औरंगजेव को बड़ी बेचैनी और ईर्ष्या हुई। पृथ्वीसिंह की इस वीरता के संबंध में कवियों ने बहुत कुछ कहा है। पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे। अतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों में खटकने लगे। नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ जाल बिछाना शुरू किया।

(२) एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवतसिंह भी आये। दावत की तैयारी और अद्भुतता महाराजा और औरंगजेव के दरबारी देख कर दंग रह गये। औरंगजेव के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा। उन्होंने महाराजा के कान भरे। महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में मांग की। नैणसी ने उस लाख रुपये की मांग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सेवाओं पर पानी फिराने वाला समझा। उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखारौं नीपजै, छट पीपळ री साख ।

नटियो मूतो नैणसी, तांवा देण तलाक ॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम मांग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया। उसी समय औरंगजेव ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया। युवराज पद के उत्सव के समय औरंगजेव ने

आज्ञा से औरगावाद के धाने में नियत थे तब वि. स. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ औरगावाद में गये हुए थे, वहाँ इन दोनों को कैद कर दिया और स. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुँचने के पहले मार्ग में फूलमरी गाव के पास वि. स. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी\* ।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख लखारों नीपज, बड़ पीपल री साख ।  
नटियो मूतो नैणसी, ताबो वेण तलाक\*\* ॥

पृथ्वीसिंह को विशेष प्रकार की पोशाक पहनाई जिनके पहिने ही पृथ्वीराज का काम समाप्त हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह को भी काबुल में मृत्यु हो गई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड़ को औरगजेव के हाथों से बचाया।

१०. देसिये रागनारायण दूगढ़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड के घोसवाल द्वारा लिखित मुहणोत नैणसी का वधा-परिचय' पृ० ३। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' लेखक श्री हजारीमल बाँठिया, पृ० २७६ और 'घोसवाल जाति का इतिहास' के 'घोसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड के 'मुहणोत' उपगंत।

११. दोहे का भावार्थ इस प्रकार है—

'लाख लखारों के यहाँ मिलती है या बट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को सबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—वहाडो जितरं देव, वहाडे विन नहीं देव हे ।

सुर नर करता सेव, (अव) नैण न आवे नैणसी ॥

सुदरसी—नर रं नर आवे नहीं, आवे घन रं पास ।

सो विन आज पिछाणिये कहवें सुदरवास ॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे । इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं । यहां ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है । गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके वंदी-जीवन के समय की ही होगी<sup>१२</sup> ।

### गीत जाती गोरव मेहता नैणसीजो रो कहर्यो

सदा श्रीनाथ जिण नाम असरण-सरण, तारिया गयव जळ माझ तारण-तरण ।

हाय मत छोटियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण ॥१॥

जास घी आस जीवत सगळो जगत, प्रघी आकास पाताळ माभी प्रवत ।

थिरपियो अटळ धूमडळ देखो यिकत, तो वीनपत वीनपत वीनपत वीनपत ॥२॥

मार मघ कोट पहळाव जीतो समर, काज पहळाव हिरणंखि गर्जे गहर ।

वड घळ जीपवा घोर-घोराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर संखधर ॥३॥

कूट ससार विख सिधु भरियो कहर, लोभ घी लहर अजाव सुकृत लहर ।

नयणसी भज सोड नाथ करिघा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि ॥४॥

करुणा से श्रोत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव में वंदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं । इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया । एक पैसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है ।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसो पीपळ लाख, लाख लखारां लाबसो ।

सांबो देण तलाक, नटिया सुदर नैणसी ॥

१२ यह गीत राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी, जोधपुर के श्री सीभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है । लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है-।



पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे ।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में बंदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागौर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था<sup>१३</sup> । इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था । बाल-बच्चे और कबीले को कैद में डाल देना किसी अवांछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है । चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असत्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को सतोष नहीं करा सकी होंगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके । और उनके बाल-बच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीमरे व्यक्त से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया ।

किन्तु ओझ'जी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया । दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है<sup>१४</sup> ।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है । नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाहमेर के कामदार कमा की बेटी कमळा (?)

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बांकीदास री ख्यात', वात सं० २१०६ (पृ० १७४) —

'नागौर री सुराणें सहदेव सुहृदमसोत्त साधु रुपिया आपरा घर सू राज के भर मुहणोंत नैणसी सुंदरदास रा छोरे कधीला कैद सू कढाया ।'

१४ इच्छय, रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोंत नैणसी की ख्यात' द्वितीय खण्ड श्री प्रोफ़ेसरी द्वारा विदित 'मुहणोंत नैणसी का वध-परिचय' पृ० ३ ।

से हुई थी। उस समय के राजाओं और दीवानों के रिवाज के अनुसार इन्होंने भी अपने प्रतिनिधि के रूप में अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वयं वरात बनाकर विवाह करने को नहीं गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुलहिन की बजाय मूसल को भेज कर खड्ग की वरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने वाडमेर पर आक्रमण कर दिया और जूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। वाडमेर उजड़ गया<sup>१५</sup>।

नैणसी कलम और तलवार दोनों के धनी थे। उन्होंने एक ओर एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओं और युद्धों में सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओं और तथ्यों का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड़ रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-सग्रह) जैसे बृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थों को लिख कर इतिहासकार के रूप में इतिहास और साहित्य दोनों क्षेत्रों में बड़ी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशंसा ही नहीं करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थों से अधिक विश्वस्त और महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रन्थों में इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड़ रा परगना री विगत'<sup>१६</sup> (सर्व-सग्रह) भी प्रायः स्यात जितना ही बड़ा ग्रन्थ है। यह मारवाड़ राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजेटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नहीं हुआ। इसमें उन्होंने मारवाड़ के सभी परगने, परगनों के गाँव, गाँवों की ग्रामदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

१५. मुहणोत नैणसी जाळोर ग्रामल जद वाडमेर रो कामदार कुमो जिरारी वेटी रो सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खाडो वाडमेर मेलियो। कमी मूसळ खडग सामो मेलियो। डावडी और ठं परणायी। जिण कारण सू नैणसी वाडमेर हदवाट मेलियो। ('दहवाट मेळियो' होना चाहिये)। वाडमेर प्रोळ रै कगार रै काठरा किवाड हुता जिके आण जाळोर गढ री पोळ चढाया।  
सायद— 'वाहडमेर जुगां लग डूबो कमळा तणी कमाई।'

—वाकीदास री ख्यात : वात स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस बृहत् ग्रन्थ का सम्पादन राजस्थानी षोष-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलो का हाल, तालाव, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवो के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आवादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।<sup>१७</sup>

नैणसी के भाई सुदरसी और आसकरण<sup>१८</sup> भी बड़े वीर हुए हैं। सुदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (स० १७११ से स० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लडाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भडारी नारायणदास की

१७ "... . मध्ययुग में मुग़ल नैणसी के द्वारा इस प्रथा (महुँमशुमारी) का आविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पञ्चवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसको हस्तलिपि आपके वंशज जोधपुर निवासी श्री बृध्दराजजी मुग़ल के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाह के परगने, ग्राम, ग्रामों की ग्रामदानी, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाव, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है। .....संवत् १७२१ में सोवाणा की महुँमशुमारी हुई.....महाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुनार १०, कुम्हार २, भोजग ४ सुतार ४, तुर्क ४०, पिजारा १, छोपे २, नाई १, डेह १६, धोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आवाद थे। .....संवत् १७२१ में जोधपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं। ..... संवत् १७२१ में प्रायः कृष्णपक्ष दशमी की परगनों की महुँमशुमारी की गई। ..—

नाम परगना	कुल ग्राम	आवाद	धोरान	सासन
१ जोधपुर परगना	११६७	८०२३	२२०३	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७६	३२	३३
३ जैतारण परगना	१५२	१०५	२६	१८
४. फनीधी परगना	६८	४६	१०	६
५. मेहता परगना	३८४	२६८	४०	४५
६. सोवाणा परगना	१४४	६४	२०	३०
७ पोकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८	३७६	२६५

..... आपकी हस्तलिखित पञ्चवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाह में मजदूर करने वाली मूकम से मूकम धातों का भी विवेचन किया है। वह रिपोर्ट यथा है, तत्कालीन मारवाह का जीता-जागता चित्र है।"

—प्रोफेसर जाति का इतिहास : 'मुग़ल नैणसी और महुँमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०  
१८ 'प्रोफेसर मिन्नी हिस्ट्री आफ मोहनोरा' में उद्धरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेब के साथ महाराजा जसवंतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई में वह बड़ी वीरता से लड़ कर घायल हो गया था<sup>१६</sup>।

नैणसी और सुदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुदरसी के पुत्रों आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नहीं समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागौर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहाँ भी इनका पीछा नहीं छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहाँ रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवकों ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना स. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र सग्रामसी और सामतसी वहाँ से भाग कर किशनगढ़ आ गये और वहाँ से बीकानेर जा बसे<sup>२०</sup>। लेकिन महाराजा जसवंतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होंने सग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओं में नियुक्त कर दिया<sup>२१</sup>।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजों और वंशजों ने अनेक सघर्ष और सकटों को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओं के बदले में इन्हें समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलियाँ, पद, उपाधियाँ, खास रुक्के और रिआयतें इनायत होती रही हैं<sup>२२</sup> और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग में उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१६ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(आ) चोरनारायण का युद्ध ही सभवतः घमंत का प्रसिद्ध युद्ध है। मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३६८, प० रामकर्म आसोपा ने घमंतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड़ की ख्याती में चोरनारायण नाम लिखा है और कोई फतिया-बाद बतलाते हैं।

२०. श्री ओझाजी, 'मुहता नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० ३-४  
२१-२२. उपरोक्त और 'ब्रीफ फॅमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित)

सम्मानों को प्राप्त करने का कारण इनकी बेफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहणोत परिवार के पट्टे-परवानो आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ब्रोफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरमी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से ज़रूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।



[ १ ]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सभ्नि दळां कीष नैसणसी सुंदर ,  
दळे वडा-वड मांभी दीय ।  
किरमर-हथा न पूजै कळहर ,  
कलम-हथा नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग माणग जैमलका ,  
मुणसां गुर-सदतारा मीढ ।  
ईढ नको असमर-भल आवै ,  
आवै लेखण-भला न ईढ ॥२॥

भीच विनै राजेरा भारी ,  
गहण उधारी घड़ ग्रहै ।  
जोड नको विणियांणी-जाया ,  
रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[ २ ]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

विषेय कवी

सभ्नि दळां कीष नैणसी सुंदर ,  
लाखां जिसा कहै जुग लोय ।  
जैणणी हेकण किणी न जाया ,  
दीय वांघव सारीसा दीय ॥१॥

बीजो नको बीकपुर वूदी ,  
ढाल-उथाळ नको ढूढाड ।  
जैमल-रां सारीसा जोड़ो ,  
मारू नको, नको मेवाड़ ॥२॥

मेवासियां आसिया माथै ,  
जैत्राई कसिया जरद ।  
तढमल नको हिदवै तुरके ,  
मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाघ काछ घर उत्तर ,  
 सह पूरव जीवतां सहोघ ।  
 दूजी घरा न दीठा दूजा ,  
 जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[ ३ ]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गडावोड गजराज घंट-रोळ पाखर गरर ,  
 भँवरपत चमर छत्र आप भावी ।  
 मारिया महण फोजां पखँ महपती ,  
 आवसँ चीत गज फोज आवी ॥१॥  
 सोह दरवार री (दरवारी) दानि क्रन सरीखा,  
 लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा ।  
 मालहरा विनँ चीतारसी मुरघरा ,  
 आवती घीम नै हूत आडा ॥२॥

जन मत्री लालच वँधै गाजिया ,  
 घणा दिन लगे चित घाट घडसी ।  
 घगड घड भाजण मडोवर से-घणी ,  
 चरड अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविध घड भाजण जोघ जेमलतरा ,  
 साइयरँ वाग गैणाग सारे ।  
 कायथां वाभणा तरा कहियो करे ,  
 मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वणियो इसो आज छक ,  
 श्रीरग तोट पड श्रोतडँ ऊर ।  
 महाराजा जैसा इसा क्युं मारिजं ,  
 मूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत श्री कवित्त घटे महत्व के हैं । इन गीतों से नैणसी की चोरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का उपासन करने, युद्धों में सटने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है । इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं ।

[ ४ ]

## कवत मुहणोत नैणसीजी रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,  
 ओनीदो ऊठियो वडा रावता सभूलो ।  
 पोहतो तीजी फाळ अजड हाथळ तोलतो ,  
 मेछ दळा मूगला घात सीकार रमतो ।  
 मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळ ,  
 गडडियो सोह जेमाल रो, नैणसीह भरियो नळ ॥१॥  
 दाण भरै घरहरै भावा वाका अस मिलसी ,  
 मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळी गिलस ।  
 किरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,  
 वूव करै वीवजी भजो वे भजो भाई ।  
 पचनद परै अनहद वजै, असुरापण गमसी अलंग ,  
 नैणसी कसै जेमाल रो, पिछम घर ऊपर पमंग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवर्तसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रथो के लेखक के रूप में तथा 'नटिया मूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और श्रीनाथजी (श्रीवालकृष्ण) के भक्त थे। उनके स्वयं के रचे हुए वंदी-जीवन के कर्णधारण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है। उपरोक्त गीतों में 'जोड नको धिणियाणी-जाया, राणी-जाया उरै रहै' के विरुद्ध वाला नैणसी एक और 'किरमर-हथा, असमर-भल, मछर-गुर, उधारी-घड-गहण और सुरवर-आभरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम-हथा, लेखण-भल, जाणग, माणग और गुर-सदतारा' यदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक, बहुज्ञ, बहुतश्रुत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दासतारों का गुह है। इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था। 'जणणी हेकण किणी न जाया, दोय वांभव सारीसा दोय' नैणसी का भाई सुंदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खडगावत, डाइरेक्टर, राजस्थान स्टेट आर्काइवज, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूँ। सूचना के लिये श्री सीमाग्य-सिंहजी खोखावत का आभारी हूँ।

नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेम-कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अतः यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं।—मा. बदरीप्रसाद साकरिया

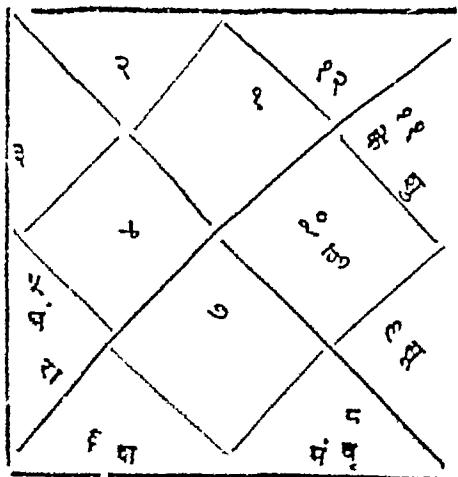


## महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. स. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रन्थ और ख्यात-लेखक मुहंता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊचे-नीचे और पारस्परिक सबध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी, परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य हैं। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलो का इतना गहरा सबध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन सबधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके सबध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके सबध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागौर की जागीरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ भाद्र वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था।<sup>१</sup> बादशाह शाहजहा ने वि. स. १६९५ की आषाढ कृ० ७ शुक्रवार

१. प० रामकरणं आसोपा द्वारा लिखित 'मारवाड का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० ३८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—



मु हता नैणसी री ख्यात, भाग ४ ]



जोधपुर महाराजा जसवर्तसिंह - प्रथम

( वि० स० १६८३ - १७३२ )

[ राजस्थानी शोष सम्यान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त ]



को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड़ आये तो राड़घरा (राष्ट्रघरा) के महेशदास के उत्पातो को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राड़घरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेह्वे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मंदिर इन्हीं महाराजा ने स. १७०८ में बनवाया था।

स. १७०६ में महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चौर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह की ओर से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

सं १७१४ में प्रसिद्ध धर्मत (चोरनारायण) में महाराजा जसवतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरगजेव का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

सं १७२५ में महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शभाजी और शाहजादा में संधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सुंदरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) वदी जीवन से मुक्त हुए थे।

स. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धधुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे।

स. १७२८ में जब औरगजेव ने गोवर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मंदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाईं दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हें चौपासनी के पास कदमखडी में रहने को स्थान दिया था।

स १७३५ की पौष वदि १० को जमरूद में महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा संस्कृत, ब्रज और मारवाडी के बड़े विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पंडित थे। इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की है। जिनमें आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पाचो ग्रथ वेदान्त के हैं। आनद-विलास सस्कृत रचना है। भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है।

जोधपुर के अनार इन्ही महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं। इन्होंने काबुल से अनार, मिट्टी और वागवानो को लाकर कागा के बाग में अनारो के पेड़ो का रोपण करवाया था। कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नीबूओ का बीज भी इन्ही महाराजा ने कही से मगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे। जगतसिंह, दलथभन और अजीतसिंह। जगतसिंह भी दस वर्ष की उमर में ही चल बसा। दलथभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानिया जमरूद से दिल्ली आ रही थी लाहोर में एक ही दिन में स. १७३५ की चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे। दलथभन भी रास्ते में ही चल बसा। दिल्ली आने पर औरगजेव ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियो को नजरबंद कर दिया था और मारवाड पर बादशाही हुकूमत जमा दी थी। बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरगजेव की कंद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था। मारवाड को बादशाही हुकूमत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के सचालन में मारवाड के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक सघर्षों का सामना करना पडा था। स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं।

—आ० बदरीप्रसाद साकरिया

# सुहृत्ता नैषासीरी ख्यात

## परिशिष्ट १

### तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

- (१) वैयक्तिक (जीवमारी) - पुरुष, स्त्री व पशुनामावली
- (२) भौगोलिक - ग्राम, देग, पर्वत, जलाशयादि नामावली
- (३) सांस्कृतिक - ग्रन्थ, नस्वा, देवी, देवतादि नामावली



### १ संकेत परिचय-

- प० पहला भाग  
दू० दूसरा भाग  
ती० तीसरा भाग  
दे० देवता

### २ कुछ वर्णों के सम्बन्ध में-

- (१) ल और ल वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार
- (२) उ और उ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है।
- (३) ल वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता।
- (४) शब्द के मध्य और अंत में ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ल हो जाता है। कई जगहों में अपने सही रूप में भी उच्चारण किया जाता है, किन्तु वहाँ अर्थान्तर हो जाता है।
- (५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी में प्रायः ओकारान्त होते हैं।

# [१] पुरुष नामावली



अ

अगराज प २८८  
 अंतरिख ती १७६  
 अतरिख्य प. २८६  
 अघक हू ३  
 अघपसाव राघळ प १२  
 अघराय प ११६  
 अघराव प १३५  
 अघरीय प ७८, २८८  
 अघादित्य प १०  
 अघापसाव प ५, ७६  
 अघाप्रसाद प ५  
 अघुदेव राजा ती १८६  
 अघोपसा राघळ प. ७६  
 अघुमान ती १७८, २८८  
 अघमान प. २८८  
 अघुमान प ७८  
 अघर पातसाह प २१, ३०, ३२, ३६,  
 १११, १५०, २५५, २६२, २६७,  
 २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०४,  
 ३१२, ३२०, ३२५, ३३१  
 ,, पातसाह हू ६८, २०५, २३८,  
 २८०, २४२  
 ,, पातसाह ती २८, ५७, १८३,  
 १८२, २०६, २३८, २८०, २४८,  
 २६६, २६७, २७२, २७४, २७५,  
 २७६  
 अघो बेलजोत हू ३, १४३  
 अघो घापसाव हू ३३६, ३८०  
 अघो राघ हू ११६

अकतासु प २८७  
 अखैराज प २३५, ३५३, ३५४  
 ,, हू. १२४, १६८, २००  
 ,, ती २३४  
 अखैराज ईसरदासोत हू १६२  
 अखैराज जैता रो प. ३५३  
 अखैराज झालो हू २६३  
 अखैराज ठाकुरसी रो प. ३६०  
 अखैराज डूगरसी रो प १२०, १२१  
 अखैराज दलपतोत हू १२८, १३१,  
 १३२, १४४  
 अखैराज घीरावत प २३७  
 अखैराज पातळोत हू १६४  
 अखैराज प्रथीराजोत हू. १२३  
 अखैराज भगवानदास रो प ३०२, ३१०  
 अखैराज भावावत ती ११६, १२०, १२१  
 अखैराज मेरावत हू १८७  
 अखैराज रतनसी रो प ३२७  
 अखैराज राघपाळोत हू. १५२  
 अखैराज राघ प १५५, १५६, १५७,  
 १५८, १५९  
 अखैराज राघ जगमाल रो प. १३५,  
 १३७, १६१, १८६, १६०  
 अखैराज राघत कल्याणदे राजा रो प  
 २६५, २६६  
 अखैराज राघ राजमिघ रो प १३६,  
 १६६, १६०  
 अखैराज राघळ प ३३५  
 ,, ,, हू १०६  
 अखैराज सहसा रो हू १२०  
 अखैराज साह प ६६

अखैराज सोनगरो प. २० २१, २८,  
 २०७, २०८  
 ,, सोनगरो ती ३१, ६५, १००  
 अखैराज हाडी प १०६  
 अखैसिध प ३२२  
 ,, ती २३०  
 अखैसिध रावळ प १०६  
 ,, ,, ती. ३६, २२०  
 अखो हू ७७, ७८, ६५  
 अखो गागा रो प ३६३  
 अखो दयाळदास रो प २३१  
 अखो नेतसी रो प २४०  
 अखो भांग रो प. ३४१  
 अखो राम रो प ३५८  
 अखो राधापळ रो प ३४१  
 अग्र प २२, २५  
 अग्रसिध प ३००  
 अग्रस्त प. १२२  
 अग्निधरण प ७८  
 अग्निधरण प २८८  
 अग्निधरण प ७८  
 ,, ती. १७६  
 अग्नि सर्मा प. ६  
 अचल प ७८  
 अचळदाम प ६७, ११५, १६५, २१२,  
 ३२०  
 अचळदास हू ६६, १६१, १६२  
 ,, ती. २३१  
 अचळदाम किसनावत हू १२५  
 अचळदास केसवदास रो प ३१३, ३१५  
 अचळदास खीची ती. १३५  
 अचळदास जगमालोत हू १२१  
 अचळदास जेतसिधोत ती २०५  
 अचळदास प्रागदासोत प. २३६  
 अचळदास वळभद्रोत प ३०७  
 अचळदास भाटी हू ६५, १०६, १७४  
 १६२

अचळदास माघोदासोत हू १४६  
 अचळदास रुधनाथ रो हू ११६  
 अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०  
 अचळदास विष्णुमादीश्रोत हू १३०  
 अचळदास सावत श्रोत प. २३४  
 अचळसिध प. ३००, ३२४  
 अचळो प २७, ६८, ७८  
 ,, हू ८५, १६८, १७८, १८२,  
 १६७  
 अचळो खेतसी रो प ३६०  
 अचळो नेतसी रो प. २४०  
 अचळो भैरुदासोत हू १८१  
 अचळो रायमलोत ती ११६, २४६,  
 २४८  
 अचळो रिणमलोत हू. १२, १४१  
 अचळो सिधराजोत हू. १८०  
 अचळो सुरतांग रो हू १०४, १५६  
 अचळो सेखा रो प ३२६  
 अज प. ७८, २८८, २६२  
 ,, ती. १७८  
 अजवसिध प. २७, ६६, ८७, ३०५,  
 ३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८  
 अजवसिध ती. २२४  
 अजवसिध करणसिधोत ती २०८  
 अजवसिध त्रिन्दावन रो प. ३०६, ३०७,  
 ३०८, ३१०  
 अजवो हू ६६  
 अजमखान नवाब हू २०५  
 अजमल चूडावत हू, ३१०  
 अजयपाल चक्रवर्ती प २६२  
 अजयभूपाल राणो ती. १७५  
 अजयवार दे० अजवाराह।  
 अजघार दे० अजवाराह।  
 अजवाराह ती २१६  
 अजसिध प ३२२, ३२४  
 अज सीहोजी रो ती. २६  
 अजादित्य प. १०



अजीत मोहिल ती १५८, १५९, १६०,  
 १६७  
 अजीतसिध महाराजा ती २१३  
 अजीत हाडो मालदे त ती २१६  
 अजु रावळ प. ७८  
 अजू हू ३८, १०७  
 अर्जुचद ती १८०  
 अर्जुदेव प २६१  
 अर्जुपाळ प. २६१, २८०, २६२  
 अर्जुपाळ गध्रपसेन रो प ३३८  
 अर्जुपाळ चकर्व प २६२  
 अर्जुवध प २६२  
 अर्जुराव प २५१  
 अर्जुवाह प. १२३  
 अर्जुसी प १४, १५, १६३, १६४  
 अर्जुसी अर्जुपाळ रो प ३३८  
 अर्जो प ५१  
 ,, हू ७७, ८०, १००, ११७  
 अर्जो किसनावत हू. १४४  
 अर्जो चूटावत ती ३१  
 अर्जो (जाम) हू २०४, २४०  
 अर्जो प्रथीराव रो प २४३  
 अर्जो राजा रो हू २६२  
 अर्जो सांवतसीमोत प २३५  
 अर्देरणा हू १, ११, १७  
 अर्माळ ती १३८  
 अर्मान रिणमलोत हू ३३८  
 अर्दराज ती ४९  
 अर्दवाळ प ३६१, ३६२  
 अर्दवाळ घोहळ प २२५  
 अर्दवाळ सोटो प ३६१, ३६२  
 अर्द प १६  
 अर्द हू १४३  
 अर्दसिध प ३१९  
 अर्दसिध ती २२६, २३०  
 अर्दसिध अर्दोपसिधोत ती. २०८  
 अर्दसिधो राजो रायनी रो प. ३४६, ३५२

अर्णघो हू. १०.  
 अर्णतसिध ती २२९  
 अर्णदो राव प २८१  
 अर्णपाल भाणव हू ५८  
 अर्णहल प १०१, १३५, १७२, २३०,  
 २५०, २५८  
 अर्तर प १२३  
 अर्तिय प ७८  
 अर्तिया ती १७८  
 अर्तिरथ प २८८  
 अर्त्रि हू ९  
 अर्दू प १६  
 अर्दो वाघेलो प १३७  
 अर्नगपाल ती १८७, २३८  
 अर्नगराव प १०१  
 अर्नतपाळ प २८९  
 ,, ती १८७  
 अर्नतसी प १४  
 अर्नदराज प. ७८  
 अर्नरण्य ती. १७८  
 अर्नळ सोची प. २६४  
 अर्नादि प २६१  
 अर्नाभि प ७८  
 अर्नियो (अर्नो) भाटी हू ५८  
 अर्निरुद्ध (अर्नुसध) हू ९  
 अर्निरुद्ध गोड प ३३०  
 अर्निरुध प २१२  
 अर्नुसध हू १५  
 अर्नुसध राजा गोड प ३३०  
 अर्नुपराम प. ३०८  
 अर्नुपसिध प ३०९  
 अर्नुपसिध जुभारसिध रो प २६८, ३१०  
 अर्नुपसिध महाराजा ती ३२, १७७,  
 १८०, १८१, २०८ २०९  
 अर्नुपसिध सूरसिध रो प ३२२  
 अर्नेकसाह ती. १८६  
 अर्नेकसिध राजा ती १८६

अनेना प २८७  
 ,, ती. १७७  
 अनेरण प ७८  
 अनोपसिध प १३३, ३०६, ३२४  
 ,, ती २२३, २३६  
 अपर डोडियो दू २०५  
 अवडुला खा प १३१  
 अवडुलो प ५६, ५७, ५८  
 अवावकर सुलताण ती १६१  
 अडुल फजल प १३०  
 अभंगमसेन प ७८  
 अभग सेन प. ७८  
 अभीहड प. ३५२  
 अभेकरन प. ३०१  
 अभेचद ती १८०  
 अभेमल पिथो रो ती १६०  
 अभैराम प ३०७, ३१०, ३२३  
 अभैराम ती. २०८  
 अभैराम अखैराज रो प ३०२  
 अभैराज घुघमार रो ती २१८  
 अभैसिध ती २३३  
 अभैसिध भाटी दू ११०  
 अभो ऊदावत दू १४१  
 अभो नेतमी रो प. २४०  
 अभो भोजा रो प ३५४  
 अभो साखलो दू १८१  
 अभो सेखा रो प ३२७  
 अमर प ३४३  
 अमर जाडेचो दू २०६  
 अमर तेज प. २६२  
 अमरभाण प ३२४  
 अमरवण प २८६  
 अमरसिध प १६०, ३२२, ३२४  
 ,, दू. १६१  
 ,, ती ३६, ३७, २२३, २२४,  
 २२८, २३३, २३५, २३६  
 अमरसिध अणदसिधोत ती २०८

अमरसिध करणसिधोत ती २०८  
 अमरसिधजी दू १४६, १५७, १६०,  
 १६३, १६५, १६७, १६८, १६९,  
 १८३, १८८, १९३  
 अमरसिधजी कुवर प. २०६, २३८, २४०  
 अमरसिध राणो प ६, १५, २४, २८,  
 २९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६, ५७,  
 ५९, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५  
 अमरसिध रामदास रो प ३०३  
 अमरसिध राजा प १३३  
 अमरसिध राजावत ती ३५  
 अमरसिध राव ती १८२, २१४  
 अमरसिध रावळ दू ६३, ६५, १०८,  
 १०९  
 अमरसिध सवळसिधोत ती ३५, २२०  
 अमरसिध हरिसिधोत ती २४६  
 अमरसी रावळ प. ७६  
 अमरसी सोमावत प ३४१  
 अमर सीहड रो प. ३४३  
 अमरो प ६८, १५७, १५९, १६४,  
 १६६, १६७, १७२, १७३, १६५,  
 १६७, २१२  
 अमरो दू. ३८, ८८, ६२, १२२, १७५,  
 १७७  
 अमरो अहीर प. ३१८, ३१९  
 अमरो कल्याणमलोत ती २०६  
 अमरो केंतोडासोत दू १६८  
 अमरो खगारोत प ३०६  
 अमरो पिराण रो प २३८  
 अमरो भांगोत दू १८६  
 अमरो भाखर रो दू. ७६, १६६, १६८  
 अमरो भोजावत प ३५६  
 अमरो रतनावत दू १६३  
 अमरो राणो दे० अमरसिध राणो ।  
 अमरो राणो भालो दू. २५७, २६४  
 अमरो रूपसी-भाटी दू १६८  
 अमरो सोढो प ३६१

अमीरान पठाण हू २०५, २४०, २४१  
 अमीपाळ प. २८६  
 अमीरमान दे० अमीरान पठाण ।  
 अमृतपाल ती १८८  
 अनेदासिध ती २३०  
 अमर्षण प २८६  
 अमर्षण ती १८६  
 अमृतायु ती १७८  
 अरजन रायमलोत ती ११५, ११६  
 अरजन प २७, ३०, १६६, १६८,  
 १६०, २६१, २८०  
 अरजन हू ११, ८८, १३१  
 अरजनदे प २६१  
 अरजनदेव ती ५१  
 अरजन भीव रो प ३३५  
 अरजन राणो मोहिल ती १५३, १६६  
 अरजन, राय मालदे रो बोहीती हू ६८  
 अरजनसिध प. ३२२  
 अरजुण मूरमिघोत ती २०८  
 अरजुन पाडव हू ३५, ३६  
 अरटकमल प २०५  
 अरटकमल कापळोत ती १५  
 अरटकमल च्छावत प ३४८, ३४९  
 " " हू ३१२, ३२४,  
 ३२६, ३२७, ३२८  
 अरटकमल च्छावत ती ३०  
 अरघविष व १, ६  
 ,, ती ३७  
 अरमी प २२५  
 अरमी राणो प १५, १५, ३२, ६८  
 अरमी रायळ प ७६  
 अरमीह ममरमी रो प २०३  
 अरराउ रायळ प ७६  
 अरनिमदत प. ७८  
 अरमद ती १७८  
 अरगोट भागप हू १७  
 अरं ती १७६

अर्जुन दे० अरजन व अरजुन  
 अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०  
 अर्जुनपाळ राजा प १२८  
 अर्जुनसिध ती. २२८, २२६, २३०  
 अर्द्धचित्र वे अरघविष  
 अर्घसोम ती १८५  
 अर्धुव हू ३  
 अरहयो हू. २१५  
 अरलावा प ३२७  
 अरलखो चादण रो प. ३१५  
 अरण प २४७  
 अरळघरो काकिल रो प. २६४, ३३२  
 अरलफला ती २७४  
 अरलमलां दे अरलफलां  
 अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३,  
 २३०, २३१, २६२, २७६  
 अलाउद्दीन दे अलावदीन पातसाह  
 अलावदी प १४, २१३, २१६, २२०,  
 ३३२, ३३५  
 अलावदीन पातसाह ती २८, ५०, ५३,  
 १८३, १८४, २६३  
 अलावदीन मुलताण ती १६०, १६१  
 अलावरदीखा ती २७७  
 अलीलां हू १०३  
 अलु प ४, ५  
 अलंदियो हू २०६  
 अल्लट महेन्द्र हू ४  
 अवतारदे छीमरा रो प ३५५, ३६१  
 अवलफजल प १३०  
 अवयमेघ राजा ती १८५  
 अमकरी कामरा प. ३००  
 असमज प ७८, २८८, २६२  
 असमजन ती १७८  
 अहमद प. २६२  
 ,, ती. १७, १८. ५७  
 अहमदगान ती. ५३  
 अहमद चाहिल ती १७

अहमदशाह सुलतांग ती १६१  
 अहिजन दू ७५, ७८  
 अहिनघु प ७८  
 अहिनाग प. २८८  
 अहियव ती १८७  
 अहिराव ती २१८  
 अहीन ती १७६  
 आ  
 आनो खीची प २५३, २५४, २५५  
 आनो वाघेलो ती ५६, ६०, ६३, ६८,  
 ६९, ७०, ७२  
 आवा मालावत दू १७७  
 आवो राजसी रो, राणो प ३४६  
 आईदांन दू ६६, २००  
 ,, ती. २२७, २३३  
 आईदांन ईसरदासोत दू. १५१  
 आकडराय ती ५१  
 आकूतखां ती. २७६, २७६  
 आजमखां दू २५६  
 आजमखांन दू. २४०, २४१  
 आटेरण दू १७  
 आणंद प ३५२  
 ,, दू ६५  
 आणदचद ती १८७  
 आणव जेसावत दू १७८  
 आणवसिध प २६६, ३०७, ३१८, ३१९  
 आदित्य राजा ती १८६  
 आदिसथ ती १८५  
 आकभराय प २८८  
 आपमल देवडो प १७८  
 आपमलसूरा रो प २००  
 आमत्र प. २८६  
 आयसजी ती २८३  
 आयोतास प. २८८  
 आलण प १६२, १८६, २०२, २४७  
 आलण मादडेचो प २८४  
 आलणसी कुतल रो राजा प २६५,  
 २६६, ३३०

आलणमी मेहराज रो प ३४८, ३४९  
 आल राजा उदेचद रो प ३३६  
 आलुस रावळ प १२  
 आलू. दू ४, ५  
 आल्हण आसराव रो प १३५  
 आल्हण देवडो प २२५  
 आल्हण माणकराव रो प १७२, २०३,  
 २३०  
 आल्हणसी वीजड रो प १३४  
 आल्हणसी साखलो मेहराजोत दू ३२७,  
 ३४८, ३४९  
 आल्हण सोहड प २२५  
 आल्हो चारण दू ३०४, ३०५, ३०६  
 आसकरण प २५, १६७, १६५, ३०५  
 ,, दू ६४  
 ,, ती १४७, १४८, २२१  
 आसकरण ईसरदासोत दू १८६  
 आसकरण कला रो प १६०  
 आसकरण खेतसी रो दू १२३  
 आसकरण जसहडोत दू ४३, ४४, ५१,  
 ५४, ५६, ७४  
 आसकरण भालो दू २५६  
 आसकरण भावावत दू १८८  
 आसकरण भीमावत ती २१४, २१७  
 आसकरण राणो भालो दू २५६, २५७  
 आसकरण राजा प २६०, ३०३  
 आसकरण राव ती. ३६  
 आसकरण राव कांग्ह रो दू १३६  
 आसकरण राव चद्रसेनोत प ७५  
 आसकरण रावत प ११७  
 आसकरण राव पुगळियो दू १३०,  
 १३२, १३३  
 आसकरण रावळ प ७६  
 आसकरण लाडखांन रो प ३२१  
 आसकरण सत्तावत ती. ३८, ३९  
 आसथान प. ३३३  
 आसथान राव दू २७६, २७७, २७८,  
 २७९

आसधान राव ती. २६, १७३, १८०  
 आसपन्ना प ३३०  
 आसमक राज प २८८  
 आसराव प १३४  
 ,, ती २२१  
 आसराव कालण रो दू ३८  
 आसराव जिंदराव रो प १०१, ११६,  
 १३५, १७२, १८६, २०२, २०३,  
 २२६, २३०, २४७, २५०  
 आसराव धारावरोस रो प. ३५५  
 आसराव रतनू-चारण दू ५६, ७२, ७४  
 आसराव गिणमलोत ती ३०  
 आसराव सोढो प ३६३  
 आमल प. ३४३  
 आसल मोहिल ती. १५८, १७०  
 आसल लाखण रो प. २०२  
 आमादित प ३  
 आसायुद्धि ती. १८६  
 आसो प १२५, १६६, २३८, ३४३  
 ,, दू ३८, ६३, १६४, १६५, १८८,  
 १६१, १६६, १६६  
 आसो (आसयांन) दू २७६  
 आसो कचरावत प ३५७, ३६०  
 ,, ,, दू १७४  
 आसो ठाभी दू २७६  
 आसो पूना रो प २००  
 आसो प्रागयासोत दू १८४  
 आसो भोत ती ५३  
 आसो माना रो दू २६४  
 आसो रामचवोत दू १७६  
 आसो रायगानोत दू १४५  
 आसो वरजात रो प २३२  
 आसो परमिघोत दू १७३  
 आसो मरु रो प २८३  
 आसो गांव-दामोत प ३४६  
 आसो मोहिल ती १५८, १७०

आहूठमा नरेश प. ६  
 आहिड ती १५४

इ

इदराव मोहिल दे इद्रवीर राणो ।  
 इद्र ती. १७७  
 इद्र किलग रो प ३३६  
 इन्द्रचद प ३१६  
 इद्रजीत प १२६, ३१०  
 इद्रपाल प २६०  
 इद्रभाण प ६८, ३२१, ३२४  
 ,, ती २३३  
 इद्रभाण केसरीसिघोत दू १५७  
 इद्रभाण जैतसी रो प. ३१५  
 इद्रभाण पवार प ४४  
 इद्र राजा परमार ती. १७५  
 इद्रराव दे० इद्रवीर राणो ।  
 इद्रवीर राणो ती. १५३, १६६  
 इद्रसिघ ती २२१, २२४, २२६, २३५  
 इद्रसिघ मानसिघ रो प. १३३  
 इद्रसिघ राणावत ती. ३२  
 इद्रसिघ रागर रो प २४  
 इद्रत्ववा प० २८७  
 इक्ष्वाकु प. ७८, २८७  
 ,, ती १७७

इलुक प ७८  
 इवार प २८८  
 इसमाइलता दू १०४

ई

ईदो प. १५३  
 ,, दू. ३१४  
 ईतपा० सोलकी प. २८०  
 ईलियो चावढो दू २०५  
 ईसर प. १६८, ३५१  
 ,, दू ७८, १४४, १७८  
 ईसर कपूर रो प १२१

ईसर जैसा रो प १६६  
 ईसरदाम प. ६६, १६०, २८१  
 ,, दू. १२०, १२३  
 ,, ती ११८  
 ईसरदाम अखैराज रो प ३५४  
 ईसरदास उर्वसिघोत दू. १३०, १३६  
 ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६  
 ईसरदास कूपावत प ३१८  
 ईसरदास खेतसीश्रोत दू. ६३, ६४  
 ईसरदास जीवा रो प २४१  
 ईसरदास जैमलोत प ३२८  
 ईसरदास भोपतोत दू. १६०  
 ईसरदास मानसिघोत दू. १६३  
 ईसरदास मोहिल ती. ३१  
 ईसरदास राणावत दू. १५१  
 ईसरदास रांगो भोजराज रो प. ३५५,  
 ३५६  
 ईसरदास रायमलोत दू. १८२, १८६  
 ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६  
 ईसरदास धीरमदेश्रोत दू. १६६  
 ईसरदास वैरा रो प २८१  
 ईसरदास सूजावत दू. १६१, १६२  
 ईसरदास सोढो प. ३६१  
 ईसरदास हरदासोत दू. १७६  
 ईसर पता रो दू. २००  
 ईसर वारहठ प. १५२  
 ,, ,, दू. २२३, २३६, २४६  
 ईसर रायपाल रो प. ३५१  
 ईसर धीरमदेश्रोत प ३२  
 ईसर सीसोदियो प १११  
 ईसरोसिघ ती. २२०, २३३  
 ईससिघ प. २६०  
 ईसो बांभण दू. ३५, ३६  
 ईहळ रांगो प १२४  
 ईहड सोळंकी ती. २५७

उ

उगमणसीह सिखरावत ती ३०  
 उगरसेन प ३२५  
 उगरो प १६३, १६८  
 ,, दू. १२२, १६८  
 उगरो लिखमीदासोत प २३६  
 उग्रसिघ प २६६  
 उग्रसेण चन्द्रसेणोत प २३५, २३६  
 उग्रसेण नरनिघदास रो प ३१६  
 उग्रसेन प १६५, ३०४, ३०६, ३१७,  
 ३२५  
 उग्रसेन अर्जवंधोत प २६२  
 उग्रसेन केशोदास रो प ३१४  
 उग्रसेन छत्रसिघ रो प २६६  
 उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प ७४,  
 ७५, ७६, ७७ ८७, १२०  
 उद्धरग ती २२१  
 उणंगराव ती. २२२  
 उत्तम रावळ प ५, ७६  
 उत्तमरिख प १६३  
 उत्तमसिघ ती. २२४  
 उदग भोहा रो प. ३३६  
 उदग सीहड रूपेचा रो प ३४२  
 उदतराज रावळ प १२  
 उदयसिघ करणसिघोत ती २०८  
 उदयसिघ महाराणा ती. १७३, २०७  
 उदयसिघ दे० उर्वसिह मोटो राजा  
 उदयसेन ती १८७  
 उदयादित्य राजा ती १७६  
 उर्वकरण राजा प ३१३, ३२६  
 ,, दू. ६३  
 उर्वकरण खवास रो प. ३२३  
 उर्वकरण (जघणसी) जुणसी रो प २६०,  
 २६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०  
 उर्वकरण फरसरांमोत प. ३१६  
 उर्वकरण रांमनारणोत प ३५८

उदककरण वेणीवास रो प ३१३  
 उदककरण राजा प ३१८, ३२६  
 उदककरण राजा ती १७५  
 उदककरण रायमल्लोत ती १०२  
 उदककर पप्रनेत्र प ७८  
 उदकचव राजा प ३३६  
 उदकभाण प. ३२४, ३२७  
 ,, दू १६०  
 ,, ती २२८, २२६, २३०  
 उदकभाण ईसरदासोत दू. ६४, १०६  
 उदकभाण देवडो प ३२, १५७, १५८  
 उदकभाण फरसरांम रो प ३१६  
 उदकभाण रावळ प ८७  
 उदकमल पिघोरो ती १६०  
 उदकराम प ३०८  
 ,, ती २३६  
 उदकराम ब्राह्मण ती २७६  
 उदकसिध प १६६, ३१३, ३२८  
 ,, दू ८०, ८१, १६५, १८४, २०१  
 ,, ती २२६, २२७, २२६, २३१  
 २३७  
 उदकसिध धखेराजोत प २०७, २११  
 उदकसिध कीरतसिधोत ती २१७  
 उदकसिध कूभा रो प ३१३  
 उदकसिध लगागेत प. ३०६  
 उदकसिध गोवाळदासोत प. ३४३  
 उदकसिध जगमाल रो दू. ६८  
 उदकसिध जेमल रो प ३१२  
 उदकसिध दूवोत प १६६  
 उदकसिध पन्नाडण रो दू १२०  
 उदकसिध भगवानदासोत दू १७२  
 उदकसिध भावावत दू. १८८  
 उदकसिध भंरवदासोत दू १६६  
 उदकसिध मासदेघोत दू ६२  
 उदकसिध मोटो राजा प १४२, १७०,  
 २०८, २१०, २२२, २३३, २३८,

२४१, २४२, २६७, ३००, ३०३,  
 ३१२, ३२६  
 ,, मोटो राजा दू १२१ १२८  
 उदकसिध महाराजा जोधपुर ती १८२,  
 २१४, २१७  
 उदकसिध राणो प ६, १५, १६, २०, २१,  
 २२, २३, २५, २६, २८, ३२, ३४,  
 ३६, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ६०,  
 ६२, ७०, ७६, ८७, ९३, १०३,  
 १०४, १०८, १०९, ११०, १११, ११२,  
 १५०, १५७, १६०, २०७, ३४२  
 ,, राणो ती ३१  
 उदकसिध रायमल रो दू १२३  
 उदकसिध राव प १६१, १६४  
 ,, ,, ती ३६  
 उदकसिधराव रायसिध रो प १३५, १३८,  
 १३८, १३९, १४१  
 उदकसिध रावळ प ७६  
 उदकसिध राव घाघोत धीकूपुर घणी दू.  
 १३०, १३१, १४१, १४४  
 उदकसिध विजा रो प. ३५८  
 उदकसिध वीठळवास रो प ३०८  
 उदकसिध साहिब रो प ३५८  
 उदकसिध सूरजमल रो प १०६  
 उदकसी ती. १२४, १२६, १२७  
 उदकसीह अरसी रो प २०३  
 उदकसिध ती २१७  
 उदकरण राजा प २६७  
 उदकरण दू १०३, १०४, १२१, १२६  
 उदकरण अनवी प १२३, १२४  
 उदकरण गेहलोत प २००  
 उदकरण भोजदेघोत प २३१  
 उदकरण वणवीर रो प. २६०, ३१३  
 उदकरण सारग रो प. ३५१  
 उदकरण प. ३२२  
 उदकरणराई प ३३७

उपल राजा ती. १७५  
 उरक्रिय प २८६  
 उरजण नरवद रो प. ५०, १०६, ११०  
 उरजन प १६४, १६७, ३६२  
 ,, हू ८०, ११६, १६६  
 उरजन कचरावत हू १८५  
 उरजन गोपालदास ऊहड रो हू. ६६  
 उरजन नरवद रो दे० उरजण नरवद रो  
 उरजन पचाइणोत प २३७  
 उरजन महेसदासोत हू. १७०  
 उरजन विहळ प २२४  
 उरजन सत्तावत हू. १४५  
 उरजन सोढो प ३६२  
 उसै राजा प. २६३

## ऊ

ऊगम प ३६१  
 ऊगमडो ई दो प ३४६  
 ऊगमडो ई दो हू ३४२  
 ,, ,, ती २५१, २५६, २६६  
 ऊगमसो रांगो दे० ऊगमडो रांगो ।  
 ऊगो थिरा रो हू ३८  
 ऊगो मेहवचो हू १६४  
 ऊगो वैरसी रो हू २, ८१  
 ऊदळ भाटी हू ६६  
 ऊदो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८,  
 १०१, २३६, २८१, ३५१  
 ,, हू ८०, ८४  
 ,, ती २३५  
 ऊदो ऊगमणावत ती २५२, २५६, २५७,  
 २५८, २५९, २६१, २६२, २६३,  
 २६४, २६५  
 ऊदो करण रो प ३४३  
 ऊदो कू भावत प ३६, ५१  
 ऊदो गोगादेश्रोत हू. ३१७, ३१६, ३२०  
 ऊदो घांद रो प. ३३१  
 ऊदो जेंता रो हू. १४१

ऊदो जेंसा रो प १६६  
 ऊदो हू गरसीश्रोत हू १७८  
 ऊदो त्रिभुवणसीश्रोत हू. ३१४, ३१५  
 ,, ,, ती २४  
 ऊदो भैरवदास रो प २४०, २४१  
 ऊदो माना रो प ३६०  
 ऊदो मूजावत प ३४६, ३४७, ३५२  
 ऊदो मूळावत हू ३००, ३०१  
 ऊदो रांमावत प. १६६  
 ऊदो रांमावत हू १६४, १७३  
 ऊदो रायपाळ रो प. ३५१, ३५३  
 ऊदो रायमलोत प ३५६  
 ऊदो राव लाला रो प १३६, १४२,  
 १५८  
 ऊदो लाला रो प ३१८  
 ऊदो सुरतांण रो सोळकी प २८१  
 ऊदो सोळकी हू १०७  
 ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०  
 ऊदो हिमाळा रो प. २४४  
 ऊदो साला रो प ३४१  
 ऊनड जाम हू २१५, २१६, २३६, २३७,  
 २३८  
 ऊनड भाटी हू ३  
 ऊनड मूळराज रो हू ५४, ६६, ६७  
 ऊमजी ती. २३३  
 ऊहो हू ६६

## ऋ

ऋतुपर्ण ती. १७८

## ए

एलविल ती १७८

## ओ

ओभड प १४  
 ओठो हू. २०६  
 ओढो वू २०६  
 ओढो रांवण दोदो दे घोढो रावण दोदो ।  
 ओसत राजा ती. १८७



औ

श्रीरगजेव पातसाह प २६  
 ,, ,, तो १६२, २१४,  
 २३८  
 श्रीरगसाह ब्रालमगीर दे श्रीरगजेव  
 पातसाह ।

क

कँवरपाळ सोळकी प २६०, २६१  
 कँवळ दे कमळ  
 कँवरसाल भँखं रो प ३२५  
 कँवरसी प ३५२  
 कँवरसी ऊहड दू १००  
 कँवरसी राणो खीँवसी रो प. ३४६  
 कँवळसी प. १२४  
 कँसेन प ७८  
 कचकुस्त प २६२  
 ककड प १४  
 ककुत्थ प ७८  
 कचरदास प. २७  
 कचरो प. २००, ३४३  
 कचरो दू ८८, १३१, १४३  
 कचरो उर्वेसिघ रो प. ३१२  
 कचरो गोयददासोत दू. १८०  
 कचरो जँसा रो प. २८, ६८ १६५, ३५७  
 कचरो जँसिघदे रो प २३२  
 कचरो देहँदास रो प २३३  
 कचरो पोयापत दू १६०  
 कचरो मेहानळोत दू. १७४  
 कचरो सतारचद रो दू १८४  
 कचरो मागा रो प ३१५, ३१७  
 कचरो राणो प. १२३  
 कनकसिघ प ३०६  
 कनकमेन प ७८  
 कनीदाग प ३२६  
 कनीगम ती २३३  
 कनीराम दलपतोत प २३५

कन्हू प. २८, १६२  
 कन्हू पचायणोत प २१  
 कन्हीदास (कान्हीदास) दू १२०, १५१  
 कविल मुनि दू २१६  
 कपूर प. १२१  
 कपूरचद दासा रो प ३१८  
 कपूरो मरहठोदू. ४७, ४८, ४९, ५०, ६७  
 कमघज घुँघमार रो ती २१८  
 कमरो प. ३००  
 कमळ प ७७, १२२, १८६, २८०,  
 २८७, २६२  
 ,, दू. ६  
 ,, ती. १७५  
 कमलादित्य प १०  
 कमालवी दू. ४६, ४७, ४९, ५०, ५१,  
 ५२, ५४, ६६, ६७  
 कमालवीन ती ३३  
 कमालुदीन दे कमालवी  
 कमो प. २७, ६८, ६९, १५६, ३४३  
 ,, दू २१५  
 कमो कल्याणदास रो प ३४३  
 कमो केलण रो प १६८  
 कमो घोरघार दू १२  
 कमो बुध रो दू. १४०  
 कमो भँरय रो प. १६६  
 कमो मदा रो प १६७  
 कमो रूपसी रो प. ३५६  
 कमो सीसोदियो रतनसी रो प ५०  
 कमो सोळंकी दू १०७  
 करण प. ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३  
 ,, दू. ६६, ८२, ८४, ६०, ११६,  
 १२२, १२५, १८२  
 ,, ती २२१  
 करण ब्रलँराज रो प. ३५३  
 करण कान्हायत दू. १७७  
 करण गिरघरदासोत प ३०५

करण गेहलो प २६१  
 ,, ,, ती. ५०, ५३, १८४  
 करण वेईदासोत हू १६६  
 करण घोघो हू २०६, २१०  
 करण मानसिघोत हू. १६१  
 करण रणमलोत ती २२६  
 करण रतना रो प ३४३  
 करण रामचंदोत हू. १५८, १६६  
 करण राजा हू १३६  
 करण राव (वीकानेर) हू १३२  
 करण रावळ प. ३५२  
 ,, ,, हू. १०, १४, ३६, ७५,  
 ६६, १२१, १३०  
 करण वरसल रो प. १६६  
 करण सकतसिघोत हू १५५  
 करणसिघ महाराजा त १८, ३१, १८०  
 १८१, २०८, २१०  
 करणसिघ राव ती ३७  
 करण सूरजमल रो प ३६०  
 करणादित रावळ प ५, १२  
 करणादित्य प १०  
 करणो डहरियो प १३२  
 करन प १४, २१, ६३, ६६, ७०, १२८,  
 १४२, १५६, १६१, १६४, १६६,  
 १६७, १६८, १६९, २०६, २३८,  
 २६०, २८०, ३०३  
 करन कान्हा रो प. ३५२  
 करन गेहलो प २६१  
 करन चतुरभुज रो प. ३४३  
 करन पतावत प ६७  
 करन महाराजा प १२८  
 करन, रतनसी रो भाई प २१  
 करन राणो प. ६, १५, ३०, ३१  
 करन रावळ प. ५, १३, ७६  
 करन धीसावत प. १६८  
 करम (करमसी) रावळ प ७६

करमचद प २१, १०६, १२२  
 ,, हू ६६, ७६, ६१, ६६, १२४,  
 २०१  
 करमचद अचळा रो प ३२६  
 करमचद कल्याणोत ती २०५  
 करमचंद केलण रो प. २०५  
 करमचद जगन्नाथ रो प. ३०१  
 करमचद दासा रो प. ३१४, ३१५  
 करमचद नरहरदासोत हू. १६६  
 करमचद रावत ती १७६  
 करमचद धरसिघ रो हू १२७  
 करमसिघ ती. २२५  
 करमसी प २६, १५६, २२६, ३२६  
 ,, हू १२४, २६४  
 करमसी अचळावत हू १८६  
 करमसा आसियो खीवसरोत प १६१  
 करमसी अहड हू १००  
 करमसी कल्याणदास रो प. ३११  
 करमसी खींदा रो प ३४१, ३४२  
 करमसी चहुवांग प ६७  
 करमसी चीवो प १५६, १५७, १६८,  
 १७४, १७६  
 करमसी जसधीर रो प २०३  
 करमसी राजसी रो प ३४६  
 करमसी रायसिघोत हू १६३  
 करमसी रावत हू ८६, ८७, ८८  
 करमसी रावळ प ७६  
 करमसी लूणकरणोत ती. २०५  
 करमसी धीकावत हू १७३  
 करमसी सहसमल रो प ३२५  
 करमसी सांखलो, हरिभक्त प ३४२  
 ३४६  
 करमसेन प २६, ३२४  
 ,, हू १२३, १५२, १८६, १६३  
 ,, ती. २२३  
 करमसेन राव हू ६५

करमो प ६६, २४७  
 ,, दू ८०, ८१  
 करमो सेखावत प १६५  
 करहीरो दू २२६, २३०  
 करहो घुघमार रो ती, २१८  
 कर्ण प २१, २८, १६०, १६२  
 कर्ण चाचगदे रो ती, ३३  
 कर्णदेश ती ५१  
 कर्मादित्य प १०  
 कलकी राजा ती १८७  
 कलकरण केल्हण रो दू ११६, १४४  
 कलकरण केहर रो दू २, ७६, ७७, १५२  
 ,, ,, ती २०, ३४, १०४,  
 २२१  
 कलमव राजा प. २६२  
 कलस सर्मा प. ६  
 कलादित्य प १०  
 कलिकर्ण वे कळकरण  
 कलो प. ६७, १६७, १७१, १७२,  
 २३६, ३२६, ३४१  
 ,, दू ७७, ८५, १४३, १६६  
 कलो घोरराज रो प ३२७  
 कलो केलोदासोत दू. १६८  
 कलो गांगावत दू १६१  
 कलो ठाकुरसी रो दू १६२  
 कलो भाटी दू ६६, ७७, ६६  
 कलो भुजयळ रो प १६४  
 कलो रतनावत दू १३८  
 कलो रामसिध रो प ३६१  
 कलो रामावत प १६६  
 कलो राममसोत दू. १८२  
 कलो राव मेराजळ रो प १४५, १४६,  
 १४७, १४८, १६०, २४६  
 कलो रावळ दू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४  
 कलोसर्मासिध ती १६०  
 कलो वरसिध रो दू १२७

कलो वीदावत ती १२४  
 कलो वीसळ रो प. २०१  
 कलो ससारचंद रो दू १८४  
 कलो सांवतसीप्रोत प. २३५  
 कलो साहरण रो प १०१  
 कलो सिवराज रो प ३५६  
 कल्याण प २७, २६०  
 कल्याण किसना रो प. ८७  
 कल्याणदास प २५, २८, ३०७, ३२७,  
 ३४३  
 ,, दू १५०, २६४  
 ,, ती. २२५, २३६  
 कल्याणदास उग्रसेणोत प ३२०  
 कल्याणदास करणोत प. ३२०  
 कल्याणदास किसनदास रो दू १२७, १२८  
 कल्याणदास नारायणदासोत प. २४६, ३४३  
 कल्याणदास प्रथीराज रो प ३११  
 कल्याणदास भाणोत प. २११  
 कल्याणदास भाखरसीओत प. १६६  
 कल्याणदास भाटी ती १८  
 कल्याणदास राजघर रो दू. १७७  
 कल्याणदास राजसिध रो प. ३०३  
 कल्याणदास रायमसोत दू १७३  
 कल्याणदास राव दू ८६  
 कल्याणदास रावळ दू. ७६, ६८, १०२,  
 १०३  
 ,, ,, ती. ३५  
 कल्याणदास लाडखान रो प. ३२१  
 कल्याणदे राजावे रो प. २६४, २६५,  
 २६६, ३०१  
 कल्याणमल प. १५६  
 ,, दू १००  
 ,, ती. १०१, १०२  
 कल्याणमल उदंकरणोत ती. १५१, १५२  
 कल्याणमल जैतमसोत प. २२  
 कल्याणमल फर्नासिध रो प. ३१८

कल्याणमल राव ती १७, १८, ३१,  
 १८०, १८१, २०५, २०६, २०६  
 कल्याणमल राव ईडर रो हू २५६  
 कल्याणमल रावळ हू. ११  
 कल्याणसिध प २६ ४५, ३०५, ३०६,  
 ३२१, ३२३, ३२४  
 ,, ती २३५  
 कल्याणसिध मानसिधोत प २६१, २६६  
 कल्लो प १६६  
 कल्लो रायमलोत ती २१४, २२०, २७२  
 कवरो प ३६२  
 कवाट दे कँवाट  
 कस्तूरियो मूघ (घिजो ई दो) हू ३४२  
 कस्थप प. ७८, २८७, २६२  
 कश्यप ती १७५  
 कहनी राजा प २६३  
 कहवाट दे कँवाट  
 कांगडो वलोच हू. ५५  
 कातिसेन ती १८६  
 कांघडनाथ जोगी हू २१४  
 कांघळ प ६६, १६५  
 कांघळ आलेचो प २१७; २१८, २१६  
 कांघळ आलेचो (आलेचो) ती २६३,  
 २६४  
 काघळ कचरा रो प. १६५  
 काघळजी ती १५, २१, २२  
 कांघळ देवडो प २२४  
 कांघळ भुजवळ रो प १६५  
 कांघळ मेहा रो प. ३४१  
 कांघळ रिणमलोत हू ३३५, ३४२  
 ,, ,, ती १६१, २२६  
 कांघळ सिवदासोत हू १४५  
 कान प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१,  
 १६३, १६४, १६७, २०५  
 कान किसनाथ हू. १६४, १७३  
 कानड प. २८१

कानडदास प ३०६  
 कानडदे प १४  
 कानडदे भाटी हू. ५२, ५४, ६६, ६७  
 कानडदे मेर दे कानो मेर  
 कानडदे राव राठोड हू. २८०, २८१,  
 २८२, २८३  
 कानडदे रावळ प २०४, २१३, २१६,  
 २१७, २१८, २१६, २२०, २२१,  
 २२२, २२३, २२४, २२५, २३०,  
 २३१  
 ४०, ४१, ४२  
 कानडदे सावतसीश्रोत सोनगरो हू ३६,  
 ४०, ४१, ४२  
 कानड भाटी दे कानडदे भाटी  
 कान राव रायमलोत प २५६  
 कान सीतोदियो प. ६६  
 कानो प २००  
 कानो आलेचो प २२४  
 कानो खेतसी रो प ३६०  
 कानो गोपाळदासोत हू १८६  
 कानो चारण प. ३०७  
 कानो मेर हू २७७, २७८  
 कानो सोढो हू. १३५  
 कान्ह प २१२, ३०७  
 ,, हू १५, ७७, ८१, ८८, ८६, ६३,  
 ६६, ६७, ११६, १२३, १२४,  
 २६२, २६४  
 ,, ती २६  
 कान्ह अखैराज रो प. ३२७  
 कान्ह कल्याणदास रो प. ३१२  
 कान्ह कल्याणोत ती २०५  
 कान्ह केल्हणोत ती ३०  
 कान्ह तेजमालोत हू १२५  
 कान्हड (जंस०) ती. २२१  
 कान्हडदे राव ती २३, २४  
 कान्हडदे रावळ प १४, १८१  
 कान्हडदे सोनगरो ती. २८, १८४, २६३,  
 २६४

कांह ह्वावत ह् १६७  
 कांह भगवतदास रो प २६१, २६६  
 कांह भोपतीत ह् १६१  
 कांह राणो भालो ह् २६५  
 कांह राठोइ रायसलात प ३२२  
 कांह राप (कनपाल) ती १८०  
 कांह राव जैसा रो ह् १३६  
 कांह राव पूगळ रो ती ३६  
 कांह सहसा रो प ३१४, ३१६  
 कांहतिघ जैतसोयोत प. २३७  
 कांह तिघ रो ह्. २६४  
 कांह सूजावत ह्. १५१  
 कांहहीदाम प ३२०  
 कांहहीराम दे. कनीराम  
 कांहो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२  
 कांहो ह् १७६; १६३, २००  
 ,, ती १६, २०, ३१  
 कांहो घांघावत ह् १७७  
 कांहो कोळी ह् २५६  
 कांहो चू टावत प. ३५३  
 ,, ,, ह् ३१०, ३१३, ३१४,  
 ३३६  
 कांहो घांभणोत प २३६, ३५७  
 कांहो तेजसी रो प. ३५८  
 कांहो पचाइणोत प २०७  
 कांहो मेर दे कांहो मेर  
 कांहो सावूळ रो प. ३१५  
 कांहो हमीरोत ह्. १८०  
 कांहकाचव राजा ती. १८८  
 कांहरां दे. कुपरो  
 कांहिपो ह्. २१५  
 कांहस्त प ७८  
 कांहित राजा प. २६६, २६४, २६६,  
 ३३२  
 कांहिमदेव प २६०  
 कांहुत प २८७

काकुत्स्थ प. २८७; २६२  
 कायो प ३३७  
 कामपति सर्मा प. ६  
 कारतन राजा प. ३३६  
 कालण रावळ ह् १०, ३८, ३६, ६४  
 काळमुधो ह्. १०३  
 काळसेन राजा ती १७५  
 काळो गोहिल ह्. ३२६, ३२७  
 काळो चोर प २७२  
 काळो टीवांगो ह्. ३१४, ३१५  
 काल्हण जेसळ रो ह्. २, १५, ३६, ६२  
 ,, ,, ती. ३३, ३४, २२१  
 काश्यप प. २६२  
 कासिब प. २६२  
 किरतो श्राहेडोत ती. १५४  
 किलग प ३३६  
 किसन प. २७, १२१  
 किसनचव प. ३१६  
 ,, ह् ६२  
 किसनचंद राजा ती. १८६  
 किसन चू डावत ह् १४४  
 किसनदास प १६०, १६४, ३१३  
 ,, ह् ८८, ६०, १२३, १३६  
 ,, ती. २२६, २३१  
 किसनदास शखैराजीत ह्. १८७  
 किसनदास करमचव रो वू १२७  
 किसनदास पचाइण रो प ३०७, ३०६  
 किसनदास मेघराज रो प. ३५६  
 किसनदास रायमलोत ह्. १५२  
 किसनदास राव लूणकरण रो प. ३१६  
 किसनदास सूजा रो प. ३१३  
 किसन भाटी वळुप्रोत ह्. १०७, १२४,  
 १३४  
 किसन साहू प. १२६  
 किसनतिघ प. २५, ३१, २३५, २४७,  
 ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०  
 ,, ह्. ६५, ६७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४  
 , ती. २२३, २२४, २२५, २२८,  
 २३०, २३१, २३२  
 किसनसिंघ उर्वसिंघोत दू १५५  
 किसनसिंघ खंगारोत प ३०६, ३०७  
 किसनसिंघ गिरधर रो प. ३२२  
 किसनसिंघ जूभारसिंघ रो प. २९८  
 किसनसिंघ रामचंदोत दू १५८  
 किसनसिंघ राजसिंघ रो प. ३०३  
 किसनसिंघ राजा ती. २१७  
 किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७  
 किसनसिंघ रावत प ३१६, ३१७  
 किसनसिंघ लूणकरणोत ती. २०५  
 किसनसिंघ बाघावत प ३१६, ३१७,  
 ३२०  
 किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती २१३  
 किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०  
 किसनसिंघ हमीरोत प ३०५  
 किसनो प १६, ६६, ८७, १५२, १६७,  
 २३५  
 ,, दू. ७७, ८०, ६६, १४३, १७४,  
 २००, २६२  
 ,, ती. ३७  
 किसनो खींघा रो प. ३६०  
 किसनो जगमालोत दू १६१  
 किसनो जांभण रो प ३५२  
 किसनो तेजसीओत दू. १६४  
 किसनो नींवावत दू १५४, १६१  
 किसनो मेहाजळोत दू १७४  
 किसनो रामावत दू १६४  
 किसनो बाघावत ती. ३७  
 किसनो सिंघ रो दू २६४  
 किसोरदास प ३०७  
 ,, दू ६६  
 किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८  
 किसोरदास महेसदासोत दू. १५८  
 किसोरसाह प. १२६

किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६  
 कीतपाळ प. २०५, २८०  
 कीतू प. १३५, १६६, १८७, २०३,  
 २४५, २४७  
 कीतो प २८  
 कीतो अचतारदे रो प ३५५  
 कीतो गोगली दू ३  
 कीतो सांडा रो प ३५४  
 कीरतखां अलखा रो प. ३१५  
 कीरतपाळ राठोड ती. २६  
 कीरत-ब्रह्म रावळ प. ५, ७६  
 कीरतसिंघ प २६८, ३११  
 ,, दू. ६१, १६६  
 ,, ती २२१, २२३, २३२  
 कीरतसिंघ जैसिंघ रो प ३३०  
 कीरतसिंघ ताजखान रो प ३२४  
 कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प २६१,  
 ३३०  
 कीरतसी राणी प १२३  
 कीर्त्तिमत ती १८७  
 कीर्त्तसेन ती १८६  
 कील प १२४  
 कीलणदे राजदेवोत प. ३३१, ३३२  
 कीलू करणोत प. ३४७  
 कुत प १२४  
 ,, दू. ३  
 कुंतपाळ प. २०३  
 कुतल प ३३०  
 कुतळ कीलणदे रो प ३३१  
 कुतळ केलहणोत ती ३०  
 कुतल माला रो प १२४  
 कुतल राजा कल्याणदे रो प २६५,  
 २६६  
 कुतसीह प. १०१  
 कुभ प २८७  
 कुभकरण प ५४, १८८, ३२८  
 ,, दू ६६, ३४३

कुंभकरण ती २३१  
 कुंभकरण नापावत ती ३७  
 कुंभकरण रुद्र रो प ३१६  
 कुंभकन दे कुंभकरण  
 कुंभकर्ण दे कुंभकरण  
 कुंभो दू ६२, १२०, १२३, १२५, १८३  
 १६६, १६६, २०१  
 ,, ती २३४  
 कुंभो ईसरदामोत दू १७६  
 कुंभो कापलियो प २४८, २४६  
 कुंभो किसनदासोत दू. १८७  
 कुंभो खेराडो प २७६  
 कुंभो चाचा रो दू ११७  
 कुंभो जगमाल रो दू २८८, २६०, २६१,  
 २६२, २६३, २६४, २६५, २६६,  
 २६७, २६८  
 कुंभो देवीदास रो दू ८४  
 कुंभो नरसिंघ रो प १६६, १६७  
 कुंभो पतावत दू १७१  
 कुंभो मनोहरदासोत दू १६७  
 कुंभो रांणो दू १५३, ३३६, ३४०  
 ,, ती १, २, १३६, १४६,  
 १५० १६१, १६२, २४८  
 कुंभो धीरसिंघोत दू १७३  
 कुंभो बीसारो प १६६  
 कुंभरपाळ ती ५२  
 कुंभर माउणोत प ३५४  
 कुंभरो प. ३००  
 ,, ती १६, १७  
 कुंभर दू ३  
 कुंभरपाळी सुलतान प. २६२  
 कुंभरबीन ममारग सुलतान ती १६१  
 कुंभरबीन ती ५३, ५४, १६०  
 कुंभरबीन दू २२४  
 कुंभरपाळी दे. कुंभरपाळी सुलतान  
 कुंभरबीन मुबारक सुलतान दे कुंभरबीन  
 ममारग सुलतान

कुंभर सुलतान ती १६१  
 कुंभरी (कुंभरी) रावळ प. ७६  
 कुंभर-सुरथ प ७८  
 कुंभर रावळ प १३  
 कुंभरी ती २१८  
 कुंभरत प १२३  
 कुंभरसिंघ रावळ प ८७  
 कुंभरलयाश्व ती १७७  
 कुंभरी ती. १७८  
 कुंभर प ७८, २८८, २६२, २६३, २६५  
 कुंभरचंद प ३१६  
 कुंभरसिंघ प २०८, ३०५, ३०६, ३१०  
 ३१७, ३२०  
 ,, दू ६४  
 ,, ती २२३, २३१, २३५  
 कुंभरसिंघ रायसल रो प ३०६, ३२४  
 कुंभर दू १३३  
 कुंभर चूडावत प ६६  
 कुंभर सीसोदियो प ६६, ६६  
 कुंभरी ती ८१, ८३, ८४, ६५, ६७, ६६  
 कुंभरी अखेराजोत प २३७  
 कुंभरी ऊवावत प ३६०  
 कुंभरी मालावत दू. २८८  
 कुंभरी मेहराजोत प. २०, २०७, २१२  
 ,, ,, दू १७८, १८७, १६२  
 कुंभरी प ३६१  
 कुंभरी कछवाहो पुणसी रो प ३२६, ३३०  
 कुंभरी गोपाळदेशोत प ३४८  
 कुंभरी गोपद रो प. २३६  
 कुंभरी चंद राजा रो प. ३१३  
 कुंभरी देवराज रो प ३५६  
 कुंभरी राणो प. ६, १५, १६, १७, ५१,  
 ५३, ५४, ६१, ३४२  
 कुंभरी रांसिंघ रो प ३४३  
 कुंभरी बीरमदे रो प. ३४१  
 कुंभरी सीहद रो प. ३४१

कूभो सूजा रो प. १६७  
 कूभो सेखा रो प ३२८  
 कृतंजय ती १७६  
 कृपाळदेव ती. २१६  
 कृशाश्व ती. १७७  
 कृष्णादित्य प. १०  
 केलण प. २०५  
 ,, ती. ७२, २२१  
 केलण तेजसी रो प १६३, १६८  
 केलण हुजणसाल रो प. ३५५  
 केलण भाटी दू ३१५  
 ,, ,, ती. २०, ३४  
 केलण राव प २०३, ३५३  
 केलण रावळ दू. २, ३, १२, ७५, ७६,  
 १००, १०६, ११२, ११३, ११४,  
 ११५, १२६  
 केलण वीसा रो प. १६८  
 केलहण राव ती ३६  
 केलहणराव केहर रो दू. ११२, ११४,  
 ११५, ११६, १२६, १३७, १४०,  
 १४१  
 केलहण वीकावत ती. २०५  
 कल्हो दू ११२, ११३  
 केवळदास गोयदोत प. ६७  
 केवाघ प २६२  
 केसर मिलक दू ४७, ४८, ४९, ५०, ५२  
 केसरसिंघ प २०८  
 केसरिदेव रावळ दू २८०  
 केसरीसिंघ प २७, २८, २९, ४९, ११६,  
 १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६,  
 ३०७, ३०९, ३१०, ३१३, ३२०,  
 ३२८  
 ,, दू ६५, ६७, १७६, २६४  
 ,, ती २२६, २२७, २२८, २२९,  
 २३०, २३१, २३५, २३६  
 केसरीसिंघ अचळदासोत प ३५६  
 ,, ,, दू. १५६

केसरीसिंघ करणसिंघोत ती २०८  
 केसरीसिंघ ठाकुर ती १७६  
 केसरीसिंघ दयाळदासोत दू. १४७  
 केसरीसिंघ दूदावत दू १६३  
 केसरीसिंघ भाटी सकतसिंघोत दू १०६  
 केसरीसिंघ भोजराज रो प ३२३  
 केसरीसिंघ राव ती. ३७  
 केसरीसिंघ रावळ प ७६  
 केसरीसिंघ लाडखान्त रो प ३२१  
 केसरीसिंघ लूणकरण रो प ३१७  
 केसवदास ती. २३१  
 केसवदास देईदास रो प. २३३  
 केसवदास भैरव रो प ३१३  
 केसव सर्मा प ६  
 केसवाहित प. ३, ७८  
 केसवाहित्य प. १०  
 केसो प १६६, १६६  
 ,, दू १४३  
 केसो उपाधियो प ३४४, ३४५  
 केसोदास प २६, २७, ६५, ६८, १२८,  
 १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५  
 केसोद स दू ८८ १२१, २६४  
 केसोदास अखैराजीत दू १५२, १८८  
 केसोदास ईसरदास रो प १५२, ३५४  
 केसोदास कीरतसिंघ रो प ३११, ३१४  
 केसोदास खगारोत प ३०६  
 केसोदास जगमालोत दू १७७  
 केसोदास जसवत रो प १२०  
 केसोदास जोपीदासोत दू ११६  
 केसोदास द्वारकादास रो प १६१  
 केसोदास नाथावत प. ३११  
 केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२  
 केसोदास नारायणदासोत दू २५६  
 केसोदास पंचाङ्ग रो प २३७  
 केसोदास पतावत दू १७७  
 केसोदास प्रागदासोत दू १८३  
 केसोदास भाणोत प २११



केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४  
 केसोदास मान रो प. १०६  
 केसोदास मानवे रो प ३१५  
 केसोदास राधासिधोत दू १६३, १६७  
 केसोदास राव प. ३१५  
 केसोदास वाघावत दू. ६०  
 केसोदास सहसमलोत दू. ६७  
 केसोदास सूरजमलोत दू १८६  
 केसोदास हुमीरोत दू. १७६  
 केसोदास हाडो प ११७  
 केसो मूहतो दू १५८  
 केसोराय प. १३१  
 केसो लाडधान रो प ३२१  
 केसोसेन राजा ती १८६  
 केहर दू ४६, ५०, ११६, १५२  
 केहर राणो भालो दू. २६५  
 केहर रावळ दू १, २, १०, १४, १५,  
 १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५,  
 ७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५  
 .. रावळ ती ३४, २२१  
 केकमरो लमकरी प. ३००  
 केमास दाहिमी ती २६  
 केरव ती १५३, १५४  
 केघाट दू २०२, २०७  
 केजो घूटा रो प. ३५१  
 केदो रावत ती १७६  
 केळीमिध प. १५१, १५२  
 केरव के केरव  
 केमह्य प. ७८  
 केयाममान ती. २७३, २७४  
 केनराय प. २८६  
 केनांगराज प. २८६  
 केन बानेमयर प. १६१, १६२  
 केन प २७८  
 केमगाळ प. २८६  
 केन ती १७६  
 केमराज ती ५०

कुद्रक ती. १८०

कुद्रकराय प. २८६

कुमध्वनि दे खेमधुनी

० ख

खगार प. १५, २७, ३६, ४७, ८६,  
६२, १५०, १५५, ३१३

.. दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६  
२१५, २१६, २१८, २१६, २२०,  
२२१, २२२, २२३, २४१

खगार जगमालोत प. ३०४

खंगार तेजमाल रो दू १२५

.. .. ती. ३७

खगार जांभुण रो प. २४०

खगार देवा रो प ३६३

खगार भगा रो, भील प ४७

खगार भाटी नरसिध रो दू. १०७

खगार राव दू २०२, २३८, २३६, २५४

खगार रावत रत्नसीधोत प ३६, ६६

खगार राहिय रो प ३५८

खगारसिध ती २३१, २३२

खगारो हुमीर रो प. १५

खघारो प. ३५२

खघारो घोरी ती. ५६

खटवांग ती. १७८

खडगल तुवर प. ३२०

खडगसिध ती. २३२

खडगसेन प ३१२

.. ती २२३, २२८

खरहप टूगरसी रो प ३२६, ३५६

खरहप बाला रो प. ३२६

खलमल घोरी ती. ५६

खपासण धाड भाई प. ७१

खाटेराय प. ३३१

खान दू ३००, ३०१

खान खानो प. ३२५

खान दोरी ती २७८

खान नापा रो प. ३३१  
 खानजिहां प २६६, ३०५, ३२१  
 ३२२, ३२६  
 खान मिरजो ती ६६, ७०, ७१, ७२  
 खान हवीध प ३०७  
 खानजहां दे खानजिहां  
 खापू थोरी ती ५६  
 खाफरो चोर प २७२, २७३, २७४, २७५  
 खिजरखां लोदी ती १६१  
 खिलचखां ती १६१  
 खिलजी प ६, १४  
 खींदो प १६६  
 ,, ती. १४५, १४६  
 खींदो गोयंद रो प. १६५  
 खींदो वारहट हू ११८  
 खींदो बेरा रो प ३४१, ३४३  
 खीमरो दुजणसाल रो प ३५५  
 खीवकरण प ३२५, ३२८  
 खीवराज प. १६३  
 खीवराज खिडियो प. २०, ४८, ६६  
 खीवराज घघवाडियो प ६०, १८०  
 खीवसी रांपो अणखसी रो प ३४६, ३५०  
 खीवसी सुरतांगोत प ३४३  
 खीवो प. १६, ६१, ६२, १०१, १४५,  
 १५१, १५३, १६०, १६६, १७१,  
 १६५, २०७  
 ,, हू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,  
 १६६  
 खीवो करण रो प ३६०  
 खीवो जसहट रो प ३४७  
 खीवो जेठवो हू २२१  
 खीवो राध हू. १८४  
 ,, ती. ३७  
 खीवो राधत सेलावत हू. १२१  
 खीवो बरजांगोत हू. १६२  
 खीवो सोढो प. ३६१  
 खीवो सोनगरो हू १२७

खीटवाळ हू १, ६  
 खीमपाळ ती २१६  
 खीमराज दे. खेमराज  
 खीमरो प ३५५  
 खीमो ती. २३५  
 खीमो ऊदावत ती. १००, १०१  
 खीमो मुहतो ती ६५, ६८, ६९  
 खीमो राव पोकरणो ती १०३, १०४,  
 १०७, ११०, १११, ११२, ११३,  
 ११४  
 खीर हू.  
 खीरथुर प ७८  
 खीरुज प ७८  
 खुधु प ७३  
 खुमांगसिध रावळ प ७६  
 खुरम प. २४, २६, २८, २९, ३०, ४८,  
 ५३, ५६, ५८, ५९, ३०१  
 खुरम साहजादो हू १४८, १५२, १५६,  
 खुशरो दे खुसरु सुलतांग  
 खुसरु सुलतांग ती १६१  
 खूंट (चारण) हू २०२, २०३  
 खूमांग रावळ बापा रो प. ४, १२, ५६,  
 ७८  
 खेकादित्य प १०  
 खेढो घानर प २५०  
 खेतसी प. १५, २३६, ३४३  
 ,, हू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५  
 खेतसी अरडकमलोत ती १६, १७  
 खेतसी ऊदा रो प. २४१  
 ,, ,, ,, हू. १७३  
 खेतसी किसनदासीत हू १८७  
 खेतसी जाडेचो हू २०६  
 खेतसी जींसघवे रो प ३५२  
 खेतसी तेजसी रो प ३५७  
 खेतसी घांधू प १५२  
 खेतसी नेता रो प. ३५२  
 खेतसी मडळीक रो हू. १२१

खेतसी महीरावण रो प ३६०  
 खेतसी मालदेप्रोत दू ६, ६३, ६४, ६५,  
 ६६, ६७  
 खेतसी मालदेप्रोत ती. ३५, २२०  
 खेतसी राणो प १५  
 खेतसी रांम रो दू १४१  
 खेतसी राव दू १३२  
 खेतसी सादूळोत दू. १६८  
 खेतसीह रतनसीहोत प ६७  
 खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३,  
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८  
 खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०  
 ,, दू ७५, ७७, ८१, १४३  
 खेतो कांपलियो प २४६  
 खेतो तेजा रो प ३५२  
 खेतो परधत रो दू ८१  
 खेतो भाटी दू ६६  
 खेतो रांणो प ६  
 खेतो रांणो दू ३२५  
 खेतो सहसमल रो प ३५२  
 खेमघन प. ७८  
 खेमघुनी ती १७८  
 खेमराज प २५६  
 ,, ती ४६  
 खेम सर्मा प ६  
 खेमादित्य प १०  
 खेमो किनियो-चारण ती. ६१  
 खेजूजी ती २७६  
 खैराज परहय माला रो प ३२६  
 खैराज रावत कीलणदे रो प ३३१  
 खोपर व ३१०  
 खोटोषाळ दू. ६  
 खोहराव प १६५

## ग

गंग ती १५३  
 गग राणा बाह रो दे. घणसूर  
 गगादास प ४३, ४६, ३५८  
 ,, दू ८०, १६८  
 गंगादास वरसल रो प ३५३  
 गगादित्य प १०  
 गगाधरादित्य प १०  
 गजमादित्य प १०  
 गद्रपसेन राजा ती. १७५  
 गधपाळ प. २६०  
 घवंसेन दे. गद्रपसेन राजा  
 गध्रपसेन प ३३६, ३६८  
 गजनीखान दू ६७  
 ,, ती. १२४, १२५  
 गजनी पातसाह दू ३३  
 गज सर्मा प ६  
 गजसिध प. १६, २६, २७, ६८, १३३,  
 १६१, १६७, २२७, २३३, २४७,  
 २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५,  
 ३२८, ३४२  
 ,, दू १३४, २५७  
 ,, ती २२१, २२५, २२६, २२७  
 गजसिध फेसोदासोत प ३१०, ३११  
 गजसिध कुवर दू १५५, १६६, १६४  
 गजसिध जोषा रो प ३५६  
 गजसिध महाराजा (जोधपुर) दू ११०  
 ,, ,, ती १८२, २१४  
 गजसिध महाराजा (वीकानेर) ती. ३२  
 १८०, १८१, २०८  
 गजसिध राजा प ३२५, ३४२  
 गजसिध राजा दू ८१, ६८, १५६  
 गजसिध हरनाथोत प ३२३  
 गजू भ्रवतारदे रो प. ३५५, ३५६  
 गजैसी प. ३४२  
 गजो भ्नाभा रो प १६२

गजो रिणमल रो प १३६  
 गङ्ग प १६  
 गणेशदास राव ती ३६  
 गदाकर प २६२  
 गयासुदीन तुगलक साह ती १६१  
 गयासुदीन बलबड ती १६१  
 गयासुदीन बलबड (बलवन) दे० गया-  
 सुदीन बलबड  
 गरीबदास प ३१, १५८, ३२५, ३२८  
 ,, दू. ६२  
 गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,  
 २१२, २१४  
 गहनपाळ प. १३०  
 गहर राव दू २०२  
 गहरवार प. १२८  
 गांगो प ७६, १३७, १४१, १५६, ३४३  
 ,, दू ७५, ८१, ८८  
 गांगो किसनावत दू १६७  
 गांगो खींचे रो दू. १२१, १२२  
 गांगो गोयद रो प ३५६  
 गांगो चापा रो (बोपा रो ?) प ३५५,  
 ३५८  
 गांगो डूगरसीश्रोत ती. ८४  
 गांगो नरसिंघ रो प. ३४३  
 गांगो नींबावत दू. १५४, १६१  
 गांगो भाखरसी रो प ३६३  
 गांगो भाटी वीरमदेश्रोत दू १००  
 गांगो भैरवदास रो प २४१  
 गांगो राव ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,  
 ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१,  
 ९२, ९३, ९४, १८२, २१५  
 गांगो रावळ प ७६  
 गांगो वरजागोत दू. १६२  
 गांगो हमीर रो प ३५८  
 गाडण सहजपाळ प. २२५  
 गात्रड प. ५, ७६  
 गात्र रावळ प १२

गारियो दे० गाहरियो  
 गालण राव प २५३  
 गालवदेव सर्मा प. ६  
 गालव सर्मा प ६  
 गालवसुर सर्मा प ६  
 गाहड दू २, ३३  
 राजा गाहडदेव (गाहडदे) ती. ४६  
 गाहर राव दे० गहर राव ।  
 गाहरियो दू. २०२, २०६  
 गिरधर प २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,  
 ३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,  
 ३४३  
 ,, दू ८८, ६५, ६७, १२२, १२३  
 गिरधर अचळदास रो प. ३०७, ३२५,  
 ३२७  
 गिरधर कूभार प ३५३  
 गिरधर चादावत ती. २४६  
 गिरधरदास प ३२६, ३४३  
 गिरधरदास दू १८५  
 गिरधरदास नराइणदासोत प. ३०५,  
 ३२६  
 गिरधरदास माघोदासोत दू १४६  
 गिरधरदास रायसलोत प. ३२१, ४४३  
 गिरधरदास सुरजनोत दू १८५  
 गिरधर भाटी गोवरघनोत दू १०६  
 गिरधर राजा प ३२६  
 गिरधर रावळ प ७६  
 गाँवो प. २५३  
 गीगन राणो दू २६५  
 गुणरग मंडळीक प. १२३  
 गुमानसिंघ ती २२७, २३१  
 गुर्कक्रिय ती १७६  
 गुर्क गोरख दे० गोरखनाथ  
 गुर्कप्रिय दे० गुर्कक्रिय ।  
 गुलालसिंघ सिरदारसिंघ रो प १२१  
 गुहादित्य प ३, ७  
 गुहिल प. १

गूगो जगदेव रो प ३३७  
 छुंटराज प २५६  
 ,, ती. ४६  
 गूडो प १२७, १२८, १३१  
 गूदळराव खीची, प्रथीराज रो सांवन  
 प २५१, २५२, २५३  
 गूवडसिध आणवसिघोत ती २०८  
 गंचद प. ३३८, ३३९  
 गंमल गर्जसिघोत ती ३०  
 गंहलडो प. ३३७  
 गोइददास दे० गोयवदास ।  
 गोकळ दू० १४०, १७४  
 गोकळदास प. २६, ६६, २०८, २०९,  
 ३०६, ३१२, ३१६, ३२५  
 ,, दू. ६७, १२०  
 गोकळ पेंवार प ३४३  
 गोकळ पत्तायत दू. २००  
 गोकळ रतनू दू. ६, ३१  
 गोकळ सोढो प ३६१  
 गोग रांणो दू. २६५  
 गोगादे ऊगमणोत ती. ३१  
 गोगादेजी प ३४७, ३४८, ३४९, ३५०  
 गोगादे घोरमोत दू ३०४, ३१२, ३१७,  
 ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२,  
 ३२३  
 गोगादे घोरमोत ती ३०  
 गोगाराम प ३२३  
 गोगो प १३५  
 गोगोजी चतुषाण ती ६२, ७२, ७३, ७४,  
 ७५  
 गोतम दू ६  
 गोतमादित्य प १०  
 गोदभ प ३३६  
 गोदगोदिय प १०  
 गोदगीत गर्मा प ६  
 गोदो राजनिघोत ती ३०  
 गोराज प. १७, ३२६

गोपाळ दू. ७८  
 गोपाळ कांन्हा रो प. ३५२  
 गोपाळ खेतसी रो प. ३६०  
 गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६,  
 ३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२  
 ,, दू. ८१. ६१, ६२, ६३, ६५,  
 १०८, १२२, १२८, १६१, १६७  
 ,, ती. २३०, २३१, २३२  
 गोपाळदास आसावत दू. १४५, १४६  
 गोपाळदास ऊहड प. २४३  
 ,, ,, दू. ६६, १०० १०२,  
 गोपाळदास कल्याणमलोत ती. २०६  
 गोपाळदास किसनदासोत प १५२  
 गोपाळदास गिरघर रो प. ३२२  
 गोपाळदास गोड प ३०१  
 ,, ,, ती. २७२  
 गोपाळदास जेसावत दू १४६  
 गोपाळदास घनराजोत दू. १२२  
 गोपाळदास नायावत प. २६०  
 गोपाळदास प्रथीराज रो प. ३०६  
 गोपाळदास भाटी आसावत प. १६१  
 गोपाळदास भोंवांत दू. १६४  
 गोपाळदास मांडणोत दू. १६७  
 गोपाळदास मेरावत दू. १८८  
 गोपाळदास रांणावत दू १६८  
 गोपाळदास राठोठ दू २०१  
 गोपाळदास सहसमल रो प. ३१४, ३१७  
 गोपाळदास सांयतसीघोत प २३४  
 गोपादामळ सु वरदासोत दू. १५२  
 गोपाळदास सुरतणिोत दू ६८  
 गोपाळदास सूजायत ती २७४  
 गोपाळदे प ३४६  
 गोपाळदे मींघल प २५७  
 गोपाळ राघ प. १५३, २५६  
 गोपाळसिध प ३०१  
 गोपाळ सूजा रो प ३२५, ३२६  
 गोपिठ प. ३३६

गोपीचन्द्र राजा ती १८६  
 गोपीनाथ प १२०, ३०५, ३१५, ३१६,  
 ३२६  
 गोपो प १६  
 ,, हू १२, १७४  
 गोपो अखैराज रो प २३८  
 गोपो गंगादास रो प. ३५३  
 गोपो देवडो हू १००  
 गोपो रामा रो प ३५७  
 गोपो रावळ प १६, ७६, ८६  
 गोपो राव वीकूपुर ती. ३६  
 गोपो रिणमलोत हू १४१  
 गोयद प १२, १७, ७८, १६४, १६५,  
 १६६, ३२६  
 ,, हू ७७, ८०  
 ,, ती. ११४  
 गोयद ऊदा रो प. ३६०  
 गोयद ऊहड हू, १००  
 गोयद कूपावत ती १२३  
 गोयद खगार रो प ६६, ६२, ६३  
 गोयददास प ६६, १६४, १६५, १६७,  
 २३४, २३८, २३९, २४३, ३०८  
 ,, ८८, ६४, १२२ १२३, १२५,  
 १८३, १८६, १६८  
 गोयददास आसकरणीत हू. १३६  
 गोयददास ईसरदास रो प ३५४  
 ,, ईसरदास रो हू १०६]  
 गोयददास उग्रसेनोत प २५६, ३२०  
 गोयददास किसनावत हू. १६७  
 गोयददास जेसावत हू १५०  
 गोयददास तेजसी रो प ३५४  
 गोयददास देवडो देवीदास रो प १४३  
 गोयददास पचाइणीत हू ११६  
 गोयददास प्रताप रो प १५६  
 गोयददास बलभद्रोत प ३०७  
 गोयददास भाटी हू ८१, १००, १५०,

१५५, १५८, १६१, १६२, १६३,  
 १६६, १७४, १८६, १९३, १९४,  
 १९६  
 गोयददास मानावत हू १५४  
 गोयददास लखावत हू. १६१  
 गोयददास सहसमल रो हू ६६, १५६  
 गोयददास सूरजमलोत हू १२८  
 गोयददास हमीरोत हू. १८०  
 गोयद देवडो हू १००  
 गोयद राजघर रो प ३५६  
 गोयदराज सोळकी प २८१  
 गोयदराव प २५१  
 गोयद रावळ प १२, ७८  
 गोयद सर्वावतसी रो हू ७८  
 गोयद हमीर रो प ३५८  
 गोरखदान (कतर) ती २२७  
 ,, (गंडाप) ती २२७  
 गोरखनाथ हू २११, ३२०  
 ,, ती ७६  
 गोरखन गिरघर रो प ३२२  
 गोरखन रामसिंघ रो प ३४३  
 गोरो प २५२  
 गोरो राधावत पडिहार प १५२  
 गोरो सोनगरो ती. २८०, २८६, २६०,  
 २६१  
 गोवद रावत खगार रो प ६२, ६३  
 गोवरघन प ६८, १६०  
 ,, हू ६५, १२२, १२३, १८६  
 गोवरघन कूभा रो प ३४१  
 गोवरघनदास प ३१६  
 गोवरघन सर्मा प ६  
 गोवरघन सुदरदासोत प ११७, १२५  
 गोवरघन सोढो प. ३६१  
 गोवरघनादित्य प १०  
 गोविंद कवियो-चारण ती. २७०  
 गोविंदचन्द्र राजा ती १८६

गोविन्ददास प ३०४, ३०८, ३१६, ३२६

,, ती २३१, २३२, २३४

गोविन्ददास उपसेनोत्त प. ३२०

गोविन्ददाम चक्रभद्रोत्त प ३१८

गोविन्ददास भाटी दू २५३

गोविन्दपाल राजा ती. १८८

गोविन्द राजा ती. १८६

गोविन्द सर्मा प. ६

गोविन्ददित्य प १०

गोशील दे० गोशील राणो ।

गोशील राणो ती. १७५

गोतम प २६३

ग्यानसिध प ३००

ग्रहादित प ३, ७८

ग्रहादित्य प १०

## व

घडसी प २३१

घडसी रतनसीधोत्त दू, २८८

घटमी रावळ दू १०, १३, ५२, ५३,

५४, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१,

७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३,

२८५

,, ती. ३४, २२१

घडसी रायमलोत्त दू १८६

घटमी षोकायत ती. २०५

घडसी सोढो प ३६१

घणर दे० घणसूर

घणसूर (राणा चाहुरो येटी) ती. १५३,

१६६

घनादित्य प १०

घाघडदे (राजा) ती. ४६

घायडदे ती ४६

घोघो घघतारदे रो प. ३५५

## च

चंडो प १६

चंद प २८७

चंद उधरण रो प. ३१३

चंदगिर प, २६०

,, ती. ५०

चव राणो परमार ती. १७५

चंदराज प ३५८

चंद राजा प. ३१३

चंदराव दू. ७६

चंदेल घुंघमार रो ती. २१८

चवो प. २६, १४२, १७३

चवो राव ती, २४८

चंद्रपाळ राजा ती. १८८

चंद्रभाण प. ३२७, ३२८

चंद्रभाण जंतसी रो प ३१५

चंद्रभाण दुरज्जसाल रो प ३०५

चंद्रभाण परसोतम रो प. ३२३

चंद्रभाण रामसिधोत्त प. ३२०

चंद्रभाण सावळदासोत्त प १०२

चंद्रभाण हिरवैराम रो प. ३२४

चंद्रमिण प १३०

चंद्र राजा प. १३०

चंद्रराव प २५१

,, दू १६८

चंद्र रावळ प. २०४

चंद्रघ रतनू-वारहठ दू. ५४

चंद्रशेखर कवि ती. २६६

चंद्रसेण ती. २३०

चंद्रसेण राव प. २३, ७८, १६४, १६८,

२०८, २३७, २३६, २४३, २६०,

३५६

,, राव दू. ६७, ११६, १२७, १३२,

१४५, १६१, १६३, १६७, १६८,

१६६, १७५, १८६, १६४

,, ,, ती. १२८, १८२

चद्रसेण राजा लहरण रो प २६७  
 चद्रसेण पता रो प ३५५  
 चद्रसेन प ७८, २६०  
 चंद्रसेन हू १३४  
 चद्रसेन भाली हू. २५६, २६३  
 चंद्रसेन भालो मानसिध रो हू. २५६  
 चद्रसेन दुवसेन रो प. २६२  
 चद्रसेन भगवतदासोत प २६१  
 चद्रसेन भाटी हू ८१  
 चद्रसेन राणो रायसिध रो हू २५४.  
 २५५, २५६  
 चप ती. १७८  
 चंपक दे० चप ।  
 चपतराय प १३१  
 चपराय प ११६  
 चकतो भोपत रो ती. ३७  
 चक्रसेन प. १२७  
 चतुरग प २८६  
 चतुरभुज जोगीदासोत हू १८५  
 चतुरभुज रायसिधोत हू. १६४  
 चतुरसिध प. ३२१  
 चतुरसिध भगवत रो प. ३२६  
 चतुरसिध (रावतसर) ती. २२६  
 चतुरसिध रूपमी रो प. ३०६, ३१२,  
 ३२१, ३२३  
 चतुरसिध हररांमोत प. ३२४  
 चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६  
 चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,  
 ३१८, ३२५  
 चत्रभुज दयाळदासोत ती. २१३  
 चत्रभुज प्रयोराजोत प. ३११  
 चत्रभुज मालदे रो प. ३१५  
 चत्रसाल प. ३१५  
 चरही ती. १४०  
 चरडो चद्रावत हू. ३४२  
 चहुवाण प. ११६

चहुवाण ती १५३, १६६  
 चादण प ३१५  
 चांदण त्रिडियो हू ३३३, ३३४  
 चांदण सोढो प ३६३  
 चांदराज जोषावत ती ११६, ११७, ११८  
 चादराव श्ररडकमलोत ती १४०  
 चाद, राव जोधा रो प ३५७  
 चादराव रतनसी रो प ३५८  
 चादराव घाघोत हू १४६  
 चांदरो भीमसी रो ती २३६, २४०, २४७  
 चांदसिध प. ३२३  
 चांदसिध (लाविया) ती २५३  
 चांदसिध सूरसिध रो प ३००  
 चांदसे (चद्रसेन) प. ७८  
 चांदो प १५४, १५५, १५६, १५७,  
 १५८, १६४, १६८  
 ,, हू ६५, ६६, १४२, १६७  
 चांदो खीची हू १८६  
 चांदो गांगा रो प ३६३  
 चांदो चूडावत ती ३१  
 चांदो जगमाल रो हू ६८  
 चांदो थोरी ती ५१, ६१, ६३, ६५,  
 ६६, ६८, ६९, ७०, ७१, ७५, ७६,  
 ७७, ७८, १२१  
 चांदो नारण रो प ३५८  
 चांदो माडण प. २४३  
 चांदो सेहवचो हू ६५  
 चांदो रायमलोत हू. १२३  
 चांदो रावत हू १२२  
 चांदो त्रिहळ प २२४  
 चांदो सूजा रो प ३२५  
 चानणदास (चांदण) दासा रो प ३१४,  
 ३१५  
 चानण दासी रो प ३१५  
 चांपो प १६३, १६७  
 ,, हू १४४



चापो नगादास रो प ३५३  
 चापो देतो हू १६  
 चापो तेजसी रो प ३५७, ३५८  
 चापो पूना रो प २००  
 चापो वालो हू २०५  
 चापो भावरासी रो प ३५६  
 चापो राणो हू. ६  
 चापो सामोर चारण ती १६८  
 चामडराय प २५२, २५६  
 चायडवे हू. ३२  
 चाच प २६१, २८०, २८८  
 चाच हू १५  
 चाचग घ्रासयान रो ती २६  
 चाचगदे प ३६३  
 चाचगदे करमसी रो, रावळ प २०३,  
 २०४  
 चाचगदे फालण रो, रावळ हू १०, ३८,  
 ३६, ६२  
 ,, कानण रो, रावळ ती ३३, २२१  
 चाचगदे वरसी रो हू ११, ४२, ४३  
 चाचगदे सोई रो प. ३५५  
 चाचग वीरम रो प. ३४०  
 चाच राणो प १२३  
 चाच मोळकी प. २६१, २८०, २८८  
 चाघो प १५, १६  
 चाघो हू ३३८, ३३६  
 ,, ती १३४, १३५, १३६, १३७,  
 १३८, १४६  
 चाघो नांना रो प ३५८  
 चाघो वेल्हन रो हू ११६, ११७, १२६,  
 १३७  
 चाघो पूना रो हू. ६६  
 चाघो गय ती ११३  
 चाघो राय (पगळ) ती ३६  
 चाघो रायळ ती ३४, ३५  
 चाघो रायळ वरगो रो हू ११. ८०.

८२, ८३, ६२  
 चाघो सिवा रो प ३५१  
 चाघो सीसोदियो ती. १३४, १३५, १३६  
 चापोत्कट हू २६६  
 चामडराज प. २५६  
 चामड राजा ती ४६  
 चामुडराय ती ५०  
 चामडराय दाहिमो प २५२  
 चाय प ११६  
 चालुक्य हू २६६  
 चावडराज प. २६६  
 चावडो प २०४, २६०  
 चावोटक दे० चापोत्कट ।  
 चासळ थोरी ती. ५६  
 चाह चहुवाण रो ती. १५३, १६६  
 चाहडवे प. १८६  
 चाहुवाण प ३६५  
 चित्ररथ राजा ती १८५  
 चित्रसेन राजा ती १८७  
 चित्रागद मोरी ती. २८  
 चित्रागद राजा परमार ती. १७५  
 चिराई वारहठ आसराय रो हू ७४  
 चीगसला हू २०२  
 चीवो प. १६६  
 चीर सर्मा प ६  
 चूडराय प २५६, ३४३  
 ,, ती ४६  
 चूडराय देला रो प ३४१  
 चूडो जसहड़ रो हू ३०४, ३०५, ३०६,  
 ३०७  
 चूडो राय प. १५, १६, ३४७, ३४८,  
 ३५०, ३५३  
 ,, राय हू ६५, ८४, ११४, ११५,  
 २८५, ३०८, ३०९, ३१०, ३११,  
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,  
 ३२४, ३२८, ३२९, ३३६

चूडो राव ती. ३०, १२६, १८०  
 चूडो लाखावत रांगो प ६६  
 " " " दू ३३१, ३३२,  
 ३३३, ३३४

चूडो हरभम रो प ३५१, ३५२  
 चूडासमो दू १, १६  
 चैनसिध (कुभाणो) ती २२८  
 चैनसिध (गमल्यावास) ती. २३५  
 चैनसिध (भेळू) ती. २२५  
 चोयो रजपूत ती. १२६  
 चोरंग राव प. २२६  
 चोरासी-मिलक प ८०, ८१, ८२  
 चौहथ प. २००  
 चौहिल सूत्रधार प ३५३  
 चौहथ इंदो ती. १३३  
 च्यवन प. ७८

## छ

छतरसिध दे० छत्रसिध (कतर) ।  
 छत्रपति शिवाजी प. १५  
 छत्रराज प २८६  
 छत्रसिध प. ३२६  
 छत्रसिध कछवाहो प. ३१, ३०५  
 छत्रसिध (कतर) ती. २२७  
 छत्रसिध माघोसिध रो प २६६  
 छाजू चदावत ती. २४०, २४१, २४२,  
 २४३, २४७  
 छाडो राव ती. ३०, १८०  
 छाताळ प. ३१०  
 छाहड़ घरणीवराह रो प. ३५५, ३६३  
 छाहर दू. २०६  
 छीकण दू. १, ११, १७  
 छीतर प ६२  
 छीतरदास प. ३०७, ३०८  
 छीतरदास दयाळदासोत दू. १४६, १४७  
 छीतर नरा रो प. ३१३  
 छीतर पूरणमल रो प ३१३

छैनो दू. १, ११, १६  
 छोहिल राजपाळ रो प ३३६, ३४०

## ज

जगजीवणदास ती २२४  
 जगजोत जोसी प १८०  
 जगतमिण प १३०  
 जगतसिध प. ६, १५, २२, २५, ३१,  
 ३३, ३५, ४५, ६८, ६६, ११७,  
 १२१, २०६, २६१, ३१०  
 " दू १२२, १५७  
 जगतसिध अचळदासोत दू. १५६  
 जगतसिध अमरसिधोत प ३०३, ३१०  
 जगतसिध जसवतसिधोत दू १०६  
 " " ती ३६, २२०  
 जगतसिध (जेसळमेर) ती. २२०  
 जगतसिध (नीवां) ती २२५  
 जगतसिध (नीवोळ) ती २३६  
 जगतसिध (मलकासर) ती २३०  
 जगतसिध मानसिध रो प. २६१, २६७  
 जगतसिध (रावतसर) ती २२६  
 जगतसिध (साखू) ती २२४  
 जगतसिंह राजा ती २७२  
 जगतहर प १२७  
 जगदीर्शासिंह गहलोत ती २६६  
 जगदे दू १२४  
 जगदेव प ३२२  
 जगदेव पवार (परमार) प ३३६, ३३७  
 " " " ती १७६  
 जगदेव राव आसकरण रो दू. १३६, १४०  
 जगदेव राव (पूगळ) ती. ३६  
 जगधर प १२४  
 जगनाथ प. २७, ६७, ६६, ११३, १६५,  
 २३६, ३०६, ३१६, ३६२  
 " दू ६१, ११६, १२३, १६५,  
 १७१, १६८  
 जगनाथ अमरा रो प. ३५६

जगनाथ ईसरदासोत हू ६४, १०६  
 जगनाथ उर्देसिघोत प ३०८, ३१४  
 जगनाथ कलावत हू १६२  
 जगनाथ कल्याणदास रो प ३४३  
 जगनाथ किसनदासोत हू. १८७  
 जगनाथ गोहददासोत प ३१७, ३२५,  
 ३२७

जगनाथ जसवतोत प. २०६  
 जगनाथ देवडो प. १६५  
 जगनाथ नादा रो प ३५८  
 जगनाथ प्रषीराजोत हू १६३  
 जगनाथ भातरसीघ्रोत हू १६८  
 जगनाथ भारमल रो प २६१, ३००,  
 ३०१

जगनाथ भैरवदासोत हू १६६  
 जगनाथ माधोदासोत हू १६३  
 जगनाथ मुंहतो हू १३१  
 जगनाथ राघोदासोत हू १४८  
 जगनाथ राजा प २६१, ३१४  
 जगनाथ राजा हू १५५  
 जगनाथ राव हू १६७  
 जगनाथ हनुमोत हू १४७  
 जगनाथ विजा रो हू १०४  
 जगभाण प ३१०  
 जगमास प. १८६, २३२, ३४३, ३६२  
 ,, हू ७७, ८४, ६४, १०७, १२१,  
 १०२, १२६, १२८, १५६, १६६  
 ,, ती २३४

जगमास कर्णादास रो प ३४३  
 जगमास घटमेरोत प २६०  
 जगमास जैमिप्रदेघोत प २४२  
 जगमास देघटो प १३६, १८०  
 जगमास नेतमी रो प २४०  
 जगमास पचाहरोत हू १७७  
 जगमास प्रवीराज रो हू ६८  
 जगमास भाटो लीपावन हू १३२

जगमाल भारमल रो प ३१७  
 जगमाल मालावत प. २४६, २५०  
 ,, ,, हू. १३, १४, २४,  
 ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६,  
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९७,  
 २९६, ३००  
 ,, मालावत ती ३, ४, २५२, २५३, २५४  
 जगमाल राणा उर्देसिघ रो प. २२, २३,  
 २४, २८, १६६  
 जगमाल रायमल रो प ३२६  
 जगमाल रावत प १४३  
 जगमाल रावळ उर्देसिघ रो प ७०, ७१,  
 ७२, ७३, ७४, ८७  
 ,, रावळ उर्देसिघ रो ती २६६  
 जगमाल राव लाखावत प. १११, १३५,  
 १३६, १६०, १६१  
 ,, राव लाखावत हू १६१  
 ,, ,, ,, ती २१५  
 जगमाल रिणमलोत हू. १२, १४१  
 जगमाल वरजागोत प २३२  
 ,, ,, हू १६१  
 जगमाल वरसल रो हू ११८, ११९,  
 १२०, १२७  
 जगमालसिघ (भनाई) ती. २२४  
 जगमालसिघ (सांडवो) ती. २२४  
 जगमाल सीसोदियो उर्देसिघ रो प १५०,  
 १५१, १५२  
 जगमाल सीसोदियो घाघावत प ६६  
 जगमाल हाडो प ५०  
 जगराम प ३०२  
 जगराम जवणसीघ्रोत मोहिल ती १६५  
 जगराम (जुणतो) ती. २३६  
 जगराम (नीबाज) ती २३५  
 जगराम (नीबोळ) ती. २३६  
 जगराम (रात) ती २३५  
 जगराम प. २६, ६८  
 ,, हू १३४

जगरूप जगनाथ रो प ३०१  
 जगरूप प्रतापसिंघ रो प ३१५  
 जगरूपसिंघ ती २२४  
 जगरूपसिंघ परमार ती. १७६  
 जग सर्मा प ६  
 जगसी मुघ रो दू ३१  
 जगती सींधळ प २२६  
 जगहथ खेतसी रो प २४१  
 जगहथ घूहडजी रो ती. २६  
 जगहथ मेहाजळ रो प ३५१  
 जगादित्य प १०  
 जगो प ५१, ६७  
 „ दू. ८८  
 जगो आसल रो प ३४३  
 जगो चूंडावत ती ४७  
 जगो लाडखान रो प. ३२१  
 जगो साळकी दू १०७  
 जगो हमीरोत दू. ८०  
 जजात राजा दू. ६  
 जतहर दे० जगतहर ।  
 जदु राजा दू ६, १६  
 जनकादित्य प. १०  
 जनकार सर्मा प ६  
 जनमेजय दे० जनमेर्ज राजा ।  
 जनमेर्ज राजा प ८ १०  
 „ „ ती. १८५  
 जन सर्मा प ६  
 जनागर दू २०६  
 जन्हू प. ७८  
 जबदू प १०१  
 जबो सींगटोत मोहिल ती १६५, १६६  
 जमलो अहीर दू. २२६, २२७, २२८  
 जयचव ती १८०  
 जयदेव राजा परमार ती १७६  
 जयवत घुघमार रो ती २१८

जय सर्मा प ६  
 जयसिंघ (कूदसू) ती २२६  
 जयसिंघ (केलणसर) ती २२६  
 जयसिंघदेव लघु (अणहिलपुर) ती ५१  
 जयसिंघ (पातळासर) ती २३३  
 जयसिंघ महासिंघोत प. २६१  
 जयसिंघ राजा प. २६१, ३१७  
 जयसिंघ (लखमणसर) ती २३३  
 जयसिंहदेव (अणहिलपुर) ती ५१  
 जरसी, राव कीलणदे रो प. ३३१  
 जरसी रावळ प २६६  
 जलादित्य प १०  
 जलाल जळूको ती ६६  
 जलालदीन अकबर पातसाह ती १६२  
 जलालदी सुरताण प २०३  
 जलालदी सुलताण ती. १६१  
 जलालुद्दीन दे० जलालदी सुलताण ।  
 जलालुद्दीन अकबर दे० जलालदीन अक-  
 बर पातसाह ।  
 जलालुद्दीन सुलतान प. २०३  
 जवणसी कुतल रो प २६०, २६५  
 २६६, ३२६, ३३०  
 जवणसी मोहिल ती १६५  
 जवानसिंघ (रास) ती २३५  
 जसकर प. ६  
 जसकरण प १५, ३०६  
 „ दू ६४  
 जसकरण (छिपियो) ती. २३७  
 जसकरण नरहरदास रो प ३०८  
 जसकरण (वासो) ती २३७  
 जसकरण भीम रो प १२१  
 जसचव घुघमार रो ती २१८  
 जसपाल रांगो ती १७६  
 जसमाई प २६२  
 जसराज (कल्याणसर) ती २२७  
 जसराज रावळ कल्याणदे रो प २६५

जमवत प ६, २५, २७, २६, ६७, ७६,  
१६३, १६५, १६८, १८७, २०८,  
२१२ २८५, ३१३, ३२५  
,, दू ७८, ८८, ६१, ६३, ११६,  
१२२, १२४, १२८, १२६, १४०,  
१७४, २५२, २६४

जमवत फरमती रो प. १२०

जमवत फेमोदाम रो प ३१३

जमवत डूगरसीघोत दू. १५१

जमवत नारणदास रो प ३५८

जमवत फरसरांम रो प. ३१६

जमवत भाटी दू ७६, १०८, ११६,

१२२

जमवत मदनसिध रो प. ३१७

जमवत मोनसिधोत प २१२

जमवत राघत नरहरोत प ६६

जमवत रावळ प ७६

जमवत रूपसीघोत दू १४८

जमवत लूणकरण रो दू ८१

जमवत धीजय देवडा रो प १३४, १८१

जमवत (जमूत) घोरमदेघोत दू ११७

जमवत घंरसलोत व ८०

जमवत सायूढोत दू १६१

जमवतसिध प २६, १३०, १७२, २११,

२३४, २७६

जमवतसिध (फगामर) ती २३०

जमवतसिध (पल्लू) ती २२६

जमवतसिध (महाजन) ती २२८

जमवतसिध महाराजा प २११

जमवतसिध महाराजा दू १०५, १०६,

१०८

जमवतसिध महाराजा प्रथम (जोधपुर)

ती १८२, २१८, २१६

जमवतसिध राजा दू. १५७, २०२

जमवतसिध रावळ ती ३६, २००

जमवतसिध रावळ घमनसिधोत व १०६

जसवतसिध (साडवो) ती २३२

जसवतसिध महाराजा प २३४

जसवत हरीदासोत दू १६२

जसवीर जद्वेसी रो प. २०३

जसहड प. ३६३

जसहड भ्रासकरणोत दू. ७४

जसहड (जसळमेर) ती. २२१

जसहड जैमुख रो प. ३५५

जसहड पाल्हण रो दू. २, ३६, ४३, ५३,

५४, ५५, ६४, ६५

,, पाल्हण रो ती. ३४, २२१

जसूत नाथावत प ३०६, ३१०, ३१३

जसू प. ६६

जसो प ६६, १६७, २०१, २२६

,, दू ३३, ७६, १६६

जसो भ्रमरा रो प. ३५६

जसो कचरा रो प. १६६, १६७

जसो जगनाथ रो प ३०१

जसो त्रिभणा रो प. २००

जसो नाथावत प ३२७

जसोवहा रावळ प ७६

जसो सोढो दू १०३

जसो हरधळोत जाडेचो दू. २३६, २४४,

२४५, २४६, २४७, २४८, २४९,

२५०, २५६

जहागीर नूरदीन पातसाह ती १६२

जहागीर पातसाह प २४, २६, ३०,

५६, ६३, १३०, २५६, २७६,

२८३, २८८, ३०३, ३३१

,, पातसाह दू १५५, २५६

,, ,, ती २१४, २१७, २३८,

२७२, २७४, २७६, २७६

जाभण दू ३८, १४३

जाभण पूजा रो प ३५२

जाभण वरसिध रो दू. १२७

जाभण साजनीत ती. २४७

जानड़दे हणू रो प. २६६  
 जानसाखान (जानिसारखां) प. २६  
 जाभ वाघोडो प ३५०  
 जामणीभाण (यानिनीभानू) प १३३  
 जाम रावळ दू २१०, २१३, २१५,  
 २१७, २२०, २२१, २३६, २४७,  
 २४६, २५०, २५४  
 , रावळ ती. २६  
 जामळसिध (पडिहारो) ती २३३  
 जाटव ती १५६  
 जाटो डूम ती. १५  
 जादम दू ६  
 जादूराय ती. २७६  
 जान कवि ती २७४, २७५  
 जानिसारखा फोजदार प ६६  
 (दे० जानसाखान)  
 जापाल (प्रजापाळ) प ७८  
 जाय सर्मा प ७  
 जालणसी राव (जोधपुर) ती. २६, ३०,  
 १८०  
 जाळप दू १४३  
 जाळपदास (सूहडी) ती २३१  
 जाळपदास वंरावत मोहिल ती. १७१  
 जाळप राणो दू २६५  
 जाळप सिवदासोत दू १६७  
 जालमसिध (पडिहारो) ती. २३३  
 जालमसिध (वीदासर) ती. २३१  
 जालमसिध (सिधमुख) ती २२४  
 जालमालादित्य प १०  
 जालाप प. ३५२  
 जावदीखां ती २०७  
 जिंदराव वहुवाण प ११६, १३५,  
 १८५, १८६  
 जिंदराव हाडो प १०१  
 जितमत्र प. ७८  
 जितसत्र (जितशत्रु) प. ७८  
 जिंदराव प १७२, १८७, २०२, २३०

जिंदराव खीची प २५०  
 , , ती. ५६, ६४, ७५, ७६,  
 ७७, ७८, ७९  
 जिंदराव वोडो प. २४७  
 जिंदो जोधा रो प ३५६  
 जीतमल प १०१, १११  
 जीणो ईंदो ती १३३  
 जीवण नारण रो प. ३५८  
 जीवराज राजा ती १८७  
 जीवो प ६८, ६४३, ३५३  
 , दू ७७, ७८, ६०, १४३, १५६,  
 १६६  
 जीवो गागावत प २४१  
 जीवो जगमाल रो दू. १२२  
 जीवो जेसा रो प १६६  
 जीवो देवराज रो प १५७  
 जीवो नरहरदास रो प. ३६१  
 जीवो भोजराज रो प. ३५३  
 जीवो रतनू घरमदासांणी दू. २५३  
 जीवो लूणकरण रो दू ८१  
 जुगराज प १२८, १३०, १३१  
 जुगलो भांभी ती १२१  
 जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।  
 जुधसिध प ३१०  
 जुधिष्ठिर राजा ती १८५  
 जूभारसिध प. २६, २१२, ३०७, ३२६  
 , ती २२०  
 जूभारसिध चत्रभुजोत प ३११  
 जूभारसिध जगतसिधोत प २६१, २६८  
 जूभारसिध दळपतोत प २३४, २३५  
 जूभारसिध परसोतम रो प. ३२३  
 जूभारसिध राजा परमार ती १७६  
 जूभारसिध (सेलो) ती २३२  
 जूभो चौधरी ती २७४  
 जेठी पाहू प ३४६, ३५०  
 जेठो दू १६६

जेटो गगादास रो प ३५३  
 जेटो माउण रो प ३५७  
 जेमळ रावळ हू १०, १५, ३२, ३४,  
 ३५, ३६, ३७, ३८, ६२  
 ,, ,, ती २६, ३३, २२२  
 जेसावर राजा ती १८७  
 जेसो प २२६  
 जेसो कलिकरण रो हू १५२, १५३  
 ,, ,, ती २१५  
 जेसो जैता रो हू २६४  
 जेसो पताधन हू २००  
 जेसो भाटो हू ६६, १६५, १८१, १८२,  
 १६७  
 ,, ,, ती ७  
 जेमो भैरवदासोत हू १६४  
 ,, ,, ती २६६  
 जेसो रायपाळोत हू १४६  
 जेसो राव (पूगळ) ती. ३६  
 जेसो लाणा रो हू २२४  
 जेमो (लिवमी रो भाई) ती १०५  
 जेसो वजोर हू २४०  
 जेसो सरवहियो हू २०२, २०६, २०७,  
 २०८  
 जेहो भारावत हू २१५, २१६  
 जेकिमन प ३०८  
 जेकिमनसिध प. २६८  
 जेचद हू ६६, ७४  
 ,, ती. २२१  
 जेचद नगममी रो हू २, ३६  
 जेत हू ४५, ४३  
 जेतकरण येगू रो प. ३५२  
 जेतकरण सोहाट रो प. ३४०  
 जेत पगार प १८०, १८१  
 जेतमस प २२, २२५  
 जेतमस सोहाटा हू. १५२  
 जेतमस प ६१, २४६

,, हू ८१, १६५  
 जेतमाल गोयदोत ती ११४  
 जेतमाल राजधर रो हू ८०  
 जेतमाल सलखावत हू २८१, २८४  
 ,, ,, ती ३०  
 जेतमाल सोडो ती ३१  
 जेतराव प १०१, १८५  
 जेतल हू १४  
 जेतल मलेसो रो प २६४  
 जेत लाखण रो प २०२  
 जेतसिध प. २२, ३०६, ३१५, ३१६,  
 ३१६, ३२६  
 ,, ती २२५  
 जेतसिध अग्रसेण रो प ३२०  
 जेतसिध आसकरण रो प ३०३  
 जेतसिध (करणीसर) ती. २२४  
 जेतसिध (छिपियो) ती. २३६  
 जेतसिध (दुसारणो) ती. २३१  
 जेतसिध द्वारकादास रो प ३२३, ३२५,  
 ३२६  
 जेतसिध राजावत हू ८१  
 जेतसिध राव ती १५२  
 जेतसिध राव मोहणदासोत हू. १३३  
 जेतसिध (सांडवो) ती २३२  
 जेतसी प. २३५, २४३, ३२७, ३४१  
 ,, हू. ६२, १०२, १७१, १६१  
 जेतसी अचक्रावत हू. १८६  
 जेतसी ऊदावत प. २३८  
 ,, ,, ती ८१, ८२, ८३, ६५,  
 ६६, १००, १०१  
 जेतसी कूभा रो प ३२८  
 जेतसी जगनाथ देवडा रो प. १६५  
 जेतमी (जेसळमेर) ती २२१  
 जेतसी नागावत प. २३७  
 जेतमी पोयावत हू १६४  
 जेतसी, राणा भोजराज रो प. ३४१

जैतसी रांणो प ६  
 जैतसी राव हू. ६३, २२१  
 ,, ,, ती १६, १७, ३१, ८०, ९०,  
 ९१, ९२, १८०, १८१  
 जैतसी रावत प. ६६  
 जैतसी राव भाणोत हू १०७, ११६, १२१  
 १३४  
 जैतसी रावळ प. १३, ७६  
 ,, ,, हू. ११, ८४, ८५, ८६,  
 ८७, ८८, ९२, १००, १२१  
 ,, रावळ ती. ३३, ३४, ३५, २२१  
 जैतसी रावळ तेजराव रो हू. ४२, ४३  
 जैतसी रावळ वडो हू. १०, १४, ३६,  
 ४४, ५१, ६२  
 ,, रावळ वडो ती २२१  
 जैतसी राव (वीकूपुर) ती. ३७  
 जैतसी घोरमदे रो प. ३५६  
 जैतसी सिध रो प ३१५  
 जैत सीसोदियो प ६८  
 जैतसी हमीर रो प २३७  
 जैतसेन हू ६  
 जैतुग हू १०७, ११३, १३४  
 जैतुग कोतहावत हू ७२, ७४, ११२,  
 ११३  
 जैतुग तणुं रो हू. १, १७  
 जैतो प १६४, ३६२  
 ,, हू ५३, ६६, ७७, २००, २६४  
 जैतो उदावत दे० जैतसी ऊदावत ।  
 जैतो खींवावत घीवो प १५३, १७०  
 जैतो खिता रो प ३५२, ३५३  
 जैतो जगमालोत हू. १२, १४१  
 जैतो जोगावत हू. १८७  
 जैतो जोघा रो ती. ३७  
 जैतो देवडो प. २२४  
 जैतो मेहाजळ रो प १६१  
 जैतो रतनोत प. २४३

जैतो रायमल रो प ३६०  
 जैतो वाघेलो प. २२४  
 जैतो सावळदासोत हू १७६  
 जैतो सोढो प ३६२  
 जैतू जाट ती. २७३  
 जैपाळ प ८६  
 जैपाळ राजा ती. १८७  
 जैब्रह्म प ३६३  
 जैभाण प ३२४  
 जैमल प. १११, १६६, ३६२  
 ,, हू ६६, १६६  
 जैमल अखैराजोत प २०८, २१२  
 जैमल आसावत हू १७६  
 जैमल ऊहड हू १६७, २०२  
 जैमल किसना रो प ३५२  
 जैमल कूभा रो प. ३२८  
 जैमल जेसावत मुहतो प २२७  
 जैमल तिलोकसी रो हू १६२  
 जैमलदास ती २२७  
 जैमल दास रो प. ३१७  
 जैमल प्रथीराजोत प. १२५  
 जैमल भा० प. १५२  
 जैमल भाटी कलावत हू १३२  
 जैमल (भेळू) ती २२६  
 जैमल मुहतो प २११, २२७  
 जैमल रतनावत प १६७, १६६  
 जैमल राणो प. २८१, २८२, २८३  
 जैमल, राम सोढा रो प ३५८  
 जैमल राठोड ती १८३  
 जैमल रायमलोत प १७, १८  
 जैमल रासावत हू १०७  
 जैमल रूपसीश्रोत प ३१२  
 जैमल घीरमदेश्रोत प. ३२, ११२  
 ,, ,, ती. ११५, ११६  
 ११७, ११८, ११९, १२१, १२२  
 जैमल घीरमवे सोढा रो प ३५८



जमल मांगावत प ६६  
 जमल साहणी प. १३८  
 जमल सीसोदियो प २१  
 जमल हरराज रो प १६३, १६४, १६८  
 जमाल प ११७  
 जमुष राजदे रो प ३५५  
 जरांम प ३०७  
 जरिण प १२२  
 जैवराच प १३५  
 जैसा ती १८७  
 जैसिध प १२४, २७७, २७८, ३२१  
 ३२२  
 ,, दू १२३, १३३, १७६, ३०४,  
 ३०५  
 ,, ती २२०  
 जैसिध फरमचव रो प २०५  
 जैमिघदे प १४२  
 जैसिघदे ऋदावत प ३४६, ३५२  
 जैसिघदे जोधा रो प. ३५६  
 जैसिघदे रावळ दू. ८५, ८७, ८६  
 जैसिघदे घरजांग राव रो प २३२  
 जैसिघदे सिधराव प २७२, २७७, २७८  
 ,, ,, दू ३३  
 ,, ,, ती २६  
 जैमिघ महार्सिध रो प २६७  
 जैमिघ राणो प १२०  
 जैसिध राजा प २५, ३०६, ३०६, ३१०,  
 ३११, ३१५, ३१७, ३१६, ३२०,  
 ३३१, ३३२, ३५६  
 जैमिघ राव प १६६, १६७  
 जैमिघ राव मोहणराजोत दू १०७  
 जैमिघ राव (गोवू पुर) ती ३६, ३७  
 जैमिघ पौरमनी रो ती ३०  
 जैमिघ सिन्धार रो प १६४  
 जैमो गोवा रो प. १६५, १६६  
 जैमो ललमामोत प ३०६

जैसो भैरवदासोत प. २१, २०७  
 ,, ,, दू ६६  
 जैसो माडण रो प ३५७  
 जैसो मालदे रो प २०५  
 जैसो राव दू १२०, १२२, १२७  
 जैसो राव घरसिध रो दू. १३७, १३८,  
 १३६  
 जैसो लखावत प. ३६०  
 जोगराज प. ५, २५६  
 ,, ती. ५०  
 जोगराज रावळ प. ५, १२, ७६  
 जोगराव प २५६  
 जोगाहत दू. १२३, १२८  
 जोगाहत वैरसल रो दू ११८, १२०  
 जोगादित प ७८  
 जोगी प. ३५३  
 जोगी दू १६, २०, २३, २४, २५  
 जोगीदास प. १६६, ३१८, ३५६  
 ,, दू. ८०, ८८, १२३  
 जोगीदास ऋदावत प. ३५६  
 जोगीदास फकरावत दू १७४  
 जोगीदास फांछोत ती. १८  
 जोगीदास गोवददासोत दू. ११६  
 जोगीदास ठाकुरसी रो प ३६०  
 जोगीदास मेदावत दू १७२  
 जोगीदास घेरसीसोत दू १८५  
 जोगीदास सीसोदियो प, ६२  
 जोगी दूहा रो प ३५३  
 जोगो प. १२४, १६०  
 जोगो अर्खराजोत दू. १८७  
 जोगो आसावत दू १७६  
 जोगो गोड ती. २६७  
 जोगो जोधावत ती. १६४, १६५  
 जोगो वारहूठ दू. ७४  
 जोगो मयुरोत दू १४५  
 जोगो मांढण रो प ३५७

जोजड प २६३  
जोजळ लाखण रो प २०२  
जोध प १०१, २०६, १२  
जोध गोपाल रो प ६२, ६७  
जोध गोयदोन प ६७  
जोध मानसिधोत हू १८८  
जोधरथ राजा ती १८६  
जोध विहारी रो ती ३७  
जोधसिध प ३०६  
जोधसिध (जीळी) ती. २३३  
जोध सीसोदियो प २७, ६३, ६४, ६५  
जोघो प ३५६  
, हू १७७  
जोधो कधर राव रिणमल रो प १७  
जोधो करमा रो हू ८०  
जोधो कावळ रो प ३४१  
जोधो तेजती रो प. ३५४  
जोधो नारण रो प ३५८  
जोधो भाटी हू १५३, १६४  
जोधो मानसिध रो प ३५६  
जोधो मेहराज रो प ३४८  
जोधो मोकल रो ती ११६  
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१,  
२२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०,  
१५८, १५९, १६०, १६१, १६२,  
१६३, १६४, १६६, १६७, १८०,  
१८१, १८२, २३१, २३५  
जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५३  
, , हू ६६, ८८, ३३५, ३३६,  
३४०, ३४२  
जोधो लाडखान रो प. ३२१  
जोधो लोलावत प. २३८  
जोधो सहसा रो प. ३५६  
जोधो सांगावत प ३६०  
जोधो सिधावत प. २४३  
जोपसाह राठीड ती २८०

जोधनारथ प २८७  
जोरावरसिध ती २२०  
जोरावरसिध महाराजा (वीकानेर) ती. ३२,  
१८०, १८१, २११  
जोवनजीत राजा ती १८७  
जोवनार्थ प २८७  
जोवनाव प. ७८  
ज्ञानपति ती १८०

झ

झरडो वूडावत ती ७६  
झाभण पडिहार प. २२५  
झाभण भडारी प २२५  
झाभण भुणकमळ हू २  
झाभणसी चद्रावत ती २३६  
झाभो प १६२, २००  
झाभण वीठू-चारण प. ५५  
झालक राजा ती १७६  
झूटो आसियो ती. ८६  
झूलो भाण प ८६, ८८  
झूलो वरदास प ८६, ८८  
झूलो सांइयो प ८६, ८८  
झेरडियो खूम प. २२८

ट

टाँड कर्नल ती. १६८, १६९  
टोडरमल ती २७६

ठ

ठाकुर कचरा रो प १६६  
ठाकुरजी प. २८६  
ठाकुरती प. १६७, १६४, २४८, ३२८  
, हू ७७  
ठाकुरसी आसावत हू १४८  
ठाकुरसी करण रो प. ३६०  
ठाकुरसी करमसीओत हू. १८६  
ठाकुरसी करमा रो हू ८०

ठाकुरमी जगनाथ देवडा रो प १६५  
 ठाकुरमी जगमालीत दू १६२  
 ठाकुरमी जंतसिधोत ती १७, १८, १५२,  
 २०५  
 ठाकुरमी तेजमाल रो दू १२४  
 ठाकुरमी घनराज रो दू. १२२, १२३  
 ठाकुरमी राणावत दू १७२  
 ठाकुर सेखा रो प. २००

## ड

डहधर ती १८७  
 डहपाल ती १८६  
 डाघियो ती. ७५, ७६  
 डाघो घोरी ती ७५, ७६  
 डाभ रिष प ३३७  
 डाहलराय प ५  
 डाहलियो सिसपाळ रो ती १५४, १५५  
 डाह्यानाई पीतांबरदास देरासरी ती. २६३  
 डूगर देवडो प १३६  
 डूगर भील प ८२, ८३  
 डूगर माना रो प २०१  
 डूगर रिणमल रो प १६२  
 डूगर घोमा रो प २३१  
 डूगर सिवा रो प ३५१  
 डूगरती प. ६८, ७०, १५६, १६७,  
 १६६, ३२८, ३४२  
 " दू १६८  
 डूगरमी ग्रामावत दू १४८, १७५  
 डूगरमी पत्याणमलीत ती २०६  
 डूगरमी जगनाथ देवडा रो प १६५  
 डूगरमी घनराज रो दू १०४  
 डूगरमी घासा रो प ११६, १२०, १२१  
 डूगरमी मालदेघोत दू. ६२  
 डूगरमी मेळा रो प. ३५६  
 डूगरमी गण बुजणमल रो दू. १२८,  
 १२६, १३०, १३३  
 डूगरमी रावळ प ७६

डूगरमी (लखमणसर) ती २३३  
 डूगरमी लूणा रो प ३६१  
 डूगरमी साकर रो प १६४, १६६, १६६  
 डूगरमी (सांखू) ती २२४  
 डूगरमी सूरावत दू. १७८  
 डूगरमी हरदासोत दू १६५  
 डूगरमीह ती ३६  
 डूगो प २०५  
 डेल्हो आसकरणोत दू ७४

## ढ

ढाहर जाडेचो दू २०६  
 ढील रवारी ती ७१  
 ढेढियो मगरियो दू ३२  
 ढोलो नळ रो प २८६, २६३

## त

तक्षक ती १७६  
 तगो प २२३  
 तणु केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८  
 तणुराव ती २२१  
 ततारत्यांन प ३२५  
 " ती ५३  
 ततारसिध जगतसिध रो प २६१  
 तप प ११६  
 तपेसरी चहूवाण रो प ११६  
 तपेसरी घुघ रो प. ११६  
 तमाइची जांम रायसिध रो दू २२४  
 तमाइची जाडेचो रायघण रो दू २०६  
 तमाइची घोरमदे रो प ३६१  
 ताजवान रायसल रो प. ३२३, ३२४  
 ताडजघ प ७८  
 तातारत्यां प ३२५  
 तानसेन फलावत प १३३  
 तारसिध ग्रणदासिधोत ती. २०८  
 तिरमणराय रायसल रो प. ३२३  
 तिलोकचव प. ३१६

तिलोकदास प ३०४  
 तिलोकराम प ११७  
 तिलोकसी प. २३६  
 ,, दू ८६, १२२  
 ,, ती २२१  
 तिलोकसी कलावत दू १६२  
 तिलोकसी जंतमिघोत ती. २०५  
 तिलोकसी परवतोत दू १६२  
 तिलोकमी करसराम रो प ३२३  
 तिलोकसी भाटी दू ३६, ४३, ५३, ५४,  
 ५५, ५६, ५७, ५६, ६०, ६१, ६५  
 तिलोकसी रूपसी रो प ३१२  
 तिलोकसी धरजांगोत दू १८०  
 ,, ,, ती १०१  
 तिलोकसी वरसलोत दू. १२०  
 तिलोकसी वंरागर रो दू ११८  
 तिलोकसीह ती. १८४  
 तिहुणपालदेव ती. ५१  
 तिहुणपाळ राणो ती ५२  
 तीडो राव दू २८०  
 ,, ,, ती २३, २४, ३०, १८०  
 तीहुणराव द्वारहठ रतन रो दू ७४  
 तुंगनाथ ती १८०  
 तु वर (दूलहदेव रो भाणेज) प २६०  
 तुगलकशाह ती. १६१  
 तुगलसाह सुलताण ती. १६१  
 तुळछोदास प १०१, ३२३  
 तृदसत प २८७  
 तेजपाळ माह प १५६  
 तेजमाल प ६१, १६३, १६६  
 ,, दू ६१, ६५, १२३  
 तेजमाल अमरावत दू १८६  
 तेजमाल किसनावत दू १२४, १२५, १३२  
 ,, ,, ती ३७  
 तेजमाल गोयद रो प २४०  
 तेजमाल घना रो प २३६

तेजमाल (रोहीणो) ती. २२६  
 तेजमाल सूरजमलोत दू १२८  
 तेजराव चाचगदे रो दू ३६, ४२, ४३,  
 ६२  
 ,, चाचगदे रो ती ३३  
 तेजल दू १४  
 तेजमिघ जसवतसिघोत दू १०६  
 ,, ,, ती ३६  
 तेजसिघ (जैसलमेर) ती २२०  
 तेजसिघ माघोसिघ रो प २६६, ३०५  
 तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२, १६३,  
 १६८, ३४१, ३४२, ३५८  
 ,, दू. ३८, ५३, ६६, ७३, ७४, ११२,  
 १६७  
 तेजसी केशोदास रो प ३१४  
 तेजसी चहुवाण प १८३, २२७  
 तेजसी चू डावत प ७०  
 तेजसी दू गरसीओत प ६२  
 तेजसी भाटी केहर रो दू. ७८  
 तेजसी भोजा रो प ३५४  
 तेजसी रांमावत दू १२०  
 तेजसी रायमल रो प ३२६  
 तेजसी रावळ प ७६  
 तेजसी रावळ देवीदास रो ३५  
 तेजसी राव धरजांग रो प २३२, २४१  
 तेजसी लूणकरणोत ती २०५  
 तेजसी घणवीरोत दू. १६२  
 तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४  
 तेजसी सेखा रो प. २०१  
 तेजसी सोढो वीसा रो प ३५५, ३५७  
 तेजसीह प १८८  
 ,, ती १४०  
 तेजसीह राव ती. ३७  
 तेजस्वी विजड रो प १३४  
 तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५  
 तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प १५६  
 तेजो भाटी हू ६६  
 तेजो रायमल रो प. ३६०  
 तेजो वानर हू ३२१, ३२२  
 तेलोचन हू. ५६  
 तंस्सितोरी डां० ती १७३  
 तोगो प २००  
 ,, हू ८४, १४३  
 तोगो कचरा रो प १६५  
 तोगो किसनाघत हू १६७  
 तोगो दीघांण प २०६  
 तोगो मिघा रो प ३५१  
 तोगो सूरावत प १५३, १६७, १७०  
 तोडरमल भोजराज रो प. ३२२  
 त्रभवणो प २८५  
 त्रसिघ प २६२, २६३  
 त्रिदस ती १७८  
 त्रिदस्यु दे० त्रिदस ।  
 त्रिघानघ प २८७  
 त्रिघघन ती १७८  
 त्रिभणो करण रो प १६६, २००  
 त्रिभुवणसी कान्हडोत ती २४  
 त्रिभुवणसी, राव तीडा रो हू. २८०,  
 २८३, २८४, ३१४  
 त्रियारोन प २८७  
 त्रिलोघन हू ५६  
 त्रिमकु प ७८  
 त्रिसास प २८७

थ

थानसिघ प. ३१३  
 थानसिघ पाटोराव रो प ३३१  
 थाहा प ६१  
 थाहा मोरो वारणठ प ५६  
 थिरो हू ३८  
 थिरो वरमनारदे रो ३५५, ३६०

द

दडपाल ती १८६  
 दत सर्मा प ६  
 दधीच प १२३  
 दधीचि ऋषि प १२३  
 दधीचि ऋषि ती. १७३  
 दयाच हू २०२  
 दयाळ प ३२७  
 ,, हू ७७, ७८, १२४, २०२  
 दयाळ डोड ती. १३१  
 दयाळदास प २३६, ३०६, ३२७  
 ,, हू. ६०, १२३, १२४, १६२,  
 १७०, १७५, १६७  
 दयाळदास खेतसीश्रोत हू ६३, ६४, १०४,  
 १०६  
 ,, खेतसीश्रोत ती. ३५, २१७  
 दयाळदास गोवाळदासोत हू १४६, १४७  
 दयाळदास (छिपियो) ती २३७  
 दयाळदास (जंसलमेर) ती. २२०  
 दयाळदास तेजसी रो प. ३४२  
 दयाळदास देईदासोत हू १६६  
 दयाळदास वलभद्रोत प ३०७  
 दयाळदास भाटी प १६१  
 दयाळदास (भादळो) ती. २२५  
 दयाळदास भोल प ४६  
 दयाळदास माघोदासोत हू १४६  
 दयाळदास (रायपुर) ती २३६  
 दयाळदास रायसल रो प ३२४  
 दयाळदास राव हू १२१, १३०  
 दयाळदास रावत हू २६४  
 दयाळदास राव (वरसलपुर) ती. ३७  
 दयाळदास लिखमीदासोत हू १८०  
 दयाळदास सिढायच ती २०६  
 दयाळदास सिलरावत प २३३  
 दयाळदास सूजा रो प २३१  
 दयाळदास सोढो प ३६१

द्यास रा' हू २०२  
 दरमादि सर्मा प. ६  
 दरियाखान प. ३२८  
 दळकरण राव ती ३५  
 दलजी ती २३१  
 दळयभन दे० गजसिंघ महाराजा ।  
 दळपत प. २७, ६७, १६०, १६७, १८३,  
 १८७, २३३, २३५, २४१, २८५,  
 ३०६, ३०८, ३३१  
 ,, हू. ६०, ६३, १०७, १२१, १३१,  
 १३४, १३६, १५७, १८७, १८६  
 दळपत श्रळया रो प ३१५, ३२७  
 दळपत कवर प. ३५४  
 दळपत केसोदासोत हू १६५  
 दळपत जगनाथोत प २०६  
 दळपत जमवत रो प २८५  
 दळपत नेतावत हू १६६  
 दळपत पंवार प १८३  
 दळपत रामदास रो प ३३१  
 दळपत राम रो प. ३५८  
 दळपत राजसिंघोत प २१२  
 दळदत्त राव प २८१  
 दळपत लिखमीदामोन हू १८०  
 दळपतसिंघ (कणवारी) ती २३२  
 दळपतसिंघ (महाराजा वीका०) ती ३१,  
 १८१  
 दळपतसिंघ रायसिंघोत ती २०७  
 दळपतसिंघ राव हू. १४८  
 दळपत सीसोदियो प १४८  
 दलगाव प १३५  
 दर्लसिंघ (श्रजीतपुरी) ती २२३  
 दर्लसिंघ (भेळू) ती २२५  
 दलियो गहलोत हू ३०३  
 दलीप प २८८  
 दलू प १६६  
 दलो प २०५, २६४, ३५२, ३६०, ३६१

दलो हू २०६  
 दलो ग्रामियो प १७१  
 दलो जोईयो प ३४७  
 ,, ,, हू २६६, ३००, ३०२,  
 ३०३, ३१७, ३१८  
 दलो भुजवळ रो प. १६५  
 दलो राजघर रो प २०५  
 दलो राजादे रो प २६४  
 दलो विजा रो प ३५८  
 दशरथ दे० दसरथ ।  
 दसमतखान प ३०४  
 दसरथ प ७८, १७८, २८८, २६२  
 दससक्त माघो ती १६०  
 दमसेन ती १८६  
 इनाक हू ३  
 दान (देवीदान) हू ७८  
 दानसिंघ (पडिहारो) ती २३३  
 दानसिंघ (पातळासर) ती २३३  
 दानसिंघ (साडवो) ती २३२  
 दानो भाटी हू ५७  
 दामो नेता रो प ३५२  
 दाऊदखान प २२३, २६२  
 दाश्रोजी हू २३७  
 दामोदरसेन ती १८६  
 दाराशाह दे० दारासाह ।  
 दाराशिन्ही दे० दारासुकर ।  
 दारासाह ती. १६२  
 दारानुकर ती. १६२  
 दासू बहणीवाळ ती. १५  
 दासो प. १६३, १६८, १६६  
 दासो नरु रो प ३१३, ३१४, ३१५  
 दासो पातळोत हू १७६  
 दिनकर रांगो प ६  
 दिनमिणदास प ३३१  
 दिलराम प. ३२१  
 दिलीप प. ७८, २८८, २६२

दिलीप ती १७८  
 दिवाकर प १६२  
 दीन प १०  
 दीन ब्राह्मण प. १०  
 दीपचंद्र नाराणदास रो प ३२६, ३२७  
 दीपसिध प ३१४, ३१६  
 दीपसिध (अजीतपुरी) ती. २२३  
 दीपसिध (फणवारी) ती २३२  
 दीपसिध (बुसारणो) ती. २३१  
 दीरघवाहू प २८८, २६२  
 दीघंवाहू ती. १७८  
 दुजण जोघावत हू. १६४, १७४  
 दुजणसल प. १६६, ३६३  
 ,, हू. ६३, ६५, ६६  
 दुजणसल धाराघरीस रो प ३५५  
 दुजणमल राघ घरसिधोत हू. १२७, १०८,  
 १२३  
 दुरजणसल लूणकरणीत हू ८६, ६०  
 दुरगदास दे० दुर्गादास (साहोर)  
 दुरगदाम भाटी हू ६०, ६६, १०८,  
 १०२, १२३, १३१, १३२  
 दुग्गदाम (भादळो) ती २२५  
 दुग्गदाम मेघराजोत हू १४५  
 दुग्गादास सहगमल रो प. ३१४  
 दुरगो प ६२, ६५, १०१  
 ,, हू ८६, ६१, २००  
 दुरगो राघ ती २४०, २४६, २४८  
 दुरगो मेगा रो प ३२७  
 दुरगो हमीर रो प ३४३  
 दुग्गणमान राघ (घोकूपुर) ती ३६  
 दुग्गणमाल प २८१, ३२५, ३२६  
 ,, ती० २०६  
 दुग्गणमान नाराहणदामोन प ३०४  
 दुग्गणमान बळभडोत प ३०३  
 दुग्गणमान मरिच रो प २८१  
 दुग्गणीत प २८२, ३०४

दुरजणसिध मानसिधोत प २८१, २६८  
 दुरजणसिध (सांखू) ती २२४  
 दुरजनसिध प २१, २५  
 दुरजो हू. ६५  
 दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०  
 दुरजोघन प १३३  
 दुरघासा प. १२२  
 दुरसदास प ४०  
 दुरसो आढो प १७०  
 दुर्गादास राठोड ती. २१३, २२६  
 दुर्गादास (वीणातो) ती. २३१  
 दुर्गादास (साहोर) ती २३०  
 दुर्जनमल राजा ती. १६०  
 दुर्जनशाल दे० दुजणसल व दुरजणसल ।  
 दुर्लभराज ती ५१  
 दुलराज प. २६३  
 दुलह प १६  
 दुलहराम प १२६  
 दुलेराय काराणी हू. २१४, २३७  
 दुसाभ जैतकरण रो प. ३५२  
 दुसाभ रावळ हू. १, १०, १५, ३१, ३२,  
 ३३, ३४, ३५  
 ,, रावळ ती २२२  
 दूगडजी ती ४६  
 दूदो प १५०, १६६, ३१६, ३४३  
 ,, हू ८१, १२४, १६८  
 दूदो अडवाल रो प ३६१  
 दूदो आणवोत हू १५४, १५६, १६२  
 दूदो वान्हावत हू १८१  
 दूदो चौधो प. १५६  
 दूदो जैमल रो प १६७  
 दूदो जोघावत ती ३८, ३६, ४०  
 दूदो नीवावत हू १६७  
 दूदो प्रयीराजोत हू १६३  
 दूदो प्रागदासोत हू. १८३  
 दूदो भागा रो प ३६०

दूदो भीष रो प ३२७  
 दूदो माना रो प. २०१  
 दूदो मेहरावत प १६८, १६९  
 दूदो राजघर रो प २०५  
 दूदो राव अर्जराज रो प. १३५, १३७,  
 १४०, १६१  
 दूदो रावत प ५०, ६६  
 दूदो रावत जगघर रो प १२४, १२५,  
 १२६  
 दूदो राव नगा रो ती २४९  
 दूदो रावळ दू ३९, ४३, ४४, ५१, ५३,  
 ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१,  
 ६२, ६३, ६४, ६५  
 ,, रावळ ती, ३४, १८४, २२१  
 दूदो राव सुरजन रो ती २६६, २६७,  
 २६८, २६९, २७०, २७१, २७२  
 दूदो लफड़्यांन रो प १११, ११२  
 दूदो वीरसल रो प ३५३  
 दूदो सकनसिघोत दू १६५  
 दूदो सहममल रो प ३१४  
 दूदो सागावत प ६८  
 दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६  
 दे० दूदो राव सुरजन रो ।  
 दूलहदेव प. २९०  
 दूलहराव सोठल रो प २९५  
 दूर्नराव लूणकरण रो प ३१९  
 दूसळ दू ५८  
 देईदाम प २४२, २४३  
 ,, दू. १६६, १६८  
 ,, ती २३४  
 देईदाम कानावत दू. १६५  
 देईदास जैतावत दू १६२, १६३  
 देईदास तेजा रो प ३५२  
 देईदास पतावत मेहवचो दू. १७५  
 देईदास भानीदास रो दू १०४  
 देईदास भायल प १९४, १९८, २४०,  
 २४१

देईदास भोपल रो प ३१७  
 देईदास मनोहरदासोत दू १७०  
 देईदास महकरणोत प २३३  
 देईदास माघोदासोत दू १८८  
 देईदास घीरावत दू १७७  
 देईदास सहसमल रो प ३१४  
 देव दू १५  
 देवल दू १४  
 देवो प १६८  
 देवो दू १०७, १२४  
 देवो चहुवाण वागडियो प ११९, १७२  
 देवो भैरवदासोत दू १७८, १९०  
 देवो रतनू-चारहठ दू ७४  
 देवो रावळ प ७९  
 देवो वणवीरोत प २४२  
 देवो सीहठ घनराज रो दू १०४  
 देवो सोळकी दू १०७  
 देवो हमीर रो प २३७  
 देपाळ प. २३२, २६१, २८०  
 देपाळ जोईयो दू ३०४  
 देपो प ३६३  
 देभो प २०५  
 देलण काकिल रो प. २९४, ३३२  
 देलो प ३४१, ३४३  
 देल्हो दे० देलो ।  
 देवकरण दीवाण गोपाळ रो प ३१०  
 देवकरण राजा ती १७५  
 देवनीक ती १७८  
 देवराम घीदावत ती १५७  
 देवराज प १५७, १६८, २३९, २६१,  
 २८५, ३६०, ३६१, ३६२  
 ,, दू ५८, ६३, १०४, १९९,  
 २०१, ३०४  
 देवराज आसराव रो प ३६३  
 देवराज काघळ रो दू. १४५  
 देवराज मूलराज रो दू १०, ५३, ७३,  
 ७५, ९२, १४४



देवराज मूळराज रो ती ३४, २२१  
 देव राजघर रो प ३५६  
 देवराज भोहा रो प ३३६  
 देवराज माडण रो प ३५६  
 देवराज घाघेलो प २६१  
 ,, ,, ती ५०  
 देवराज विजैराव चूडाळा रो  
 दे० देवराव विजैराव चूडाळा रो ।  
 देवराज घोका रो ती० २०५  
 देवराज वीरमोत ती ३०  
 देवराज घोसा रो प १६६  
 देवराज साखलो प ३५३  
 देवराज सातळोत हू ८४  
 देवराज सीहह रो प. ३४०  
 देवराजादित्य प १०  
 देवराव विजैराव चूहाळा रो हू १०,  
 १८, १६, २०, २१, २२, २३, २४,  
 २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१  
 देव सर्मा प. ६  
 देवसिध प ३०४  
 देवानी प २६३  
 देवाहत हू १६  
 देवाणिक प ७८  
 देवादित प ३, १०  
 देवादित्य दे० देवादित ।  
 देवानोक प २८८  
 देवापट प १६२  
 देवियो घोरो ती ५६  
 देवीदान हू १०८, १६८  
 देवीदान गोम-भाटी हू ७७  
 देवीदान सांखतमी-भाटी हू ७७  
 देवीदाम प १६, ३३, १४३, १६३, २११  
 ,, हू ८२, १००, १२३, १३०, १६७  
 देवीदाम (बगवारी) ती २३२  
 देवीदाम नासा राखळ रो हू ११, ८३, ८४  
 ,, ,, ,, ,, ती ३५

देवीदास चूडासमा रो हू १  
 देवीदास जैतावत प ६१, ३५४, ३५७  
 देवीदास (जंस०) ती. २२१  
 देवीदास भाटी हू ८५  
 देवीदास सकतसिधोत हू ६५  
 देवीदास सूजावत राव प ५०, २५६  
 देवीसाह प. १२६  
 देवीसिध प ३०६  
 देवीसिध (ऊडसर) ती. २२६  
 देवीसिध करणसिधोत ती. २०८  
 देवीसिध (जंतपुर) ती २३०  
 देवीसिध (भनाई) ती. २२४  
 देवो ऊदावत प १५२  
 देवो त्रिभणा रो प २००  
 देवो विक्रमादीत रो हू १४४  
 देवो हाडो (वांगा रो) प ६७, ६८, ६९,  
 १००, १०१  
 देवो हिमाळा रो प. २४४  
 देसपाल ती १८८  
 देसळ हू १०, ३२  
 देसावर राजा ती. १८६  
 देसावळ माघो ती १६०  
 देहह मडळीक प. १२३  
 देहु राणो प १५  
 देहुल विजैराव रावळ रो हू ३३  
 देहो हू १२६  
 दोदो सूमरो ती ६२, ६७, ६६, ७१,  
 ७२, ७३  
 दोगव गणो प १२३  
 दोलतपान प १०१  
 दोलतपान भाटी हू २, १०, १२२  
 दोलतपान भोजू हू १८६  
 दोलतपान कवि ती २७५  
 दोलतपान ती ६०, ६१, ६३, २३०  
 दोलतपान दहियो ती २६८, २६९,  
 २७०, २७१

दौलतसिंघ प. ३२२  
 दौलतसिंघ (कल्याणसर) ती. २३४  
 दौलतसिंघ (खनावडी) ती २३६  
 दौलतसिंघ गजसिंघोत भाटी ती २१३  
 दौलतसिंघ (तिहाणदेसर) ती २२७  
 दौलतसिंघ (नीवाज) ती २३५  
 दौलतसिंघ (वाप) ती २२३  
 दौलो गहलोत हू ३१४  
 द्यास हू २०२  
 द्रढहास प. २६२  
 द्रढाडव ती १७७  
 द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।  
 द्रोणगिर प २६०, २८०  
 द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।  
 द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४  
 द्वारकादास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७  
 द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प.  
 ३२१, ३२७  
 द्वारकादास नरसिंघदास रो प ३२०  
 द्वारकादास नाथा रो प. ३११, ३१२  
 द्वारकादास पतावत हू १७१  
 द्वारकादास भाटी हू ६४, १०६, १३१,  
 १३२, १६७, १८८, १९७  
 द्वारकादास मनोहरदासोत हू १२०  
 द्वारकादास मेडतियो हू. १७७  
 द्वारकादास मेहाजळ रो प १६०

## ध

धणसूर दे० धणसूर ।  
 धनपालसेन ती १८६  
 धनकपाळ प २८६  
 धनराज प. १६७  
 ,, हू. ८१, ६३, १२१, १२२,  
 १२४, १२८, १३८  
 ,, ती २३१  
 धनराज खेतसीओत हू ६६

धनराज गोधददासोत हू. १८८  
 धनराज जैतोवत हू २००  
 धनराज नेतावत हू. १०७  
 धनराज वीकावत हू १७३  
 धनराज सांवळदासोत हू १८१, १८२,  
 १८४  
 धनराज सीहड उधरणोत हू १०३, १०४  
 धनराज हरराज रो प १६३, १६४  
 धनालसेन ती १८६  
 धनुद्वंद्वर प ७८  
 धनो आसावत हू १७७  
 धनो गौड ती २७०  
 धनो जोगा रो प ३५७  
 धनो माडणोत प २३६  
 धनो घीसा रो प. १६६  
 धरण सा प. ३६  
 धरणोवराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३  
 ,, ती १७५  
 धरमचद प. ३२६  
 धरमदेव प ३३७  
 धरमागद प. २७  
 धरमो हू. १४३  
 धरमो घीठू प ३४७  
 धरमोस प २६२  
 धर्म सर्मा प ६  
 धर्मागद राजा ती १७५ (दे० धरमागद)  
 धर्मादि प. २८८  
 धवळ जाड़ेचो हू २२५  
 धवळोजी राय ईंदो हू. ३१०  
 धावळ ती २६, ५६  
 धाधू प ३३७  
 धाऊ भेछळो हू. ६०, ६१  
 धारगिर राजा ती १७५  
 धारदे दे० धीरदे जोईयो ।  
 धारदे मदीत जोईयो ती. ३०  
 धार धवळ दे० धीर धवळ ।

धारायरीम सोमेसर रो प ३५५, ३६३  
घान् भ्रानळीत प. २५३, २५४, २५५,  
३४०

„ भ्रानळीत ती २८६

धारी देवडी प. १५६

धारी सोढी प २२५

घाहड राजा ती १७५

घियनाश्व प ७८

घियताश्व दे० घियनाश्व ।

घीरजदे दे० घीरवे जोईयो ।

घीरतसिघ (साढयो) ती २३२

घीरतसिघ (सिरगसर) ती २२४

घीरतसिघ (हरदेसर) ती. २३२

घीरवे जोईयो दू ३१७, ३१८, ३१९,  
३२०

घीरमघळ ती ५३

घीर राठोष्ट ती २१९

घीरमेन राजा ती. १७५

धीरो जैसिघदेवोत प २३२, २३६

धीरो वेधराज रो दू. २०१

धीरो मासक रो प ३३१

धुभाळक परमार ती १७६

धुष प ११९

धुषमार प ७८, ७८७, २९२

धुषळ प १७२

धुषळियो साहणी प. २२६

धुषुमार ती १७७ २१८ (वे० धुषुमार)

धुषुगघ प २८८

धुषुळीमल जोती दू २०९, २१०, २१२

धुषुरिग ती १७५

धुषुरिग वे० धुषुरिग ।

धुषुरिगवे० धुषुभाळक ।

धुषुरिगो राय ती २९, १८०

धुषुस्यद ती. १८५

धोषादास दू ८१

धोषो दू ८०

धोम ऋषि प ३३७

धोमरिख प २८०

धोमरिष प. २६१, ३३७

धोमारिखल प. ३५४

धुवसघ ती. १७९

धुवसघि ती १७९

धुवसिन्धु ती १७९

न

नदराय प ४७

नदराय बालणोत प २७९

नदियो प. १७४

नदो प. २७९

नफोवर पांढे रो ती १४, १५

नगजी राव चदे रो ती. २४८, २४९

नगराज खींवे रो प. ३४१

नगो प १७, २२, २७, ६७, १६६,  
१६८, २०५

„ दू. ७७, ७८, २६४

नगो भारमलोत ती ११७, ११८, ११९,  
१२०, १२१

नगो सवरा रो प १६७

नदो सोढी दू. २२१, २२३

नयपाल राजा ती १८८

नरदेघ प. ५, २९०

नरनाथ सर्मा प ९

नरपत जांम दू २०९

नरपति राणो प. ६

नरपाळ प. २८९

नरबद प ४९, ५०, १०९, ११०, १२५,  
१२६

„ दू. १९७, १९९

नरबद मेघावत मोहिल ती १६१, १६२,  
१६३, १६४, १६६

नरबद सत्तावत दू. ३३६

„ „ ती. ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४,  
१४५, १४६, १४७, १४८, १५०  
नरविव रावळ प १२  
नरव्रम रावळ प. ७६  
नरव्रह्म रावळ दे० नरव्रम रावळ ।  
नरवाहण प. १२३  
नरवाहण रावळ प ७६  
नरवाहन रावळ प. ५, १२  
नरवीर रावळ प. ७६  
नर सर्मा प. ६  
नरसिंघ प १२६, १६३, १६६, १६७,  
२००  
,, दू ६६, ८१, १०७, १२०, १६०,  
२००  
नरसिंघ उर्दकरणोत्त प. २६०, २६५,  
२६७  
नरसिंघ ऊदावत्त दू १७३  
नरसिंघ खींदावत्त ती १४१  
नरसिंघ गोयडदासोत्त दू १८०  
नरसिंघदाम प २३६, ३०४, ३०५,  
३२०, ३२४, ३२५  
,, दू १८४  
नरसिंघदास ईसरदास रो प ३५४  
,, ,, ,, दू १६१  
नरसिंघदास कल्याणदासोत्त दू १५८  
नरसिंघदास छीतरदास रो प ३०८  
नरसिंघदास जाट ती. १४, १५  
नरसिंघदास देवीदासोत्त दू ८५ ८७, ८६  
नरसिंघदास (नींबोळ) ती २३६  
नरसिंघदास फरसराम रो प ३१६, ३२४  
नरसिंघदास भाखरसीश्रोत्त दू १५२  
नरसिंघदास (भेळू) ती. २२५  
नरसिंघदास मानसिंघ रो प ३२६  
नरसिंघदास मुहूर्तो जैमलोत्त प. ७७  
नरसिंघदास रावत्त प. ४६, ६५, ६६  
नरसिंघदास (रोणवो) ती २२६

नरसिंघदास लूणकरण रो प ३१६, ३२०  
नरसिंघदास सावळदासोत्त दू १७४,  
१८२  
नरसिंघदास सींघळ ती ३८, १४१,  
१४३, १४४, १४५, १४६  
नरसिंघ देवडो तेजा रो प १६५  
नरसिंघ वापा रो प ३४३  
नरसिंघ भाणोत्त दू १५१  
नरसिंघ राजा ती १६०  
नरसिंघ वाघावत्त दू १६२  
नरसिंघ सींघळ प २२६ (दे० नरसिंघ-  
दास सींघळ)  
नरसिंघ सोढो प ३६१  
नरहर प १२, १३३  
,, दू ८८, ९०, ९४, १२३, २००  
नरहरदास प २७, ६७, १०२, १११,  
१२५, १५६, १६१, १६५, १७८,  
२१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६,  
३२५  
,, दू १७४, २६४  
नरहरदास ईसरदासोत्त दू १५५, १५६  
नरहरदास केसोदासोत्त दू १७  
नरहरदास गोयडदासोत्त दू १५०, १५५  
नरहरदास दुरगावत्त प ३४३  
नरहरदास पंचाहण रो प ३०७  
नरहरदास भानीदासोत्त दू १६६  
नरहरदास भैरवदासोत्त दू १६६  
नरहरदास रामोत्त दू १२०, १२२  
नरहरदास रायसिंघोत्त दू १६४  
नरहरदास सांवलदासोत्त दू १७६  
नरहरदास सोढो प. ३६१  
नरहर रावळ प १२  
नराहण जोधावत्त दू १७३  
नराहणदास प. ६७, ६६, २१०, २११,  
३२०  
नराहणदास आसावत्त दू १४७

नराहणदास मगारोत प ३०४

नराहणदास हाटो प. १०४

नर प १५, ३१८

नर मेहराज रो प ३१३

नरी प २०७, ३५७

„ दू ८१

नरी भ्रजावत दू १४४

नरी राजा घद रो प ३१३

नरी वीकावत ती. २०५

नरी भ्रजावत ती १०३, १०५, १०६,

१०७, १०९, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

नर प २८९, २९३

„ ती १७८

नननाभ प. २८८

नवगट रावळ प १३

नवघण प २४६, २४७

„ दू २०२

नवब्रह्म प. ११७

नवलनिघ (गूड्डी) ती २३१

नवलनिघ (गोरोसर) ती २३१

नवलनिघ (सांगू) ती २२४

नवमहो दे० मालदेव राघ।

नवमेनीगान प २५७

„ दू २६२

नवा (नर) रावळ प ७९

नवा दुअणमाल रो प ३५५

नवरा दू ६६

नवरो विजा रो प ३५८

नवरा नावती दू ३११

नवरादे प १३०

नवरादे प १२९

नवराज रांगो प ६, १७

नवराज प ८, १०

नवराज दे० नोराजिन।

नवराज नट रो दू २०२, २०३

नागार्जुन दे० नागारजन।

नागोरीखान ती. १२९, १३२

नाटो प १५९

नाडीजघ प ७८

नाथ ती १०८

नाथू प २०५

नाथू माला रो दू १७८

नाथू रतनसी रो प. ६७

नाथू रिडमलोत दू ११६, १४३

नाथो प. १२१, २३६, ३१६, ३२१

„ दू ७५, ७९, ८८, ९०, १२३,

१२५, १८४, १८७, १९१, १९९,

२६४

नाथो खगारोत ती ३७

नाथो गोपाळदास रो प ३१०

नाथो घाय-भाई दू १८०

नाथो पतावत दू १७१

नाथो भाटी किसनावत दू. ७८

नाथो रूपमी रो दू १९६, १९७, १९८,

१९९

नाथो लिखमीवासोत दू १६६

नाथो लूणा रो प ३२७

नाथो वीरम रो प १९७

नाथो सिध रो प ३१५

नादो दू १४३

नादो रायचंदोत भाटी दू. ९९, १००

न वो प १०१

„ दू. १४३

नारो घीरा रो प. ३३१

नारो मणकराय रो प ३४६, ३५३,

३५४

नारो गिणधीरोत ती. १३०

नारो घरजाग रो दू १९८

नारो मासलो ती ५, ८, ९, ११, १९,

२०, २१

नाभगराय प. २८८

नाभ प ७८  
 ,, ती १७८  
 नाभसुख (नाभमुख) प ७८  
 नारण प १०१, २३५  
 ,, हू १४३, २६४  
 नारण जोधावत हू १६४  
 नारणदास प २७, ६३, १६५, ३०७  
 ,, हू. ८१, ६६, १६२, १७६  
 नारणदास श्रखैराजोत हू. १८८  
 नारणदास ईसरदासोत हू १८६  
 नारणदास पाताघत प ३१  
 नारणदास भांडा रो प १०२  
 नारणदास भानीदास रो प. ३४३  
 नारणदास मानसिध रो प ३२६  
 नारणदास माघोदास रो प. ३५८  
 नारणदास मालदेश्रोत हू. ६२  
 नारणदास रायसिधोत हू २५५, २५६  
 नारणदास रावळ जैतसी रो हू ८५  
 नारणदास साईदास रो हू १७६  
 नारणदास सावळदासोत हू. १७६  
 नारणदास सुजावन हू. १६०  
 नारसिध ती २२८  
 नाराइण गोयद रो प ३५८  
 नाराइणदास प ३२०  
 नाराइणदास जैमलोत प ६६  
 नाराइणदास पचाइणोत प ३०६  
 नाराइणदास भाणोत प २१०  
 नाराइणादित्य प. १०  
 नाराणदास घोडो प. २४६, २४७  
 नाराणदास घाघावत प २४७  
 नारायण प १६७, १६६, २३७, २४२,  
 ३३१  
 नारायण ती २२०  
 नारायणदास आसकरणोत हू १३६  
 नारायणदास (करेभडो) ती २२७  
 नारायणदास (तिहाणदेसर) ती २२७

नारायणदास (भेळू) ती. २२५  
 नारायणदास भैरवदास रो प २४१  
 नारायण मुहणोत प १६६  
 नारायणदास (मेदसर) ती २२८  
 नारायणदास रावत प ६२, ६४, ६५  
 नारायण रायमलोत हू. १२३  
 नारायणसेन राजा ती १८६  
 नाल प २८८  
 नाल्हो सीहड रो प. ३४१  
 नासरदीन सुलतान ती १६१  
 नासर सैद ती २७३, २७५  
 नासिर सैयद दे० नासर सैद ।  
 नासिरुद्दीन दे० नासरदीन सुलतान ।  
 नाहडराव पडिहार ती. २८  
 नाहर हू ६५  
 नाहरखान प २७, ६५, ६६, ११७,  
 १४२, १५४, १५५, १५८, ३२५  
 नाहरखान हू १०८, १३०, १५६,  
 १८८, २६३  
 नाहरखान गोकळदास रो प २०६  
 नाहरखान नाराणदास रो प ३५८  
 नाहरखान राघोदास रो प २८३  
 नाहरसिध (जाकरी) ती. २३३  
 नाहरसिध (रावतसर) ती. २२६  
 निकुभ प १२२  
 ,, ती १७३, १७७  
 निकुभ ऋषि दे. निकुभ ।  
 निखध प ७८  
 निगम राजा ती १८६  
 निर्जाम साह ती २७६  
 नित्यानद सर्मा प ६  
 निरघोस प ६  
 निषगराह प. २८८  
 निषध ती १७८  
 नीवो प ७०  
 नीवो आणदोत हू १५४, १६०

नीचो कापळोत ती. १६, २१  
 नीचो जैसिघवे रो प. २३२  
 नीचो जोधावत ती ३१  
 नीचो म्हतो दू. १३५  
 नीचो राय महेसोत दू. १८२  
 नीचो सिघदास रो दू. १६७  
 नीचो सीमाळोत दू. ४१, ४२  
 नीभट पोहड दू. १३  
 नीतपाळ प. २८६  
 नीत राजा ती १८६  
 नीत प. ७८  
 नूरदीन जहागीर बादशाह वे० जहागीर  
 नूरदीन पातसाह ।  
 नेतसी प. १६६  
 ,, दू. १६२, १७४  
 नेतसी अजावत दू. ८०  
 नेतसी दुजपोत दू. १७५  
 नेतसी भा० प. १५२  
 नेतमी मालदेघोत दू. ६६  
 नेतसी मेहरांघण रो प. ३६१  
 नेतसी रामोत दू. १२०  
 नेतमी राय दू. १२१  
 नेतसी घीरमोत प. २४०  
 नेतसीह राय (घरसलपुर) ती. ३७  
 नेतो दू. १६८  
 नेतो चाघा रो प. ३५१  
 नेतो जैमसोत दू. ६६, १६६  
 नेतो परवत रो दू. ८२  
 नेतो पिजा रो दू. ११७  
 नेमजाडिय प. १०  
 नेमती मुहो प. ८८, १७२, २७६  
 नेमती मुहो ती. ४६, १६८, १७३,  
 १७४, १७७, २१४, २१६, २६४  
 नेमती सिघराज रो प. ३५६  
 नागण रा' दू. २०२  
 न्यामरती कवि ती २७४

प

पंच दे० चप ।  
 पचाइण प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६  
 ,, दू. ६६, १२०, १४२, १५१  
 ,, ती ६६, ६७, २२०  
 पचाइण कधरा रो प. १६५  
 पंचाइण खेतसी रो दू. ६३, ६५  
 पचाइण जैतसीओत दू. १६६  
 पचाइण जोधावत दू. १६४, १७७  
 पचाइण पवार प. १४१  
 पचाइण प्रथीराजोत प. २६०, ३०७,  
 ३०६  
 पचाइण भगवानदासोत दू. १५२  
 पचाइण मूळावत दू. १६०  
 पचाइण मेहाजळ रो प. १६१  
 पचाइण राणा भोजराज रो प. १७२  
 पचाइण रूपसी रो प. ६७  
 ,, ,, ,, दू. १४८  
 पचाइण हमीर रो प. २३७  
 पचायण दे० पचाइण ।  
 पचायण रावत ती १७६  
 पजुन सामत प. २६०  
 पजू प. २२०, २२१  
 पजू पायक दू. ४१, ४२, ६१  
 पडरिण्य प. २८८  
 पडघो प. १६  
 पवार प. ३३६  
 पताई राघळ ती. २५, २६  
 पताळसिघ दे० पातळसिघ राजा ।  
 पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०,  
 ३५८, ३६२  
 पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४,  
 १६७  
 पतो गांगा रो प. ३५५, ३५६  
 पतो घारण प. १३६  
 पतो बीबो प. १४८

पत्तो जैमल रो दू. १४५  
 पत्तो जोगीदास रो दू १६६  
 पत्तो दहियो प २२६  
 पत्तो देवडो सावतसीश्रोत प १५३  
 पत्तो नगावत दू १८१  
 पत्तो नींवावत दू १५४, १६०  
 पत्तो मदा रो प १६७  
 पत्तो महणसी रो प १३५  
 पत्तो महिपा रो प ११६  
 पत्तो मूळावत दू १६०  
 पत्तो राणावत दू १५१, १७१  
 पत्तो रांणो प ३५८  
 पत्तो राजघर रो दू १७७  
 पत्तो रायमल रो प. १६  
 पत्तो राघ कला रो प. १६०  
 पत्तो रूपसी रो दू १६६, १६७  
 पत्तो सिंघावत प २४३  
 पत्तो सिखरा रो प. १६५  
 पत्तो सींघळ प २२५  
 पत्तो सीसोदियो प. ३२, ६७, १११,  
 ११२  
 ,, ,, ती. १८३  
 पत्तो सुरतांणोत दू ६६, १०८  
 पत्तो सूजा रो प २३६  
 पत्तो सूरा देवडा रो प. १७०  
 पत्रनेत्र प. ७८  
 पदमपाळ प. २८६  
 पदम राणो दू. २६५  
 पदम रिख दू. ६  
 पदमसिंघ दू ६३  
 पदमसिंघ करणसिंघोत ती २०८  
 पदमसिंघ (जीळी) ती २३३  
 पदमसिंघ (जेसळमेर) ती. २२०  
 पदमसिंघ (जैतपुर) ती २३०  
 पदमसिंघ भाटी दू ११०  
 पदमसिंघ (भादळो) ती. २२५

पदमसी प. १६३  
 पदममी कानडदेश्रोत दू. २८३, २८४  
 पदमसी रावळ प ७६  
 पदमसी धिर्जैसी रो प. २३०, २३१  
 पदमादित्य प १०  
 पदमो सेठ ती. २१५  
 पदारय ती. १८०  
 पद्य ऋषि दू ६  
 पद्यनाभ कवि प. २०४, २१५  
 ,, ,, ती २६३  
 पवो जाड़ेचो दू २५३, २५४  
 पमार डाहळियो ती. १५४  
 पमो घोरघार ती. ५८, ६०, ७८, ७९  
 परताप प. ११७  
 परतापसिंघ मानसिंघोत दू. १६३  
 परतापसी लूणकरणोत ती २०५  
 परपाळ राजा ती १८५.  
 परवत प ३६१, ३६२  
 परवत आणंदोत दू १५४, १६२  
 परवत केहर रो दू ७८  
 परवत गांगा रो दू ८१, ८२  
 परवत रावत प ७१, ७२  
 परवतसिंघ प. ४०, १७४  
 परवतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१  
 परवतसिंघ सीसोदियो प. १५५, १५६,  
 १५७  
 परवत सेखा रो प. १६८  
 परमपथ राजा ती. १८६  
 परमार प ४  
 परवेज साहिजादो प ३२१  
 परसराम प. ६८  
 परसराम भारमलोत प. २६१  
 परसराम रायसलोत प ३२३  
 परसराम (हरदेसर) प २३२  
 परसोतम प ३२३  
 परसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३



पराद्धित ती. १८६  
 परिपाल ती १८५  
 परियत्रराह प. २८८  
 परीष्ठाद्धत हू ६  
 परीक्षित ती. १८५  
 परीषत प ८, १०  
 परीष्यत राजा प. १०  
 परुषत प. २८७  
 परुरष पँवार रो प. ३३६  
 परुराई ती. १७५  
 पवन्य प ७८  
 पसायत गाडण हू ११८  
 पसो प २१  
 पहपलकराज प २८८  
 पहलादमिघ प ३११  
 पहाडसिघ ती. २२४  
 पहाडो ती २३४  
 पहोड हू १७ वे० पाहोड  
 पांचो हू ८१, १६६  
 पांचो नगा रो प १६७  
 पांचो माना रो प १६८  
 पांचो घीसा रो प. १८६  
 पांउग्र ती १५३, १५४  
 पांठो गोदा रो ती. १३, १४  
 पांणराज प. २८८  
 पातळ फिमनायत हू १६४  
 प नळ तोगायत हू. ८४  
 पातळ धरमिघ रो हू १०७  
 पामळमिघ राजा ती १७६  
 पातो लोपो प १४६  
 पातो प्रभषणा रो प. २८५  
 पातो फरात प १४५  
 पातो भग्ना रो प १७२  
 पातो राग्न हू ६७  
 पातो वीरमती रो प २३१  
 पातो मांगा रो प १७२

पावूळी ती ४०, ५८, ५९, ६०, ६१,  
 ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८,  
 ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५,  
 ७६, ७७, ७८, ७९  
 पायक प. २८८  
 पारजात प ७८  
 पारारिख प १२२  
 पारियात्र ती १७६  
 पाल उदैचद राजा रो प ३३६  
 पालण काल्हणोत वे० पाल्हण काल्हणोत  
 पालण पवार प १८१  
 पालणसी छोहिल रो प ३४०  
 पालदेव सर्मा प ६  
 पाल्हण काल्हणोत हू २, ३६, ५४  
 " " ती ३४, २२१  
 पासेनजित प. २८७  
 पाहडसिघ प १३०  
 पाहुण ती २२१  
 पाहु बापा राव रो हू. १, १०, ३३  
 पाहु जेठी प ३४६, ३५०  
 पाहोड हू १ वे० पहोड  
 पियुराव हू ७७  
 पियोरो राजा ती १६०  
 पिराग जाभणोत प. २३८  
 पिरागदास प ३२३  
 " हू. १३३  
 पिरागदास घोरमवेवोत हू. १७१  
 पिराग भाटी हू ६६  
 पिरोजशाह वे० पीरोसाह ।  
 पोष सर्मा प ६  
 पीत सर्मा प ६  
 पीताम्बरदास देरासरी ती २६३  
 पोषड घूहड रो ती २६  
 पोषम राव प ३६२  
 पोषमराव तेजसीयोत प ३३२, २४१  
 पोषळ वे० प्रियोरज कल्याणमलीत ।

पीयळसिघ दे० पातळसिघ राजा  
 पीथो प १६४, १६६, १६६, ३१६,  
 ३२६, ३३०  
 पीथो कू ६६, ७७, ६०, ६२, ६५,  
 १२८, १७५, १६८  
 पीथो आणंवीत कू १५४, १६३  
 पीथो कांन्हावत कू १८१  
 पीथो जसूतोत कू. १७०  
 पीथो देवावत कू १६०  
 पीथो वीसावत कू, १६४  
 पीथो लीसोदियो घाघावत प ६४, ६६  
 पीरजादो कू. ४५  
 पीर ब्रह्मान चिसती प. ३१८  
 पीरो आसियो कू. १०१  
 पीरोज कू ३४२  
 ,, ती १८  
 पीरोजशाह पातसाह कू १  
 ,, ,, ती १८४  
 पीरोसाह पातसाह कू १, १०, ५०  
 पीरोमाह सुलताण ती. १६१  
 पुजन राजा प. २६३, २६४, २६६  
 पुज राजा ती १८०  
 पुडरीक प ७८  
 ,, ती १७८  
 पुणपाल रांणो प १५  
 पुण्यपाल दे० पुनपाळ ।  
 पुषन्वा (सुधन्वा) प ७८  
 पुनपाळ ऊदा रो प. ३४६  
 पुनपाळ जागळघो प ३५४  
 पुनपाळ रांणो प ६  
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो कू ४२,  
 ४३, ११४  
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो ती. ३३  
 पुनराज कू ३२  
 पुनसी कू ८६  
 पुनसी, रावळ जैतसी रो कू ८५

पुरस ब्रह्मादर प ३२२  
 पुरुकुत्त ती १७८  
 पुररवा कू ६  
 पुरुष्वा दे० पहराई श्रीर पुररवा ।  
 पुरुषोत्तमसिंह प ३२३  
 पुष्कर ती. १७६  
 पुष्पसेन दे० पोहपसेन ।  
 पुष्य ती. १७६  
 पूजो कू ८६  
 पूजो चूडा रो प ३५१  
 पूजो पाता रो प १७२  
 पूजो राजा रो प. ३५२  
 पूजो रावळ प ७७, ७६, ८७  
 पूनो प १६६, २००  
 पूनो ईंदो कू. ३४२  
 पूनो चवडे रो कू. ३१०  
 पूनो दोला गहिलोत रो कू. ३१४, ३१५  
 पूनो भाटी रांणावत कू. ६६  
 पूरणमल प १०४, १०८  
 ,, कू १२५  
 पूरणमल काघळोत ती १६  
 पूरणमल गोपाळदासोत कू १८६  
 पूरणमल जैतसिघोत ती २०५  
 पूरणमल दासा रो प ३१८  
 पूरणमल प्रताप रो प २८  
 पूरणमल प्रथीराजोत प. २६०, ३१३  
 पूरणमल माडणोत कू. १८६  
 पूरणमल मालदेश्रोत कू ६२  
 पूरणमल राजा कू. ३३५, ३३६  
 पूरो प १०६, १६६, ३१६, ३४२  
 ,, कू १२६, १३०, २६२  
 पूरो जैमलोत प ६६  
 पूरो भाणोत प २६  
 पूरो रांणावत कू १७२  
 पूरो सिघ रो कू. २६४  
 पूथीप प. ६

पृथुध्रया प. २८८  
 पृथ्वीराज कुवर ती. २४७  
 पृथ्वीराज चौहान प २६६  
 पृथ्वीनिघ (लोवो) ती. २३२  
 पेचह प ६, १४, १५  
 ,, दू १००  
 पेमलो घोरी ती ५६  
 पेमसिध प ३०८  
 पेमसिध छत्रसिध रो प २६६  
 पेमसिध (नीवा) ती. २२५  
 पेमसिध (लाविद्या) ती २३५  
 पेमसिध (घाण) ती २२३  
 पेरजपान जोगा रो प. १२४  
 पेरोसा सुरताण दू. ५०  
 पैजारखान प. ४६  
 पैरोज प. ३२८  
 पैहूळाद प. ३२१  
 पोलस्त प्रगस्त रो प १२२  
 पोलियो नाई ती. २१४  
 पोहृद दू ११, १२, १३, १४  
 पोहृपसेन प. १२४  
 ,, ती. १७५  
 प्रछेमघग्वा पी. २८८  
 प्रजापाल प. ७८  
 प्रणय ती. १७८  
 प्रतक प्रवेस प २८६  
 प्रतविद्य प २८६  
 प्रताप (चटापी) ती २३४  
 प्रतापचद प ३१६  
 प्रतापमल राम रो प. ३१४  
 प्रताप राजो प ६, १५, २१, २८, ३०,  
 ३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८  
 प्रताप रावळ प. ७३  
 प्रताप रिणघोर रो प. १४२, १५६  
 प्रतापदद प. १२६, १३०  
 प्रतापसिध प ६८, ३०५, ३११

प्रतापसिध कछुवाहो दू. १५२  
 प्रतापसिध कल्याणमलोत दू २७६  
 प्रतापसिध कुवर ती १५२  
 प्रतापसिध (गोरीसर) ती. २३१  
 प्रतापसिध (छिपियो) ती. २३७  
 प्रतापसिध जसकरण रो प. १२१  
 प्रतापसिध भगवतदासोत प २६१  
 प्रतापसिध भगवानदास रो प. ३००  
 प्रतापसिध भाटी सुरताणोत दू १००  
 प्रतापसिध मनोहरदासोत प ३०५, ३११  
 प्रतापसिध (महाजन) ती. २२८  
 प्रतापसिध मालदे रो प ३१५  
 प्रतापसिध राजा (किशनगढ) ती २१७  
 प्रतापसिध रावत प ६६  
 प्रतापसिध (सिधमुख) ती २२४  
 प्रतापसी प १११  
 ,, दू ८८, २५६  
 प्रतापसी चहुवाण, राव ती. १८३  
 प्रतापसी रावत दू. २६४  
 प्रतापादीत प १३३  
 प्रतापी रावळ प ७६  
 प्रतिष्ठोम ती. १७६  
 प्रतीक प २८६  
 ,, ती. १७६  
 प्रथम राणो प. ६  
 प्रथसवा प २८८  
 प्रथीचद मनोहर रो प. ३१६  
 प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २६१  
 प्रथीमल प १८५, १८६  
 प्रथीमाल प. १८६  
 प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६,  
 १२५, १२६, १३०, १४४, २०६,  
 २४१, २५२, २८६ ३०७, ३११,  
 ३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४  
 प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८,  
 १२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४  
 प्रथोराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९,  
 १२०, १२१, १४०  
 प्रथोराज उडणो-प्रणो प १७, १९  
 प्रथोराज कचराघत हू १७४  
 प्रथोराज करमचद रो प ३१५  
 प्रथोराज राव, कल्याणमलोत चौकानेरियो  
 प २५६  
 प्रथोराज कान्हावत हू १९३  
 प्रथोराज गोयददासोत हू १५५, १५६,  
 १५७  
 प्रथोराज चद्रसेणोत प. २९०, २९७  
 प्रथोराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१,  
 २९६, ३३९, ३४४  
 प्रथोराज लूभारसिघ रो प. २९८  
 प्रथोराज जैतावत हू. २०१  
 प्रथोराज भालो मानसिघ रो हू २५६  
 प्रथोराज देवडो सूजावत प १५४, १५५,  
 १५६, १५७, १६१, १६२, १६५,  
 १६६  
 प्रथोराज (भूकरो) ती. २२३  
 प्रथोराज पातावत हू १४९  
 प्रथोराज बळ्णोत हू. १७३  
 प्रथोराज भोजराजोत हू १२२, १३८  
 प्रथोराज राजा कछवाहो ती. १५२  
 प्रथोराज रायमल रो प ९१, ९२,  
 २८१, २८४  
 प्रथोराज रावत, जैतावत प. ६०, ६६  
 प्रथोराज राघ दलपतोत हू. १३१, १३२,  
 १४४  
 प्रथोराज रावळ प ७०, ७१, ७२, ७३,  
 ७९  
 प्रथोराज रावळ उर्वसिघोत प. ८७  
 प्रथोराज राघ (चैरसलपुर) हू १२१  
 प्रथोराज हरराजोत प २५६  
 प्रथोराज हाडो केसोवास रो प ११७

प्रथीसिघजी कवर प. ३२२  
 प्रथीसिघ परसोतम रो प ३२३  
 प्रथु प २८७  
 प्रदमन दे० प्रदुमन ।  
 प्रदुमन प. ७८  
 ,, हू. १, १५, १६, २०९  
 प्रधुम्न हू. ९, १५, २०९  
 प्रयागदास ती. ११९, १२०  
 प्रशस्तनु दे० प्रसयतु ।  
 प्रसयतु ती १७९  
 प्रसेनजित प २८७, २९२  
 ,, ती १७९, १८०  
 प्रसेनघन्वा प २८८  
 प्राग हू ९  
 प्रागदांन ती २३३  
 प्रागदास प २१२  
 ,, हू १२०  
 प्रागदास करमसोद्योत हू. १६३  
 प्रागदास कलावत हू १६२  
 प्रागदास दयाळदास रो हू. ९४  
 प्रागदास सावळदासोत हू १८३  
 प्राद्धित राजा ती १८६  
 प्रासेनजित प. २८९ (दे० प्रसेनजित)  
 प्रिघीचद प ३१९  
 प्रिथोराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७  
 (दे० प्रथोराज कल्याणमलोत)  
 प्रिथोराज चैरसलपुर राघ ती ३७  
 प्रिथु प. ७८  
 प्रेतारथ हू. ९  
 प्रेमचंद प ३१९  
 प्रेम मुगल प. २४४  
 प्रेमसाह प १३१  
 प्रेमसिघ प ३२१, ३२८  
 फ  
 फर्तसाह ती २७६

फर्नसिघ प २५, १३३, ३०६, ३११,

३१८

„ डू ६५

„ ती २२३, २२४, २२५, २३१,

२३२, २३३, २३४, २३५

फर्नसिघ फिसोरदासोत प ३०७

फर्नसिघ लाहलान रो प ३१८

फर्नसिघ विर्जसिघोत डू ११०

फर्नसिघ हररांमोत प ३२४, ३३५

फदनखा ती. २७५

फरसरांम प ६६, ३०७, ३२३

फरसरांम उर्वसिघोत प. २१, ३०८

फरसरांम फचरावत प ३१६

फरसरांम त्रिदाधन रो प ३०७

फरसो प १२१

फरसो सूजा रो प ११६

फरोद शेख ती २७६

फरेवान (फरेवान) प २६२

फार्यंस ती. १७३

फिरोजशाह घावशाह डू १०

„ „ ती. १८४

फूदो कांचट प २०३

फूल डू २२२, २३३

फूल जाहेचो छाहर रो डू. २०६

फून जाहेचो घवळ रो डू. २२५, २२६,

२२७, २२८, २२९, २३०, २३१,

२३३

फुनांगो डू २३३

व

वध प ३३८

वध राजा प ३३६

वधदत्त प ३३८

वध डू २१५

„ ती. १८०

वभणियो जांम डू २२४

वभ राजा (मारवणी रो बाप) प. २६३

वभेसर डू २१५

वडुवै राजा ती. १८६

वद्री तिरमणोत प ३२३

वद्रीदास प. ३०६

वळ प ११६, १३५, २४७

वळकरण प १०१

„ ती. २२१

वळकरण जगनाथ रो प. ३०२

वळकरण नरहरदास रो प ३०८

वळकरण पूरा रो प. ३४२

वळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७,

३२६, ३५६

„ डू. ६०, २६४

„ ती. २२८

वळभद्र नरसिघदास रो प. ३२०

वळभद्र नारायणदासोत प. ३२४, ३२६,

३२७

वळरांम प. २८, ३०६

, ती २३६, २३७

वलराज प. १००

वळराज तेजसी रो प ३५७

वळ राजा प. १६०

वळ लाखण रो प २५०

वळघोर प. १२६

वळसोही राव लाखण रो प १७२, २०२

वलाहक राजा ती. १८७

वळिकरन पूरावत डू. १७२

वळिपाळ प २८६

वळिभद्र प्रधीराज रो प २६०

वळिभद्र पांकडो राजा प्रधीराज रो

प ३०७

वळिरांम फरसरांमोत प ३१६, ३२३

वळिरांम भगवंतदासोत प ३००

वळि राजा प. १६०

बलि राव लाखण रो प. २३०  
 बली प. १०० (दे. बलि राव लाखण रो)  
 बलीराम नरसिंघदासोत दू. १८३  
 बलू प. २५, ६८, ३०७, ३०८, ३१२,  
 ३२५, ३२६, ३४१  
 , दू. ६४, १२४, १२८, १२६, १३१,  
 १३२, १४३, १४४, १७४  
 बलू उर्दभाणोत देवडो प. ३२  
 बलू कान्हावत  
 बलू फेसोत दू. १८८  
 बलू घहुवाण प. ६३  
 बलू जसवंतोत दू १४८  
 बलू जेमल रो प. ३१७  
 बलू राव प २२७, २२८  
 बलू सकतावत प २७  
 बलू सावतसीश्रोत प. २३४  
 " " ती २१७  
 बलू सांवळदासोत दू १७६  
 बलू साहूळोत दू १६४  
 बलू सुरजनोत दू १८५  
 बलू सुरताणोत दू १५०  
 बलू हुल प २७६  
 बहलीम प २२८  
 बहलोल लोदी पातसाह ती. २७३  
 बहलोल मुलताण ती. १६०  
 बहवन मोखरा रो प. ३३३  
 बहादर प ६२ दे० बाहदर  
 बहादर पातसाह प २०, ४६, १०६  
 " " दू. २६२  
 " " ती. ५५, ५६  
 बहादर राजा प. २०, २६८  
 बहादुर प २६२  
 बहादुरशाह घादशाह दे० बहादर  
 पातसाह ।  
 बहादुरसिंघ ती २२३, २२७, २२६  
 बहादुरसिंघ राजा (किशन०) ती. २१७

बहिराम मुलताण ती. १६२  
 बहुरै राजा ती. १८६  
 बांगण ती. २२१  
 बांगण जसहडोत दू ३६, ४३, ५४  
 बागो हाडा रो प. १०१  
 बाकळियो दू. २५७  
 बागण दे० बागण ।  
 बागुळ घुघमार रो ती. २१८  
 बाघसिंघ (नींवां) ती. २२५  
 बापो जगा रो प. ३४३  
 बापो राव ती. २२२  
 बापो रावळ प. ३, ४, ७, ८, ११, १२,  
 ७८  
 बापो रावळ दू १, १०, ३३  
 बाघर पातसाह प १६  
 " " दू २६२  
 " " ती १६२  
 बावूराम रायसल रो प. ३२४  
 बाळग चाच रो प २६१, २८०  
 बाळनाथ जोगी प ३५१  
 " " ती १०३, १०७  
 बाळप सोळंकी प २८०  
 बाळवध सालवाहन रो ती ३७  
 बाळव ती. ३७  
 बाळवध नी. ३७  
 बाळव भाट प ३६३  
 बालहराव रांणो मोहिल ती १७०  
 बालो प ५०, ६७, ११६  
 बालो उर्दकरणोत प. २६५, २६६,  
 ३१३, ३१८  
 बालोजी प २६४  
 बालोजी जगनाथ रो प ३०२  
 बालो भोजा रो प ११६  
 बालो राव दू ६५  
 बालो सेलहथ प. १५३  
 बाहड घरणीवराह रो प. ३३७, ३३८

वाहदर प. ३२८ दे० बहावर  
 वाहक ती १७८  
 वाहेली गूजर दू ५५  
 विद्यपसाव रावळ प. १२  
 विजठ प १३५  
 वीका राव } दे० वीकी राव।  
 वीकाजी राव }  
 वीज प २५८, २६३ २६४, २६७,  
 २६८, २६९  
 वीज राजा ती १८५  
 वीघो प १२४  
 वीन्नी जाम दू २५४  
 वीरसीह रावळ प. १२  
 बुधण भाटी-प्रभोहरियो दू. ३०२  
 बुद्धसेन राजा ती १७५  
 बुध दू १, ६, ११, १५, १६, १४०  
 बुध ईस (बुधईस) ती. १७६  
 बुधराम प. ३०८  
 बुधनिघ प ३०८  
 ,, ती २३२  
 बुधनिघ जगतनिघ रो दू १०६  
 ,, ,, ती. ३६, २२०  
 बुधसेन प २६२  
 बुनाको प २६८  
 बजो धारहठ दू. ३८, ७४  
 बरो घाषळोन ती. ५६, ६२, ६४, ६५,  
 ६६, ७१, ७६, ७७, ७८, ७९  
 बुयमो दू २५४, २५५  
 बह मटळीक प १२३  
 बोजो घूटा रो प ३५१  
 बाटी दू ६  
 बाडो भागरोत प २४५, २४७  
 बाघी रानो ती. १५८, १७१  
 बाह्य घोट दू ६३  
 बाण्ड मोलकी प. २८०  
 बाण्डेव रानो दू. २६४  
 बाणरिय प २६१

ब्रह्मान्य प ७८

ब्रह्मदस (बृहद्दश) प २८७

ब्रह्मनखा ती ५७

भ

भईया दू. १, ११

भगवतदास प. ३२६

,, ती २२६

भगवतदास राजा भारमलोत प. ११२.

२६१

भगवत राय प. १३१

भगवतनिघ प १४, १५

भगवतनिघ ती २२५, २३३

भगवान प २६

,, दू. ७७, ८१, ८६, १२२, १२८,

१७७

भगवान किसनावत दू १६१

भगवान मेघराज रो प. ३५६

भगवान सोढो प ३६१

भगवानदास प १३०, १६०, १६३,

१६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२६

भगवानदास दू. ६८, १२६

भगवानदास प्रखैराजोत दू. १५२

भगवानदास कल्याणमलोत ती. २०६

भगवानदास गोपाळवातोत दू. १८६

भगवानदास दयाळदासोत दू १४७

भगवानदास नारणदासोत दू १८७

भगवानदास फरसराम रो प ३१६

भगवानदास (भूकरी) ती. २२३

भगवानदास रामचवोत दू. १५६

भगवानदास राजा कछवाहो दू १४५

भगवानदास राजा भारमलोत प २६१.

२६७, ३०२

भगवानदास रायनिघोत दू १२५, २५५,

२५६

भगवानदास लूणकरजोत प ३२०

भगवानदास वीरमवेजोत दू. १६६

भगवानदास सीहावत द्व. १२४  
 भगवान सकतावत प २७  
 भगवान हरराजोत द्व ६६  
 भगीरथ प २८८  
 भड लखमसी राणो प १५  
 भडसी कुतल रो, कछवाहो प २६५,  
 २६६, ३३०  
 भडसूर रावळ प ७६  
 भदो पंचायणोत प २१, २०७  
 भदो सावतसी रो प. २००  
 भरत ती. १८०  
 भरथरी प. ३३६  
 भरमो आढो द्व २४२  
 भरमो चहुवाण प १७२  
 भरह राणो प. १२३  
 भरुक ती. १७८  
 भव ती. १७६  
 भवणसी जांभण रो द्व ३८  
 भवणसी भूघर रो प १६  
 भवणसी (भीमसी) राणो प. १५  
 भवणसी राणो ती. २३६, २४७  
 भवनो रतनू द्व १४  
 भवसी राणो प १५  
 भवानीसिघ ती २२३, २३२, २३७  
 भांडो जंतावत द्व. ६६  
 भांडो वैरा रो प. १०२, १०६  
 भाण प. २२, १२०, १४१ १८६, २३५,  
 २३७, ३६०  
 ,, द्व १२२, १४३  
 ,, ती. ८७, ८८  
 भाण अखैराज रो प २०७, २०६, २१०  
 भाण अभाउत पडिहार प १५२  
 भाण कल्याणमलोत ती २०६  
 भाण खींवा रो प ३६०  
 भाण जेसावत द्व. १५०, १५१  
 भाण भूलो-चारण प ८६, ८८

भाण तेजमालोत द्व १२४  
 भाण दुजणसाल रो प ३५५  
 भाण हुदा रो प ३६१  
 भाण नारणोत द्व ६६  
 भाण (भेळू) ती. २२६  
 भाण मनोहरदासोत द्व. १६७  
 भाण मोटल रो प ३४१  
 भाण रायमलोत द्व. १८६  
 भाण रायसिघोत द्व. १६४  
 भाणराव भोजराजोत द्व १३७  
 भाण रिणधीर रो प १४२, १५८  
 भाणल द्व ६१  
 भाण वाढेल द्व २२०  
 भाण सकतावत प २६  
 भाण सहसावत द्व १८६  
 भाण साईदासोत द्व १७६  
 भाण सिघोत द्व १६३  
 भाण सीहावत द्व. १२४  
 भाणो घावळ प. २२५  
 भाणो मीसण-चारण प १०५, १०६  
 भाणो सीसोदियो प. १११  
 भाण प्रतविब रो प. २८६  
 भांनीदास प २७६  
 ,, द्व ११, ८०, ६२, ६३,  
 १३६, १६३  
 ,, ती. २२०  
 भांनीदास कांन्ह रो द्व ८८  
 भांनीदास दुजणसलोत द्व १२८, १२६,  
 १३२  
 भांनीदास घरजांगोत द्व १६१  
 भांनीदास घोरमदेशोत द्व १६८  
 भांनीदास (भवानीदास) वैरसलपुर-राव  
 ती. ३७  
 भांनीदास हरराजोत ती ३५  
 भांनीदास हसीर रो प ३४३  
 भांनीसिघ ती २२३, २२८, २३७



भानो दू १६६  
 भानो खेतसी रो प ३६०  
 भानो जोगा रो प ३५७  
 भानो रावत प २७, ६४, ६५  
 भानो सोनगरो ती. ४१, ४२, ४३, ४४,  
 ४५, ४६  
 भानो साह ती १२३  
 भाखर प. २४१, २४७  
 ,, दू ७६, १६८  
 भाखर राणो प १५, २३१  
 भाखरसिध ती. २३६  
 भाखरसी प २७, १५६, १६६, ३६१,  
 ३६३  
 ,, दू. ११, १७८, १६६  
 ,, ती २३६, २४०, २४१  
 भाखरसी कल्याणमलोत ती. २०६  
 भाखरसी खगारोत प. ३०६  
 भाखरसी जसवत रो प २०८  
 भाखरसी वासावत प. १६३, १६६, २३७  
 भाखरसी दूदावत दू १६७  
 भाखरमी भानीदास रो दू. १६८  
 भाखरसी महिकरन रो प. ३५६  
 भाखरमी रायपाळोत दू १५२  
 भाखरसी वरसज रो प. ३६३  
 भाखरसी साडूळोत दू १६६  
 भाखरसी हुरराज रो दू ६८  
 भागचंद दू ८०, १२४, १४२, २०१  
 ,, ती २२८  
 भागचंद जैतावन दू २००  
 भागचंद हाटो प १०१  
 भागम मरता रो प. १६८  
 भागादित्य प १०  
 भागोच प ७८, २६२  
 ,, ती. १७८  
 भाटो दू ६, १६  
 भाटो माखव हग रो ती. ३७

भादू रावळ प. ५, १२  
 भादो नारणवासोत दू १८८  
 भादो भोजा रो प ३५४  
 भादो मोकळ रो ती. ११६  
 भादो रावळ प ७८  
 भाद्रावळ जोगी दू २१६  
 भानु ती. १७६  
 भानुमान ती. १७६  
 भामाशाह दे० भानो साह ।  
 भार्यसिह ती. २२६, २२८, २३०  
 भारतसिध ती. २२६, २३५  
 भारथचंद्र राजा प १२६  
 भारथसाह प. १२६  
 भारथसिध प २६८  
 भारथी प. ३०७  
 भारद्वाज ती १५४  
 भारमल प १५६, १६६, १७१, २०५,  
 ३०६  
 भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६  
 भारमल जगमालोत ती ३, ४  
 भारमल जोगावत ती. ३१  
 भारमल प्रथीराजोत प २६०, २६१,  
 २६७  
 भारमल भैरु रो प ३२५  
 भारमल राजा ती. २१७  
 भारमल राजा प्रथीराज रो प. २६१  
 भारमल रावळ प. ३५६  
 भारमल घीकावत प. २००  
 भारमल सागावत प ३६०  
 भारमल सेखा रो प. ३२८  
 भारमल सोम रो प १६६  
 भारो दू २०६, २१५  
 भारो साहिव रो दू. २५३, २५५  
 भातो रावळ प ७६  
 भावसिध प. २७, १०२, ११३, १६०,  
 ३०४, ३२४

भार्गसिध द्व. ६३, १६६, २६३  
 ,, ती २३७  
 भार्गसिध कन्होत द्व. १५०, १८४  
 भार्गसिध मारुसिध राजा रो प २६१,  
 २६७, २६८, ३१०  
 भार्गसिध राजा द्व १४७  
 भार्गसिध सेखा रो प ३१७  
 भासादित्त प ७८  
 भौदो प १६२  
 भौव प. २६, २७, ३२६, ३४१, ३४३  
 ,, द्व. १, ७७, ८१, ६६, ११६, १५१  
 भौव करणोत प २३५  
 भौव करमा रो प १६५  
 भौव कल्याणदासोत द्व १६६  
 भौव कूभाघत प २३६  
 भौव जगमाल रो प ३२६  
 भौवङ्ग पुजन रो प. २६४, २६६, ३३२  
 भौव डोडियो प. ६२  
 भौव दूदावत द्व १६३  
 भौव देवडो प १६६  
 भौव पचाङ्गण रो द्व २५५  
 भौव प्रथीराज रो प ३१५  
 भौव प्रागदासोत द्व १८३  
 भौव भगवतदासोत प २६१  
 भौव राणावत प. १६६  
 भौवराज द्व. १२४, १२८, १७८ /  
 भौवराज प्रथीराज रो प ३०२  
 भौवराज सेलावत द्व १६६  
 भौवराज सादा रो प ३६२  
 भौवराय प १३१  
 भौव रावळ दे० भीम रावळ ।  
 भौव रुघनाथोत द्व १६०  
 भौव घाघ रो प २०८  
 भौव सावतसीओत प २३४  
 भौवसिध परसोतम रो प ३२३  
 भौवसी प २६०

भौवसी राणो दे० भवणसी राणो ।  
 भौव सीहड़ रो प ३४३  
 भौव सुरताणोत द्व १७१  
 भौव हमीरोत द्व. २०६, २११, २१२,  
 २१३, २१४, २१५, २१६, २१७  
 भौवो द्व ७८, १६६  
 भौवो साडाघत प २४३  
 भौवो साहणी द्व. १६६  
 भौवो प २०५, २६०  
 भौम प ५७, ५८, ५९, १०६, १५६,  
 २६०  
 ,, द्व. २११  
 भौम ईसर रो प १२१  
 भौम खगार रो प ३६३  
 भौमचद राजा ती १८८  
 भौम चवंडोत (चूंडावत) द्व ३१०, ३४२  
 ,, ,, ती ३१  
 भौम जसहड़ोत द्व ७३  
 भौम जेठवो द्व २२०  
 भौमदे प २६१  
 ,, ती. २२१  
 भौमदे श्रासकरणोत द्व ५७, ५९, ६०  
 भौमदे नानग सुत प २६०  
 भौमदेव लघु ती. ५१  
 भौमदेव वृद्ध ती ५१  
 भौमपाल प २६०  
 भौमपाल छत्रमणोत ती. २१३  
 भौम मेघराज रो प ३५६  
 भौम राणो भालो द्व २६४  
 भौमराज ती २२५  
 भौम राजा प ३०  
 ,, ,, ती ५२  
 भौमराव जैनसिधोत ती २०५  
 भौम रावळ हरराजोत द्व १, ६, ११,  
 १४, १५, ६४, ६८, ६९, १००,  
 १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती ३५  
 भीम घडो दू २०६  
 भीमसिध ती २२५, २२८  
 भीमसिध महाराजा ती. २१३  
 भीमसिध रावळ प ८७  
 भीमसी रांगो दे० भवणसी रांगो ।  
 भीमसीळकी प २८०  
 भीमो दू ३४२  
 भीमो रावत दू ८६, ८७  
 भूहसाजळ साहजी प १५  
 भुजवळ रतना रो प १६४, १६५  
 भुजो तढायच दू. ३३६  
 भुटो दू २१. २२  
 भुणगती रांगो प ६  
 भुणकमळ दू २ ३८, ३९  
 भुधनसिध प. ६  
 भूधर दू १६८  
 भूपमीघ प. २८६  
 भूमोन प २८६  
 भूषड राय ती ५१  
 भूधर प १६  
 भेटो दू. ८१  
 भैरव प २३२, ३१३  
 भैरव दू. ६६, ६७  
 भैरव कवि प ७  
 भैरवदास प. २१, १११  
 " दू. ८८, १२४, १८२, २००  
 भैरवदास जेतायत दू १५३, १७८, १६२  
 भैरवदास देवदो प १५३ १५४, १५५  
 भैरवदास मरोटवाळो दू १२०  
 भैरवदास मेजायत दू. १६६  
 भैरवदास रांगो दू. ६४, ६८, ६९  
 भैरवदास येजीदासोत दू १६८  
 भैरवदास मोळधी मायायत प ५०  
 भैरव देवदो प १६६  
 भैरव ज्ञाना रो प. ३६०

भैरव राव प २३२  
 भैरव प ३१३  
 भैरवदास जैसिधदेवोत प. २३८  
 भैरव सूजा रो प. ३२५  
 भोसला शाहजी दे० भूंहसाजळ साहजी ।  
 भोस्रो नाई प २४८, २४९  
 भोगादित प ३, १०, ७८  
 भोगादित्य दे० भोगादित ।  
 भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६,  
 १५३, १६०, २०५, ३६२  
 भोज दू. १, ३  
 ,, ती. २२१  
 भोजदे प २३१  
 ,, दू ८२, ८३  
 भोजदे गागा रो प ३५६  
 भोजदे रावळ विजेराव रो दू ३३, ३४,  
 ३५  
 भोज पवार प २६३  
 ,, ,, ती २८, १७५  
 भोज पवार सिधळसेन रो प ३३६  
 भोजराज प २१, १६३, ३०६, ३२३  
 ,, दू १३८, १८६, १६६, २०६,  
 २१५, २५६  
 ,, ती २२५, २२६  
 भोजराज खैराजोत प २०८, २१२  
 भोजराज उर्वसिध रो प. २१  
 भोजराज फांन्ह रो प ३५३  
 भोजराज चद्रसेन रो प ३५५, ३५६  
 भोजराज जगनायोत प. २०६  
 भोजराज जसूतोत दू १७०  
 भोजराज जीवा रो प २४१  
 भोजराज जंतसिधोत ती २०५  
 भोजराज नौवायत दू १५४, १६२  
 भोजराज पचाहण रो प २३७  
 भोजराज मालदेवोत दू १७८, १६३  
 भोजराज राजदे रो प २६४, २६६,  
 ३३२

भोजराज वाघोत दू १७६  
 भोजराज राणो प १७२  
 भोजराज रायस्लोत प ३२१, ३२२  
 भोजराज रूपसी रो प ३०५, ३१२  
 भोजराज सावळदासोत दू १७४, १७६  
 भोजराज साला रो प ३४१  
 भोजराज सिघोत दू १६४  
 भोज राव दू १७१  
 भोज विजैराव लज्जा रो ती २२२  
 भोज सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८,  
 २६९, २७२  
 भोजादित प ३, ७८  
 भोजा दत्य प १२  
 भोजो प ११६, २४०  
 ,, द ८०, ६६, १६४  
 भोजो कृभा कांपळिया रो प. २४६, २५०  
 भोजो जोघाघत दू १७७  
 भोजो देवावत प २८४, २८५  
 भोजो साडा रो प ३५४  
 भोजो सोढो प ३६१  
 भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६,  
 १६४, २३७, २३८, २४२, २६१  
 ,, दू. ८१, ८२, १२३, १६६, २६४  
 भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६  
 भोपत कचरावत प. ३१६, ३१७  
 ,, ,, दू १८५  
 भोपत चकतो ती ३७  
 भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०  
 भोपत पतावत दू १६०  
 भोपत भारनल रो प २६१, ३०२  
 भोपत माडणोत प ३५४  
 भोपत मानावत दू १७६  
 भोपत राम रो प ३५८, ३६०  
 भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८  
 भोपत रायसिघोत दू १०७  
 ,, ,, ती. २०७

भोपन राहडोत दू ३२  
 भोपत लिखमीदासोत दू १६६  
 भोपत सहसावत दू १७६  
 भोपत सावळदासोत दू. १७४  
 भोपतसिघ प ३२२  
 ,, ती २२७, २३०  
 भोपत सिघोत दू. १६३  
 भोपत सोढो प ३६१  
 भोपाळ प ६८  
 भोपाळ दू ६१  
 भोमपाळ राजा ती १८८  
 भोमसिघ ती. २२५, २२६, २३२  
 भोमसिघ साडूळसिघोत ती. २१३  
 भोवड प २५६  
 भोवडराज प २५६  
 ,, ती. ४६  
 भोवो नाई प २४८, २४९  
 भोहो तेजपाळ रो प. ३३६

## म

मगळराव मभ्रमराव रो दू ६, ११, १५,  
 १६, ३१  
 मंगळराव, रावळ घद्यु रो दू १४०  
 मभ्रमराव दू १, ६, ११, १५, १६,  
 १४०  
 मडळीक दू ८८, २६३  
 मडळीक घहुवाण ती ३  
 मडळीक जगमालोत ती ३, ४  
 मडळीक राव (वंरसलपुर) दू १२१,  
 १२६, १३०  
 मडळीक राव (वंरसलपुर) ती. ३७  
 मंडळीक सरवहियो दू. २०२, २०३,  
 २०४, २०५, २०६  
 मक रांगो दू. २६५  
 मजाहिदखा प १३६  
 मथुरादास प. ३०८  
 मदनपाळ राजा ती. १८८  
 मदनसिघ प. २१, ३१०

,, ती २२३  
 मदनसिध करणसिधोत ती २०८  
 मदनसिध करसराम रो प. ३२३  
 मदनसिध सेखा रो प. ३१७  
 मदनो प १४६  
 मद्यपरमान ती. ५३  
 मद्यो रामदास रो प. १६७, १६८  
 मद्यु हू ३  
 मद्युकरसाह प्रतापकर रो प १२६, १३०  
 मद्युकीटभ प. ४७  
 मद्युकैटभ दैत्य दे० मद्यु कीटभ  
 मद्यु राणो परमार ती १७५  
 मद्यु राजा परमार ती. १७६  
 मद्युवनदास प ३१०  
 मद्युसूदन प १३३  
 मनदेव प २८६  
 मनभोलियो डूम हू २३२, २३३, २३४  
 मनरदास ती २२३  
 मनराम (पनावडी) ती २३६  
 मनरप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६  
 मनरुपसिध प ३००  
 मनरुप (हरदेसर) ती २३२  
 मनहरदास (फल्याणसर) ती २३४  
 मनहरदास (जीळी) ती २३३  
 मनहरदास (जैतपुर) ती. २३०  
 मनहरदास (लघमणसर) ती. २३३  
 मनहरदास (गाडयो) ती. २३२  
 मनु प २८७  
 मनोरदास नरहरदासोत प. २३८  
 मनोहर प २३, २७६, ३१६, ३४३  
 ,, हू ७८, ८५, ८८, ९०, ९६.  
 १२२, १७६ १७८  
 मनोहरदास प ६, १६५, ३१८, ३२७,  
 ३४२  
 मनोहरदास हू. १२०, १२६, १६१,  
 १६७ १८६, १९४  
 मनोहरदास ती २२३

मनोहरदास अखैराजोत हू १५२  
 मनोहरदास उर्वसिधोत हू. १८८  
 मनोहरदास कलावत हू ६, ११, ६३,  
 १०२, १०३, १०४, १८२, १८४  
 मनोहरदास खगारोत प. ३०५  
 मनोहरदास जसूतोत हू. १७०  
 मनोहरदास नाथावत प. ३१०  
 मनोहरदास पातळोत हू. १६४  
 मनोहरदास पिरागदासोत हू. १७१  
 मनोहरदास रावळ प ३५६  
 ,, ,, ती ३५  
 मनोहरदास रुद्र रो प ३१६  
 मनोहरदास सांघळदास रो प. ३४२  
 मनोहर राव प २७६, ३१६  
 मनोहर रावळ हू ७७, ८०  
 मनोहर रूपती रो प. ३४३  
 मनोहर (सिधराव-भाटी) हू १०७  
 मनोहर सोढो प ३६१  
 मन्होर प २३७  
 ममारखसाह सुलताण ती. १६१  
 ममूसाह अमराव प २१८, २१६  
 मयणसी रावळ प ७६  
 मरीच प ७७, २८७, २६२  
 मरीच राणो हू. २६५  
 मरीच ती. १७५  
 मरु राजा ती १७६, १८५  
 मरुदेव ती १७६  
 मर्दानादित्य प. १०  
 मलकवर ती २७६, २७८, २७९  
 मलिक हू ४८  
 मलिक अबर दे० मलकवर ।  
 मलीनाथ रावळ ती २७, ३०, २५१,  
 २५२, २५५, २५६  
 मलूकचद राजा ती १८८  
 मलूखा राजा प १३०  
 मलेसी डोटियो ती. १३४, १३५

मलेसी पुजनराव रो प २६०, २६४,  
 २६६, ३३२  
 मलो सोळकी प. ३४२  
 मलो सोळकी हू १५३  
 मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ ।  
 मल्लीनाथ राव हू २४८, २८१, २८२,  
 २८३, २८४, २८५, २८७, २८८,  
 २८९, २९०, २९१, २९६, ३००,  
 ३०७, ३०८, ३०९  
 मल्लीनाथ रावळ हू १३० (दे० मली-  
 नाथ रावळ)  
 महंदराव प १७२, २३०, २४७, २५०  
 महकरण र्णावत प. २३३  
 महड हू २१५  
 महड ऊनड हू २३८  
 महणसी प १३४, १३५, १६९, १८७  
 महदराव प. १०१  
 महदसी प ३४३  
 महपाळ राणो (परमार) ती १७५  
 महपो पमार (परमार) हू ३३८, ३३९,  
 ३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)  
 महपो पमार (परमार) ती १७६  
 (दे० महिपो पवार)  
 महमद प. २६२  
 " हू ३४३  
 " ती ५४, ५५, ५७  
 महमंद झालो हू २५८  
 महमद पातसाह ती १, २, २८  
 महमद वेगडो प २६२  
 " हू २०२, २०३, २०४, २०५  
 " ती २५, ५६  
 महमदअली सुलताण ती १९२  
 महमदखान ती ५३  
 महमदसाह ती १९१  
 महमदी श्रादल सुलताण ती १९१  
 महमूद प. २६२  
 महमूद वेगडा वादशाह-दे० महमद वेगडो

महंर जाडेचो हू २०९  
 महारावण प ३६१ (दे० सहिरावण)  
 महारावण तिलोकसी रो हू. १६२  
 महाजोध राजा ती. १८७  
 महानद प ७८  
 महाबळ राजा ती. १८७  
 महामति प ७८  
 महायश ती. १७८  
 महारिख रिवेस्वर प १९३  
 महासिध प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३,  
 ३२८, ३२९  
 " हू ६३, २६३  
 " ती २२०, २३६  
 महासिध ईसरदासोत हू ६५  
 महासिध उग्रसेण रो प ३१९, ३२२,  
 ३२४  
 महामिध कळवाहो मानसिधोत हू. १३३  
 महासिध जगतसिधोत प २९१, २९७  
 महासिध राजसिधोत प २०९  
 महामिध राव प २८१  
 महिंद्रराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)  
 महिकरण प ३५७  
 महिकरण कूभा रो प ३५६  
 महिपाळदे ती ५२  
 महिपाळ राजपाळ रो प ३४४  
 महिपाळ राजा ती १८८  
 महिपाळदे वोडो लखा रो प २४७  
 महिपो केल्हा रो हू ११२  
 महिपो केहर रो हू. ७७, ७८  
 महिपो चहुवाण प ११९  
 (दे० महिपो चहुवाण ?)  
 महिपो पंवार प १६, १७  
 (दे० महपो पमार)  
 " " हू- ३३८, ३३९, ३४०, ३४१  
 (दे० महपो पमार)  
 " " ती १, २, १३४, १३५, १३८,  
 १३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)  
 महिपो भूवर रो प. १६  
 महिमडल-पालक ती १८०  
 महियो चहुवाण प. १७२  
 (दे० महिपो चहुवाण ?)  
 महियो सीसोदियो प. ६२  
 (दे० महिपो सीसोदियो ?)

महिरावण दू ८८ (दे० महारावण)  
 महिरावण घोघा रो दू ११७  
 महिरावण घाघेलो प. २२६  
 महिलू प २८१  
 महीकरण नारण रो प. ३५८  
 महीदास प ७८  
 महीपाळ प. २८६  
 महीपाळ राजपाळ रो प ३३६  
 महीपिंड प. ३३६  
 महीराव प १३५  
 महीरावण वरसल रो प. ३६०  
 महेंवर प ४  
 महेंद्रराव प १८६ (दे० महिंद्रराव)  
 महेंद्रादित्य प. १०  
 महेंस प ८, २२, १६४, २०१, २३५,  
 २४०, ३६०, ३६१, ३६२  
 महेंस दू ८४, १००, १०४, १८३, १६७,  
 १६६  
 महेंस करमा रो दू. ८०  
 महेंस कलावत प. ३५४  
 महेंस घड्डी रो दू. १८६  
 महेंस जोधा रो प २४१  
 महेंस ठाकुरसी रो प ३६०  
 महेंसदास प. १३५, १७६  
 " दू ६५, १८४, २६३,  
 महेंसदास अचळदासोत दू १५६  
 महेंसदास घाढो किसनावत दू. १५, २६५  
 महेंसदास कलावत दू १८४  
 महेंसदास रोतसी रो दू १२३  
 महेंसदास गोपदासोत दू १५०  
 महेंसदास जगदेघोत दू १४०  
 महेंसदास वळपतीस प. २३४, २४६  
 " " दू. १७७  
 महेंसदास पीया रो प. ३३०  
 महेंसदास राव मूरजमलीन दू. ६०  
 महेंसदास रुपतीघोत दू. १४८

महेंसदास लखावत दू. १६१  
 महेंसदास लूणकरणोत दू ६०  
 महेंस प्रतापसिघोत ती १५२  
 महेंस भैरव रो प १६६  
 महेंस मानसिघोत प. ३५६  
 महेंस साईदासोत दू १७६  
 महेंस सेखावत दू १७३  
 माखण संद प २७, ६५  
 मांगळ प. २६३  
 मागळराय प. २८६  
 माजो घूडावत प. ६६, ७०  
 माडण प २४३, ३६१, ३६२  
 " दू १४३, १७०, १७२, १८२,  
 १८४  
 मांडण ऊहड प २४३  
 मांडण ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६  
 मांडण कूपावत दू १८१, १८७, १८६  
 " " ती १२३, १२४, १२५,  
 १२६, १२८, २७४  
 मांडण खांट ती. ५६  
 मांडण जोधा रो प. ३५७  
 मांडण रांणावत प. २३६  
 मांडण रुणावत साखलो ती. ३१  
 मांडण वीरसी रो प. ३५६  
 मांडण सकतावत प २७  
 मांडण सीहड रो प. ३४१  
 मांडण सोढो दू ८२, ८३, २६२, २६३  
 " " ती. ३४, ३५  
 मांडो प. ६६  
 मांडो जंतसी रो, रांणो प. ३४१  
 मांडो मुहती दू १३५  
 मांडो हरभम रो प ३५२  
 माणकराव भासराव रो प. १०१, १७२,  
 २०३, २३०, २५०, २५१  
 माणकराव पुनपाळ रो प. ३४६, ३४७,  
 ३५३

माणकराव रांगो मोहिल हू ३२२, ३२३,  
३२५

„ रांगो मोहिल ती १५८, १७१

माणकराव सिवराज रो प ३५६

माणकराव सोढो प ३६३

माणल देवाइत हू १६

मांघाता चक्रवै ती १७८

माघाता चक्रवर्ती ती. १७८

मानं प १०१

मानं खीमावत हू ६, १३६, १६१

मानं चहुवाण प ७४, ७५, ७६, ७७

मान तुवर, राजा ती. १८३

मानघाता प ७८, २८७

मान पूरा रो प. १०६

मानं राणो प २३१

मानं लणवायो प. २२४

मानं धीरभाण रो प १२०

मानं सांवलदासोत प. ७३

मानसिध प १६०, ३१६, ३२८, ३२६

„ हू ८८, ६५, १२२, १२६, १७०,  
१६२, १६४

„ ती २३०, २३१, २३२

मानसिध अखैराजोत प २०७, २०८

मानसिध ऊदावत हू १७३

मानसिध कछवाहो प ३०, ३६, ४०,

४८, १३३, २५५, २५६, ३०८,  
३१३

मानसिध करणोत प ६५

मानसिध कांह रो हू. १३६

मानसिध गामावत प ३५८, ३५६

मानसिध जंतसिधोत ती २०५

मानसिध जैमलोत प ६६

मानसिध भालो हू २४५, २५६, २५६

मानसिध तेजसी रो प ३२६, ३५४

मानसिध दुरगावत प ३२७

मानसिध भगवतदासोत प २५५, २५६,  
२६१, २६७

मानसिध भाणोत प २६

मानसिध भाखरसी रो प. ३५६

मानसिध मेहकरणोत हू १६३

मानसिध राजा प. २६१, ३०८, ३१३,  
३४२

„ „ हू. १४७

„ „ ती २१७

मानसिध राव प. १४२, १४३, १४४,  
१५०, १६१, १६५, १६६

मानसिध रावत, सोसोदियो प ६६, ६७,  
६८

मानसिध राव हुदा रो प. १३५, १३७,  
१३८, १३९, १४०, १४१

मानसिध रावळ य. ७३, ७४, ७५, ७६  
७७

मानसिध राव (वैरसलपुर) ती ३७

मानसिध राव सीरोही प० २२, २३, २४

मानसिध लखावत हू १६१

मानसिध सांवलदासोत हू १७४

मानसिध हाडो प. ११७

मानो प २६, १४६, १५६, १६३,  
२३८, ३६२

„ हू ६६, ७७, १४३, २६४

मानो केसोदासोत हू. १८८

मानो जोगा रो प ३५७

मानो हुगरसीओत हू १७६

मानो देवराज रो हू. २०१

मानो नरवद रो प २४८

मानो नीवावत हू १५४

मानो मदा रो प १६८, १६६

मानो महियड हू ६२

मानो राव प १४३

मानो रूपावत ती. ८४

मानो लखमण रो प ३४१

मानो वीसळ रो प २००, २०१

मानो साईदासोत हू १७६

मानो सिखरा रो प १६५



मानो सिधदासोत दू. १४४  
 मानो हमीर रो प ३५८  
 मालनला संघद दे० माखण सैद ।  
 माघ राजा परमार ती. १७६  
 माघुर दू ३  
 माघवदास केसवदासोत प २११  
 (दे० माघोदास केसोदासोत)  
 माघवदे प. ३३६  
 माघघ ब्राह्मण प. २६२, २७७  
 " " ती. ५०, ५१, ५३,  
 १८४  
 माघघ मायो राजा ती १६०  
 माघघमेत ती. १८६  
 माघवादित्य प १०  
 माघू भाटी दू ५८  
 माघो प. १६६, १६७, २४२, ३४३  
 माघो फाना रो प. ३६०  
 माघो गिरघर रो प. ३४३  
 माघोदास प. ३१३, ३२५  
 ,, दू. ६०, ६२, ६६, १२२,  
 १२३, १२५, १७०, १८४, १६१,  
 २६३  
 माघोदास फलावत दू १६२, १८४  
 माघोदास फान रो प ३१४  
 माघोदास फेगोदासोत दू. १६३  
 (दे० माघवदास केसवदासोत)  
 माघोदास गोपाळदासोत दू. १४६  
 माघोदास छीतरदास रो प ३०८  
 माघोदास नारणवासोत दू १८८  
 माघोदास राघोदास रो प ३२८  
 माघोदास घांकीदास रो प ३५८  
 माघोदास गुरताणोत दू. १७२  
 माघो रिणमलोत दू. १६१  
 माघो साट्यांन रो प ३२१  
 माघोसिध प. २२, २५, ६८, ३०६,  
 ३२६

माघोसिध ती. १७६, २२८, २३३  
 माघोसिध कछवाही दू. १५१  
 माघोसिध जसवत रो प. २०८  
 माघोसिध जोधा रो प ३५६  
 माघोसिध भगवतदासोत प. २६१, २६६  
 माघोसिध मालदे रो प. ३१५  
 माघोसिध सीसोदियो दू. २६३  
 माघोसेन राजा ती. १८६  
 मारू राणा रावळ रो प. १६६  
 माल प ३४३  
 माल दू २१५  
 मालक खैराज रो प. ३३१  
 मालण कचरावत प ३५७  
 मालण जेसा रो दू. १८१  
 मालदे दे० मालदेव राव  
 मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६  
 मालदे जैतसिधोत ती २०५  
 मालदे नाराइणदासोत प. २११  
 मालदे (जीळी) ती. २३३  
 मालदे पमार ती १८३  
 मालदे (पल्लू) ती २२६  
 मालदे भाटी दू ६०, ६२, १०२, १३३  
 मालदे मूझाली सांघतसी रो प. २०४, २०५  
 मालदे राघ (राघ मालदे राठोड) प.  
 ६०, ६२, १६८, २०७, २३३,  
 २३८, २६७, ३१६  
 ,, राघ (राघ मालदे राठोड) दू. १३, १४,  
 ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१,  
 १६२, १६३, १६४, १७४, १७७,  
 १८०, १६०, १६२, १६४  
 ,, राघ (राघ मालदे राठोड) ती २८, ८६,  
 ८७, ६३, ६४, ६५, ६७, ६८,  
 ६६, १०१, १०२, ११४, ११५,  
 ११६, ११७, ११८, ११६, १२०,  
 १२१, १२२, २१५  
 मालदे राघळ लूणकरणोत दू ११, १३,  
 १४, ८६, ६१, ६७, १०६

मालदे रावळ लूणकरणोत ती ३५  
 मालदे राव (वैरसलपुर) दू १२१, १२२  
 १५४  
 ,, राव (वैरसलपुर) ती ३७  
 मालदेव राजा परमार ती १७६  
 मालदेव राव गांगावत दू १३७, १३८,  
 १५४  
 मालदे सोढो प ३६१  
 माल पंवार प २८०  
 माळीदास करणसिधोत ती २०८  
 मालूजी ती. २७६  
 मालो प. २७, ५०, १६८, १६९  
 ,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२  
 मालो किसनावत दू १२४, १२५  
 मालो घारण प १८४  
 मालोजी रावळ दे० मलीनाथ रावळ  
 मालो जोघावत दू १७७  
 मालो देवराज रो दू १०४  
 मालो रतनू-वारहठ दू ५४  
 मालो रावत दूदा रो प १२४  
 मालो रावत हांमा रो प. १४६  
 मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ  
 मालो सिध रो दू २६२, २६४  
 मालो सिलार रो प. १६५  
 मालो सुजावत प १४४  
 मालो सेखा रो प १६५  
 माल्हण सूर दू १५३  
 माधल धरसडो दू २३२, २३३  
 माहंगराव गोंदा रो प. २५३  
 माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०  
 माहिसिध प. ११६  
 मित्राधरण प. १२२  
 मिरजो खान दे० खान मिरजो  
 मिलक केसर दे० केसर मिलक  
 मिलक खान प १४६, १४७  
 मिलक खान हेतावत प २४६

मिलक वेग दू. २६०  
 मिलक मीर प. २३१  
 मीया प. १०१  
 मीर गाभरू प. २१८, २१९  
 मीर मलिक प २३१  
 मुगदराय प १३३  
 मृंजपाळ हेमराजोत ती. ३०  
 मुघ प. ११६  
 मुघपाळ प ११६  
 मुघ राणो दू २६५  
 मुघ रावळ देवराज रो दू १०, १५,  
 ३१, ३२  
 मुकद प. १६, २०  
 ,, दू ६६, १२३, १८० १६६  
 मुकद ईसरदासोत दू ६४  
 मुकददास प १२५, २११, २१२, २३३  
 ३०८, ३२०  
 ,, दू ८८, १७०, १६०  
 ,, ती २३५, २३६  
 मुकददास कचरावत दू, १७४  
 मुकददास जैतसिध रो प. ३०३  
 मुकददास नरसिधोत दू १८३  
 मुकददास भोपत रो प ३१७  
 मुकददास माघोदासोत दू. १४६  
 मुकददास सांघळदासोत दू १७४  
 मुकददास सीसोदियो प १४८  
 मुकददास सुरताणोत दू १६०  
 मुकददास हरदासोत दू १६५  
 मुकरवखां ती २७७  
 मुकुदसिध प. ११५  
 मुकुंद सुरताण रो प ३५६  
 मुधतपाळ प २६०  
 मुगटमिण ताजखान रो प. ३२४  
 मुगलखान इसमाइलखां रो दू. १०४  
 मुघरादास प २५, ३१०  
 मुघरो दू. १३२, १४२

मुयरो रांणा रो दू १०४  
 मुयरो रायमसोत दू १४४  
 मुयरो हुरावत दू १४४, १४५  
 मुवकर प २६२  
 मुवकरखान प २२३  
 मुदाफर प. ११६, २६२, ३०२  
 „ दू २४१  
 „ ती ५५  
 मुराद प. ३०५  
 मुरादवगस प ३१  
 मुरारदास प. ३०६  
 „ दू १४६  
 मुहमुद्दीन श्राविल ती १६१  
 मुहम्मदशाह ती १६१  
 मूजो प ३४६, ३४७, ३५२  
 मूलक ती १७८  
 मूळदेव प २६१, २६०  
 मूळदेव लघु ती ५२  
 मूळपसाव दू. २, ३६ ४३  
 „ ती २२२  
 मूळराज दू. ६२, १०६, १४४  
 मूळराज चातुष्य दू २६६  
 मूळराज चावटो दू. २६७, २६८  
 मूळराज रावळ दू १०, १४, ३६, ४३,  
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५१,  
 ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८,  
 ७३, ७५, १०२, ११०, ११२  
 मूळराज रावळ ती ३३, ३४, १८३,  
 २२०, २२१  
 मूळराज लघु ती ५१  
 मूळराज पाषनाचोत ती. २६  
 मूळराज वृत्त ती ५१  
 मूळराज मोलकी प २६०, २६१, २६५,  
 २६७, २६८, २६९, २७१, २७८,  
 २८०  
 मूळराज मोलकी दू २५८

„ „ (मूळदेव) ती. ४६  
 मूळघो दू २१५  
 मूळू सांगमरावोत ती. २८५, २८६,  
 २८७, २८८, २८९, २९०, २९१,  
 २९२, २९३  
 मूळू सेपटो प २२६  
 मूळो दू. १६८. २०१  
 मूळो नीवावत दू १५४, १६२  
 मूळो प्रोहित ती. ६७  
 मूळो रावत रिणधीर रो दू. ११७  
 मूळो वंणावत दू. १६०  
 मूसाखान दू. २५३  
 मेघ दू २०६, २६४  
 मेघनाद प. १०५, १०६  
 मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०  
 „ दू १२०, १६७, १७०, १८८  
 १८९, २०१  
 मेघराज अखेराजोत दू. १६२  
 मेघराज गागावत प. ३५८, ३५९  
 (दे० मेघो गागावत)  
 मेघराज भालो-मकवाणो दू. २५६  
 मेघराज दूवावत दू. १६२  
 मेघराज राणो दू २५७  
 मेघराज रावळ वू ६७  
 मेघराज धीरवासोत दू. १४५  
 मेघराज हमीरोत दू १७६  
 मेघ रावत दे० मेघो रावत ।  
 मेघधीसो ती २०५  
 मेघादित्य प. १०  
 मेघो प २०५  
 मेघो फचरा रो प. १६६  
 मेघो गांगावत दू १००  
 (दे० मेघराज गांगावत)  
 मेघो नरसिंघदासोत ती. ३८, ३९, ४०  
 मेघो भैरवदास रो प. २४१  
 मेघो महेश रो दू १०४  
 मेघो राणा रो दू. १०४, १७२  
 मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राव षड्धु रो ती. १६१, १६६, १७१  
 मेड़ कछुवाहो प. २६४  
 मेढारि राजा ती १८५  
 मेवनीमल प १२६, १३०  
 मेर प. १७२  
 मेरादित्य प १०  
 मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५,  
 ३५७  
 ,, हू ३३८, ३३९  
 ,, ती १३५, १३६, १३८, १४९  
 मेरो अचळावत हू १८७, १८९  
 मेळो हू ८०  
 मेळो गजू रो प ३५६  
 मेळो सांगावत हू १६६  
 मेळो सेपटो ती २५८, २५९, २६०,  
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५  
 मेवादित्य प १०  
 मेहकरण प. ३२०  
 मेहकरण तेजसीप्रीत हू १६३  
 मेहदो पालणसी रो प ३४०  
 मेहर तुरक हू ३१  
 मेहराज प २०  
 मेहराज अखैराजोत हू. १७८  
 मेहराज गोपळदेश्रोत प ३४७, ३४८,  
 ३४९, ३५०  
 मेहराज मांगळियाणी रो प. ३४७  
 मेहराज बरसिघ रो प ३१३  
 मेहराज साखलो हू ३१२, ३२६, ३२७  
 मेहराज सोढो प ३६१  
 मेहरो प. १६६, २००  
 मेहाजळ प. १४५, ३६०  
 मेहाजळ केहर रो हू. २, ६, ३८, ७८,  
 ८१, १०७  
 मेहाजळ जगमाल रो प. १६०, १६१  
 मेहाजळ नारणोत हू. १७४  
 मेहाजळ रायपाळ रो प ३५१

मेहो प. ३४१, ३४२, ३५३  
 मेहो तेजसीप्रीत हू १६४  
 मेहो भागसु रो प १६८  
 मंगळ प १६८  
 मंगळदे देवडो हू. ६७, ६८  
 मंगळदे भाटी हू. ५२  
 मंदो घीदा रो प ३४२  
 महदअली (महदअली) हू. १५१  
 महपो राणो ती २३६  
 महारावण कांन्हावत प २३६  
 महारावण साईदासोत हू १७६  
 मोकळ प १०६, २०३  
 मोकळ (जेसळमेर) ती २२१  
 मोकळ वालै रो प. ३१८, ३१९  
 मोकळ राणो प. ६, १५, १६, ६१, ६२,  
 ३४२  
 ,, राणो ती १२६, १३०, १३४,  
 १४१, १४९  
 मोकळ लाखा राणो रो हू ३३४, ३३५,  
 ३३७  
 मोकळसी जाड़ेचो हू २०६  
 मोकळ सोभ्रम रो हू १००  
 मोखरो राजा प ३३३  
 मोजदीन सुलताण ती. १६१  
 मोजदे जैसिघदे रो प. ३५२  
 मोटल प. ३४१  
 मोटो राजा प  
 मोटो राजा हू ६०, ६३, ६६, १२४,  
 १२६, १३०, १३२, १४५, १४६,  
 १५४, १५५, १५७, १६३, १६४,  
 १६५, १६६, १७६, १७६, १८०,  
 १८१, १८२, १६४, २५६  
 (दे० उर्वसिघ महाराजा)  
 मोटो हू ६६, १२३  
 मोड नाम हू. २१४  
 मोडो रावत कुंतल रो प १२४

मोडी मूळवाणी ती ५, ६  
 मोवनसिध ती २२७  
 मोरी प ८, १२  
 मोहकर्मसिध प. २४, २६, २६६, ३०५,  
 ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४  
 ,, ती २३०, २३२, २३३  
 मोहण प १७, १६५  
 ,, दू ८८, ८९  
 मोहण जोगा रो प ३५७  
 मोहण दहियो ती २७०, २७१  
 मोहणदास प ६६, १२५, १६७, ३०७,  
 ३१६, ३२५, ३२७  
 ,, वू ६१, १२०, १३३, १६८,  
 १७४, १७५, १७७, १६८  
 ,, ती ३६  
 मोहणदास ईसरदासोत दू ६४, १०६  
 मोहणदास कल्याणदास रो प. ३१२  
 मोहणदास गोपदासोत दू १५५  
 मोहणदास चतुरभुजोत वू. १८५  
 मोहणदास जंतसी रो वू १६४  
 मोहणदास नरहरदास रो प ३०८  
 मोहणदास भगवानदास रो प. ३०२  
 मोहणदास राजाघत दू ८२  
 मोहणदास रुपसीघोत वू १४८  
 मोहणदास मुरताणोत प ३०४  
 मोहणसिध प २५, २८, ६७  
 मोहणसिध करणसिधोत ती २०८  
 मोहणसिध मुक्ते रो प ३१  
 मोहणगाम प. ३१०, ३२०, ३२६  
 मोहणतगानि (मोहणतगानि) प २५, ३१,  
 २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४,  
 ३२१, ३२५  
 ,, दू ८०, ११६, १३१  
 ,, ती. २६६, २७७, २७६  
 मोहिन रावळ प. ७८  
 मोहिन प ४५, ८६

,, ती २५०  
 मोहिल सुरजनोत ती १५३, १५५, १५८  
 मोजुद्दीन सुलतान दे० मोजुद्दीन सुलतान

य

यमादित्य प. १०  
 ययळ दू १२४  
 ययाति दू. ६  
 यज्ञपाल रांणो परमार ती. १७६  
 याकूतखां ती. २७६, २७६  
 यादव दू ६  
 यामिनीभानु प १३३ (दे० जांमणी भाण)  
 युधिष्ठिर प १६०  
 ,, ती. १८५  
 युवनाश्व प. ७८  
 युवनाश्व ती. १७७  
 ,, द्वितीय ती १७७  
 योगराज ती. ४६  
 योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २६२  
 ,, ती. १७८  
 रघोस प. २६२  
 रजमाई प २६२  
 रजा बहादुर प ३०४  
 रठ रावण इन्द्रराव ती. १६६  
 रणजय ती. १७६  
 रणजोतसिध ती. २३२  
 रणधीर प १४२  
 ,, दू १७७, १६६  
 रणधीर गाजणियो दू २२१, २२२  
 रणधीर खवट रो दू ३०६  
 रणधीर खावा रो दू. ११७  
 रणधीर नावू रो दू. १६८  
 रणधीर मूळाघत दू. १३६  
 रणमत जांम दू २२४

रणमल नीवा रो दू. १६१  
रणमल वाघेलो दू. २५३  
रणसिंघ राजा ती १६०  
रणसिंह दे० रंणसी राणो ।  
रणसीह दे० रंणसी रांणो ।  
रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१,  
३२३, ३२६  
,, दू. १४, ६०, ६५, ६७, १५७,  
१६६  
रतन चारण दू. ३८, ७४  
रतन जैसिंघदे रो प. २३२  
रतन दासे रो प. ३१५, ३१७  
रतन महेसदासोत प. २४६  
रतन राघ प. ११३, २४६, २५६, २८३  
,, ,, दू. १५८, १५९  
रतन लूणोत वांभण दू. १६, २५, २६  
रतन सांखलो सीहड रो प. ३४२  
रतनसिंघ ती १८३, २२०, २२८, २३५  
रतनसिंघ भाटी दू. ११०  
रतनसिंघ महाराजा ती १८०  
रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२  
,, दू. ८०, ६३, ६८, १२४,  
१२६, १८५, १८८, २६३  
,, ती २२१  
रतनसी अर्खराज रो प. २०८, २१२  
रतनसी अर्जैसी रो प. १४, १६, २०  
रतनसी आसावत दू. १७६  
रतनसी कमा रो प. ३५६  
रतनसी गांगा रो प. ३५६  
रतनसी चहुवाण ती १८३  
रतनसी जैतसी रो दू. १८६  
रतनसी नरहरदासोत दू. १५०  
रतनसी नाढावत सींघळ ती. ४१  
रतनसी भोंवराज रो प. ३०३  
रतनसी भोंवसी रो प. २६०  
रतनसी भोंवोत दू. १८३

रतनसी महकरणोत प. २३५  
रतनसी माला रो दू. १७८  
रतनसी राणो प. १६, २०, २१, १०४,  
१०५  
रतनसी रांणो ती ३४  
रतनसी राणो अमरा रो प. ३१  
रतनसी रांणो जैतसी रो दू. ३, १०,  
३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१,  
५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८  
रतनसी राजा प. २६०  
रतनसी राव प. ६२, २६७  
रतनसी राव काधळोत प. ६६, ६७  
रतनसी रावळ प. ७६  
रतनसी रावळ पदमणीघाळो प. १३  
रतनसी राव लाखण रो पोतरो प. १७२  
रतनसी लूणकरणोत ती. २०५  
रतनसी वीजा रो प. ३५८  
रतनसी सांगावत प. १०२, १०३  
रतनसी सिवराज रो प. ३५६  
रतनसी सीसोदियो प. ५०, ७४  
रतनसी सीहड रो प. ३४०  
रतनसी सेखा रो प. ३२७  
रतनसी सोढो प. ३६१  
रतनसेन प. १२६  
रतनसेन रांणो ती १८४  
रतन हमीरोत प. ३०५  
रतनो दू. १४५, १६६  
रतनो गांगा रो प. ३४३  
रतनो पीयावत दू. १६३  
रतनो वीरम रो प. १६४  
रतनो वीसा रो प. १६६  
रतनो वेंणा रो प. १६६, १६७  
रतनो संकरोत प. २४३  
रतनो सांखलो प. १८, २८२, २८३  
रतो दू. १४३  
रतो थिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प ६, १४  
 रत्नसिंह रावत प ६  
 रत्नादित्य ती. ४६  
 रत्नजीत प १२६  
 रत्नधीर प. १२६  
 रत्नादित्य प १०  
 रत्नादित्य ती ४६  
 रत्नवंत प २६२  
 रत्नो सुरताणियो वारहठ दू २०२  
 रत्नसद्विज राजा ती. १८७  
 रांगदे राव दू. ११४, ११५, १३८,  
 ३१२, ३१३, ३१८, ३१९, ३२०,  
 ३२४, ३२७  
 रांगफ राय प. २८६  
 रांगदे प ३४८, ३४९, ३५०  
 रांग वरजांगीत ती. ३०  
 रांगदित्य ती ४६, ५०  
 रांगो प २४०  
 ,, दू ६४, १०४, १२८, २५६  
 ,, ती २२१  
 रांगो घर्षराजोत प. २१  
 रांगो तेजमालोत दू. १२४  
 रांगो दूबावत दू ६५  
 रांगो नरवध रो दू १६७  
 रांगो नोवावत प २३३  
 रांगो नेता रो प. ३५२  
 रांगो भोयावत प. २४३  
 रांगो रांमावत दू १६४, १७१  
 रांगो रायपावोत दू १५१  
 रांगो रावळ रो प. १६६  
 रांगो राह्योन राह्य घोधो दू ३२  
 रांगो महपावत दू १७६  
 रांग प १३०, १४२, १५४, १५५,  
 १५८, १७२, २३७, ३६४  
 ,, दू ७७, ८६, १४१, १६०  
 रांग उरजण रो प ३१३

रांग उरजण रो प ११०  
 रांग कवर प. ३१५  
 रांग कवरावत ती. २१५  
 रांग कूभावत दू. १७६  
 रांग खैराडो प. २७६  
 रांगचद प. २७, ६३, १११, ३०७,  
 ३०८, ३०९, ३२८  
 ,, दू ७७, ८८, ६२, १०५, १२१,  
 १२२, १२४, १२८, २००  
 ,, ती. २२५  
 रांगचद इंदो ती २८२, २८३, २८४,  
 २८५  
 रांगचद करमसी रो प. ३२५, ३२६  
 रांगचद गोपालदासोत दू. १०६  
 रांगचद गोयंददासोत दू १७५  
 रांगचद जसवत रो प २०६  
 रांगचद नरहरदासोत दू १६६  
 रांगचद फरसरांग रो प. ३१६  
 रांगचदर प. २६८  
 रांगचद राजा वीरभाण रो प १३३  
 रांगचद राय प १०१  
 रांगचद राव जगनाथोत प ११३  
 रांगचद रावळ दू २००  
 रांगचद रूपसी रो प ३१२  
 रांगचद घाघावत दू १६२  
 रांगचद वेणावत मोहिल ती १७२  
 रांगचद सिंघोत रावळ दू. ६३, १०३,  
 १०४, १०५, १०८  
 ,, ,, रावळ ती. ३५  
 रांगचद सुरताणोत दू १५८  
 रांगचद वसरथजी रा प. ७८, १२६  
 (दे० श्रीरामचंद्रजी अघतार)  
 रांगचद राजा ती. १८८  
 रांगचद रायमलोत प. ३१८  
 रांग चवट रो दू. ३१०  
 रांग जगमालोत दू. १६१

राम जादव ती १८३  
 रामण प १६०  
 रामदास प. १२४, १२५, १६४, १६६,  
 ३१७  
 ,, हू ८०, ६६, १२३, १४७,  
 १८१, १८४, १८६, १६६  
 रामदास ईसरदास रो प ३५४  
 रामदास ऊदावत प. ३०२, ३३१  
 रामदास केसोदासोत हू १८८  
 रामदास घांदावत हू १५८, १६६  
 रामदास देवा रो प १६८, १६६  
 रामदास नाथा रो हू. ७५  
 रामदास भाखरसीश्रोत हू १५२  
 रामदास माल्हण रो हू. १५३  
 रामदास मेहानळ रो प. ३५१  
 रामदास राजसिध रो प. ३०३  
 रामदास राजसी रो प. १६७  
 रामदास व्रणवीर रो प ३३१  
 रामदास सूजावत हू १६०  
 रामदे पीर प ३५०, ३५१  
 रामदेव राठोड़ ती १६६, १६७  
 राम नारणोत प ३५८  
 राम पंचाङ्गण रो हू ११६  
 राम मालदेश्रोत हू १६७  
 राम रतनसीश्रोत प. १५१  
 राम राणो हू २६५  
 राम राव प. २१२  
 राम रावळ जंतसी रो हू ८५  
 राम रावळ देवीदास रो हू. ८४, ८५  
 राम जूणकरणोत ती २०५  
 राम वरजाग रो प २३२  
 राम सहसमळ रो प. ३१४  
 रामसा (रामस्या) हू ४८, ४९  
 रामसाह प ३०८, ३१०  
 रामसाह नाथावत प ३१०  
 रामसिध प ६६, १५६, १६३, १६४,

१६५, २००, २११, ३०७, ३२४,  
 ३२७, ३२६, ३६१  
 , हू ८५, ८८, ६२, ६५, ६६,  
 १२२, १२३, १२४, १६५, १७०,  
 १७१, २६३  
 ,, ती २२३, २२५, २२७, २३०  
 रामसिध अखैराजोत प ३६०  
 रामसिध अर्भराम रो प. ३०२, ३०७  
 रामसिध अर्भसिधोत हू. ११०  
 रामसिध आसावत प ३४३  
 रामसिध उप्रसेण रो प ३१६, ३२०  
 रामसिध कधर जैसिधोत प २६८  
 रामसिध करमसेनोत प ६६  
 रामसिध कल्याणमलोत ती २०६  
 रामसिध कान्ह रो हू. १३६  
 रामसिध चीवो प १७४  
 रामसिध जगमाल रो प २३  
 रामसिध तेजसी रो प ३२६  
 रामसिध नरसिधदासोत हू. १८३  
 रामसिध पचाइणोत हू. १०५, १०८  
 रामसिध वलू रो प ३२६  
 रामसिध भोवोत हू. १७०  
 रामसिध भोपत रो प. ३२८  
 रामसिध महसिधोत प २६१  
 रामसिध मानसिध रो प ६८  
 रामसिध मेहानळोत हू. १७४  
 रामसिध राजा प १३०  
 रामसिध रावळ प. ७६  
 रामसिध वाघेलो प. १७२  
 रामसिध धीकावत हू १७३  
 रामसिध धीरमदेश्रोत हू १६७  
 रामसिध सिखरावत प २३३  
 रामसिध सुरजमलोत हू १८६  
 राम सूजावत प ३५६  
 राम सोढो प ३६४  
 रामेश्वर राजादे रो प २६४, २६६



रामो प १६, २४२  
 ,, दू. ६६, १२६, १६७  
 रामो चारण प १११  
 रामो जाभ्रण रो प २३६  
 रामो जोघावत दू १६४  
 रामो देवडो प १५५, १५६, १५७,  
 १६५, १७६  
 रामो नायू रो दू. १६६  
 रामो नारण रो प ३५८  
 रामो भाखरसी रो प. ३५६  
 रामो माटण रो प ३५७  
 रामो माघा रो प ३६०  
 रामो लूणावत प. २३५  
 रामो सोहड ती १०६, ११०  
 रामो हाडो प ११८  
 रावण प ४७, ११६, १६० (दे० रामण)  
 रा' दयास दू २०२  
 रा' नोंघण दू. २०२  
 राइती (रासी) रावळ प ७६  
 राताइघ दे० रातायच सोळकी ।  
 राताइत दू. २६६, २६६, २७०, २७१,  
 २७२, २७३, २७४  
 रातायच सोळकी प २६५, २६६,  
 २६६, २७०, २७१  
 रातो दू १०४  
 राघवदास प. ११७  
 राघवदाम दू. १२८  
 राघवदास षट्वाणमतोत ती २०६  
 राघवदे प १६  
 ,, दू. २६४  
 राघवदे घरजांग रो प २३२  
 राघवदे सीतोदियां-लायावत प. ५३, ५४  
 राघो प २०५  
 ,, दू ८५, १६०, १६७, १६६, २१५  
 राघो विमना रो प ३५२  
 राघोदाम प ६६०, ६६७, २३३, ३२७,  
 ३२८

राघोवास दू. ८६, १२२, १७७, १८८  
 ,, ती २२६  
 राघोदास अखैराजोत दू १५२  
 राघोदास उदैसिघ रो प ३१२  
 राघोदास खगारोत प ३०५  
 राघोदास डूंगरसीओत दू. १४८  
 राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२  
 राघोदास देवडो जोगावत प. १५७  
 राघोदास घीरावत दू २०१  
 राघोदास फरसराम रो प. ३१६  
 राघोदास महेसोत प. २०१  
 राघोदास राम रो प. ३१४  
 ,, ,, ,, दू. १६१  
 राघोदास धीठळदास रो प. ३०८  
 राघोदास घीरमदेओत दू. १७१  
 राघोदास सादूळोत प. २८३  
 राघो नायू रो दू १६८  
 राघो वाली ती. १२६  
 राघो भाखरसी रो प ३६१  
 राज प. २५८, २६१, २६३, २६४,  
 २६५, २६७, २८०  
 राजकुळ प. २६०  
 राजचद्र प. १२६  
 राजडियो सूर-माल्हण रो दू. ४२  
 राजदे प. ३३२  
 राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३  
 राजदेय प २६०  
 राजधर प. १६६  
 ,, दू. २  
 ,, ती २२१  
 राजधर घवडे रो दू ३१०  
 राजधर जोघा रो प. ३५६  
 राजधर भोजावत दू. १७७  
 राजधर मानसिघोत प. ३५६  
 राजधर रिणधीर रो प. २०५  
 राजधर लखमण रो दू ७६, ८०

राजघर वैरसी रो प. ३५६  
 राजपाण भाट प. २८७  
 राजपाळ प. २६०  
 ,, ती २२१  
 राजपाळ रांगो बल्लु रो दू. १४०  
 राजपाळ रांगो सागा रो दू १, ११,  
 १२, १३, १६  
 राजपाळ वैरसी रो प. ३३६, ३४२, ३४४  
 राजमल उदैसिघ रो प. ३१३  
 राज रावळ दू. ३  
 राजरिख प १२२  
 राज सर्मा प ६  
 राजसिघ प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,  
 ३०६, ३१६, ३१७  
 ,, दू. ८८, ९३, १२२, १४०,  
 १६५, १७६, १८१, १८४, १८५,  
 २६४  
 ,, ती १८१, २२६, २३६, २३७  
 राजसिघ श्रासकरण रो प. ३०३  
 राजसिघ करनोत प ६८, ७०  
 राजसिघ खोंवावत दू १८२, १८४  
 राजसिघ गोपाळदासोत दू १०६  
 राजसिघ जसवतोत दू १४६  
 राजसिघ दयाळदासोत दू १४७  
 राजसिघ म० कुवार दू ११०  
 राजसिघ राणो प ६, १५, ३१, ३२,  
 ४६, ५२, ५३  
 राजसिघ रामसिघोत प ३२६  
 राजसिघ राघोदास रो प ३१४  
 राजसिघ राजा ती. २१७  
 राजसिघ रावत प. ६६  
 राजसिघ राव सुरताण रो प १३६,  
 १५३, १५४, १५८, १६१, १६३,  
 १६४  
 राजसिघ लखावत दू १६१  
 राजसिघ वेणीदासोत दू १५७, १६८,  
 १६९

राजसिघ हमीरोत प ३०५  
 राजसिघ हररामोत प. ३२४  
 राजसी प. १६५, १६८, ३४३  
 ,, ती २२२, २३६  
 राजसी कवरसी रो, रांगो प ३४६  
 राजसी तेजसी रो प ३४२  
 राजसी देवढो प. १५७  
 राजसी नाथा रो प. १६७  
 राजसी भैरवदासोत दू १६६  
 राजसी राघावत प. १५३  
 राजसी होंगोळ रो प. १७२  
 राज सोळकी प २६१, २६५, २८०  
 राजादित प २५६  
 ,, ती ४६  
 राजादे वीजळदे रो प २६४, २६५,  
 २६६  
 राजा सर्मा प ६  
 राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११  
 राजो ती २२६  
 राजो ऊगमणावत ती. २५२  
 राजो करण रो प. ३५२, ३५३  
 राजो काधळोत ती. २१  
 राजो (वाहडमेरी रो) दू. ८८  
 राजो रांगो दू. २६२, २६५  
 राजो धीकाजी रो ती. २०५  
 राज्यसिघ राजा ती. १६०  
 रामनारायण हुगड प १३४  
 रामशाह वे० रामसा ।  
 रामादित्य प. १०  
 रायकवर प ३१५, ३१७  
 रायकरन दू. १२३  
 रायचंद भाटी दू. ६६, १००  
 रायचंद मनोहर रो प ३१६  
 रायघण दू १, २०६, २१५, २१६,  
 २५४  
 रायघण हमीर रो २०६, २११

रायधवल ऊगमणावत ती. २५२  
 रायपाळ तेजसी रो प ३४१  
 रायपाळ नापा रो प. ३५४  
 रायपाळ राव ती २६, १८०  
 रायपाळ साहणी ती. ८४  
 रायपाळ सिधा रो प. ३५१  
 रायपाळ सीहावत हू १४५  
 रायभाण हाडो रायसिध रो प. ११७  
 राय भूवळ ती. ५१  
 रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३,  
 ३२६, ३२७  
 ,, हू ७८, ८१, १२८, १४३,  
 १४५, २००, २६३  
 ,, ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,  
 ८५, ८६, ८७, ८८  
 रायमल अचळावत हू. १८५  
 रायमल उर्देसिधोत हू १४६  
 रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२  
 रायमल करमा रो प. १६५, १६६  
 रायमल किसनावत हू १२४, १२५  
 रायमल गोयददासोत हू १७५  
 रायमल दासा रो प ३१८  
 रायमल दुरजणसलोत हू ६६  
 रायमल देवावत हू ७६  
 रायमल धनराजोत हू. १२२, १२३  
 रायमल महकरणोत प २३५  
 रायमल मालदेवोत ती. १५२  
 रायमल रांणावत हू १५१  
 रायमल राणो प १५, १७, १८, १९,  
 ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१,  
 २८१, २८४, ३५२, ३५६  
 रायमल राव ती २४६, २४७, २४८  
 रायमल सिवराज रो प ३५६  
 रायमल सुरा रो प. ३६०  
 रायमल सेखावत प. ३१६  
 रायसल प ३२२, ३२३, ३२४, ३५८  
 ,, हू. ६६

रायसल खीघो प. २५५, २५६  
 रायसल दूवावत ती. ८४, ६७, ६८  
 रायसल राजा परमार ती १७६  
 रायसल सुजा रो प. ३२०, ३२४  
 रायसिध प. २२, २३, २५, ३१, ४७,  
 ७४, १०१, ११७, १४२, १४६,  
 १५१, १५२, १५४, १५५, १५६,  
 १५७, १५९, १८६, १८१, १८२,  
 १८४, १८६, २३७, ३५६  
 ,, हू ६५, ७७, १२४, १४३  
 ,, ती २३३, २३६  
 रायसिध कछवाहो ती. ३२  
 रायसिध कल्याणदास रो प. ३१२  
 रायसिध किसनावत हू. १२५  
 रायसिध गोयददासोत हू १५५, १५६,  
 १५७  
 रायसिध चद्रसेनोत (चद्रसेणोत) प १५१  
 १५२  
 ,, ,, हू. १७५, १८६  
 रायसिध जाम लासा रो हू. २२४  
 रायसिध जाळपोत हू. १६७  
 रायसिध जेसावत हू १५०  
 रायसिध झालो हू २४४, २४५, २४६,  
 २४७, २४८, २४९, २५०, २५१,  
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६,  
 २५९  
 रायसिध ठाकुरसी रो प ३६०  
 रायसिध पधार हू २६०  
 रायसिध पोथावत हू. १६३  
 रायसिध भीमावत हू. १०३  
 रायसिध भैरवदासोत हू. १६६  
 रायसिध महाराजा ती. १८, ३१, १८०,  
 १८१, २०६, २१०, २२४  
 रायसिध माडण रो हू २८३, २६४, २६५  
 २६७  
 रायसिध मालवे रो प. ३१५

रायसिंघ राजा दू. ६४, १२८, १३२,  
 १३६, १४६  
 रायसिंघ राव अखैराज रो प १३५,  
 १३६, १३७, १४१, १६१  
 रायसिंघ वणवीरोत य. २४२  
 रायसिंघ वीसावत दू. १६४  
 रायसिंघ सूजावत प २४२  
 रायसिंघ हरवास रो दू. २६३  
 रायसी रांगो महिपाल रो प ३४४,  
 ३४५, ३४६  
 रालण फाकिल रो प २६४, ३३२  
 रावत प. ६५, ६६  
 ,, दू. ६१, १४३  
 रावत देवडो सेखावत प १४३, १५८,  
 १६३, १६४  
 रावत महकरणीत प २३५  
 रावतसिंघ प ६३, ६५, ६६  
 रावत हामावत प १४६  
 रावळ खूमांग वापा रो प ४, १२,  
 ५६, ७८  
 रावळ वापो प ३, ४, ७, ८, ११, १२,  
 ७८  
 रावळो रांगो, सजन रो प १६३, १६४  
 रासो दू. ८६, १६२, २००  
 रासो उदैसिंघ रो दू. १३०  
 रासो घनराजोत दू. १००  
 रासो नरसिंघवास रो दू. १८३  
 राहुड रावळ विजैराव रो दू. २, ३२,  
 ३३  
 राहप रांगो, रावळ करण रो प ५, ६,  
 १३, १५, १६, ७०  
 राहप रावळ प ७६  
 राहिव दू. २०६, २३६  
 राहिव हमीर रो प ३५८  
 राहुड राजसी रो ती. २२२  
 रिखीइवर प. १०

रिखी सर्मा प. ६  
 रिडमल सारगोत दू. १७४  
 रिणछोड गगादासोत ती २२०  
 रिणघवळ प ३३६  
 रिणधीर प २०, १५८, १५९, २०५,  
 २०७, ३४८  
 रिणधीर चूडावत ती १२६, १३०,  
 १३२, १४०  
 रिणधीर सूरावत ती. १४०  
 रिणमल प ३५७  
 रिणमल केलणोत दू. १२, ११६, १४०,  
 १४१  
 रिणमल चहुषाण प १२१  
 रिणमल देवडा सलखा रो प १३५,  
 १३६, १६२, १८८  
 रिणमल नींवावत दू. १५४  
 रिणमल भाटी दू. ३, ७७  
 रिणमल राव राठोड (राव रिडमल)  
 प. १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,  
 २०६  
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)  
 दू. ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,  
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,  
 ३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,  
 ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३४०,  
 ३४१, ३४२, ३४३  
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)  
 ती १, २, ३, ४, ६, ९, ३१, ८४,  
 ९०, १२६, १३०, १३२, १३३,  
 १३४, १३५, १३६, १३७, १३८,  
 १३९, १४०, १४१, १४६, १८०,  
 २२६, २२६  
 रिणमल लाला रो प ३५२  
 रिणसिंघ प ३१८  
 रिणसी प १६६  
 रिण राजा ती. १८५

रिसालू राजा सालवाहन रो दू ६  
 " " " " ती. ३७  
 रुकनदीन सुलताण ती. १६०, १६१  
 रुकनुद्दीन दे० रुकनदीन सुलताण ।  
 रुपमागदजी चद्रावत दे० रुपमागदजी  
 चद्रावत ।  
 रुखमांगद चांदावत ती २४६  
 रुखमागदजी चद्रावत ती ३२  
 रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५  
 ,, दू ६०, ६२, ६६, ६७, १०५,  
 ११६, १२३, १२८, १३०, १६८,  
 १८५, १८८  
 रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०७,  
 १३१, १३२  
 रुघनाथदास प २५  
 रुघनाथ पतावत दू १७१  
 रुघनाथ भाणोत दू १०४, १०८  
 रुघनाथ भोजराज रो प. ३२३  
 रुघनाथ राव दू १२१  
 रुघनार्थसिध प ३०६, ३१४  
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २२६,  
 २२८ २२९  
 रुघनार्थसिध उप्रसेण रो प. ३२०  
 रुघनाथ सुरताणोत दू १६०  
 रुघनाथ सेखावत दू १७३  
 रुणक ती. १८०  
 रुणकराय प. २८८  
 रुदो प १७२  
 रुदो चवंडे रो ती ३१  
 रुदो देवडो तेजसी रो प. १६२, १६३,  
 १६४  
 रुदो राणा लाखा रो प, १६  
 रुद्रकवर प ३१६  
 रुद्रदास भूलो-चारण भाण रो प. ८६,  
 ८८  
 रुद्रनाग प १६०

रुद्रसिध प २१, २३  
 रुद्र ती. १७८  
 रुद्रक प. २६२  
 रुद्रक ती. १७८  
 रुद्रचद भारमलोत प. २६१, ३१४  
 रुद्रथो राणो पछिहार दू. १२, ५३, ७३,  
 १४०, १४२  
 रूप राघोवास रो प. ३१६  
 रूपसिध प. २३, १०१, ३२०  
 ,, ती. २२४, २३०  
 रूपसिध भारमलोत प. २७६  
 रूपसिध राजा (किशनगढ) ती २१७  
 रूपसिध राघ भारमलोत दू. १०४, १०५,  
 १०६  
 रूपसिध रुखमागदोत ती. २४६  
 रूपसी प ३१२, ३१३, ३१८, ३१९,  
 ३२६  
 ,, दू ११६, १७६, १८२, १८७  
 ,, ती. २२१  
 रूपसी आसावत प ३४३  
 ,, ,, दू. १४७  
 रूपसी जसवत रो प. ३१७ ३१८  
 रूपसी जोधा रो प ३५६  
 रूपसी प्रथोरान रो प ६७, १११, १६५  
 ३१२  
 रूपसी रायमल रो दू. १४५  
 रूपसी रार्यसिधोत दू. १६८  
 रूपसी लखमण रो दू. ७६, १६६  
 रूपसी लूणकरणोत ती २०५  
 रूपसी वीरागो प. ३१३  
 रूपसी सोमोत दू ७५, ७६, ७७  
 रूपो प १६७, २०१  
 ,, दू. १४३  
 रुमीखां करमसीधोत ती २१४  
 रेडो घायभाई ती. ८३  
 रेवकाहीन प. २६०

रैणसी रांगो ती १५८, १७०  
 रोमोखान ती. ५५  
 रोह राणो प. १२३  
 रोहिताश्व ती १७८  
 रोहितास प. ७८  
 रोहितास राजा हरिचद रो प २८७,  
 २६२, २६३

## ल

लकडखान प १११  
 लक्ष्मणमिह प ६  
 लक्ष्मीदास ती २२८, २३१  
 लखण हू. २१५  
 लखणमेन हू २, ३६, ४०, ४१, ४२,  
 ४३  
 लखणसेन राव ती १५८  
 लखणसेन रावळ हू ११४  
 ,, ,, ती ३३  
 लखधीर प १८६  
 ,, हू २४१  
 ,, ती ३७  
 लखधीरसिंघ ती. २२६  
 लखमण प ११७, १६१, २२६  
 ,, हू १४, ५२, १८८  
 लखमण ईसरदासोत हू १७६  
 लखमण केहर रो हू. २, १०, ११, ७५,  
 ७६, ७८, ७९, ८०, ९२, ११२  
 ,, ती ३४, २२१ -  
 लखमण(लछमण)ढोला रो प. २८६, २६३  
 लखमण नारणोत हू १६०  
 लखमण भादावत प ६१  
 लखमण रावत रिणधीरोत हू ११७  
 लखमण रावळ हू १६६  
 लखमण सातळ रो प. ३४१  
 लखमणसी भड प १४  
 ,, ,, ती १८४  
 लखमणसेन रायपाळजी रो ती. २६  
 लखमसी कालण रो हू २, ३६

लखमसी राणो प. ६, १४, १५  
 ,, ,, ती १७६  
 लखमसेन प्रेमसेनोत चहुर्वाण ती २६  
 लखमीदास हू १२८, १३०, १६१,  
 १७०, १८३, १८५, २००  
 लखमीदास धनराजोत हू १२४  
 लखसेन राजा ती १७५  
 लखो प १८७  
 लखो हू १८७  
 लखो अमरा रो हू. १२२  
 लखो खेतसी रो प  
 लखो जगनाथोत हू १६६  
 लखो नरखद रो प १२५  
 लखो बोडो प २४७  
 लखो मुहतो हू ६  
 लखो धीजड रो प १३४  
 लखो वीरमदेवोत हू. १६१  
 लछपाल राजा ती १८८  
 लछमणसेन राजा ती १८६  
 लछपाळ राजा ती. १८८  
 लपोड हू १, ११, १७  
 ललाखान प. ५६  
 लल्ल भाट प २७७, २७८  
 लव रामचद्रजी रो प २६३  
 लसकरी कामरा प. ३००  
 लहुवो हू १, ११, १६  
 लागल ती. १८०  
 लाघा-वलाय प ६१  
 दे० पृथ्वीराज उडणो ।  
 लांय घांभण हू १६, २५, २६  
 लाखण पुजन रो प. २६६  
 लाखण राणो परमार ती १७६  
 लाखण राव प ६७, १००, ११६,  
 १३४, १३५, १७२, १८६, २०२,  
 २३०, २४५, २४७, २५०, २५१  
 लाखणसी हू. १२४  
 ,, ती. २३२

लाखणसी मलेसी रो प २६४  
 लाखाइत प २६६  
 लाखो प. १८६, ३६१  
 लाखो अजा रो दू २२४, २२५, २४१  
 लाखो अगमणावत ती. २५२  
 लाखो गोपावत प २३८  
 लाखो जमला रो दू. २२८, २२९, २३०  
 २३१, २३२, २३३, २३४, २३५  
 लाखो जाडेचो प २६४, २६५, २६६,  
 २६६, २७०, २७१  
 ,, ,, दू. २५८  
 लाखो जाम दू २१७, २१८  
 लाखो जाम मारू दू २६६, २६७  
 लाखो डूगरसी रो प १२१  
 लाखो फूलाणी दू २०६, २१६, २१७,  
 २१८, २३६, २६८, २६९, २७०,  
 २७१, २७२, २७३, २७४  
 लाखो रांणी प ६, १५, १६, ३४  
 ,, ,, दू ३३१  
 लाखो राव प १३५, १३६, १४२,  
 १४४, १५८, १६०, २८४  
 लाडक वजीर दू २१६  
 लाडखान प. २७, ३६१  
 ,, दू १२४, १७४, १८३, २०१  
 ,, ती ३७, २२७  
 लाडखान ऊदा रो प ३१८  
 लाडखान किसनावत प ६६  
 लाडखान जमल रो प ३१७  
 लाडखान भैरवदासोत दू १६६  
 लाडखान रायसल रो प ३२१  
 लाडखान रायसिघोत दू. १६४  
 लाडखान वाघावत दू १६२  
 लाडखान स्यामदासोत प ३०६  
 लाघो प १६८  
 लालचद दू ६२  
 लाल डूगरसी रो प. १२०  
 लालरग प २८६

लालसिघ प ५६, ११६  
 ,, ती. २२३, २२४  
 लालो प १०१, २२६  
 लालो चवडैजी रो दू ३१०  
 लालो जमल रो प. ३५२  
 लालो नरू रो, राव प. ३१८  
 लालो नाथा रो दू ७५  
 लालो साहणी दू. १६६, १६८  
 लिखमण सोभत (-सोभावत ?)  
 प २२४  
 लिखमसी दू ८८  
 लिखमीदास गोयददासोत दू १८०  
 लिखमीदास देईदासोत दू १६६  
 लिखमीदास वाघोत दू १६१, १६२  
 लिखमीदास सेखावत प २३६  
 लिखमीदास हाडो मानसिघोत प ११७  
 लिलाट सर्मा प ६  
 लीलामाघो राजा ती १६०  
 लूको ती १०८, ११३  
 लूडो सेलोत प २२५  
 लूभो प. १८७, १८८, ३४८  
 लूभो चवडैजी रो दू ३१०  
 लूभो पता रो प १३५  
 लूभो विजड रो प १३४, १६२, १८१  
 लूणकरण प २२४, ३०२  
 ,, दू. ८१, ८६, ९१, ९२,  
 १०३, ११०  
 ,, ती २२०, २२७  
 लूणकरण मदनसिघ रो प ३१७  
 लूणकरण राव दू. ८५  
 लूणकरण ,, ती. ३१, १८०, १८१,  
 २०५, २२८  
 लूणकरण रावळ प. २२  
 ,, ,, दू ११, ८७, ८८, ८९  
 ,, ,, ती ३५, १५१, १५२  
 लूणकरण राव सुरताणोत प १५२  
 लूणकरण राव सूजा रो प ३१६

लूणकरण राव हमीर रो दू १४५  
 लूणकरण सीहड रो प ३४०  
 लूणग भाटी ऊदल रो दू. ६६, ७०, ७१,  
 ७४  
 लूणराव दू २, ३६, ४३  
 लूणो प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३,  
 १८७, ३१६  
 लूणो अन्ना रो दू २६२  
 लूणो उर्देसिघ रो प २२  
 लूणो वहियो प २२६  
 लूणो प्रोहित दू १८, १९  
 लूणो माणकराव रो प. ३६३  
 लूणो मेहरावण रो प ३६१  
 लूणो राणावत प २३५  
 लूणो राम रो प ३१३  
 लूणो रायसिघोत दू १६८  
 लूणो रावत ती ७, ८  
 लूणो राव भोजा रो प ३५४  
 लूणो राहिव रो प. ३५८  
 लूणो विजड रो प १३४, १८१, १८२,  
 १८३  
 लूणो विजा रो प १६३  
 लूणो साईदास रो प ३२७  
 लूणो सीसोदियो प ६६  
 लूणो सूजावत दू १५१  
 लूणो हरराज रो प. १६४  
 लेख सर्मा प. ६  
 लोढचद ती १८६  
 लोढचद ती १८६  
 लोदी जनागर रो दू. २०६  
 लोलो गोपावत प २३८  
 लोलो चवडेजी रो दू ३१०  
 लोलो राणा रो प २०६, २०७  
 लोलो सोनगरो ती १३३  
 लोहचद राजा ती १८६  
 लोहट प १०१

लोहट रांगो मोहिल ती १५८, १७०,  
 १७१  
 लोसल्य प ७८  
 व  
 वसीदास प ३०८  
 वखतसिघ ती २२५, २२८, २३२, २३५  
 वखतसिघ परमार ती. १७६  
 वखतसिघ महाराजा ती २१३  
 वच्छो प ३५३  
 वछराज रांगो मोहिल ती १५६, १६०,  
 १७१  
 वछराव दू ६  
 कछवधराज प २८६  
 वछु, रांगा सीहड रो प ३४३  
 दे० वछो सीहड रो ।  
 वछु राव ती १६१  
 वछु रावळ मुघ रो दू १, १०, १५,  
 ३१, ३२, १४०  
 वछो जवडू रो प. १०१, १०२  
 वछो माला रो दू १७८  
 वछो सीहड रो प ३४०, ३४१  
 दे० वछु, राणा सीहड रो ।  
 वजरदीप दे० वज्रद्वीप  
 वज्रद्वीप प. २६३  
 वज्रधर प ७८  
 वज्रधाम बालरथ रो प २८८  
 वज्रधाम लखमन रो प २८६  
 वज्रनाभ प ७८  
 वज्रनाभ ती १७६  
 वज्रनाभ प्रदुमन रो दू १, ६, १६  
 वडगच्छो जती ती १६  
 वडसीस रावळ प १२  
 वणराज चावडो ती २६, ४६, ५०  
 वणवीर प १७, २०, २१, १६३, २७६,  
 २६०, ३१३, ३३१  
 ,, दू १६  
 वणवीर उधरण रो प ३१३  
 वणवीर कांहा रो प. ३५८



वणवीर जेसा रो दू. १५३, १६२  
 वणवीर भानीदास रो प. २७६  
 वणवीर मालदे रो प. २०५, २०६, २२२  
 वणवीर मेर रो प. १७२  
 वणवीर राव साकर रो प. १६४  
 वणवीर वरसी रो दू. ८१  
 वणवीर सिंघावत प.  
 वणवीर हरराज रो प. १६४  
 वणसूर ती १५३  
 वत्स ती १७५  
 वत्स वृद्ध ती. १७६  
 वनमाळीदास भगवतदास राजा गो  
 प. २६१  
 वनराज चावडो प. २५८, २५९  
 ,, ,, दू. २६६  
 (दे० वणराज चावडो)  
 वनसर्मा प. ६  
 वनीसिंघ ती २३५, २३६, २३७  
 वनो प. ३६१  
 वनो गोड ती. २७०, २७१  
 वनो भाटी दू. ६६  
 वणरसीह चावडो ती ५०  
 वरजाग प. १६८, २४४, ३६२  
 ,, दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८  
 वरजाग चूडावत ती. ३१  
 वतजांगदे प. २४४  
 वरजाग पोकरणो ती ११३  
 वरजाग भीमावत दू. ३४२  
 वरजांग भैरू दासोत दू. १६०, १६२  
 वरजांग राव दू. ११७  
 वरजांग राव पाता रो प. २३१, २३२  
 वरजाग हमीर रो प. ३५६  
 वरदायीसेन ती १८०, १६३, २०४  
 वरदेव सर्मा प. ६  
 वरसिंघ प. १०१, १२७, १२८, १६५,  
 २५६  
 ,, दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

,, ती. ३६, २२७  
 वरसिंघ उदैकरणोत प. २६५, ३१३  
 वरसिंघ खेतसीओत दू. १७३  
 वरसिंघ जोधावत ती २८  
 वरसिंघदे द्वारकादास रो प. ३२२  
 वरसिंघदे घीरावत प. २३६  
 वरसिंघदे मधुकरसाह रो प. १३०  
 वरसिंघदे वाघेलो प. १३२, १३३  
 वरसिंघदे वीसळदे रो प. ११६  
 वरसिंघ राणो दू. २६५  
 वरसिंघ रावळ प. ७६  
 वरसिंघ राव हरा रो दू. १२१, १२६,  
 १२७, १२८, १३७  
 वरसो खाट ती ५६  
 वरसो हरदास रो दू. २६३  
 वरही प. २८६  
 वर्त तेजस राजा ती. १८५  
 वर्हो ती. १७६  
 वलभराज सोळकी प. २६०  
 ,, ,, ती ५१  
 वल्लभराम ती २३६  
 वल्लभराज प. २८०  
 वशिष्ठ ऋषि (दे० वसिष्ठ रिखीस्वर)  
 वसिष्ठ रिखीस्वर प. १३४, ३३६  
 ,, ,, ती १७५  
 वसुदान राजा ती १८६  
 वसुदेव दू. ६  
 वसुदेव वांभण लूणोत दू. १६  
 वसु सर्मा प. ६  
 वस्तपाळ इद्रपाळ रो प. २६०  
 वस्तो दू. १३०  
 वस्तो लाला रो प. ३५२  
 वह ती १७६  
 वाकीदास दू. २०१  
 ,, ती २२०  
 वाकीदास जसावत दू. १०३  
 वाकीदास जैमल रो प. ३५८

वाकीवेग मोहवतखा रो प ३०१  
 वाको दू. ६०  
 वांदर ती २२१  
 वांनग देव दू १४  
 वानर दू २  
 वाक्पतिराज प १००  
 वाक्षय सर्मा प ६  
 वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,  
 १६५, १६७, १६८, ३४४  
 ,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,  
 १३१, २६४  
 ,, ती २३०, २३१  
 वाघ अमरा राणा रो प ३१  
 वाघ कान्हावत दू १६३  
 वाघ खीची प २५६  
 वाघ छाहड़ रो प ३६३  
 वाघ जसवत रो प २०८  
 वाघजी प ३०८  
 वाघ ठाकरसीश्रोत ती १८  
 वाघ तिलोकसीश्रोत दू १६२  
 वाघ पवार प ३३८  
 वाघ प्रथीराज रो प. ३१२  
 वाघ फरसराम रो प ३१६  
 वाघ भारमल रो प ३२८  
 वाघमार घूहडजी रो ती २६  
 वाघ रतनसीश्रोत दू १७६  
 वाघ राणो दू २६५  
 वाघ राजा परमार ती. १७६  
 वाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४  
 वाघ रिणमलोत दू १६१  
 वाघ बीदा रो दू. २६३  
 वाघ साखलो प ३३८, ३४४  
 वाघ सावळदासोत दू १६६  
 वाघ सिरग रो दू. १२२  
 वाघ सुरतांगोत प ३०४  
 वाघो प १६, २०, ५१, २४१, ३५६  
 ,, दू ६०, २०१

वाघो काधलोत राठोड ती २१, १६२,  
 १६३  
 वाघो कान्हा रो प ३५८  
 वाघो जीवा रो प २४१  
 वाघो प्रथीराज रो प २४२  
 वाघो राठोड सूजावत ती ८६, १०५  
 वाघो राव दू ११६  
 ,, ,, ती. २१५  
 वाघो रावत सूरमचद रो प ५०  
 वाघो विजा रो प २४७  
 वाघो सूजावत प. ३२०  
 वाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१,  
 १२४  
 ,, ,, ती ३७  
 वाटसन ती १७३  
 वादळ सोनगरो ती २८०, २८६, २६०,  
 २६१  
 वाय सर्मा प ६  
 वालद ती. ३७  
 वालग प २८०  
 वालहर राणो ती. १५८  
 वालाववध ती ३७  
 वालो (दे० बालो)  
 वालो प १२१  
 वासत सर्मा प ६  
 वाहड़ प्रोहित ती. २४  
 वाहनीपति ती १७६  
 विकुक्षि प ७८  
 विकुथ प. ७८  
 विक्रम प १६०  
 विक्रमचद राजा ती १८८  
 विक्रम चरित राजा ती १७५  
 विक्रमपाल राजा ती १८८  
 विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३  
 विक्रमादित प २०, ५०, १०३, १०४,  
 १०८, १०९, ३०३, ३३६  
 विक्रमादित्य प १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८  
 विक्रमादित्य सागा रो, रांगो प. ४६  
 विक्रमादीत राव केल्हण रो दू ११६,  
 १४३, १४४  
 विक्रमादीत राव मालदेओत दू. ६०  
 विक्रमायत भालो ती ११  
 विक्रमायत राजा प ३१६  
 विक्रसाज प २८८  
 विजड प १८३  
 विजड प्रोहित ती २४  
 विजपाळ दू १५  
 विजय ती. १७८  
 विजयमल राजा ती. १६०  
 विजय राजा ती १८६  
 विजयसिंघ महाराजा ती २१३, २१५  
 दे० विजसिंघ महाराजा ।  
 विजयादित्य प १०  
 विजलादित्य प १०  
 विजै प ७८  
 विजैचद ती. १८०  
 विजैदत्त प २, ३  
 विजैनित्य प ७८  
 विजैपान प. ६  
 विजैपाळ प. १०१  
 ,, ती २६  
 विजैपाळ राणो दू. २६५  
 विजैरथ प ७८  
 विजैरांम प ३२३, ३२६  
 ,, ती २३५, २३६  
 विजैराम अखैराज रो प ३०२  
 विजैराम उदैसिघोत प ३०८  
 विजैराज दहियो प. २२६  
 विजैराय प २८८  
 विजैराव दू ६, ११  
 विजैराव नूडालो दू १, १०, १७, १८  
 विजैराव रावळ घल्लु रो दू १४०  
 विजैराव लाजो (—लजो) दू २, ३१,  
 ३२, ३३, ३४  
 ,, ,, ती २२२

विजैराव लूणकरण रो दू ६१  
 विजैराव घोरमोत ती. ३०  
 विजैवाह प १२३  
 विजै सर्मा प. ६  
 विजैसिंघ प ३२४  
 ,, ती ३६, २२०, २२६  
 विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२  
 विजैसिंघ महाराजा दू ११०  
 दे० विजयसिंघ महाराजा ।  
 विजैसी प २२५, २३१  
 विजैसी आल्हण रो प २२६, २३०  
 विजैसेन राजा ती. १८६  
 विजो प २२, २३, २७, २८, ३०,  
 १६३, २००  
 ,, दू ७७ ७६, १०४, २००, २०८  
 ,, ती २२१  
 विजो ईंदो (कस्तूरियो मूग) दू ३४२  
 विजो ऊदावत ती ११  
 विजो करमा रो प. २४७  
 विजो पूजा रो प १७२  
 विजो भानीवास रो दू १६१  
 विजो भाटो दू ३४२  
 विजो रूपसी रो दू १६६  
 विजो घोरमदे रो दू ११७, १२०  
 विजो सीहूह रो प ३४१  
 विठ्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६,  
 २७५  
 विथक दे० विइवक ।  
 विद्वरथ ती १८१  
 विद्वुथ राजा ती १८६  
 विनिजैसिंघ प ७८  
 विमळ राजा प १२३  
 विरदसिंघ राजा ती २१७  
 विरसेह (घोरसेन) रावळ प ७६  
 विराज सर्मा प ६  
 विराट सर्मा प. ६  
 विराम साह ती १६१

विलापानस प ७८  
 विल्हण प. १२२, १२४  
 विवसत प. २६२  
 विवसान प २६२  
 विवस्वत दे० विवसत ।  
 विवस्वान दे० विवसान ।  
 विशक दे० विश्वक ।  
 विश्व प २८६  
 विश्वक ती १७६  
 विश्वनि (विश्वाजित) प ७८  
 विश्वसक्त ती. १७६  
 विश्व सर्मा प ६  
 विश्वसह ती १७८  
 विश्वसिधत ती १७६  
 विश्वस्त ती १७६  
 विश्वस्तक ती १७६  
 विश्वावसु प ७८  
 विष्णु दू ३  
 विसनदास प. ३१७  
 ,, दू १६४  
 ,, ती. २८१, २८२, २८५  
 विसनदास राम रो प ३१४  
 विसनसिध रामचदोत दू १५६  
 विसनो दू ८०  
 विसरजन दू ३  
 विसोढो चारण ती २८६, २८७, २८८,  
 २८९, २९०  
 विस्वसेन प २८८  
 विश्वावसु प ७८  
 विहारी प. १२५, २३५, २४६, ३२७  
 ,, दू १२३  
 विहारी कुर्भ रो ती ३७  
 विहारीदास प २०८, ३०५  
 ,, ती २२०  
 विहारीदास उग्रसेण रो प ३२०  
 विहारीदास दयाळदासोत दू ६४, १०६  
 विहारीदास नाथावत प ३१०

,, ,, दू १६६  
 विहारीदास रायसल रो प ३२४  
 विहारीदास सूरसिध रो दू १३३  
 ,, ,, ती ३६, ३७  
 विहारी प्रागदासोत दू १८४  
 वीजो वेणीदासोत दू १६८  
 वीकम प १६०  
 वीकमचित्र प. ३३६  
 वीकमसी प २३१  
 वीकमसी केलहणोत दू २, ३६  
 वीकमसी नीहड दू ४३, ४४, ४५, ५०  
 वीकाजी जोधावत प. ३५३  
 वीकादित्य प १०  
 वीको प ३२७  
 ,, दू ७६, १७०, १७४, १७८, १६२  
 वीको ईडरियो दू २५४  
 वीको कल्याणदास रो दू ६३  
 वीको खेतसीओत दू १७३  
 वीको जयसिध रो प १६४  
 वीको दहियो प २२६  
 वीको भदा रो प. २००  
 वीको राव दू ८५, ८६, ६४, १२०,  
 १४५  
 ,, ,, ती १३, १४, १५, २०,  
 २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०,  
 १८१, २०५  
 वीको रावत प. ६२, ६३  
 वीको वरसिध रो प २३६  
 वीजड प १३४, १६२, १८१, १८३,  
 १८७, १८८  
 वीजळ प २६०  
 वीजळ जगनाथ रो प. ३०१  
 वीजळदे मन्नेसी रो प २६४, २६६  
 वीजळ राव ती २२१  
 वीज सोळकी प २६३, २६४, २६५,  
 २६७, २६८, २६९  
 वीजो प. २४०

वीजो गोयद रो प ३५८  
 वीठळ प. १६५  
 ,, दू ७८, १६६  
 वीठळ गोयदोत दू ७६  
 वीठळदास प २५, ३१४, ३१६, ३१७,  
 ३२३, ३२७  
 ,, दू ३, ८८, १०८  
 वीठळदास केसोदासोत दू १६३  
 वीठळदास गोपाळदासोत दू १५०  
 वीठळदास गौड प ३०४  
 वीठळदास नारणदासोत दू १८८  
 वीठळदास पचाइणोत प ३०८  
 वीठळदास प्रागदासोत दू. १७१  
 वीठळदास राजा प ३०४, ३०६  
 वीठळदास राठोड जैमलोत प ३२१  
 वीठळदास लखावत दू १६१  
 वीठळदास सहसमलोत दू ६६  
 वीठळदास सावळदासोत दू १८४  
 वीठळदास हरदासोत दू. १६५  
 वीणो जाळपदासोत मोहिल ती १७२  
 वीदो प १६८, २४१, ३४१  
 ,, दू १४३, २६३  
 वीदो खालत दू १०७  
 वीदो भालो प ४०  
 ,, ,, दू २६३  
 वीदो तेजसी रो प. ३५७  
 वीदो भारमलोत ती. ६५, १००  
 वीदो राव ती २८, ३१, १६५, १६६,  
 १६७, २३१  
 वीदो रावत दू. १२१  
 वीदो राहड दू १०७  
 वीदो वीसळ रो प २०१  
 वीदो साह दू ११३  
 वीदो हरावत दू १२६  
 वीर ती १७६  
 वीरघन ती. १८७, ,,  
 वीरचरित प २६२

वीरड रावळ प. ७६  
 वीरदास दू ७८ ८०, ८१, ८८, ६१  
 वीरदास नीसजोत दू ७६  
 वीरदास मांना रो दू. २०१  
 वीरदास रांमा रो प ३५७  
 वीरघन राजा ती १८७  
 वीरघवळ श्रवतारदे रो प. ३५५  
 वीरघवळ चारण लागडियो दू २०६,  
 २०७ २०८  
 वीरघवळ (राजा) ती ५३  
 वीरनरसिघ रांणो प ३४१  
 वीरनाथ राजा ती १८७  
 वीरनारायण प १८७  
 वीरनारायण पवार प २०३  
 वीरनारायण भोज पवार रो ती. २८  
 वीरवलसेन राजा ती १८६  
 वीरभद्र प १३३  
 वीरभाग प ११६, १२०, १३३  
 ,, ती २३१  
 वीरम प १५, १६, १६६  
 ,, दू १७०  
 वीरम ऊदावत प २४०  
 वीरम कूभा रो प १६७, १६८  
 वीरम खाबडियांणी रो प ३४७  
 वीरमजी राव ती ३०, २१५  
 वीरमदे प १६७, २६१ २८५, ३४१  
 ,, दू. ३२, ८८, ६४, ६६, १००,  
 १२१  
 ,, ती २२८  
 वीरमदे श्रवतारदे रो प ३५६, ३६१  
 वीरमदे उर्दिसघ राणा रो प. २२  
 वीरमदे कवरांगुर, काहडदे रावळ रो  
 प २०४, २०६, २२१, २२२,  
 २२३, २२४, २२५  
 ,, ,, ,, ,, दू ४०  
 ,, ,, ,, ,, ती २८,  
 १८४

वीरमदे गोकळदास रो प. २६  
 वीरमदे चाचा रो प. ३५८  
 वीरमदे जसवत रो प २०८  
 वीरमदे दूदावत ती. १०४  
 वीरमदे देवराज रो प २८५  
 वीरमदे, रांगा जैसिघदे रो प ३५६  
 वीरमदे रांमावत हू. १६४, १६७  
 वीरमदे राय ती. ८०, ८१, ८२, ८३,  
 ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ९३, ९४,  
 ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००,  
 १०२, ११५, १८०  
 वीरमदे रायसिघोत हू १२५  
 वीरमदे रावत रिणघीरोत हू ११७  
 वीरमदे वरजांगोत हू १६१  
 वीरमदे धाघेलो प २६१  
 वीरमदे सहसमल रो प ३१४  
 वीरमदे सूरजमल रो प. ३०  
 वीरमदे हरदास रो हू. २६३  
 वीरमपाळ राजा ती १८८  
 वीरम माला रो प. १६६  
 वीरम घीका रो प १६४  
 वीरम वेगू रो प. ३५२  
 वीरम सलखावत हू २८१, २८४, २८५,  
 २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०३,  
 ३०४, ३०६, ३१७, ३२०  
 वीरम सोढल रो प ३४०  
 वीरम हमीर रो प २३७  
 वीर विक्रमादित्य राजा ती. १७५  
 वीर सर्मा प ६  
 वीरसिध राजा ती १६०  
 वीरसीह रावळ प. १२, ७६  
 वीरसेह (वीरसेन) प. ७८  
 वीरसेन राजा ती १८६  
 वीरू राजा गहरवार रो प १२८, १३०  
 वीरो हू. ८५  
 वीरो भोजाघत हू. १७७

वीर्यपाल ती १८८  
 वीलण सोभत प. २२६  
 वीवर प. २८८  
 वीसम रांणो हू २६५  
 वीसळ प २६१  
 वीसळ हू २०३  
 वीसळ ठाकुर रो प. २००, २०१  
 वीसळदे दूदावत हू. ६५  
 वीसळदे मुषपाळ रो प. ११६  
 वीसळदे राघ प २६१  
 वीसळदेव ती ५१, ५३  
 वीसळदे सोळंकी ती २८०, २८५, २८६,  
 २८७, २८८, २९०, २९१  
 वीसळ लाक्षण रो प २०२  
 वीसळ साखलो ती. ३०  
 वीसो प २०५  
 ,, हू १००, २०६  
 वीसो श्रापमल रो प २००  
 वीसो उधरण रो प २३१  
 वीसो जोधाघत प २४३  
 वीसो पूना रो प १६६  
 वीसो घणघीरोत हू १६४  
 वीसो घीका रो ती. २०५  
 वीसो वीरम रो प १६८  
 वीसो हमीर रो प ३५५, ३५६, ३५७  
 वूढ मेघराजोत ती २६  
 वूक ती. १७८  
 वृद्धपाल ती १८८  
 वृहत् ती १७६  
 वृहव्यं प २८६  
 वृहद्वल ती १७६  
 वृहद्भानु ती. १७६  
 वृहदृण ती १७६  
 वृहद्रण ती १७६  
 वृहद्रय प २८६  
 वृहद्वद्व ती १७७, १७६

वृहसत प २८७  
 वृहस्थल ती १७६  
 वेगड राणो दू. २६५  
 वेगडो भील प. ३३५  
 वेग सर्मा प ६  
 वेगू भोजदे रो प. ३५२  
 वेगो राणो मोहिल ती १५८, १७१  
 वेण राजा प. २८७  
 वेणादित्य प. १०  
 वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३,  
 ३२७, ३३०  
 ,, दू. ६२, १२०, १४६, १८३,  
 १९६, १९६  
 वेणीदास केसोदासोत दू १६८  
 वेणीदास गोयददासोत दू १५५, १५७  
 वेणीदास जोगावत दू. १७७  
 वेणीदास ठाकुरसीओत दू. १४८  
 वेणीदास दूदा रो प ३६१  
 वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०  
 वेणीदास बलुओत प. २३४  
 वेणीदास सहसमल रो प ३१४  
 वेणीदास सिंघ रो प ३१५  
 वेणो देवावत दू १६०  
 वेणो रायमलोत दू १२३  
 वेद सर्मा प ६  
 वेन प. ७८  
 वेरड दू ११८  
 वेळावळ प. १२१  
 वेलो प १६६  
 वेहाब्रभाज प. २८६  
 वेंजल रावळ ती. ३३  
 वेंजल सालघाहन रो दू ३७, ३८  
 वेंणो प. १६६  
 वेंणो अमरा रो प ३५६  
 वेंणो मोहण रो प ३५७  
 वेंणो राजधर रो प. १६६  
 वेंरड रावळ प. ५, ६

वेंरसल प २४३  
 ,, दू ८८, ११८, १२०, ३४२  
 वेंरसल कूपा रो प ३६०  
 वेंरसल खगारोत प ३०५  
 वेंरसल गागा रो प ३५६  
 वेंरसल गोपाळ रो प ३१०  
 वेंरसल जसा रो दू ३३  
 वेंरसल जैता रो प. ३५२, ३५३  
 वेंरसल प्रथीराजोत दू. १६७  
 वेंरसल वलू रो प ३४१  
 वेंरसल भीम रो प ३६३  
 वेंरसल भोजावत दू. १७७  
 वेंरसल मारू रो प १६६  
 वेंरसल राणावत दू १५२  
 वेंरसल राणो ती १५८, १६१, १६२,  
 १६३, १६४, १६६, १७०, १७१  
 वेंरसल राठोड प्रथीराजोत प. १५३  
 वेंरसल राव घाचा रो दू. ११७, ११८,  
 ११९, १२०, १२६, १३७  
 वेंरसल राव (पूगळ) ती ३६, ३७  
 वेंरसल रूपसी रो प ३१२  
 वेंरसल साकरोत दू. १८०  
 वेंरसल हमीर रो प. १५  
 वेंरसिंघ राजा ती ४६  
 वेंरसी प ३१८  
 ,, दू ८२, ६२  
 ,, ती २२७, २२८  
 वेंरसी नारणोत प ३५८  
 वेंरसी राणो प. १२३  
 वेंरसी रायमलोत दू १८२, १८५  
 वेंरसी रावळ प ५  
 ,, ,, दू २, ८१  
 ,, ,, ती ३४, २२१  
 वेंरसी लखमण रो दू ११, १४, ७६, ८०  
 वेंरसी लूणकरणोत ती १५२, २०५  
 वेंरसी घाघावत प ३३८, ३३९, ३४४  
 वेंरसी हमीरोत प. ३५६

चैरागर हू. ११८  
 चैरागी प. ३१३  
 चैरीसाल प २५  
 ,, हू २२८, २३२, २३६  
 चैरो प. १०१, १०२, १०६, २८१,  
 ३४३  
 चैरो भीव रो प ३४१  
 चैषस्वत प. ११६  
 चैषस्वत मनु प ७८  
 घोटी हू १  
 घोढो-रावण, घोढो दे० घोढो सूमरो ।  
 ब्रह्मीत प. २८८  
 ब्रह्मदा प २८६  
 ब्रह्मान चिसती पीर प. ३१८  
 ब्रह्मान्य (ब्रह्मान्य) प ७८  
 त्रिदावनदास प ३०७

## श

शभुपाल राजा ती. १८८  
 शत्रुजय राजा ती १८६  
 शत्रुघ्न राजा ती- १८७  
 शत्रुजित दे० सलानीत ।  
 शम्सखां दे० समसखां ।  
 शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलतान ।  
 शलादित्य ती ४६  
 शहरयार दे० साहयार पातसाह ।  
 शहरयार शाहजादा दे० सहरियाल  
 साहिजादो ।  
 शादमां प. ३००  
 शालिवाहन दे० सालवाहन ।  
 शालिवाहन परमार राजा ती १०५  
 शावस्त ती १७७  
 शाह आलम प ५६  
 शाहजहा दे० साहजहा पातसाह ।  
 शाहजहा शहाबुद्दीन दे० साहजहा  
 सायबदीन ।

शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी ।  
 शाहबुद्दीन वादशाह दे० साहिबदी  
 पातसाह ।

शिवधन प २६२  
 शिवन्नह कछवाहा प ३२६  
 शिवाजी छत्रपति प १५  
 शिविर राजा ती. १७५  
 शिशुपाल ती. १५४  
 शीघ्र ती १७६  
 शुद्धोद ती १७६  
 शुद्धोदन ती १७६  
 शेख पीर बुरहान चिश्ती प ३१८  
 शेख फरीद ती. २७६  
 शेरशाह सूर वादशाह हू १५४  
 श्यामदास प. १४४, १५६  
 श्राव ती १७६  
 श्रावस्त दे० शावस्त ।  
 श्रीकरण रावळ ती २३६  
 श्रीपाल प २८६  
 श्रीपुज रावळ प. ५  
 श्रीमोर ती. १५५  
 श्रीय ती १७६  
 श्रीवद्य प. २६२  
 श्रीवत्स ती. १७७  
 श्रुत ती १७८

## ष

पटग प २८८  
 पट्वांग प २८८  
 ,, ती १७८

## स

सकर हू ८४, ८८  
 सकरदास प १२१  
 सकरदास रामोत हू. ८४, १२०  
 सकर माधो ती १६०  
 सकर लाला रो प. १३६



सकर सिधावत प. २४३  
 ,, ,, दू. १००  
 सकर ह्रींगोळ रो प २३५  
 सक्रमाधो ती १६०  
 सग्रामसाह प १२६  
 सग्रामसिध ती. २२६  
 सग्रामसिध हररांमोत प. ३२४  
 सग्रामसी दुरजणसाल रो प ३५५  
 सघदीप प २८८  
 सजय ती. १७९  
 सडोव राजा तो १८६  
 सतन घोहरो ती १५७  
 सतोष प २६२  
 सभराण प. १०१  
 सभूसिध ती २३५, २३६, २३७  
 समत प. ७८  
 ससाद प. २८७  
 ससारचद प २०५  
 ,, ती २३१  
 ससारचद अचळावत दू. १८१, १८२,  
 १८४, १८५  
 सडयो घाकलियो ती २५, २६  
 सकत प ७८  
 सकतकुमार रावळ प ५, १२  
 सकतसिध प १११, १३१, २११, २३४,  
 ३०३, ३११, ३१४, ३२०  
 सकतसिध दू. १६६  
 सकतसिध आसकरण रो प ३०४  
 सकतसिध उर्देसिधोत प. २१२  
 सकतसिध खेतसीओत दू. ६३, ६५  
 सकतसिध तेजसी रो प ३२६  
 सकतसिध मानसिधोत प २६१, २६८  
 सकतसिध राव दू. १६४  
 सकतसिध वेणीदासोत प २३४  
 सकतसिध द्विदावन रो प ३०७  
 सकतसिध सुरताणोत प ३०४

सकतसिध हमीरोत प. ३०५  
 सकतसिध हरदासोत दू १६५  
 सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८  
 ,, दू. १७४, २६४  
 सकतो गोयद रो प. १६६  
 सकतो रायमलोत दू १४५  
 सकतो वीरमदेश्रोत दू १७०  
 सकतो वैरसल रो दू ८०  
 सधितकुमार रावळ प. ७८  
 सगण ती १७६  
 सगतसिध ती २२०, २२२  
 सगतो दू. १८०  
 सगर प ३०, ७८, २८८, २६२  
 ,, ती १७८  
 सगर राणो प. ६२, ६५  
 सगर राणो उर्देसिध रो प २२, २३,  
 २४, २५, २७  
 सगरामसिध प. २६८  
 ,, ती. २२३  
 सगरो वालीसो प. ६७  
 ,, ,, ती ४१, ४३, ४७, ४८  
 सजन भायल प १६३  
 सजो राजा रो दू २६२  
 ,, ,, ,, ती २१४  
 सजोसराय (सुजसराय) प २८६  
 सभो राजावत दे० सजो राजा रो ।  
 सत राजा परमार ती. १७५  
 सतीदान रूपावत ती २२५  
 सतो प. ६६  
 ,, दू २, ५३  
 ,, ती २२१  
 सतो खीमराज रो प ३५५  
 सतो चूडावत दू ३००, ३०६, ३१०,  
 ३३६, ३३७  
 सतो चूडावत ती. ३०, १२६, १३०,  
 १३२, १३३

सतो जांम हू २०५, २३७, २४०, २४१,  
२४२, २४३  
सतो जोषावत प २४३  
सतो तमाइची रो प. ३६१  
सतो देवराज रो प ३६२  
सतो भाटी लूणकरणोत ती. १४०  
सतो रांगो हू २६५  
सतो रांमावत प १६६  
सतो राघ प १५, १६  
सतो रावत रतनसी रो प ५०  
सतो रिणमलोत हू २२३, ३४२  
सतो लूणकरणोत हू १४५  
सतो लोला रो प २०७  
सत्यव्रत ती १७८  
सत्यव्रत हरिश्चंद्र ती १७८ दे०  
हरिश्चंद्र ।  
सत्रजीत प १२६  
सत्रसाल (शत्रुशत्रु) प. १२०, २०६  
" " हू १५६, १६५,  
२६४  
सत्रसाल नराइणदासोत प ३०५  
सत्रसाल राघ हू १२३  
सत्रसाल सूरसिघोत ती. २०८  
सत्रसिघ हू. ६६  
सत्राजित दे० ससाजीत  
सत्वात हू ३  
सदरथराज प २८८  
मन्न राजा ती १८५  
सवळसिघ प २५, ३१, ६८, ६९, ७०,  
२३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०,  
३२५, ३२८,  
सवळसिघ हू १, १२०, १३१, २००  
" ती. २३०  
सवळसिघ ईसरदासोत हू. १८६  
सवळसिघ कवर प. ३०८  
सवळसिघ किसर्नसिघ रो प ३०६

सवळसिघ चतुरभुजोत पूरधियो प ६६  
सवळसिघ पूरावत प २६  
सवळसिघ प्रथीराजोत हू १५७  
सवळसिघ प्रागदासोत हू १८३  
सवळसिघ फरसरांम रो प ३२३  
सवळसिघ मानसिघोत प. २६१, २६८  
सवळसिघ राजावत हू. १५०, १७०  
सवळसिघ रावळ दयाळदासोत हू. ६३,  
६७, १०४, १०५, १०६, १०७,  
१०८, १०९  
सवळसिघ राघळ दयाळदासोत ती ३५,  
३६, २२०  
सवळसिघ त्रिदावनदास रो प ३०७  
सवळो प १५८, २०६  
" हू ८८, १२१, १६६, १७१, २६४  
सवळो साहळोत प ३६०  
समपू प २८६  
समरसी प. १०१  
समरसी कीतू रो प १६६, २४७  
समरसी रावळ प १३, ७६, ८०, ८१,  
८२, ८७, २०३  
समरो प १३४, १६५, १८७  
समरो देवडो प १४४, १४५, १४६, १४७,  
१५१, १८१  
समरो नरसिघ रो प १६६  
समसखां ती २७४  
समसदी हू ६६, ७१  
समसदीन सुलताण ती. १६०  
समसुद्दीन दे० समसदी ।  
समुद्रपाळ राजा ती १८८  
समो वलोच हू १३०, १३६  
सरखेलखां ती ८५, ८८, ९०, ९१  
सरदारसिघ ती २२०, २३१  
सरदारसिघ महाराजा (वीकानेर) ती. १८०  
सरफराजखां ती २७७  
सरवासु प. २८७

सराजदी द्व ४८, ४९  
 सराजुद्दीन दे० सराजदी ।  
 सरूपसिंघ प. १३३  
 ,, ती. २२८, २३०  
 सरूपसिंघ अनोपसिंघोत ती २०८  
 सर्वकाम ती १७८  
 सलखो प १६  
 ,, द्व. २८०, २८१, २८४  
 सलखो देवराज रो प. ३६३  
 सलखो राव तीडे रो ती. २३, २४, २६,  
 २७, ३०, १८०  
 सलखो लूभावत देवढो ती. २९  
 सलराज प २८८  
 सलाजीत (सम्राजित = शत्रुजित) प ७८  
 सलूणो प २२५  
 सल्लेमखा द्व. ११५  
 सल्लेमसाह पातसाह ती. १९२  
 सल्लेहदी राजा भारमल रो प. ३०२  
 सल्लेदी सुरताणोत द्व १५२  
 सलो राठोड प २२५  
 सलो सेपटो प. २२५  
 सल्लेहदी प. २९१, ३३१  
 सल्लेहदी गिरधर रो प ३२२  
 सल्लेहदी रतनसी रो प ३५६  
 सल्लेहदी राजावत प ३२१  
 सल्लेहदी सागा रो प ३२५  
 सघरो प १६६, १६७  
 सवीर प ७८  
 सवाईसिंघ ती २२३, २२४, २२५, २२६,  
 २२९  
 सवाईसिंघ रावळ द्व. १०९  
 सहस राजा प ३३६  
 सहजइंद्र राजा प १२८  
 सहजग प. १३०  
 सहजपाळ राजा प १२८  
 सहजपाळ गाडण प २२५

सहजसेन द्व ९  
 सहणपाळ ती २९  
 सहदेव प. २८९  
 ,, ती. १७९  
 सहदेव सफतावत प ३०४  
 सहरियाल साहिजादो द्व १५६  
 सहबाजखा प २१०  
 सहवण (सहवर्ण) प. ७८  
 सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४,  
 १८८, १८९, २३१, ३६१  
 ,, द्व ९२, १४३  
 सहसमल चवडे रो द्व. ३१०  
 सहसमल चांनण रो प. ३१४  
 सहसमल चू डावत ती ३१  
 सहसमल दुसाभ रो प. ३५२  
 सहसमल देवढो ती २९, ३१  
 सहसमल मालदेवोत द्व. ९६, ९७  
 सहसमल रायमल रो प. ३२५  
 सहसमल रायसिंघोत द्व. १२५  
 सहसमल राव प १३५, १३६  
 सहसमल रावळ प. ७४, ७९  
 ,, ,, ती २६६  
 सहसमल वीसळ रो प २०१  
 सहसमल सोम रो द्व ७६, ७७. ११६,  
 ११९  
 सहसमल हाडो प ११०  
 सहसमान प. २८९  
 सहसो प २४३, ३६१  
 ,, द्व. १२०, १३०, १७०, १९८,  
 २००  
 ,, ती. २२०  
 सहसो ऊदावत द्व १७९  
 सहसो खरहथ रो प. ३५६  
 सहसो ठाकुरसीघोत द्व १८९  
 सहसो बयाळदासोत द्व १६६  
 सहसो प्रताप रो प २८

सहसो मोकल रो प ६२  
 सहसो सूजा रो हू १६१, १६२  
 सहस्रार्जुन हू. ६  
 सहस्वान ती. १७६  
 सहावुद्दीन गौरी प १८०  
 सहिमो ती. ६५  
 सांड्यो भूलो-चारण प ८६, ८८  
 साईदाम प १११, १४०, २७६, ३२५  
 साईदास भ्रमा रो प ३२७  
 साईदास तिलोकती रो हू १६२  
 साईदास प्रथीराज रो प २६०  
 साईदास भाटी हू ६६  
 साईदाम राजसीश्रोत हू. १७६  
 साईदास रावत प ६६  
 साईदास हरदासोत हू १६०  
 सांकर चापा रो प. २००  
 सांकर पीयावत हू १६३  
 सांकर प्रथीराजोत हू १६३  
 साकर भुजवळ रो प १६४  
 साकर सूरवत हू १८०  
 साखलो प १८, ३३७, ३६३  
 सांगण प १६६  
 „ हू ३६, ४३, ५४, ८४  
 „ ती २२१  
 सांगम मगळराव रो हू १६  
 सागमराव खीची प. २५१  
 सागमराव राठोड़ ती. २८०, २८१,  
 २८२, २८३, २८४, २८५, २६०  
 सागी रबारी हू. १६, २०  
 सांगो प. २८०  
 सांगो हू. ८१, ८८, १४४  
 „ ती. २३१  
 सांगो ऊदावत प ३६०  
 सांगो करमा रो प १६५  
 „ „ „ हू ८०

सांगो खडेर हू. १०३  
 सांगो खोंवा रो हू १२१  
 सांगो गोयदोत हू. १७६  
 सांगो पीयावत हू १६०  
 सांगो प्रथीराजोत प २६०, ३०७, ३१४  
 सांगो वोहड़ सोळकी रो प. २८०  
 सांगो भाटी ती १७  
 सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५  
 सांगो मभूमराव रो हू. १, ११  
 सांगो रांगो प ४६, २८६  
 „ „ हू २६२, २६४  
 „ „ ती. २४८  
 सांगो राणो मारुकराव रो ती. १५८,  
 १७१  
 सांगो रांगो रायमल रो प. ६, १५, १८,  
 १६, २०, २१, २३, १०२, १०३,  
 १०४, ११६ १५०  
 सांगो रावळ वद्यु रो हू १४०  
 सांगो वडवज प १५६  
 सांगो वणवीर रो प १७२  
 सांगो विजावत हू १६६  
 सांगो सिधोत प ६८  
 सांगो सुलतान राजा ती १६०  
 सांगो सेलार प २२५  
 सांगो हिमाळा रो प २४४  
 साघण रावत ती १७६  
 साडो डोडियो प ३६  
 सांडो पुनपाळ रो प ३५४  
 सांडो रायपाळोत ती २६  
 साडो साखलो ती ८४  
 सांडो सिधावत प २४३  
 सांदू प. १११  
 सांमंतसिध ती. २२६  
 सांम हू १, ६, १६  
 सांम उदेंसिधोत प २२  
 सांमतसी रावळ प ७६

सांमदास दू ७८, ९०, १२९  
 सांमदास अमरा रो दू १२२  
 सांमदास खेतसीश्रोत दू ९५  
 सांमदास गोपालवासोत दू. १०७  
 सामदास जोगा रो प ३५७  
 सामदास जोगीदासोत दू १८५  
 सांमदास नाथावत प. ३११  
 सांमदास भाणोत दू १९४  
 सांमदास मेघराज रो प ३५९  
 सांमपत जाम दू. २०९  
 सामसिध प. २६, ३२४, ३२७  
 सामो प ३६१  
 सामो दू ८०, २००  
 साम्ब दे० सांस ।  
 सावत प २४७  
 सावत करमचद रो प. २०५  
 सावतसिध प ३२८  
 सावतसिध ती २२९, २३२, २३५,  
 २३७  
 सावतसिध चावडो दू २६७  
 सावतसिध सेखावत ती ३२  
 सावतसिध सोनगरो ती २९१, २९२,  
 २९३  
 सावत सिढायच-चारण ती २८०, २८१  
 सावतसी प १६७, १८७, २१३, २८५  
 ,, दू २, ४, ७७, ७८, १०३  
 सावतसी केहर रो दू ७७  
 सावतसी वीबो प १३८, १३९  
 सावतसी महकरणोत प. २३३  
 सावतसी रांगो ती १५८  
 सावतसी रायमल रो प २८४, २८५  
 सावतसी रावळ चावगदे रो प २०४  
 सावतसी वीकावत दू १७३  
 सावतसी वीसा रो प. २००  
 सावतसी साडूळ रो प. १९४  
 सावतसी सुरा देवडा रो प. १७०

सांवतसी सोनगरो रावळ ती. २३  
 सावळ प २९, १६५, ३३६  
 ,, दू. ७७, ८४, १९९  
 सांवळदास प २७, ६७, ७०, १०१,  
 १०२, ११५, ११७, १२०, १२५,  
 १६८, २०८, ३०६  
 ,, दू १२५, १२९, १६१, १९१,  
 २६४  
 ,, ती २२७  
 सांवळदास फलावत दू. १६२, १७४  
 सांवळदास डूंगरसीश्रोत दू १७५, १७९  
 सावळदास देवकरण रो प. ३१०  
 सांवळदास नारणदास रो प. ३५८  
 सांवळदास पचाइणोत प ३०९  
 सांवळदास बळकरण रो प ३४२  
 सावळदास भानीदासोत दू. १६९  
 सावळदास भाटी गोपालदासोत दू. १०७  
 सावळदास मेहकरणोत दू. १९३  
 सांवळदास रायमल रो दू १२३  
 सावळदास रावळ प ७०  
 सावळदास लूणकरण रो प ३१९, ३२२  
 सांवळदास संसारचंद रो दू १८१, १८२  
 सावळदास हमीरोत प ३४३  
 सावळ साडणोत प २३६  
 सावळ साधवदे रो प ३३६  
 सावळसुध रोहडियो-चारण दू २३६, २३८  
 सावळो प १९४  
 सांसतव प २८७  
 सागण ती. २२१  
 सागर राणो दू १५८  
 साजन ती. २३९, २४७  
 साड जाम दू. २१४  
 सातळ प. १९३, २२५  
 ,, ती १८४  
 सातळ अखा रो प ३४१

सातळ केहर रो दू ७७  
 सातळ चहुषाण दू. ५८  
 सातळ भाटी दू ८४  
 सातळ रांगो दू. २६५  
 सातळ राव जोधावत ती. ३१, १०४,  
 १८२  
 सातळ वरसिध रो दू. १२७  
 सादमत प. ३००  
 सादमो सुलतान प. ३००  
 सादूळ प २२, २७, ११७, १६४, ३०६,  
 ३१३, ३२८, ३४३  
 ,, दू ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८  
 सादूळ कचरावत दू १८४  
 सादूळ किसनावत दू १६४  
 सादूळ खेतसी रो प ३६०  
 सादूळ गोपाळदासोत दू १०५  
 सादूळ गोयदोत दू १७५  
 सादूळ जगहय रो प. २४१  
 सादूळ जांभण रो प. २४०  
 सादूळ कुजणसल रो दू. ६०  
 सादूळ हुदावत दू १६७  
 सादूळ नरहरोत प ६६  
 सादूळ भानोदास रो दू. १२८  
 सादूळ भाखरमीओत दू १६६  
 सादूळ भारमलोत प. २६१, ३०२  
 सादूळ मनोहर रो प ३४३  
 सादूळ मानावत दू १६०  
 सादूळ मालदे रो प. ३१५  
 सादूळ राणावत दू. १५२  
 सादूळ रांगो सूजा रो प. २३१  
 सादूळ रांमावत प १६६  
 सादूळ रावत परमार ती. १७६  
 सादूळ राध महेसोत प १५२  
 सादूळ वीठळदासोत प. ३०६  
 सादूळ सांकर रो प. १६४  
 सादूळ सांवतसीओत प. २३४  
 सादूळसिध ती २२५, २२६

सादूळ सिधोत दू. १७६  
 सादो दू. ३२७, ३२८  
 सादो कुवर दू ३१२, ३२५, ३२६, ३२७,  
 ३२८  
 सादो देवराज रो प ३६१, ३६२  
 सादो राणगदेवोत ओडोत प ३४८,  
 ३४९  
 सावर ती २७८  
 सायवसिध ती २२३, २२८, २३०  
 सायव हमीरोत दू. २४४, २५०, २५१,  
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६  
 सायर प ३६२  
 सारंग ईसर रो प. ३५१  
 सारगखान ती. २१, २२, १६३, १६४  
 सारगदे जैमल रो प. २१२  
 सारगदेव वाघेलो ती ५१  
 सारग नारणीत दू १७४  
 साल काहण रो दू. २  
 सालवाहण प. ६६  
 ,, दू. १५, ३८  
 सालवाहण राजा परमार ती १७५  
 सालवाहण रावळ प ७८  
 सालवाहन प. १२३, १३५, २५६, ३३६  
 ,, दू. २, ३६, ३७  
 सालवाहन अरघविव रो ती ३७  
 सालवाहन चपतराय रो प १३१  
 सालवाहन राजा प २५६  
 सालवाहन राजा दू ६  
 सालवाहन रावळ प ५, १२  
 ,, ,, दू. १०  
 ,, ,, ती ३३, २२१  
 सालो सीहड रो प ३४०, ३४१  
 साल्ह दू ३६  
 साल्हो सोभ्रम रो प २३०, २३१  
 सावंत हाडो प ११७

साधटू भाटी दू ३१६  
 साधर प १२२  
 साहजहा पातसाह प. ४८  
 " " दू. १०५  
 " " ती १८, १६२, २३८,  
 २४६, २७७, २७८  
 साहजहा सायबदीन पातसाह ती १६२  
 साहली ती २७७  
 साहणपाळ रांगो मोहिल ती १५८, १७०  
 साहणमल दे० साहणपाळ रांगो मोहिल ।  
 साहबखान प २२  
 " दू १३४  
 " ती. २७७  
 साहयार पातसाह ती १६२  
 साहरण जाट ती १३  
 साहरण बछा रो प १०१, ३३८  
 साह, राणा उर्वेसिघ रो प २२, २५  
 साहिजहा पातसाह दे० साहजहा पातसाह  
 साहिब प २७  
 " दू २०६, २१६, २२२, २२३  
 साहिबखान प १५७, २७६  
 साहिबखान बेणीदास रो प. ३३०  
 साहिब गागा रो प० ३५८  
 साहिबदी पातसाह ती० १८३  
 साहिल प ११६  
 साहुर अमरा रो प १६५  
 सिघ प २३, १६०, २१२, २५६, ३०४,  
 ३२८  
 " दू ११, ६०, १००, १०३, १०४  
 सिघ भालो, अजा रो प. ५१  
 " " " " दू. २६२, २६३,  
 २६४  
 सिघ करमचव रो प ३१५  
 सिघ कांधळोत प. ६७  
 सिघ कांन्हावत दू १६३  
 सिघ खेतसीओत दू ६५

सिघ जंतमालोत दू १८७  
 सिघ ठाकुरसीओत दू. १८६  
 सिघ देवकरण रो प ३१०  
 सिघ भानीदामोत दू ६३  
 सिघ रतनसिघोत दू १७६  
 सिघ राय प ११६  
 सिघ राध प १३५  
 " दू १, १०  
 " ती २२२  
 सिघ राधत प ६५  
 सिघ रूपसीओत दू १४७  
 सिघलसेन राजा परमार प ३३६  
 " " " ती १७५  
 सिघसेन राजा दे० सीहोजी राय ।  
 सिघो घाघावत प. २४२  
 सिघराज प २८६  
 सिघ राजा ती १७६  
 सिधु ती १७६  
 सिधु प्रसपतु का पुत्र ती १७६  
 सिहवल राजा ती १८५  
 सिहल कवि दू ७५  
 सिफदर प. २६२  
 " ती. ५५, १७१  
 सिफदर लोदी ती १६२  
 सिखर प १६  
 सिखरो दू. ३०७  
 सिखरो जगमणावत दू ३१४, ३१५, ३१६  
 " " ती. २५०, २५२,  
 २५३, २५४, २५५, २५७, २६०,  
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५  
 सिखरो बोडो प. २४७  
 सिखरो भुजबळ रो प १६५  
 सिखरो महकरण रो प. २३३  
 सिखरो रतना रो प. १६७  
 सिद्धराज सोळकी प २७८  
 सिद्धराव प ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिघदे ती २६, ५१  
 सिधगराय प २८८  
 सिधराज प २८६  
 सिधराव प. २७५, २७६, २८०  
 (दे० सिद्धराव)  
 सिधराव जैसिघदे प. २६०, २७४, २७७  
 (दे० सिद्धराव जैसिघदे)  
 सिधराव सोळकी करन रो प २८०  
 सिरग खेतसीश्रोत हू १२२, १२३  
 सिरगजी ती २२३  
 सिरग जैतसिघोत ती २०५  
 सिरंग डूगरसीश्रोत हू १०७  
 सिरदारसिघ प १००  
 सिरदारसिघ प्रतापसिघ रो प १२१  
 सिरपुळ रावळ प १३  
 सिरवान भाटी ती. ५७  
 सिलादत प ३  
 मिलार रावळा रो प १६४, १६५, १६७  
 सिधदांनसिघ ती २२३, २२८  
 सिधदास हू ८०, १५१  
 सिधदास नाथू रो हू. १६७, १६६  
 सिधधान प २६२  
 सिधब्रह्म प २६५, २६६  
 सिधब्रह्म कछवाहो राजा उदेंकरण रो  
 प ३२६  
 सिधर प १२३  
 सिधर राजा परमार ती. १७५  
 सिधरांम प. २६, ३०७  
 सिधराम उदेंसिघोन प ३०८  
 सिधराज हू ३४२  
 सिधराज राजा प. २६२  
 सिधसिघ प २६८  
 ,, ती २३७  
 सिधसेन राजा ती. १८६  
 सिधो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,  
 २००

सिधो हू १४३  
 सिधो कैलवेचो हू. १००  
 सिधो गोहिल प. ३३५  
 सिधो पूजा रो प ३५१  
 सिधो राव छाजू रो ती. २४१, २४२,  
 २४३, २४४, २४५, २४६, २४७  
 सिसपाळ प. २८६  
 सोंगट मोहिल जगरामोत ती. १६५  
 सोंघळ नीवावत प. २०७  
 सोंघो प ३२७  
 सोंघो नाथा रो प ३२७  
 सोगळ कव दे० सिहल कवि  
 सोमाळ हू ४१, ४२  
 सोयळ पवार हू ६  
 सोल प ७८  
 सीहड हू ३६, ४३  
 सीहड काल्हण रो हू २  
 सीहड चाचग रो राणो प. ३४०, ३४२,  
 ३४३  
 सीहडदे रावळ प ७६  
 सीहड भाटी हू ६४  
 सीहड रावळ प १२  
 सीहड साखलो प २५३  
 ,, , ती. १४०, १४२, १४३  
 सीहपातळो प. २१७  
 सीहमाल ती १२५  
 सीहा राठीड प ३३३  
 सीहेंद्र रावळ प १२  
 सीहो प १, २४८  
 ,, हू १०८, १२२, १८६  
 सीहो गोविंद रो हू ७७, ७८, १०६, १०७  
 सीहो जगमाल रो हू ८४  
 सीहोजी राव हू २५८, २६६, २६७,  
 २६८, २६९, २७१, २७२, २७३,  
 २७४, २७५, २७६  
 ,, ,, ती २६, १७३, १८०  
 सीहो धनराज रो हू १२३



सीहो रामदासोत द्व १६६  
 सीहो राजादे रो प २६४  
 सीहो रायमल रो प. ३२७  
 सीहो राधळ प ५, ७८  
 सीहो रुदा रो प १७२  
 सीहो सीधळ द्व १८७  
 ,, ,, ती १२३, १२४, १२५,  
 १२६, १२७, १२८  
 सुदर प ३४३  
 ,, द्व ८६, ६५, १२३, १७७, १६६,  
 २००  
 सुदर कचरावत प ३५७  
 सुदरचद राजा ती. १८८  
 सुदरदास प. २६, ६६, १२५, १७३,  
 १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१,  
 ३४३  
 सुदरदास द्व ८१, ८८, ६०, ६३, १२६,  
 १५८, १५६, १६४, १८३, १६२  
 सुदरदास ती ३७, २२५, २२६, २२७  
 सुदरदास गोयददासोत द्व १५०  
 सुदरदास गौड प ११७  
 सुदरदास देवराज रो द्व. १०४  
 सुदरदास भगवानदासोत द्व १५२  
 सुदरदास भारमल रो प. ३०२  
 सुदरदास भीवोत द्व. १७२  
 सुदरदास मुहणोत प १६७  
 सुदरदास लाडखान रो प. ३२१, ३२५,  
 ३२७  
 सुदरदास सुरतांण रो प ३०४, ३१२  
 ,, ,, ,, द्व १५६  
 सुदरदास सूरजमलोत द्व. १८६  
 सुदर भारमलोत प २६१  
 सुदर सहसावत द्व १७६  
 सुदरसी मुहतो ती. २१४  
 सुदर सोढो प. ३६१  
 सुकर सोळकी प २६१, २८०

सुकव प. ७८  
 सुकायत राजा ती. १८७, १८८  
 सुकृत दे० सुकव ।  
 सुकृत सर्मा प ६  
 सुखचद माधो ती १६०  
 सुखरामदास ती. २२६  
 सुखसिध ती २२४  
 सुखसिध सूरजमलोत ती २१७  
 सुखसेन राजा ती १८६  
 सुगणो मुहतो प ३३८  
 सुचंद माधो ती १६०  
 सुजत प ७८  
 सुजन अर्जुनोत मोडिल ती. १६६, १७०  
 सुजय प. ७८  
 सुजाण प २७  
 ,, द्व. ६२, १२३  
 सुजाणराय प १३१, २७८  
 सुजाणसिध प २२, ३०, ६७, १३०,  
 २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८,  
 ३१०, ३२८  
 सुजाणसिध द्व. ६५, ६६, २६४  
 ,, ती. २२४  
 सुजाणसिध परसोतम रो प. ३२३  
 सुजाणसिध महाराजा (वीकानेर) ती ३२,  
 १८०, १८१, २११  
 सुजाणसिध माधोसिध रो प २६६  
 सुजित प. ७८  
 सुदरसण प ३२७  
 ,, द्व ८८  
 ,, ती. ३६  
 सुदरसण भाटी मानसिधोत द्व १३२  
 सुदरसण राव जगदेव रो द्व १३६  
 सुदर्थराज प. २८८  
 सुदर्शन प ७८  
 सुदर्शन ती १७६  
 सुदर्शन प २८८, ३२७

सुदास ती १७८  
 सुदेव ती १७८  
 सुद्रसेन ती २३०  
 सुधन राजा ती १८६  
 सुधन्व प २८८  
 सुधन्वा दे० पुधन्वा ।  
 सुधानेव प. २८७  
 सुधिव्रह्मा प. २६३  
 सुधोम प. २८६  
 सुनुगराय प २८८  
 सुप्रतिकाम वे० सुप्रतिकाश ।  
 सुप्रतिकाश ती १७६  
 सुघाह प २८८  
 सुवृद्ध सर्मा प ६  
 सुभकरण प. १२७, १३१  
 सुभराम ती २३५  
 सुभाट्य सर्मा प ६  
 सुमत दे० संमत ।  
 सुमल प. १२३  
 सुमित्र ती. १८०  
 सुमित्र मांगळ रो प २६३  
 सुमेधा प ७८  
 सुरचंद्र माधो ती. १६०  
 सुरजण प. ११०, १११, ११२  
 सुरजन प ३०६, ३१५, ३२८  
 सुरजन श्रासाधत हू १४६  
 सुरजन ऋगा रो हू ८१  
 सुरजन कचराधत हू १८४  
 सुरजन जंतसिधोत ती २०५  
 सुरजन राणो ती १५३, १५५, १५८  
 सुरजन रायपाल रो प. ३५४  
 सुरजन राव ती. २६६, २६८  
 सुरजन सीहड़ रो प ३४०  
 सुरतराज प २८६  
 सुरतसिध प. ३०८  
 सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०,

१०६, ११०, १३५ १३६, १४१,  
 १४२, १४३, १४५, १४६, १४७,  
 १४८, १४९, १५०, १५१, १५२,  
 १५३, १५८, १६०, १६६, १६७,  
 १६९, १७१, २००, २१०, २३६,  
 २८१, २८३

,, हू ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८  
 ९९, १०४, १०८, ११६, १२४,  
 १३६, १४३, १५८, १५९, १६१,  
 १६५, १६७, १६८, २००

,, ती २८७

सुरताण कल्याणमल्लोत ती २०६  
 सुरताण कौटडियो हू. १००  
 सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८  
 सुरताण चवहं रो हू ३१०  
 सुरताण जांभुण रो प २४०  
 सुरताण जैमलोत ती १२०  
 सुरताण भालो प्रथीराजोत हू २५६  
 सुरताण भालो सिध रो हू. २६२, २६३  
 सुरताण ठाकुरसी रो हू १६२  
 सुरताण डुरगावत प ३४३  
 सुरताण प्रथीराजोत प ३०४  
 सुरताण भाखरसीधोत हू १५२  
 सुरताण मानावत हू १५४, १५७, १७६  
 सुरताण रतनसीधोत हू १८६  
 सुरताण राणावत हू १७१  
 सुरताण रायमल रो प ३२७  
 सुरताण रायसिधोत हू १५०  
 सुरताण राव प २८१  
 सुरताण राव भाणोत प. २४६  
 सुरताणसिध प ३२३  
 ,, ती २२४, २२७, २३५  
 सुरताणसिध ठाकुर परमार ती. १७६  
 सुरतो प. ३१  
 सुरथ प ७८  
 ,, ती. १८०

सुरपुज राघळ प ७६  
 सुवचद ती. १६०  
 सुविधि राजा ती. १८५  
 सुसिध प. २६२  
 सुस्तराज प. २८६  
 सुश्रो प. १६  
 सुजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,  
 १०२, ११६, १२१, १२४, १६१  
 २४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२  
 ,, हू. १६६  
 सुजो आसावत प. ३४३  
 सुजो करणोत प १६८  
 सुजो खेतसी रो प ३६०  
 सुजो जगमालीत हू. १६१  
 सुजो जसूतोत हू. १७०  
 सुजो जैसा रो प १६६  
 सुजो देईवास रो प ३१७  
 सुजो देवढो प १५६, १६४  
 सुजो पतावत हू १५१  
 सुजो पूरणमल रो प ३१३  
 सुजो प्रागदासोत हू. १८३  
 सुजो भाटी हू ६६  
 सुजो भारमलोत प २००  
 सुजो भुजवळ रो प १६५  
 सुजो महीकरण रो प ३५६  
 सुजो माडणोत प. २३६  
 सुजो राणो प २३१, २३५  
 सुजो रांमावत हू १६१  
 सुजो रायमलोत प ३१६  
 ,, ,, हू २००  
 सुजो राव प ३६१  
 ,, ,, हू १५३, १७८  
 सुजो राव, जीषावत ती ३१, ८१, १०५  
 ११४, १८२, २१५, २१६, २३५  
 सुजो रिणधीर रो प १४२, १४३, १५८  
 सुजो षणधीर रो प २४२

सुजो घीजा रो प. ३५८  
 सुजो वेणावत हू १६०  
 सुजो सिलार रो प. १६७  
 सुमरो हू २३८  
 सुर प १७८, १८८, १६०, २६२  
 (दे० सुर मालण)  
 सुरज प ७८, १२५, २६२  
 सुरजमल प ५०, ५६, ६८, ६६, ७३,  
 ७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,  
 १०३, १०४, १०५, १०६, १०७,  
 १०८, १०९, ११०, १२०, २०६,  
 २११, २१२  
 सुरजमल हू ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,  
 १२४, १२८, १३६, १५६  
 सुरजमल ती. २२७  
 सुरजमल श्रमरा रो प. ३०, ३५६  
 सुरजमल किसनावत हू. १६६  
 सुरजमल केसोवास रो प. ३१४  
 सुरजमल गोपाळदासोत हू १८६  
 सुरजमल घांपा रो प ३५६  
 सुरजमल बालासो ती. ४१  
 सुरजमल लूणकरणोत हू ६०  
 सुरजमल हाडो प. २०  
 सुरजसिध प. ५३, २४७  
 सुरजसिध राजा हू. ८१, ६६, ११६,  
 १५५, १५८  
 सुरजसिध राव हू १३१, १३२  
 सुरतसिध प १२०, २६६, ३०७, ३०८  
 ,, ती २२१, २२४, २२६, २२६  
 सुरतसिध महाराजा (धीकानेर) ती ३२,  
 १७७, १८०, १८१, २०८  
 सुरदास प. २३२  
 ,, हू. १६४  
 सुरदेव ती. २१६  
 सुर नरसिधोत प १५३  
 सुर नाहरखान रो प. ११७

सूर पातसाह हू १७७, १८०, १९०,  
१९२  
सूरपाळ प. २८६  
सूरमचद प ५०  
सूर माधवदे रो प. ३३६  
सूरमालण (सूरमाल्हण) हू ४०, ४१,  
४२, १५३, १७८  
सूर राणो दू २६५  
सूरसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१,  
३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११,  
३२०, ३२२, ३२६, ३२८  
सूरसिंघ हू १५८  
सूरसिंह ती २३०  
सूरसिंघजी राजा प. ३२३  
सूरसिंघ फरसरांम रो प ३२३  
सूरसिंघ भगवतदास रो प २९१, ३००  
सूरसिंघ महाराजा (जोधपुर) ती. १८२,  
२१४  
सूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) हू. १११  
सूरसिंघ मानसिंघोत प ३२७  
सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर)  
ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,  
२१० (दे० सूरसिंघ महाराजा  
बीकानेर)  
सूरसिंघ राव हू १३०, १३१, १३२,  
१३३, १३६, १४४  
सूरसिंघ रुद्र रो प ३१६  
सूरसिंघ बीकूपुर राव ती ३६  
सूर सुरतांण रो प १५८  
सूरसेन हू. ३, ६  
" ती. २३१  
सूरसेन उपसेन रो प २९२  
सूरसेन राजा ती १८६  
सूरो प. ७०  
" हू ८४, ८८, १७८, १८६  
सूरो कलावत प. १९६

सूरो काधळोत ती. २१  
सूरो काना रो प ३६०  
सूरो डूगरसी रो प. १२०  
सूरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,  
१७०  
सूरो नरवद रो प. २४८  
सूरो नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६,  
१६७  
सूरो भैरवदासोत हू. १७८  
सूरो माधा रो प. ३२१  
सूरो लोलावत प २२८  
सूरो वेगू रो प. ३५२  
सूरो सोढो प ३६२  
सूर्यपाळ पदमपाळ रो प २८६  
सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २९०  
सेख फरीद ती २७६  
सेखो प ६७ ३२७  
" हू. १४२, १४३, १९८  
सेखो खारवारा रो राव ती. ३७  
सेखो खेतसीओत हू १७३  
सेखो चहुवांण भाभणोत प १५२, २३६  
सेखो प्रताप रो प २८  
सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९  
सेखो रतना रो प ३१७  
सेखो राणो दोला रो हू २६५  
सेखो रांमावत प १९८  
सेखो राव हू. ११०, ११८, ११९, १२०,  
१२४, १२६, १३७  
" " ती १६, ३१, ३६  
सेखो रुदा रो प १६५  
सेखो सावत रो प २००, २०१  
सेखो सूजावत प २४१, २४२, ३६०  
" " ती. ८६, ८८, ८९, ९०,  
९१, ९२  
सेतरांम हू २६८

सेतराम वरदायीसेनोत ती १८०, १९३,  
 १९४, १९५, १९६, १९७, १९८,  
 २०१, २०२, २०३, २०४  
 सेनजित ती १७७  
 सेन राजा ती १८५  
 सेरखान रतनसी रो प. ३५६  
 सेरमर्दन राजा ती. १८७  
 सेरसाह पठाण पातसाह ती. १९२  
 सेरसिध ती २२६, २२८, २२९  
 सेवो साखलो दू ०६१  
 सेहराव देवा रो प. ११९  
 संहसो चानणदास रो प. ३१४  
 संहसो प्रथीराज रो प. २९०  
 सैसमल रावळ प ३९  
 सोढ उर्त राजा रो प २९३  
 सोढ देव प २९०  
 सोढल राजा प २९५  
 सोढो छाहड रो प ३६३  
 सोढो वाहड रो प ३३७, ३३८, ३५१  
 सोनग सीहोजी रो ती. २९  
 सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५  
 ,, ,, ,, ती ३०  
 सोभ हरभम रो प ३५३  
 सोभो रामा रो प. ३५७  
 सोभो रावत प १९६  
 सोभो राव लाखा रो प. १५८  
 सोभो रिणमल रो प १३५, १३६  
 सोभो हीमाळा रो प २४४, २४५  
 सोभ्रम प. १६९, २३०, २३१  
 सोम प ११९, १६६, १९३  
 ,, ती. १८४  
 सोम केहर रो भाई दू. ११६  
 सोमचव व्यास प २२५  
 सोम चहुवाण दू  
 सोम चूडावत प. ३४१, ३४३  
 सोमदत्त प. ३  
 सोम भाटी दू ७५, ७६, ७७

सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१  
 सोमसी दू ३  
 सोमस प. २८९  
 सोमसर जसहड रो प. ३५५, ३६३  
 सोमो प. ३४३  
 सोमो राकसियो दू ३१२  
 सोहड प. ११९  
 सोहड सातहू सूरवावत ती ३०  
 सोहित प. १००, १०१  
 सोही प ११९, १३५, १८६, २३०,  
 २४७, २५०  
 सोहर जाट ती. १५  
 स्याम प २७, १२५, १२६  
 स्याम कूभावत दू. १७९  
 स्याम जगावत दू. २६३  
 स्यामदत्त ती. २२५  
 स्यामदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८  
 ,, द. ९२, ९३, १८८, १९०,  
 १९७, १९८, २६४, २६८  
 ,, ती २२५  
 स्यामदास भगवानदासोत दू १५२  
 स्यामदास रावळ प ७९  
 स्यामदास वीठळदासोत प ३०९  
 स्यामदास सीसोदियो प १४८  
 स्याम देवा रो दू. २६३  
 स्यामराम प ३२३  
 स्यामराम अखैराज रो प. ३०२  
 स्यामसिध प २३, १९७, ३०६, ३०८,  
 ३१६, ३२२  
 स्यामसिध दू ९३, १७०  
 ,, ती २३२  
 स्यामसिध जसवत रो प. २०९  
 स्यामसिध पता रो प. ३३०  
 स्यामसिध परसोतम रो प. ३२३  
 स्यामसिध मनोहरदास रो प. ३४२  
 स्यामसिध मानसिधोत प २९१, २९९

स्यामसिंघ मानसिंघोत्त दू. १६३

स्यामसिंघ राजा रो प ३०८

स्यामसिंघ राव प. २८१

सतनख प ३३६

ह

हदायळ दे हंदाळ ।

हंदाळ प. ३००

हसन घसु प. ७८

हसपाळ पट्टिहार प. ३३३, ३३४

हसपाळ मेहदा रो प. ३४०

हंस राजा परमार ती. १७६

हस रावळ प ५, १२, ७६

हंसो तीहळ रो प. ३४०

हर्षहय प ७८

हठीसिंघ ती. २२६, २२७

हठीसिंघ राव ती २४६

हणुमान प २६०

हणू तसिंघ ती २३१

हणू राजा, प २६३, २६४, २६६

हणू राजा, काकिल रो प ३३२

हदनेत्र प ७८

हदो दू १७८

हदो गागा रो प. ३५६

हदो मान्तारो प. ३४१

हनु प. ७८

हवीवखान प. ३०७

हवीव पठाण दू २५४

हमाऊ पातसाह प. २०, ३००

” ” दू ८०

” ” ती. १६, १८३, १६२

हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६

” दू ३, ८०, २१५, २१७, २१८

हमीर श्रवतारदे रो प. ३६०

हमीर आसावत दू १७६

हमीर एको दू १३१, १३२

हमीर करमा रो प. १६५

हमीर कुतल रो प २६५, २६६, ३३०

हमीर खगारोत्त प ३०५

हमीर खींदावत प ३४१, ३४३

हमीर गोयदरो ती ११४

हमीर गोहिल प ३३५

हमीर धिरा रो प ३५६

हमीर दहियो प ११७, १२५

” ” ती. २६७, २६८, २६९,

२७०, २७१, २७२

हमीरदे चहुवाण प. २२०

” ” दू ५८

” ” ती. १८४

हमीर देवराजोत्त दू. ५३, १४४, १४५

हमीर बीजो दू २०६

हमीर भीम रो प ३३५

हमीर, रतनसी रांगा रो दू ३६

हमीर रांगो प. ६, १४, १५

हमीर राद ती. २८

हमीर रावत, परमार ती. १७६

हमीर लाखारो प. १३६, १६१

हमीर घडो दू. २०६, २१३

हमीर वणवीरोत्त प ३५८

हमीर वीकावत प. २३७

हमीर सांक्रोत्त दू १८०

हमीर सोढो प ३३८

हमीर हरा रो दू १२१, १२६

हयनर राजा ती १८६

हर प. ११

हरकरण प ३१६

हर करमतीश्रोत्त प ३५१

हरख सर्मा प ६

हरचंद दे० हरिश्चंद्र

हरचंद रायमलोत्त दू. १४५

हरजस प. २८७, २६२

हरणनाभ प. २८८

हरवत्त रांगो, मोहिल ती १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१  
 " दू. ७७, ७९, १०७, १२३,  
 १९२, १९६, २६३  
 हरदास अजा रो दू. ८०  
 हरदास कहड़, मोकळोत ती. ८५, ८७,  
 ८८, ८९, ९०, ९२  
 हरदास कानाघत दू. १६५  
 हरदास डूगरसीओत दू. १७८  
 हरदास पताघत दू. १९७  
 हरदास भगवतदासोत प. २९१  
 हरदास भाटी दू. १७६  
 हरदास महेसोत प. २३७, ३४१  
 हरदास लूणकरणोत दू. ९०  
 हरदेव प. ३२२  
 हरधवळ प. १२२  
 " दू. २२०, २३९  
 हरनाम प. २९२  
 हरनाथ प. ३०८, ३२०, ३२२  
 " दू. ९०, ९६, ११९  
 " ती. ३७  
 हरनाथसिंध ती. २३२  
 हरनाथसिंध तोडरमलोत प. ३२२  
 हरपाळ प. २९०  
 हरपाळ राणो दू. २६५  
 हरभम दू. १५३  
 हरभम केलहणरो दू. ११६, १४३  
 हरभम राव दू. ११६  
 हरभम साखलो मेहराज रो प. ३५०,  
 ३५१  
 हरभाण प. ३२२, ३२४  
 हरभीम राजा ती. १८९  
 हरभू पीर प. ३४८  
 हरभौ मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३,  
 १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो  
 मेहराज रो)  
 हरराम प. २७, ३०६, ३०८, ३१२,  
 ३२०, ३२७

" दू. १२२, १५१, १८७  
 हरराम जसवंत रो प. ३१७  
 हरराम रायसल रो प. ३२४  
 हररामसिंध ती. २२५  
 हरराज प. २२, ९९, १००, १६३, १६४,  
 २८१  
 " दू. १७८  
 " ती. २२०  
 हरराज करमसी रो दू. १९०  
 हरराज जैतसी रो प. ३१५  
 हरराज ठाफुरसी रो प. ३६०  
 हरराज देवडो प. १४५  
 हरराज नरवद रो प. १०९  
 हरराज नारण रो प. ३५८  
 हरराज मालवेवोत, रावळ दू. ९२, ९७,  
 १०२  
 हरराज रावळ दू. ११, ९२, ९७, ९८,  
 ९९, १०२  
 " " ती. ३१, ३५  
 हरराज समरसी रो प. १०१  
 हरराज सोळकी, डुरजणसाल रो प. २८१  
 हरसर्मा प. ९  
 हरसिंधदे प. १२९  
 हरसिंध राव (पूगळ) ती. ३६  
 हरसूर राणो प. १५  
 हरहारीत प. ११  
 हरिश्रव ती. १७७  
 हरि कान्हा रो प. ३५२  
 हरिचंद्र (हरीचंद्र, हरिस्चंद्र) दे०  
 हरिश्चन्द्र राजा ।  
 हरिजस प. ३१६  
 हरित प. २८८  
 हरिताश्व दे० हरिश्रव, हरियश  
 हरिदास प. १६६, २३३, ३२९  
 हरिदास अमरा रो प. ३५९  
 हरिदास फरसरांम रो प. ३१६  
 हरिदास धीठळदास रो प. ३०८

हरिदास सिद्धरावत प २३३  
 हरियश ती १७७  
 हरियो थोरी ती ६२, ६३, ६७, ६८,  
 ६९, ७०, ७५  
 हरिवश राजा ती. १७६, १८७  
 हरिश्चंद्र राजा प ४२, ४७, १९०,  
 २८७, २९२, २९३  
 " " ती. १७८  
 हरिसिंघ प. २११, ३१५, ३२०, ३२५  
 " हू ९५, ९६, ११९, १२४  
 हरिसिंघ अमरसिंघोत हू १०९  
 हरिसिंघ किसनसिंघोत हू. १७५  
 हरिसिंघ गिरधर रो प ३२२  
 हरिसिंघ चांदावत ती २४९  
 हरिसिंघ नारणदासोत हू. ९२  
 हरिसिंघ परसोतम रो प ३२३  
 हरिसिंघ भीमसिंघोत हू १०७  
 हरिसिंघ रतनसीओत हू १८३  
 हरिसिंघ राजा ती १९०  
 हरिसिंघ राव प ३०६  
 हरिसिंघ सकतसिंघोत हू १०६  
 हरिसेन राजा ती. १८९  
 हरिहर प ७८  
 हरीदास प. १६१  
 " हू १०५  
 हरीदास कलावत हू १६१  
 हरीदास गोपाळदासोत हू. १९८  
 हरीदास जोगीदासोत हू. १८५  
 हरीदास दलावत हू ३०४  
 हरीदास पता रो प १६०  
 हरीदास पेरजखान रो प. १२४  
 हरीदास भगवानोत हू १९१  
 हरीदास भांणोत हू. १९४  
 हरीदास माधोदासोत हू. १७२  
 हरीदास मोहण रो प ३५७  
 हरीदास रतनसी रो प ३५६

हरीदास रामचदोत हू. १८३  
 हरीदास रायमलोत हू १७५  
 हरीदास वाघोत हू. १७६  
 हरीदास सुरतांगोत हू १६०  
 हरीदास सोढो प ३६२  
 हरी नाया रो हू ७५  
 हरीपाळ राजा ती १८८  
 हरी भाखरसी रो हू १९७  
 हरी रांगो हू २६५  
 हरीराम प २५  
 हरीराम रायमलोत ती २१७  
 हरीसिंघ प २४, ३०२  
 " ती. २२१, २३६  
 हरीसिंघ जसवतसिंघोत ती २१७  
 हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७  
 हरीसिंघ रावत प ९४, ९६, ९७  
 हरीसिंघ वीरमदे रो प २०८  
 हरो हू १५, ८१  
 हरो राठोड हू ५८  
 हरो सेखा रो हू १२०, १२१, १२४,  
 १२६, १२७, १३७, १४१  
 हर्षमादित्य प १०  
 हर्जनकार सर्मा प ९  
 हर्जनर सर्मा प ९  
 हर्यंश्व ती १७८  
 हांमो प. १०१  
 हांमो काठीलो हू. २४०  
 हांमो रतनावत प. १६५  
 हांस रावळ प ७९  
 हांसू ती २२१  
 हांसू पडोहियो हू ३१७  
 हाजीखान प ६०, ६१, ६२  
 हाजो प. २४७  
 हाजो काठी हू २२०, २३९  
 हाडो प १०१  
 हाथी प. २९, १०१



हाथी अभा रो दू. १४१  
 हाथी ईसरदास रो दू. १३०  
 हाथी भाटी दू. ६६, ११६  
 हाथी घाळा रो प. १२१  
 हाथी सुरतांग रो दू. २६३  
 हापो प. ११६, २३१  
 हापो रावत परमार ती. १७६  
 हापो रावळ दू. ८४  
 हारस चारण दू. २३७  
 हारीत ऋखीश्वर प. ३  
 हारीत ऋषि वे हारीत रिख ।  
 हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२  
 हालो हमीर रो दू. २०६, २१५, २१६  
 हावसिद्ध प. ७८  
 हिगोळी आहाडो प. १११  
 हिदाल प. ३००  
 हिदुसिघ प. ३०६  
 हिदुसिघ माघा रो प. ३२१  
 हिमतसिघ प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६  
 हिमतसिघ फछवाहो ती. ३१  
 हिमतसिघ परसोतम रो प. ३२३  
 हिमतसिघ मानसिघोत प. २६१, २६६  
 हिरण्यनाभ प. २८८  
 हिरण्यनाभ ती. १७६  
 हिरदेनारायण प. ३०४, ३१०  
 हिरदेराम प. ३०८, ३२४  
 हिरदेराम अखेरान रो प. ३०२  
 हिरन प. ७८

हींगोळ प. १७२, २३५  
 हींगोळदास दू. ८१, १०४  
 हींगोळदास सुरतांगोत दू. १७२  
 हींगोळो पीपाडो ती. १२०  
 हीमतसिघ ती. २२४, २२६, २३०, २३३  
 हीमतो दू. ६५  
 हीमाळो, राव वरजांग रो प. २३२, २४४  
 हीरसिघ ती. २३६  
 हुमायू बादशाह दे० हुमाळ पातसाह ।  
 हुमायू पातसाह प. १६ (दे० हुमाळ  
 पातसाह)  
 हुरड घनो दू. २०  
 हुसग गौरी पातसाह ती. २४३, २४७  
 हुन राजा प. २५५  
 हुफो सांदू दू. ६२  
 हुवेनारायण ती. २३६  
 हुवे सर्मा प. ६  
 हेडाळ दू. २१६  
 हेमराज दू. १२५, १६६  
 हेमराज खीदावत प. १६६  
 हेमराज पढिहार दू. १४०, १४२  
 हेमवर्ण सर्मा प. ६  
 हेमादित्य प. १०  
 हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७,  
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९२,  
 २९३, २९५, २९६, २९७, २९८  
 हेहय प. ७८  
 होरसराउ प. १२६

## [२] स्त्री - नामावली

[ स्त्री नामावली में पुल्लिङ्ग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिङ्ग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिङ्ग-रूप विलक्षण व्यजना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूँढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहां दिये जा रहे हैं। ]

आणी - कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—खावडियाणी, जोईयाणी इत्यादि। पुरुष नामों के अंत में यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ में बदल जाता है। जैसे लाखो फूलानी।

ओळगण, ओळगणी - १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश में और उत्तर गुजरात में महतरानी को 'ओळगणी' और महतर को 'ओळगणी' कहते हैं।

कंवराणी - कुवरानी।

कंवर, कुवर - कुवरि, कुवरी। जैसे—आसकवरवाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास - १. राजा की दासी २. रखेल ३. सेविका।

खवास-विणियांणी - बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा - १. राजा की एक विशेष दासी। २. एक रखेल।

खीचण - खीची-क्षत्री वंश में उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (-जी) - चौहान-क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम तथा सवोधन।

चारण - चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची - कतिपय नगर या प्रदेश नामों के अंत में लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति।  
जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (-जी) - चूडा के वंश में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम और सवोधन।

छोकरी - दासी।

जोगण, जोगणी - १. योगिनी। २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकराणी - ठाकुरानी।

डूंमणी - ढाढिन, गायिका।

दे - देवी का सक्षिप्त रूप। जैसे—अंतरगदे, उछरगदे इत्यादि में। पुरुष नामों के अंत में यह 'देव' शब्द के सक्षिप्त रूप में भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हडदे, गोगादे इत्यादि में।

नाचण - नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (-जी) - पंवार (परमार) क्षत्री कुल मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या सबोधन ।

पासवान - राजा की एक पर्दायत दासी ।

पूतळ छोकरी (-छोरी) - दासी ।

वा - १. माता. २. राजरानी ३. राजमाता ।

वाई - १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इद्रावतीवाई, रामीवाई इत्यादि ।  
२. पुत्री. ३. बहिन ४. बच्ची, कन्या ।

वैर - १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (-वा) - फूफी ।

माजी - १. राजमाता २. माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) - राठोड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय सबोधन और उपनाम ।  
राठोड़राजी, राठोड़राणीजी, राठोड़राणीजी (राठोड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय - १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमानराय पातर, गुलावराय खवास इत्यादि । पुरुष नामो के अत मे भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण - १ वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान मे जागीरदार के दास को वजीर भी कहते है ।

वडारण - ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती - १. शक्ति, देवी २. देव्याशी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री ४. भोपी ।

सहेली - १. साथिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) - १. शेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा सबोधन ।



## स्त्री - नामानुक्रमणिका

### अ

- अतरगदे तुंवर ती. २०६  
 अतरगदेजी पवार ती. २०६  
 अखैकुवर देरावरी ती. २११  
 अजबदे धनराजोत-भटियांणी ती २१०  
 अजादे दहियांणी प ३४४  
 अजैदे दहियांणी प २५२  
 अजैमाळा पातर ती. २१०  
 अतभागदे रांणी (ब्रजधरजी) ती ३२  
 अनारकळी पातर ती २०६  
 अभैकुवरजी ती २११  
 अमोलकदे भटियांणी ती. २१०

### आ

- आचानण ती २८१, २८२, २८३, २८४,  
 २८५  
 आछी शाहजादी ती. १६१  
 आसकवर बाई, (राजा भावसिंघ री रांणी)  
 प. २६६  
 आसकवर बाई, (राजा मानसिंघ री रांणी)  
 प २६७  
 आसारण प. ६३

### इ

- इंद्रकुवर (कस्तूरदे रांणी) ती. ३२  
 इंद्रावती बाई, (आसकरण री रांणी)  
 प ३०३

### ई

- ईंदी ती. १०७ १०८  
 ईडरची हू ८७  
 ईहडदे ती २५८

### उ

- उछरगदे ईंदी ती. २६  
 उवैकुंवर चहुवांण ती. २१५  
 उमादेवी भटियांणी ती. २१५  
 उमेदकुवर तुंवर, राणी ती. २११, २१२

### ऊ

- ऊषळ (कांनडदे री वेटी) हू. ४१  
 ऊमादे (कांनडदे री रांणी) प २२५

### ओ

- ओळगाणी हू ३३६  
 ,, ती. २५८

### क

- ककाळी प. ३३६  
 कंघळदे रांणी प. २२५  
 कंघळावतीबाई, (गोरधन री पत्नी) प. ३०३  
 कवळावती, (बीवा री वर) प १२४  
 कनकावतीबाई, रांणी प २६७  
 कनकावती (राव भोज री पत्नी) प १११  
 कपूरकळी खालसा ती. २०६, २१२  
 कमोदकळा खवास ती. २११  
 कमोदी खवास ती २०६  
 करणा री मा प. १६२  
 करमा खवास प. ३१२  
 करमेती बाई (मेहराज री पत्नी)  
 हू. १७८  
 करमेती हाडी रांणी प २०, ४६, ५०,  
 ६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,  
 १०८, १०९  
 करमेती हाडी राणी हू २६२  
 ,, ,, ,, ती. ५५

कल्याणदे (राजा गजसिंघ री राणी)

प ३०१

- कल्याणदे वेवडी ती. २६  
 कसतूरवे राणी (द्वद्रकुवर) ती. ३२  
 कसमीरवे राणी ती. ३१  
 कामरेखा पातर ती. २१०  
 कामसेना पातर ती. २१०  
 किसनवाई प. १६७  
 किसनराय ती २११  
 किसनाई खवास ती २११  
 किसनावती बाई प. ३१२  
 कुजकळी पातर ती. २११  
 कुमरवे दू २८०  
 फूभारी दू. २६६  
 केर वा दू. २१६  
 केसर हंवी ती. ३१  
 केसरदे फछवाही ती. २१४  
 केसरदे नरुकी प ३१५  
 कोटेची ती २५०, २५१, २५२  
 कोडमदे वीकूपुरी ती. २११

ख

- खवास (गोकळदास री मा) प ३१६  
 खातण (मेरा री मा) प. १५, १६  
 खावडियाणी प. ३४७  
 खेतूबाई (राव सूजा री वेटी) प. १०२  
 खेतू राठोड, माजी प. १०७

ग

- गगाजी राणी (सोभागदे) ती ३१  
 गरुडराय पातर ती २११  
 गवरां ती २११  
 गांगे री मा ती. ८०  
 गायडवेवी सीसोदणी ती २१४  
 गाहिहदे राणी ती. ३२  
 गोंदोली दू २८७  
 गुणकळी पातर ती. २१०

- गुणजोत घडारण ती. २१२  
 गुणजोत सहेली ती २०६  
 गुणमाळा खवास ती. २११  
 गुमानराय पातर ती. २११  
 गुमानी पातर ती. २१२  
 गुलाबराय खवास ती. २०६  
 गुलाबराय पासघान ती. २१३  
 गुलावां पातर ती. २११  
 गोकळदासरी मा, खवास प. ३१६  
 गोट राणी प २६८  
 गोपाळवे सोंघळ प २५७  
 गोरज्या गोहिलाणी ती. ३०  
 गोरं पातर ती. २११

च

- चद्रकुवर, राणी (जोधपुर) दू ११०  
 चद्रकुंवर, राणी (वीकानेर) ती. ३२  
 चपाकळी ती. २११  
 चपावती पातर ती. २११  
 चतुरसिंघरी मा मैणी प ३१२  
 चहुआणजी ती. ६३  
 चहुवाण } ती. ३  
 चहुवांणी }  
 चादनी प १३३  
 चांदण ती ३०  
 चांद वा सोढी दू २०६  
 चांद वीवी ती. २७२  
 चांपा बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७  
 चांपादे, (राठोड पृथ्वीराज री पत्नी)  
 ती. २०६  
 चावडी राणी दू. २७४, २७५, २७६  
 चावोडी (मूलराज री मा) प. २६४,  
 २६५  
 चैनसुखराय खालसा ती २११  
 चोघरण ती १४, १५  
 चोहान रानी ती. ३

## ज

- जसमादे, (महाराजा रायसिंह की रानी)  
ती. २०७
- जसमादे हाडी (राघ जोधा री राणी)  
प १०१
- जसमादे हाडी (राघ जोधा री राणी)  
ती ३१
- जसमादे हाडी ती. २१६
- जसवंतवे राणी ती ३१
- जसहडुबाई मागळियाणी दू. ३०४, ३०६
- जसोदा (जैसा भरवदास री वेटी) प १११
- जसोदाबाई (मोटा राजा री वेटी) प. ३००
- जसोदा (भाटी भानीदास री वेटी)  
दू १३२
- जाणदे राणी ती ३०
- जाणादे हुलणी ती. ३१
- जाटणी (बावूराम री मा) प ३२४
- जाडेची (रावाइच री मा) प २६५,  
२६६
- जीऊ पातर ती २१०
- जीवी, जीवू ती २१०
- जेळू प १२४
- जेसळमेरी राणी, रतन कवरजी ती २०६
- जैतळदे, कानडदे री राणी प २२५
- जैमाळा पातर ती. २०६, २१०
- जोईयांणी, (सलखेजी री राणी) ती ३०

## झ

- झाली कवराणी, (कु० जोगे री वहू)  
ती १६५

## ड

- डगली खवास ती. २०६
- डाही डूमणी दू. २३०, २३१
- डाही घाय दू १८
- डोकरी ती १०१, १२६
- डोड गेहली ती ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

## त

- तनतरंग पातर ती. २११
- ताज वीवी ती २७५
- तारावे राणी, चहुवाण (तीडे रो अतेवर)  
ती ३०
- तारादे, (राघ सुरताण री वेटी। प्रथीराज-  
उडण रो अतेवर) प. १७, २८१
- तारावे (हरिचद री राणी) प. २६३
- तुवरजी अंतरंगदे ती. २०६
- तुरकणी ती. २७८

## द

- दसयतीबाई प. ३१२
- दमतेबाई (मोटा राजा री वेटी)  
प ३१२
- दुरगावती बाई (राजा भगवानदास री  
रांणी) प. २६७
- दूडी नाचण प. ६६
- देवडी (चापा सीधळ री वैर) प. १६३
- देवी सोनगरी प. १५
- द्रोपदा चहुवाण ती. २६
- द्रोपदा तुंवर ती. २१०

## ध

- धण (जाडेचा फूल री राणी) दू २२८,  
२२९, २३०
- धनाई राठोडु (राणा सागा री राणी)  
प १६, २०, १०२
- धायजी ती ६६
- धारू पातर ती. २१६
- धारू री मा प. २५४
- धीरबाई प. २२

## न

- नवरगवे साखली, राणी ती ३१, १६५
- नाई री वैर प ३२१
- नागही चारण दू. २०२, २०३, २०४
- नारगी पातर ती. २०६
- नैणजवा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।

नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पगळी वेंटी प. ३४०

पघार राणी प १०७, १०८

पत्ती, (जंतमाल री वेंटी) प. २४६

पदमणी प १३, १४

„ हू ४२, २०२, २०३, २०४,  
२६६

पदमणी ती. २५८

पदमां देवडी (मालदेवजी री मा) ती. २१५

पदमा विणियांणी, खवास प ७३

पदमां (भांतीवास री मा) हू. ६२

पदमावती पातर ती. २१०

पदमावती राणी दे. परमावती राणी ।

पदमावती राणी, (राणा सागा री कन्या)  
ती २१५

परमावती राणी ती १८६

पागळी वेंटी प २५३, ३४०

पातसाह री सहेली हू. ७०

पारवती भटियाणी हू ६६

पुष्पकुधरि दे. पोहपकंवर माजी

पूतळ छोकरी प. २०

पूरांवाई महेशची हू. १५६, १५७

पेसावाई ती. ५६

पेसावती पातर ती. २११

पोहपकवर (अजीर्तसिधजी री माजी)  
ती, २१३

पोहपराय श्रोळगण ती. २१०

पोहपावती, (मोटा राजा री राणी)  
हू. १२८

प्रतापदे सेखावत, राणी ती. २११

प्रेमकळी ती २११

प्रेमकुधर भटियाणी, राणी ती. २१०

प्रेमलवे हू १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११

फत्तू सहली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४

बाबूराम री मा जाटणी प. ३२४

बालबाई बीकानेरी प. २६०

बाहडमेरी प. १४३, १४८

बाहडमेरी हू. ८६, ८८

बिरवडी, चारण-काछेली ती. ७६, ७७

बुधराय पातर ती. २१०

बूट पदमणी (राजा मोखरा री वेंटी)

प. ३३३, ३३४

भ

भगतांदे रांणी ती. ३१

भटियाणी (जोधाजी री रांणी) ती १५८

भटियांणी राणी ती. ३१

भांणवती ती २१०

भांणवदे ती २१०

भांणीवाई (भाण जेसावत) हू. १५१

भाटियांणी (रावळ केहर री वेंटी) हू ३२

भानुदेवी ती. २१०

भानुमती ती. २१०

भारमल आधी प ३४६

भारमली प. ३४६

भावलदे, (कान्हडवे री रांणी) प २२५

म

मनरगदे भटियाणी, राणी ती. २१०

मनसुखवे वीकूपुरी, रांणी ती. २११

मलकी वैहणीवाळ ती. १३, १४

महताब पातर ती. २१२

महेशची हू. ८४

मांगळियांणी, (ऊवे की वेंर) प ३४७

मांगळियांणी (घोरमजी की स्त्री)

हू ३०३, ३०४

माणल देवाइत हू १६

मांणवती पातर ती. २१०

मांगधवे सोढी, रांगी ती २१०  
 मारवणी प. २६३  
 मालवणी प २६३  
 मीराबाई प. २१  
 मृदगराय पातर ती. २११  
 मेघमाळा खवास ती. २११  
 मेलणदे राणी, खीचण प. २६४  
 मीणी, चतुरसिंघ री मा प ३१२  
 मोतीराय सहेली ती. २०६  
 मोहनी पातर दू ८१  
 मोहिल कुवरानी दे० मोहिल राणी ।  
 मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४,  
 ३२५, ३२८, ३२९  
 मोहिलांगी (वीदे री ठकराणी) ती १६६  
 मोहिलानी दे० मोहिल राणी ।  
 अघावतीबाई (राजा जैसिंघ री राणी)  
 प. २६७

## य

यशोदा (राजा रायसिंह की रानी)

दू. १३२

## र

रगनिरत पातर ती २११  
 रंगमाळा पातर ती २१०  
 रगराय पातर प ६१  
 ,, ,, ती २०६, २१०, २११  
 रंगादे भटियांगी ती ३१  
 रभा दू. ३७  
 रभावती (मोटा राजा री बेटी) दू ६३  
 रतनकंवर जेसळमेरी ती २०६  
 रतनकुवर रांगी ती ३२  
 रतनादे (किसनदास री बेटी) दू ६०  
 रतनादे भटियांगी, रांगी ती २६  
 रतनावत रांगी ती. ३१०  
 रतनावती (पोहपसेन री पत्नी) प. १२४  
 रघाय दू. १६, २०, २३, २५  
 रांगादे, जसहङ्ग-भटियांगी ती. ३०

राणीबाई (राव मालवे री रांगी) दू. ६१  
 रामकवर (कला री बेटी) दू. ६८  
 रायकंवर भटियांगी, रांगी ती. २०६  
 रामजीत खालसा ती. २१२  
 रामीबाई ती. १३३, १३४  
 रामोती खवास ती. २११  
 राईकंवरबाई (राजसिंघ री रांगी)

प. ३०३

राजकवर, मोटा राजा री बेटी प. ३६  
 राजबाई दू. ७२, ८५  
 राजबाई भटियांगी प २६  
 राजां पातर ती २१२  
 राठवड दे० राठोड सती ।  
 राठोड (राठोडजी) ती. ६३  
 राठोड सती दू ३२४, ३२५  
 रायकवरबाई (सवळसिंघ री वर) प २६८  
 राही ब्राह्मणी ती. २१२  
 राह सहेली ती. २१२  
 रत्नमावती बाई, राजा महारसिंघ री राणा  
 प. २६७

रुठी राणी दे० उमादेवी भटियांग  
 रूपकळी खालसा ती २०६, २११  
 रूपमजरी पातर ती. २१०  
 रूपरेखा सहेली ती २०६, २१०  
 रूपादे रांगी दू. १३०, २८४

## ल

लक्ष्मीदेवी ती २१५  
 लखां मांगळियांगी रांगी, दू ६१  
 लजसी (तेजसी री वर) प. १८३  
 लवगकवरजी ती २१०  
 लाग सगती ती २२२  
 लाछ सगती ती २२२  
 लाछाई वी ती ३०  
 लाछां देवडी दू. ७५, ७६, ७७, ७८  
 लाडां भटियांगी, रांगी ती. ३०  
 लालादे ती. २०६



लालां देवढी, रांणी ती. ३१  
 लालां मांगळियांणी, राणी ती. ३०  
 लिखमादे भटियांणी ती. २१५  
 लिखमी ती. १०४, १०५  
 लिखमी रांणी प. ३६१  
 „ „ दू १५३  
 लीलादे मेहवची दू ७५, ७८  
 लूंगकवर, रांणी ती. २१०

## व

वडकवार वेटी दू. २२७, २२८  
 वडकुंवार ती. २५०  
 वनां पातर ती. २११  
 वहूजी ती ८०  
 वाघेली ती. ६३, ६६  
 वारू पातर प. २१६  
 विजनां ती २१२  
 विजी पातर ती. २१२  
 विजैकुवर दू ११०  
 विनैकुवर दू ११०  
 विमळादे रांणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५,  
 २८५  
 वीरा हुलणी, राणी ती. ३०  
 वेणीबाई दू १५१  
 वजवर (रांणी अतभागदे) ती. ३२

## श

शेखाघतची ती ६३  
 शेखाघत रानी प. ३२३

## स

सकामी सहेली ती २१२  
 सजन भटियांणी दू. ६०, ६८  
 सजनांबाई दू ६८  
 सजनां (राघ मालदेव री बेटी) दू. ६२  
 सतभामाबाई दू २५६  
 सदां खवास ती. २११  
 सदांमी ती २१२

सदाकवर ती. २७०, २७१  
 सरकसळी ती. २०६  
 सरसकळी पातर ती. २०६  
 सरूपदे (कछवाही) ती. ३१  
 सरूपदे गोहिलांणी, रांणी ती ३०  
 सरूपदे झाली ती २१४  
 सरूपदे रांणी दू २६४  
 सरूपा पातर ती. २११  
 सांखली, सांघळवास री बँर दू १८१  
 सांखली ती. १४५  
 सांखली, झाना री व्हू प २५४  
 सांखली, सुरतांग री बँर प. २८२  
 साहमती कछवाही ती २१४  
 साहिवदे तुंघर, रांणी ती. २११  
 साहिवदे (दलपत री मा) दू १३४  
 सिणगारदे जेतळमेरी, रांणी ती. २१०  
 सांघळ, खोची वाघ री मा प २५६, २५७  
 सांघलियांणी प. २५६  
 सीताई प. २२१  
 सीताबाई बाहडमेरी दू. ८६, ८८  
 सीसोदणी ती ८०, ८३, ८६  
 सीसोदणी (राघ मडळीक री बँर) दू २०३  
 सीहा री डोकरी ती १२७  
 सुंदर भुवा (गंचंद री भुवा) प ३३८  
 सुखविलास पातर ती. २११  
 सुगणादे सोढी, राणी ती २११  
 सुघडराय खवास ती. २०६  
 सुजांणवे (राजा सूरसिंघ री रांणी) दू. ११६  
 सुपियारदे ती ३८, १४१, १४२, १४३,  
 १४४, १४५, १४६, १४७, १४८  
 सुभविलास ती २११  
 सुरतांणवे देरावरी रांणी ती २११  
 सुवळी सीसोदणी ती. २३  
 सुहवदे जोईयांणी प २५१, २५२  
 सुहागण रांणी प १३  
 सूरजवे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे सांखली ती. ३०  
 सेखावत प. ३२३  
 सेखावत मोहल दू ११०  
 सैणी चारणी देवी प. २०४  
 सोडी दू ५८, ५९  
 सोड (कूभा री वर) दू २६७  
 सोडी, पावूजी री ठकराणी ती. ७२, ७६,  
 ७९  
 सोडी रांणी दू. ६०  
 सोडी (रावल लखणसेन री रांणी) दू ४०  
 सोडी (लाप्ता री वर) दू २३२, २३३,  
 २३४, २३५  
 सोनगरी प. २०६  
 सोनगरी ती ७, ८  
 सोनगरी (कान्हडदे सोनगरा री वेटी)  
 दू ४०, ४१, ४२  
 सोनावाई ती ५८, ५९, ६३, ६९  
 सोना (मोहिल ईसरदास री वेटी)  
 ती ३१  
 सोभागदे घाघटी (सीहोजी री अतेघर)  
 ती २९  
 सोभागदे भटियाणी, रांणी (गंगाजी)  
 ती. ३१  
 सोभागदे (दुरजणसाल री रांणी)  
 प. ३२५  
 सोळकणी (ऊद री वर) ती २५८,  
 २५९, २६१

सोळकणी (जगमालजी री वर)  
 दू. २८७, २८८  
 सोळकणी (सावर्तसिघ सोनगरा री वर)  
 ती २९१, २९२  
 सोळकणी (सीहोजी री अतेघर) ती २९  
 सोहड़ रजपूताणी दू १४२  
 सोहड़ा भटियाणी, रांणी दू. ११९  
 स्वाळल री जाटणी प ३२४

ह

हंसवाई, (राणा लाखा री राणी) प १५,  
 १६  
 हसवाई (राघ लूणकरण री पत्नी)  
 प. ३१९  
 हसावळी रांणी प. १२३  
 हरखरेया ती २०९  
 हरखां (मोटा राजा री राणी) दू १३२  
 हरजोतराय बडारण ती. २११  
 हरमाळा सहेली ती २०९  
 हररेखा ती २०९  
 हसती (हसणी, हसणी) खालसा ती २११  
 हासांजी गहलोत, राणी ती २०९  
 हाडी करमेती प. ५०  
 हाडी, कला जगमालोत री वेटी प. ५०  
 हाडीजी रांणी ती १३५  
 हाडी ठकराणी प ७५  
 हुरड़ दू १९, २०, २४, २५

## [३] अश्वादि पशु नाम



अमोलक घोडो हू २०३  
 अरवी घोडो प ९९  
 उचासरो घोडो (उच्चैश्रवा) हू. २०३  
 उजाळो-घछेरो प. २४९  
 एकलगिङ्ग-वाराह प. १७०  
 एकलवाडचर प. १७०  
 एकल-सूकर प. १७०  
 ऐराक्षी घोडो प. ९९, १०४  
 " " हू ७०  
 " " ती. ४४, ११९  
 कच्छी घोडी हू. २५७, २५९  
 करहो-भीणो हू २३३  
 काछण-घोडी ती. २५७, २५९  
 काछी खांनाजाव (घोडी) ती २५९  
 काछी घोडो हू २९४  
 काळवीं घोडी ती. ६४  
 कोडीघज घोडो प. २७२, २७३, २७४,  
 २७५  
 " ती. ११०, १११  
 खांनाजाव काछी दे० काछी खांनाजाव ।  
 खासो ऊट ती. १०६  
 छुरीकार घोडो ती. ९६  
 जूह वाकरो ती. २६०  
 जेठी घोडो हू ३१४, ३१५, ३३५  
 भाभो-घोडो प २०६  
 भीणो करहो दे० करहो भीणो ।

तेजल-घोडो ती. ६४  
 दरियाई घोडो ती. २८०, २८१  
 दरिया-जोहस हाथी ती. ९१  
 नीली घोडी प. २६३  
 नीलो (घोडो) ती. १२०  
 पट-हसती हू. ४८  
 पट्टाभरण हू ५०  
 पडोहियो घोडो हू. ३१८  
 पाणीपयो-घोडो हू. ५५  
 पाटहडो-महुवो (घोडो) प. २७१, २७२  
 बच्चियां रो घोडो प. २८१  
 वाडो ऊंठ ती. ७१, ७२  
 वोर घोडी ती. २८१, २८३, २८४  
 भुवर घोडो ती. १५  
 मृग घोडो (अग घोडो) ती. २६९, २७१  
 मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६  
 मोर घोडो प. ३४९  
 " " हू. ३२५, ३२७  
 लाप घोडी प ३५०  
 जाछ घोडी हू २०३  
 लाल लसकर घोडो प. १०४, १०५, १०६  
 लिखमी घोडी हू २०३  
 घडी घोडी प. २६३  
 वेल भंस हू १३  
 साहुलो भंसो प. २१८  
 सूपेद हाथी हू ७०

## २. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अजार हू २५५  
 अतरगढी दे० आंतरगढी ।  
 अतरवेध प ३३२  
 अवली रोडूक प ६६  
 अवाव प ४६  
 अकेली प. १७६  
 अखासर हू १११  
 अचलगढ प १७७  
 अजमेर प २४, ३७, ३८, ५२, १८६,  
 १९८, २५२, २८०, २९९, ३०३,  
 ३६२  
 " हू १०२, १५१, १५५, १६२,  
 १६३, १६७, १७१, १७४, १८०,  
 १८८, १८९, १९३  
 " ती ६५, ६६, ६७, १७४, १८४,  
 २१५  
 अजमेरगढ ती. १७४  
 अजमेरपुर प. १८६  
 अजीतपुर दे० अजीतपुरी ।  
 अजीतपुरी ती २२३  
 अजपुर ती २१९  
 अजोव्या प. २९२  
 अटक प. ३००, ३१४  
 " हू. १६८  
 अटवडो हू. १४५  
 अटरोह प ११६  
 अटाल चारणां री प. १७६  
 अटाल-भाटां री प १७६  
 अटाली प. १८, २८२  
 अणखलो (सिवाने का गढ) प

अणक्षोर प. १६२, १७७  
 अणघार प. १७६  
 अणघाणो हू. १५७  
 अणहलनगर प. २६१  
 अणहलनगर दे० अणहलपुर-पाटण ।  
 अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०,  
 २६१, २७१  
 " हू २६६  
 " ती २९, ४९, ५०, ५१,  
 ५२, १७३  
 अणहलवाडो दे० अणहलपुर पाटण ।  
 अणहलवाडो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।  
 अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण ।  
 अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।  
 अभैपुर ती २१८  
 अभोहर हू १०  
 अमणेर प ३४०  
 अमरकोट दे० ऊमरकोट ।  
 अमरपुर प. ३१९  
 अमरसर प २८७, ३१८, ३१९, ३३२  
 अमरा अहीर री ढाणी प ३१८, ३१९  
 अरजणियारो हू ४  
 अरजणी हू० ३९  
 अरजियाणो प. १९५, ३३५  
 अरटवाडो प १६२, १७७  
 अरटियो हू. १९३  
 अरणो प. ५२  
 अरणोद प १२८  
 अरवह प. १८७, १८८, १८९  
 अरोड हू २८  
 अरुंद प. १८७

अषाइनो प १२८  
 अषाह हू १४२  
 अषेळ प. १७७  
 अहनला दे० एहनळा ।  
 अहमदाबाद दे० अहमदाबाद ।  
 अहमदनगर प ३२६  
 ,, हू. १८४  
 ,, ता. २७२  
 अहमदपुरो हू २४१  
 अहमदाबाद प ३७, ६७, २०८, २६२  
 ,, हू. २०२, २०३, २०७, २०८,  
 २५३, २६०, २६१  
 ,, ती. ५३, ५६  
 अहवा हू १२  
 अहाड प. ३३  
 अहिचावो प १७६  
 अहिचावो-खुरद प. १८०  
 अहिलांगी हू १५३  
 अहुर प. २४०

### आ

आतरगढो हू १२, १४२  
 आतरवो प ११०  
 आंतरी प. ४२  
 ,, ती. २३६, २४०, २४१, २४२,  
 २४३, २४५, २४६, २४७,  
 २४८  
 आनापुर प १७६  
 आनावास हू. १६७  
 आनो प २८५  
 आषथळो प. १७४  
 आवरी प. ३२  
 आवलो हू. १७६  
 आंबार हू १८५  
 आवाष प ४६, १५६  
 आवेर दे० आमिर ।  
 आवेरी प. ४४  
 आवेलो प. १७७

आंबो हू. ८४  
 आंमरण हू. २४०  
 आउओ प. १७८  
 ,, हू. ८६  
 ,, ती. २१५  
 आउर नयर प. ५  
 आउवो दे० आउओ ।  
 आऊठ कोड-वभणवाड हू. २३६  
 आऊठ कोड सामई हू. २३८  
 आऊठ लाख सामई हू २३७  
 आकडसावो प. २८२, २८३  
 आकटावास हू. १८०  
 आकळ हू ४  
 आकुवाई हू. ४  
 आकेली प. १७६  
 आकेवळो हू. १११  
 आकोलो प. ४७, ५६  
 आखुना प १७६  
 आगरियो प २८५  
 आगरो प. १८, ११२, ३३७  
 ,, हू १४७  
 ,, ती २८, १६२  
 आघाट दे० आहाड ।  
 आघाटपुर दे० आहाड ।  
 आचीणो हू १७२  
 आजोर हू २५४  
 आभारी प १७६  
 आभारी-वांभणा री प. १७४  
 आठकोट प. २७१  
 आठांगो प ६६  
 आणंदपुर प. ७  
 आधीसर प. ३४६  
 आपुरी प. १७७  
 आडू प १३४, १३५, १४१, १४४, १५१,  
 १७३, १७७, १८०, १८१, १८२,  
 १८३, १८४, १८७, २५८, २७३,  
 २७४, ३३६

,, हू. ३४, ३८, ६८  
 ,, ती १७४, १७५  
 ग्रामंद ती. २४०, २४५  
 ग्रामेर प. २८७, २९०, २९३, २९४,  
 २९५, २९६, २९७, २९८, २९९,  
 ३२९, ३३०, ३३१, ३५६  
 ,, ती २७२  
 ग्रारखी प १७६  
 ग्रारम हू. ६  
 ग्रालमपुर-रो-मैडो प. १२८  
 ग्रालवाडो प १७५, २४८  
 ग्रालासण प २४८  
 ग्रालियो प १७७  
 ग्रालोपो प १६२  
 ग्रारठ कोड दे० आऊठ-कोड-सांमई ।  
 ग्रारड-सावड प. ३६  
 ग्रारळ प १५८  
 ग्रामणीकोट हू ४, ८, ९, १०, ३८,  
 ११२, ११३  
 ग्रारसणीकोनीट हू ४  
 ग्रारसपुर प ३८  
 ग्रारसरानडो हू १९०  
 ग्रारसलकोट प २०२  
 ग्रारसलवासी ती ५३  
 ग्रारसलोई हू ४  
 ग्रारसादस प १८०  
 ग्रारसा-रो-नाडो दे० ग्रारसरानडो ।  
 ग्रारसावाडो प १८०  
 ग्रारसेरगढ ती १७३  
 ग्रारसो हू. ४  
 ग्रारसोप प २४०,  
 हू. १५५, १५६, १५७, १७०  
 ग्रारहप हू. ४  
 ग्रारहाड प ९, ३२, ३३, ४३, ८०, ८१  
 ,, ती. १७३  
 ग्रारहाळो हू ४  
 ग्रारहुर प. २४०

आहोर प. ५, ७, ३९, ४२, २४०  
 आहोरगढ ती २१८

इ

इछापूर हू. १७२  
 इद्रवडो हू १७८  
 इद्राणो प २३६  
 इकुदरडा प १७८  
 इटावो (मेडता रो) हू १८९  
 इणगार प. ३३१  
 इसलामपुर-कोसीयळ प ५२  
 इसलामपुर-मोही प. ५२

ई

ईदावाटी हू. ३०८  
 ईकड हू ४  
 ईडर प १, ३७, ३८, ३९, ४३, ४७,  
 ५१, ८६, १४५, १४६, १५६, २४८,  
 २८४  
 ईडर हू ५०, ८९, ९२, १७०, १७२,  
 २५६, २७६  
 ईडरगढ प ३७  
 ईडवो हू. १७९  
 ,, ती. ११५  
 ईसवाळ प ४१

उ

उटाळो प २७  
 उडवाडियो प १७५  
 उडवाडो प २४७  
 उगरावण प ९५, ९६  
 उगरास ती. ११०  
 उजेण दे० उजेण ।  
 उजेण प. ३७, ९७, २०९, २११, ३४३,  
 ३६०  
 ,, हू ९०, १५९, १६०, १६१,  
 १६३, १६७, १८०, १८३, १९१

उज्जैन दे० उजेण ।

उड प. १७४, १७६

उडछो प. १२७, १२८, १२९

उतोसा प. १७७

उत्तर-गुजरात दू. २६६

,, ती. २६

उत्तर प्रदेश प २१०

उदयपुर दे० उदैपुर ।

उदरा प १७३

उदळियावास दू ३६

उदीवस दू. १७०, १७१

उदैपुर प १, ५, ८, ११, १४, २१,

२४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५,

३६, ३७, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३,

४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६,

५७, ६१, ६३, ६४, ६६, ६१, ६४,

६६, १२७, १५४, ३२२

,, दू ६५

,, ती. १७३

उदैही प. २८७, ३०२, ३०६, ३११.

३२०

उनावो प. ४, १५

उनो दू ८

उपसणो प १७७

उमर प. ३३६

उमरकोट दे० ऊमरकोट ।

उमरणी प १७८, २७२

उमरलाई दू १८८

उरमाळकोट दू २६२

## ऊ

ऊच-देरावर दू १८

ऊटाला दे० उटालो ।

ऊंटाळाव प. ५६

ऊटाली प. ६६

ऊटोळाव प. ३७

ऊटाला दे० ऊटालाव ।

ऊडसर ती. २२६

ऊदारो प. २४०

ऊदाघतां-रो देवळी ती. २३७

ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२

ऊमरकोट प ३३६, ३३८, ३५५, ३५८,

३५९, ३६०, ३६१, ३६३,

३६४

,, दू ६, ११, ३१, ३२, ३८,

४०, ७८, ७९, ८२, ८३,

८४, २२१, २६२, २६३

,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०,

१११, २५०

## ऋ

ऋषिकेश (आवू, राजस्थान) प १७८

## ए

एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२, ३४,

३५, ४४

एलछ प. १२७

एवा-रो-परगनो प. ११५

एहनळा प २१०

## ऐ

ऐवही-भाटा-रो प १८०

ऐहमदावाद दे० अहमदाबाद ।

ऐहमदनगर दे० अहमदनगर ।

## ओ

ओईसा प २३३

,, दू. ६६, ६७, १५६, १७०,

१७१, १७४, १८८

ओगरास ती १०८

ओगो-भीम-रो प ३९

ओडवाडियो-चारणां-रो प १८०

ओडवाडो दू ६१

ओडीट दू. ३२५

ओडीसो प. ८

श्रीङ्ग प १७७  
 श्रीडो हू. ६  
 श्रीयसां दे० श्रीईसा ।  
 श्रीरीसो प १७८  
 श्रीरू प ४१  
 श्रीळघो हू १४६, १४६  
 श्रीळो हू ६, ६७  
 श्रीसिया प ३३७, ३३६  
 श्रीह्लाणी-इद्रवडो हू. १७८

### क

कयकोट दे० कांयडकोट ।  
 कांयडकोट दे० कांयडकोट ।  
 कांघार प १८७, ३११  
 ,, हू २, १०२  
 कवळपुर ती. २१६  
 ककु ती २३३  
 कच्छ प. ३६१, ३६४, ३६५  
 ,, हू. ३७, २०२, २०६, २१२,  
 २१४, २१७, २३०, २३७, २४२,  
 २४३, २५२, २६६  
 ,, ती १७४  
 कछ दे० कच्छ ।  
 कछुवो प १२७  
 कटक प १८७, २२७  
 कटखडो प ११०  
 कटहड प ३०६  
 कठाड प ४७  
 कणवण-देवडांवाळो हू. ३  
 कणवार हू. १८७  
 कणवारी ती २३२  
 कणवारो ती २३२  
 कणवीर प. ५३  
 कणावद प २४७  
 कणियागिर (जालोर) प. १८७  
 कतर ती. २२७

कनकगिरि (जालोर) प १८७  
 कनड ती २७६  
 कनवज प ८  
 ,, हू २६६, २६७, २६६, २७४  
 ,, ती. १७३, १६३, २०३  
 कनवजगढ दे० कनवज ।  
 कनोडियो प ३५७  
 कन्नौज दे० कनवज ।  
 कपडवज दे० कपडविणज ।  
 कपडविणज ती. १७४  
 कपासण प ३७, ५३  
 कपासियो प १७५  
 कपिलकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)  
 ,, हू २१६  
 कपूरियो हू १५१  
 कमळपुर ती २१६  
 कमळां-पावा ती १२३  
 कमळो हू १२  
 कमा-रो-घाडो हू १८७  
 कमोल प. ४२  
 करडो-सत्तां-रो हू. ३३  
 करणाट प २२१  
 करणावटी ती. १५४  
 करणीसर ती २२४  
 करणूं हू. १३८  
 करनवास प. २८५  
 करनेचगढ ती. १७४  
 करमसीसर प २३६  
 ,, हू, १६४  
 करमावस प. २८, १६६  
 करलो (?) प १०६  
 करहर प १२८  
 करहुटी प १७५  
 करहेडो प. ३७  
 करहेडोगढ ती २१८  
 कराडी हू १६७



करेभडो ती. २२७  
 करोली हू. १, १६  
 कर्णाटक प २२१  
 कलडवा प ३२  
 कळसकी हू १११  
 कळहटगढ ती १७४  
 कलाधी प. १७६  
 कला-री-कोटडी हू. १२७  
 कलासर ती २३०  
 कळभो प. ४२  
 कल्याणसर ती २२७, २३४  
 कवरला प १७८  
 कवळो हू १५६  
 कवीथो प ३२  
 कसमीर प. ८ दे० कासमीर ।  
 कसूवी ती. १५७  
 कागडो प ३१६  
 कागणी प. ३५६  
 कांगळ हू १७६  
 कांभरी हू. १८८  
 काणाऊ हू. ४  
 कांणाणो ती. २२६  
 काणावद हू ४  
 काथडकोट हू २१४  
 कांनासर हू. ६, १२  
 कांप हू १  
 कापलो प. २४८  
 कात्रो ती. २१७  
 कांभडो हू १६२, १६६  
 कामसकराही प ४७  
 कामा-पहाडी-रो-सूवो प. ३१८  
 फाकरवो प ४२  
 फाका हू. ३२  
 फाचाखेडो हू. २२१  
 फाछ दे० कच्छ ।  
 फाछ-कालवर हू. २४३

काछो हू २, ४, ७६, १८६, १६८,  
 १६६  
 काछोली प १७४  
 काठसी हू १६६  
 काठासी हू १६३  
 काठियावाड़ हू. २०२, २६६  
 काठीवाड हू. २६०, २६१  
 काठो हू ३०७  
 काणाणा ती. २२६  
 काबल दे० काबुल ।  
 काबिल दे० काबुल ।  
 काबुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०  
 ,, हू. १५८, १६४, १६८  
 काभडो हू १७४, १६२, १६६  
 कायलाणो ती १४८, १४६  
 कारोली-भाटा-री प १८०  
 कालजर प १३२  
 काळद्री प १३६, १४३, १४७, १५८,  
 १६७, २४६  
 काळधरो दे० काळद्री ।  
 कालवर हू २४३  
 काळधरो दे० काळद्री ।  
 काळवास ती. २२८  
 कालाणो हू १२५  
 काळाऊ हू ३०६  
 काळिया-ठडो हू १७६  
 काळो-डुंगर हू. ४, १३, २७  
 काशी प २१६  
 ,, ती २६६  
 काश्मीर दे० कासमीर ।  
 कासधरा प १८०  
 कासमीर हू १५६ दे० कसमीर ।  
 कासो दे० काशी ।  
 काहूनी हू ३१४  
 ,, ती. ५  
 किडाणो हू. १३६

किणसरियो प १२३  
 किणसरियो ती १७३  
 किरडो हू. ६८, ११४, १२७, १५२  
 किरतावटी ती १५४  
 किरवाड़ ती २६८  
 किराडू प ३३७  
 किलाकोट दे० केलाकोट ।  
 किवाजणो प. २०  
 किसनगढ हू १७०, १७१, १७२  
 ,, ती. २१७  
 कीभरी हू १७४  
 कीठणोद (कीटणोद) हू, १८२, १८३  
 कीसेर प ४२  
 कुकण प ८  
 कुच प १२८  
 कुंड हू २३८  
 कुंडणो प २११  
 कुडळ प १६६, २००  
 ,, हू १०६, १२१, १२६, १५४,  
 १६४  
 ,, ती ७८, २८१, २८३, २८४,  
 २८५  
 कुवीरोह प. ३४६  
 कुभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६,  
 ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६,  
 १३८, २०७, २१०, २८४  
 ,, हू १६६, १६४  
 ,, ती. ४७  
 कुभाणो ती. २२८  
 कुभाद्यत प. २४८  
 कुभार-रो-कोट हू ५  
 कुघ्याऊ हू ४  
 कुडकी प ३०३  
 ,, हू १४७  
 कुडळ गुळाई हू २३८  
 कुरडो प २५

कुराज प ४७  
 कुळयाणो प १६३  
 कुळदहो प १७६  
 कुळचर हू ८  
 कुसमळो हू. १०४  
 कुहड हू १५१  
 कुहाडियो प. ४२  
 कुंछडी हू. ३६, ४३  
 कुजावाडो प. १७६  
 कुडळ दे० कुडळ ।  
 कुडांणो हू. १८३  
 कुडाळ प ४५  
 कुडोरो हू २६३  
 कुंपडावास हू १५०  
 कुपावास हू. १८२, १८३, १८४  
 कुपासर हू. ७६, १३६  
 कुंमळमेर दे० कुभळमेर ।  
 कुंवोरो प. ३४६  
 कुचमो प. १७६  
 कुडणो प २०६  
 कुडी प. ११६  
 ,, हू १६५  
 कुवसू ती २२६  
 केकडी प. २७६  
 केदार प ८  
 केदार (केदारनाथ) हू २०४  
 केरभड दे० करेभडो ।  
 केरभडो दे० करेभडो ।  
 केरडू ती ११०  
 केराकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)  
 ,, हू. २१६  
 केलणसर ती २२६  
 केलवाडो प ४२  
 केलवो हू. २२०  
 केलाकोट हू. २१६, २२५, २२६, २२८,  
 २२९, २३१, २३३, २६६

केलावो वू १५७, १५८, १५९  
 केवडो प ३५  
 केसूली प. २८५  
 केहरोर वू. १०, १७, ११५, ११७,  
 १२०  
 कैर प १७४  
 कैरलो प. २३५  
 कैरू वू. १४२  
 कैलवो प ९, ४०, ६९  
 ,, वू २२०  
 कैलावो वू ८० दे० केलावो ।  
 कैलाहकोट प २६९  
 कोजडो प १७९  
 कोटडी वू. ४, ७७  
 कोटडो प ३२, १७८, ३३४  
 ,, वू. ५, ६, ८, ११, १३, ९७, ९८,  
 ९९, १२६  
 ,, ती. ३, ४  
 कोटहडो वू ११  
 कोटा दे० कोटो ।  
 कोटो प ४४, १०१, ११०, ११४,  
 ११५, २५३  
 कोठारियो प ३७, ४४, ४७  
 कोडमदेसर ती. १९, १८१  
 कोडियावास वू. ८  
 कोडियासर वू. ९८  
 कोडीवास वू ६  
 कोठणावाटी प २४२  
 कोठणो प. २४२  
 ,, वू. ९९ १००, १०२  
 ,, ती ८७, २५९, २६१  
 कोवमियो प १०५  
 कोरटो प १६२, १७७  
 कोरणो प. २३९  
 कोलर वू. ३३०  
 कोळियासर वू १३६

कोळीसिध प १५१

कोळू वू. ४

,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७

कोसीथळ प ५२

कोसीथुर प. १००

कोहर वू ३२

,, ती. २२१

कोरपूर दे० खेड ।

ख

खडरगढ प. ४७

खडेलो प ३२०, ३२१, ३२२, ३२३,  
 ३२७

,, ती. २१७

खडेलो-रेवासो प ३२०

खडोखळी वू १३६

खघार दे० कघार ।

खभणोर दे० खमणोर

खखर-भखर प. २९, ४९

खजवाणो वू १२२

खजूरी प. ११७

खटखड प. ११३

खटोडो वू. ९६, १९३

खडबळोदो प. १८०

खडाळ दे० खाडाळ ।

खडीण वू ४, ५

खडोरा-रो-गांव वू. ४

खत्रियावाळो वू. ४

खनावडी ती २३६

खमण प. ४१

खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८

खरणो वू ८

खरड वू ३, ११, १२, १६, ११३,  
 ११६, १४०, १४१, १४३

खरड-केल्हणां-री वू. १६, १४२, १४३

खरड-बुधेरो वू ११, १६

खरडी वू. ९०

खरदेवळो-भाट-रो प ६१  
 खवास-रो-गाव हू. ४  
 खांडप हू १८७  
 खांडापत-त्राभणां-री प १८०  
 खांडार हू. ८  
 खाण प १३६  
 खाणां प १८०  
 खाभळ प. १७६  
 खाखरवाडो प. १७४  
 खाटहडो हू ३१  
 खाहू प २५१  
 खाडाळ हू ३, ४, ८, १७, १८, २६,  
 २७, ३१, ३२, १०३, २६१  
 खाडाळो प १६४  
 खाडाहळ दे० खाडाळ ।  
 खाताखेडी प. ११५, २५२  
 खावड हू. १२६  
 खारडी प २४२  
 खारवारो हू १११  
 ,, ती ३७  
 खारवो हू १२५  
 खारियो प. ३६१  
 ,, ती २३६  
 खारोंग हू ८६, ८७  
 खारी प २४८  
 ,, हू ४, ३१, १७४, १८६  
 खारी-खावड प ३३७  
 खारो हू. १०८, १४८  
 खिणियो प, ६०  
 खिराळू प. २३६  
 खोंदासर हू ३६, १२३  
 खोंवलसर हू ४  
 खोंवलो हू ८४  
 खोंवसर प. ३४१, ३४७  
 ,, हू ६२, १४५, १४८, १६०  
 खोंवो हू ५

खीचवद हू ७७  
 खीचीवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५  
 खीनावडी हू ८१  
 खीमत प १७५  
 खीरड हू ४  
 खीरवारो हू ११  
 खीरवो (खीरवो) हू १२, ११६, १४२,  
 १४३  
 खीरोहरी प २४०  
 खुष्टु प ७३, ८८  
 खुट्टहर-रो-मैडो प १२८  
 खुडियाळो हू १७१  
 खुडियो ती १६  
 खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१,  
 ३३३  
 ,, ती. ५५  
 खुराडी-भाटां-री प. १८०  
 खुरासाण दे० खुरसाण ।  
 खुरामान दे० खुरसाण ।  
 खुहियो हू ३१, ३२  
 खूटलो हू १७१  
 खूहडा, हू ४  
 ,, ती २२२, २३१  
 खेजडली प २३३  
 खेजडलो हू. १४५, १४७, १४६  
 खेजडियो प १६२  
 खेड प ३३३, ३३४  
 ,, हू ३८, १३०, २७८, २७९, २८०,  
 २६०, २६१  
 ,, ती १७३  
 खेड-पट्टन दे० खेड ।  
 खेड-पाटण दे० खेड ।  
 खेतपाळिया-रो-गाव हू ६  
 खेतसी-रो गुडो हू १७३  
 खेतासर हू १५६, १७६  
 खेरडी हू २२६ २२७, २३०  
 खेरवरो प ४४

खैरवो हू. १६२, २६४  
 खैरावद प. ११०, ११४  
 खैरापाद ती. २१६  
 खैरीगढ प. २१०  
 खोखराणो हू. १११  
 खोकरियो प ६०  
 खोखरो हू ६५  
 खोगडी प. १७६  
 खोटोतो प १२७  
 खोड प २१०  
 खोडादरो प १८०  
 खोडावळ हू. ६८  
 खोह प ३०७, ३०६, ३२३  
 खोहरो प ३२३

## ग

गंगादास-री-सादडी प ४३, ४६  
 गगारडो ती. ११६, ११८  
 गगावाळी हू. १६०, १६१  
 गजनी हू. १५, ३४, ३५, ६७  
 ,, ती. १८३  
 गर्जसिधपुरो हू १५१  
 गजियो हू ४  
 गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ ।  
 गढ बघव प १३२  
 गढ रिणथभोर प. ३७  
 गढिया हू ८६  
 गढी हू. १६६  
 गणकी-भाटां-री प १८०  
 गणोडो ती १६०  
 गमण प ४१  
 गरभधाम हू. २६१  
 गरवो प. २१  
 गर्लाणयो प. २११  
 गळथळू प १७६  
 गलापडी हू ५  
 गळियोफोट प ८४, ८५  
 गांगरडो प. ३०४

गामाहो हू १००  
 गामुरण दे० गामुरण ।  
 गांगेरो प. ७०  
 गांघडवास हू १७२  
 गाथी प. २८५  
 गामडाणो हू १५१  
 गामरोनगढ ती. २०६  
 गामुरण प ११३, ११५, २५२, २५६  
 गामूरुण प. २५२  
 गादेरी (लवेरा री) प. २३८, २३६,  
 २४०  
 गाहिडवाळो हू. २, ३३  
 गिरनार प. २२  
 ,, हू. १, २०२, २०४, २०५,  
 २०६, २२०, २४०  
 गिरराजसर हू १३६  
 गिरवर प. १५८, १७४  
 गिरवार प ३२  
 गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२  
 गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर  
 गोंगोळ प. १७६  
 गोघाळो हू १७६  
 गुडवाण प. ११३, ११५  
 गुजरात प १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२  
 ८६, १०६, १३२, १३६,  
 १४२, १७२, १८५, २१३,  
 २१५, २२७, २३६, २४४,  
 २६२, २७६, २७८, ३००,  
 ३०२, ३३१  
 ,, हू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३,  
 १७६, १८२, १६८, २०२,  
 २०४, २०५, २२०, २४०,  
 २५७, २५८, २६६, २७६,  
 २८७, २६८, ३०७  
 ,, ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५,  
 ५७, १३६, १७४, १८४,  
 २८०, २८१  
 गुजरात (पजाच) प ३००

गुज्जर दू. ३८  
 गुडो ती. २२२  
 गुडो प. ४२, २०६  
 ,, दू. ६४, १४७, २८५, ३००  
 गुंनोर प. १२७  
 गुलाई दू. २३८  
 गुलियो दू. ८  
 गुहीली प. १७६  
 गूगोर प. ११५, २५२  
 गूड प. १२८, १३१  
 गूडसवाडो प. १७५, १७६  
 गूडो दे० गूड ।  
 गूदवन्न दे० गूदोच ।  
 गूदाउरो प. १७८  
 गूदाळी प. ४२  
 गूदोच प. २११  
 ,, दू. १६३, २६३  
 गुजर प. २७८  
 गुजरखंड प. १८७  
 गुजरघरा प. २६०, २६१  
 गुडो प. १६६, २५३, ३४४  
 ,, दू. १४७, १६०, १८६, २८०, २८५  
 २६६, ३००  
 ,, ती. १८  
 गैडाप ती. २२६  
 गैमलियावाम दू. २६४  
 गैमत्यावास ती. २३५  
 गैहलोतावाळी दू. १३५  
 गोओद प. १२८  
 गोखभ प. १६०  
 गोकर्ण दे० सांस्कृतिक नामावली में ।  
 गोगलीसर दू. १३५  
 गोघेळाव दू. १६३  
 गोठियो प. ६१  
 गोठोळाव प. ६४  
 गोडवाड दे० गोडवाड ।  
 गोडो-भीम-रो प. ३६

गोढलो प. २८५  
 गोढवाड प. ५३, ५५, २८५  
 ,, दू. १५३, १६८  
 ,, ती. १७३  
 गोघावस दू. १६३  
 गोपडी (सिवांणा ती) प. २३८  
 गोपलदे प. ११५  
 गोपीसरियो दू. १६०  
 गोयंद दू. ४  
 गोयंदपुर प. १७६  
 गोयद-रो-वाडो, प. २३३  
 गोरहर दू. १२६  
 गोरहरो दू. ६, ७७  
 गोरीसर ती. २३१  
 गोरोटी दू. १६  
 गोलाहसनी (गोलावासणी) दू. १६८  
 गोवल प. ३६०, ३६१  
 गोवील प. १८०  
 गोहिल टोळो प. ३३५  
 गोही दू. ४  
 गोहुवाळ ती. १३५  
 गोडदेश ती. २६६  
 ग्यासपुर प. ६०, ६१  
 ग्रावधी दू. ७६, ७७, १३६  
 ग्वालियर प. १२८, १३१, २८६, २६०,  
 २६३, ३०३  
 ,, दू. २५६  
 ,, ती. १८३  
 ग्वालेर दे० ग्वालियर ।

घ

घटियाळी दू. ४, १२, १४२  
 घणोल दू. ७६, ६७  
 घांघांणी ती. ६०  
 घांणत प. १७४  
 घांणेर प. ३६

घांणेराव दे० घांणेरो ।

घांणेरो प. ४१

घांणा प १७८

घांणेरा ती ४२

घांमट दू ५

घांसेर प. ४१, ४७

घांघेडो प १२८

घाटी प ११४

घाटो प. ४०

घाटोली प. ११४

घीघालियो दू १८०

घूघरोट (घूघरोट) प. १६४, १६५,

१६६

„ दू. २६०, २६१,

२६४

घोघूद प. ४२

घोघूदो प २६, ३०, ३५, ३७, ४२,

४६, ४८

घोडाहड दू. १४८

घोडाहडो दू ४

घोसमन प. ५३

## च

चग दू. ६६

चंगावडो दू १७२

चंडालियो दू. १७०, १७२, १७३

चडावळ प. २६

„ दू. १४६

चडाघो ती २३४

चंदावसो प. ३६

चदेरियां-रो-गांव दू. ८

चदेरी प. २०

„ ती. २१८

चद्राघती प १३५

चवरागढ प. १२७, १२८, १३१

चनार प. १७४

चरहाडो प. १७७

चवदे-चाळ प २८७

„ ती १७०, १७१

चवदे-चाळ-ढूढाहड प २८७

चववे-चेढी प. ३६४

चवरासी दे० चौरासी ।

चवरो प. २३४

चवाडी प २३३

चादण प. २४७

चादरत्न दू. ११६

चांधण दू ३६, ४३

चाघणो दू. ७४

चांपानेर ती २५, ५५, १८३

चांगासर दू ४, १४६, १६३, १७५

चांपोल प १७५

चावडियाख दू. १६६

चामू दू. ६७, ६२, १२५, १६०, १६७,

१७५

चाखू प. ३५०

चाखू दू १२३

चाचरडी प. १७४

चाचरणो प २५२, २५६, २५७

चाटलो प. ३५४

चाटसू प. २८७, २६२

चाडी दू १२२, १३८, १४२

चारण-खेडी प. ६१

चारणवाळो दू. ३६

चारणां-बांभणां-रो-सांसण प्रवेश प १७३

चावड प. ३५, ३७, ४३, ५७

चावडेरो प. २८५

चावळो दू १८१

चाहड दू ४

चाहिल ती १७

चित्तोड दे० चीतोड ।

चित्तोडगढ दे० चीतोड ।

चित्रकोट प ८

चित्रांगलस दू २५

चिनडी हू १७२  
 चिहू हू १३६  
 चीखलवो प. ३२  
 चीताखेडो प ६५, ६६  
 चीतोड़ प ३, ५, ६, ८, ९,  
 १२, १३, १४, १५,  
 १६, १७, १८, २०,  
 २१, २४, २६, ३०,  
 ३२, ३७, ३९, ४४,  
 ४८, ४९, ५०, ५१,  
 ५२, ५३, ५४, ५६,  
 ६२, ६६, ६७, ७०,  
 ७६, ८०, ८१, ८१,  
 ८२, ८८, १०२, १०३,  
 १०४, १०५, १०६, १०७,  
 १०८, ११०, १११, १२०,  
 १२५, १५६, १८६, २०५,  
 २४३, २७६, २८०, २८१,  
 २८२  
 ,, हू १४५, १५३, १५८, १८१,  
 २६२, ३३१, ३३३, ३३४,  
 ३३५, ३३७, ३३८, ३३९  
 ,, ती. ५, २८, ५५, १३६,  
 १४६, १७३, १८३, २४१,  
 २८१  
 चीतोड़गढ प. १८६  
 चीत्रोड दे० चीतोड़ ।  
 चीत्रोड़गढ दे० चीतोड़ ।  
 चीनडी प २४०  
 चीन्हो हू ३१  
 चीवागाव प १७७  
 चीमणवो ती २३३  
 चीरवो प. ४४  
 चीवली प. १७७  
 चीहरडा प. १७८  
 चीहली प. ४७

चुडियाळो प १७६  
 चूडासर प ३४७  
 ,, ती १८१  
 चूडो-रांगपुर हू २५६, २६०  
 चूर्नाणी प. १७४  
 चूनी हू १२  
 चूहडसर हू. १११, १२५  
 चेढी दे० चवदे-चेढी ।  
 चेलावस प १७६  
 चैराई हू ६५, १६८, १७०  
 चोकीगढ प १२७  
 चोखावसणी हू १४८  
 चोचरो हू ६  
 चोटीलो हू. १३८  
 चोपडा हू १५३  
 ,, ती. ८४  
 चोपडो हू १४८, १६७, १७८, १८१  
 चोरवाड़ हू. २०२  
 चोळी-महेसर प. ७६  
 चोलेर प ४७  
 चोहटण प ३६४, ३६५  
 ,, हू. ५, १२६  
 चोहटण दे० चोहटण ।  
 चोहडां हू १६४  
 चौकड़ी हू १४८  
 चौरासी प २५०  
 चौरासी भाद्राजण री ती २५६, २६२  
 चौरासी-मिलक-री प ८०, ८१, ८२  
 चौरासी रतनपुर-री प. ४४  
 च्यार-छपन प. ३६  
 छ  
 छडांणी हू १८२  
 छतीस-पवन प. १२४  
 छपन प ४३  
 छपन-चावड (छपन-चावड) प. ४३  
 छपन-रा-गाव प. ३६  
 छमीछो ती. ५६



छहोटण दे० चोहटण ।

छादयो दू. २२१

छाकरलो प. ४७

छाछोळाई दू. १८७

छापर दू. ३२४, ३२५

,, ती १५३, १५४, १५६, १५६,  
१६१, १६२, १६३, १६५,  
१६६, १६७, १७१

छापरोली प. ३२

छापूर दे० छापर ।

छारू दू. १२

छाळी-पूतळी प. ३८, ३९, ४३, ४७

छाळी-पूतळी-राणां-री प. ३८, ३९

छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३

छाहोटण दे० चोहटण ।

छिपियो ती. २३६

छीलो दू. १६३

छेलपुर प. २५३

छोडो दू. ४

छोहलो प. ३४६

## ज

जगळघर ती. २०७

जगडवास प. ३२८

जगतहर-रो-परगनो प. १२७

जगदेवाळो दू. १११

जगनेर प. ४३, ४७, ११०

जगियो दू. ४, ५

जभू दे० भभू ।

जडियो प. १७६

जतहर दे० जगतहर-रो-परगनो

जथलो प. ६५

जमखद ती. २१४

जयपुर दे० जंपुर ।

जरगो प. ४२, ४३, ११६

जळखेड-पाटण ती. २१८

जयनपुर प. १८

जघाच दे० जवाछ ।

जवाछ प. ३८, ४३, ४७

जसखेड-पाटण दे० जळखेड-पाटण ।

जसरासर प. ३४६

जसवतपुरो प. २०४

जसूवेरी दू. १३६

जसोदर प. १७६

जसोल ती. २२०, २२१

जसोळाव प. १७६

जहाजपुर प. ३८, ४७, २७६, २८०

,, दू. २६३

जहानाबाद दू. १०५

जागळू प. ३४४, ३४५, ३४६, ३४७,  
३५२, ३५३

,, दू. ३००, ३०१

,, ती. २८

जांभोरो दू. ६

जांणां ती. २२३

जांणावाडो प. १७८

जांनडू दू. ६

जांनरो दू. ६

जांनो प. ४३

जांभ-रो गुडो प. ३५०

जांभ घाघोडे-रो-गुडो प. ३५०

जांमेळाव दू. १२३

जाकरी ती. २३३

जाखबर प. १८०

जाखोरो ती. ४१

जाजपुर प. २७६, २८०

,, दू. २६३

जाजीवाळ दू. १८५

जाटीवास दू. १७३

जाडो दू. २५०

जाववस्थळ दू. ३

जामनगर ती. २६

जामोतर प. १७७

जायल प. १८०, २५०, २५१, २५२,  
२५३

जाधलवाडो ती १७४  
 जारोडो प ३८  
 जालन प ८  
 जालना दू. १६३  
 जाळसू ती ११६  
 जाळिपो दू. ५  
 जाळीवाडी प ३५७  
 जाळेली दू. ६, १६३  
 जाळोर प १४, १७, २५, ३७,  
 ६०, ६१, १३५, १३६,  
 १४६, १४७, १६१, १६२,  
 १७२, १७३, १७८, १८१,  
 १८७, १६४, १६५, १६६,  
 १६८, १६९, २०३, २०४,  
 २१२, २१३, २१६, २१७,  
 २१८, २२०, २२२, २२४,  
 २२६, २३०, २३१, २३४,  
 २३५, २३६, २३८, २४०,  
 २४१, २४५, ३३६, ३६१  
 ,, द ३६, ४२, ६१, ६७,  
 १४६, १४८, १५०, २६०  
 ,, ती. २८, १२४, १८४, २१४,  
 २८०, २६१, २६२, २६३,  
 २६४  
 जाल्हफडी प १७६  
 जाल्हणो दू १६३  
 जाधद प ४७  
 जाधद-नदराय प ४७  
 जाधर प. ३५, ४३  
 जावाळ प १७६, १७७  
 जासासर ती २३२  
 जाहट्टेटो प १७६  
 जीजियाकी दू ४  
 जोरण प. ५३  
 जोरावळ प. १७५  
 जोरोतरो प. ४७

जीलगरी प ६०  
 जीलवाडो प ३६, ४०, ४१, ११६  
 जीळी ती २३३  
 जीहरण प. २७, २६, ४८, ५३,  
 ६२, ६३, ६४, ६५  
 जुट दू ६६  
 जुडली दू १५०  
 जुडियो-सेवडो दू. १३६  
 जुणलो ती २३६  
 जुवावरो प १८०  
 जूभणू ती १६२, १६३, २७३  
 जूभो दू १६६  
 जूडो प ४६  
 जूढ दू १५६, १६६  
 जूनागढ दू १६  
 ,, ती १७४  
 जूनो प ३३७  
 जेवांध दू ३६  
 जेराहत दू ४  
 जेसळगिर दे जेसळमेर ।  
 जेसळमेर प. २२, १४७, २०६, २०७,  
 २३२, २३४, २३५, २४६,  
 ३५२, ३५५  
 ,, दू. १, २, ३, ४,  
 ५, ६, ८, ९,  
 १०, ११, १२, १३,  
 १४, १५, १६, २७,  
 २६, ३१, ३२, ३४,  
 ३५, ३६, ३८, ३९,  
 ४२, ४३, ४४, ४५,  
 ४६, ४७, ५०, ५३,  
 ५५, ५७, ५६, ६२,  
 ६३, ६४, ६५, ६७,  
 ७२, ७३, ७४, ७५,  
 ७६, ७७, ७८, ७९,  
 ८०, ८१, ८२, ८३,  
 ८४, ८५, ८७, ८९,

६१, ६३, ६४, ६५,  
 ६७, ६८, ६९, १००,  
 १०२, १०३, १०४, १०५,  
 १०६, १०७, १०८, १०९,  
 ११०, १११, ११२, ११४,  
 ११८, १२६, १३२, १४७,  
 १५२, १६२, १६६, १६७,  
 १६८, २६१, २६०, २६०,  
 ३००

,, ती. २६, ३३, ३४, १८३,  
 १८४, २०६, २१५, २१७,  
 २२०, २२१

जेसळा (जेसला) द्व. १६०

जेसाण, जेसाणी दे. जेसळमेर ।

जेसावस द्व १७३, १८७

जेसुरांणो द्व. ४, ८, १३, १४४

जैतकोट प २०२

जैतपुर ती १७, १८, २३०

जैतपुरो ती १७

जैतवाडो प. १५८, १७५

जैतारण प. ६२, ८६, ८८, ३६४

,, द्व १४८

,, ती. ३६, १४१, १४५, २३५,  
 २३६

जैतीवास द्व. १५०

जैपुर प. १७, ३११

जैवांघ दे जेवाघ ।

जैराइत द्व ४, १००

जोगणपुर द्व ६५

जोगाड द्व. ६१

जोजाघर प. ३७, ५२, २०२

जोतपुर प १७५

जोधपुर प. २५, २६, २७, २८,  
 ३७, ८६, १०१, ११४,  
 १३०, १३६, १४२, १४४,  
 १४७, १५३, १५८, १६०,

१६१, १६३, १६४ १६५,  
 १६६, १७०, २०७, २०८,  
 २०९, २३३, २३७, २४०,  
 ३०६, ३०९, ३१०, ३११,  
 ३१४, ३१६, ३१७, ३१८,  
 ३२०, ३२२, ३२३, ३२४,  
 ३२८, ३४२, ३४६, ३५६

,, द्व. ३३, ३८, ३९, ५३,  
 ६६, ७७, ७९, ८०,  
 ८१, ८४, ८६, ९०,  
 ९१, ९४, ९७, १००,

१०५, १०६, ११० ११६,  
 १२२, १२३, १२५, १२८,  
 १३८, १४५, १४६, १४७,  
 १५१, १५६, १६१, १६४,  
 १६५, १७३, १७५, १७६,  
 १७९, १८०, १८२, १८६,  
 १९०, १९४, १९६, २६३,  
 २६४, २७७

,, ती. १२, २८, ३४, ८०,  
 ८१, ८३, ८४, ८६,  
 ९८, ९२, १००, १०१,  
 १०२, १०४, ११५, ११८,  
 १२१, १२२, १८०, १८१,  
 २१३, २१४, २१५, २१६,  
 २१७, २३५, २३७

जोधडावास द्व १७३

जोवनेर प. ३३०, ३३१

जोळपो प. ११६

ज्याकरी ती २३३

झ

झम्भू द्व ३९, १७७, १७८

झडवी द्व ३२

झरहर प ३०७

झरो द्व. ४

झांखर-झाडी-रो प. १७६

भाभण हू २  
 भांभमो प. ३३७  
 भावटो प १७६  
 भासनाळो प. ४१  
 भाडपड हू ३८  
 भाडहर हू १२, १४२  
 भाटोल प ३६, ४२  
 " हू २६३  
 भाटोनी प ४६, १७३, १७७  
 भात प. १७६  
 भालावाळी-सादडी प ५  
 भालावाळो देलवाटो प. ४४  
 भालावाड हू २५८, २६२  
 भालावाड-छोटी हू २६२  
 भानल ती २२  
 भाँयटो प २२३  
 भुक्काटो हू २६०  
 भूपटासेडो प ४७  
 भूशडियो हू १८१  
 भूरो हू ३६  
 भेरटियो प २२८  
 भोरा-मगरा-पट्टी प १७६  
 भोरो प १७३, १७६  
 ट  
 टगरावती प ४२, ४६  
 टमटमो प १७६, १७६  
 टाकरो प १७५  
 टावरियावाळो हू. १३५  
 टोकली प ३२  
 टोवटो हू १७३  
 टोवी हू ६  
 टोवरियाळो हू. ४  
 टूक प ४७  
 टेडयो दे. टेहिया ।  
 टेहियो हू ४, ६, १०३  
 टोकला प. १५८  
 टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरटो वू ८४

ड

डमाणी प १७५  
 डांगरा प. २४०  
 डागरी हू ६  
 डावर हू ४, १५५, १६०, २६१  
 डाक प १७५  
 डावर प ४७  
 डामडी हू. १५६  
 डामलो हू. २, ४, १०  
 डाहळ प. ५  
 डीघाडी प. १७७  
 डीडलोद्र प १७७  
 डीडवाणो प. ३२४  
 " हू. ६, ३०८, ३२८  
 " ती. ६५  
 डीडवाना दे. डीडवाणो ।  
 डीवजाळ हू. १११  
 डूगरपुर प. १४, २६, ३५, ३७,  
 ३८, ३९, ४३, ४६,  
 ५३, ७०, ७१, ७४,  
 ७७, ८०, ८१, ८२,  
 ८४, ८५, ८६, ८७,  
 ८८, ११६, १२१  
 " हू. १६३  
 " ती २२६  
 डूंगरी प १७६  
 डूंगरो-वेस प ४३  
 डेडुवा प. १७६  
 डेह हू १५७  
 डोगरी हू. ६७  
 डोडवाडो प २५३  
 डोडियाळ प १४७, १६०  
 " ती. १२४, १२५

## ढ

ढाकसरी	प.	३४७
ढाको	ती	१४
ढाहो	प	२८, ३२३
ढिलडी	प.	१८
ढिली	दे	दिल्ली ।
ढींकली	डू	९६
ढींगसरी	ती	२२५
ढीजाई	डू	१६१, १६७, १७१
ढूढाडू	प.	१८७, २९३, २९५, ३४२
"	डू	३१५, ३३५, ३३६
ढूहार	दे	ढूढाडू ।
ढूढाहड	प	२८७
ढोल	प	४२
ढोलाणो	प	२८५
ढोहो	प	३२३

## त

तई-अईतरो	डू	४
तडूगी	प	१७४
तणणो	डू.	११६
तणूकोट	डू	३
तणूसर	डू.	४
तणोट	डू	४, १०
तणोटकोट	डू.	१७
तलवाडो	ती.	३
तलावस	प.	११७
ताणाणो	डू	१४२, १४३
ताणो	प	३७
"	डू	१५३, १८१
ताणो-सोळकी-मला वाळो	प	३४२
तातूवास	प	२३३
तानूवास	प.	२३८
तावडियो	डू.	१६६, १८२, १९४
ताढतोली-चाभणां-री	प.	१८०
तालियाणो	प	२४०

ताळो	प.	३१८
तिघरी	डू.	१८९
तिथमी	प	१८०
तिमरणी	प	१९७, २३३, २३६
"	डू	१४८
तिमरली	दे	तिमरणी ।
तिलगाण	प.	८
तिलवाडा	दे.	तलवाडो ।
तिलवाडा-फेघर	डू.	२८४, २८५
तिलवाडो (मालाणी)	डू.	१३०, २८४, २८५
"	"	ती. ३
तिलायला	प.	३४०
तिलाणोस	डू	१५६
तिसींगडी	डू.	४१
तिहाणदेसर	ती.	२२७
तीतरडी	प.	३२
तीतरी	प.	१७६
तीस-रा धागडियां-देवडां-रो-उतन	प	१७३, १७८
तुड	प	२४७
तुघरा	डू	१४८
तेजसी-रो-गाव	डू	४
तेलपुरो	प.	१७३
तेलियाणो	प.	२४०
तोडडी	प.	२८०, २८१
तोडो	प.	४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१
"	डू.	१५५
तोडो-नागरचाळ-रो	प	२८०, २८१, २८३
तोडो-भीव-रो	प	३०१
तोसीणो	प	३४३
त्रबक	प.	१, १२२

त्रिकुट ह. २४२  
त्रिकोणगढ (लका) ह. ३६  
त्रिगठी ह. १६६  
त्र्यम्बरु दे. त्रंवरक ।

थ

थटो प. ६०, २६२  
" ह. ३२, ८०, ८२  
" ती. २८०, २८१  
थट्टा दे. थटो ।  
थवुकडो ह. १६०  
थळ ह. २, ३१, २८५  
" ती. ६५, ६६, १०३  
थळघट ह. ३२०  
थळी प. १७५  
" ह. ३२३  
थळडो प. १६४  
थहीयापत ह. ४  
थान गांव ह. २८४, २८५  
थालनेर प. १२२  
थावर प. १७८  
थाहर-वासणी ह. १८७  
थाहरी ह. १६८  
थिराद प. १७२  
थूर प. ३२  
थुळायो ह. ५  
थोभ ह. ६०  
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दत्तारखो प. १७८  
दत्तीवाडो प. ३६२  
दक्षिण (प्रदेश) प. १८५  
दत्ताणी प. २३, १५०, १६६, १७५  
ददरेरी ती. ७२, २७३  
ददरेवो दे. ददरेरी ।  
दभोड प. १२८

दमोई प. १२७  
दमोदर ह. ४  
दलोल प. ३८  
दलोल-कलोल प. ३८, ३९, ४३, ४७  
दसाडो ह. २६१  
दसोर प. ३७, ३८, ६४  
दहवारी प. ३२, ४३  
दहियावत प. १८७, २४८  
दहियावतरी दे. दहियावत ।  
दहीपडो प. २३३  
" ह. १८२, १८३  
दहीपुडो दे. दहीपडो ।  
दहीगांव प. २४७  
दहोसतोय ह. ६  
दांतणियो प. २४१  
दांतीवाडो प. १५१, १५२, ३६२  
" ह. १४६  
दांमण प. २१२  
दागजाळ ह. ६  
दखण (देश) प. २३४  
दिलडी प. १८  
दिली दे. दिल्ली ।  
दिल्ली प. १८, ५८, ५९, ७०,  
८२, १८०, १८५, २०४,  
२२४, २६२  
" ह. १५, १६, ५६, ६५,  
६६, ७४, ७५, २८२,  
२८३, २८५, ३०२, ३०८  
" ती. ५३, ५५, १०२, १५१,  
१६२, १७४, १८३, १८५,  
१९२, २३८, २४३  
दिहायलो प. १२८  
दीव बदर ती. ५६  
दुकोल प. २५३  
दुजासर ह. ४  
दुजासी ह. ४  
दुणियासर ती. २३०

हुणोत्र प १७६  
 हुरगगढ ती. १७३  
 हुसारणो ती २३१  
 हूणपुर हू. ६३, ३२५  
 ,, ती. १०१, १५१  
 हूधषड प. ३१  
 ,, हू १४६  
 हूधोड प. ३१  
 हुनाडो प २३३  
 देछू प २११, ३६२  
 देवपुर प १५८  
 देवापुर प १७५  
 देवाहर हू १११  
 देपारो हू १३६  
 देपारो प १२४  
 देराघर प १२२, १२३, २५३  
 ,, हू. १०, १८, २१, २२,  
 २३, २५, २६, ३०,  
 ७६, ६३, ६६, १०८,  
 ११४, ११५, ११६, ११७,  
 ११८  
 ,, ती. ३४, १७४  
 देरासर हू ४  
 देलघाडो प. ३४, ४४, १५८, १७७  
 देलाणो-भाटां-रो प. १८०  
 देलोद्र प १७७  
 देव प. ४३  
 देव-गदाघर प ४३  
 देवको-पाटण दे देव-रो-पाटण ।  
 देवखेत प. १७६  
 देवडी प ३२  
 देवडो प २४७  
 देवत हू. २६१  
 देवतकही हू. २६१  
 देव-पट्टन दे. देव-रो पाटण ।  
 देव-रो-पाटण (देवको-पाटण) प २१३,  
 २१४, ३३५

देवलियां-रो-नेरवाडो प. ४५  
 देवलियो प. १६, २७, २६, ३७,  
 ३८, ४५, ४८, ५०,  
 ८६, ८८, ६०, ६२,  
 ६३, ६४, ६५, ६६,  
 ६७, १६४  
 ,, ती २१७  
 देवळी प. ४७  
 ,, ती. २३७  
 देवळी ऊदावतों की ती २३७  
 देवसीवास प. २४८  
 देवहर प ४३  
 देवाइत हू १६, ११३  
 देवीखेडो प. ११५, २०८  
 देवो हू. ४, ६, १०३  
 देसूरी प. ४१, २८४, २८५  
 देसेहरो-देस प. ४२  
 देहेर-भाचाहर हू. १२६  
 दोडोळाई हू. १४७  
 दोसा प. २८७  
 दोलतावाद प. १३१, २३४  
 ,, हू १२२  
 ,, ती. १८३, २४६, २७६, २७७  
 घोसा प २६७  
 द्रम हू. ३१  
 द्रावड प. ८  
 द्रूणपुर दे. द्रोणपुर ।  
 द्रंग प. ३५७  
 ,, हू. १३, ३६  
 द्रोणपुर हू ६३, ३२५  
 ,, ती. १०१, १५१, १५३, १५४,  
 १५६, १६१, १६२, १६४,  
 १६५, १६६, १६७  
 द्रोणागिर दे. द्रोणपुर ।  
 द्वारकाजी प १११, २६३, २६४, २८६,  
 ३३७

द्वारकाजी हू. २२५, २६६, २६७, २६८  
 ,, ती. २६६  
 द्वारामती दे द्वारकाजी ।

## घ

घचूको दे घांचूको ।  
 घणलो हू ८४, ३२६  
 घनवाड़ी प. ६०  
 घनवो प २४८  
 ,, हू ६, ८  
 घनारी प. १७४  
 घनियावाड़ी प. १७५  
 घनेरियो प. ६०  
 घनेरी प. १५८, १७६  
 घमांणी प १२७  
 घनोतर प ६६  
 घरियावद प ३८, ४३, ४५, ६४, ६६  
 घवळको हू. २६०  
 घवळपुर प. ३१  
 घवळहर हू. २१५, २४०, २४६  
 घवळासर हू. १११  
 घवळेरो हू. १७८  
 घवो हू. १५०, १५६  
 घाघणियो हू ७६  
 घाघपुर प १७५, १७६  
 घांचूको हू १, १६, २६०  
 घांचूसर ती २२६  
 घानेरा प. १७८  
 घांमणियो प. २८५  
 घांमणी प. १२७  
 घाचरियो प १७६  
 घाट ती ७५, १७४  
 घाघोळाव हू १६८  
 घार प ४, ३२, ४३, ३३६  
 ,, हू २६, २६, ३०, ३१  
 घारणघाय हू. १४८

घारता प ६१  
 घारनगर ती. १७३  
 घारवा प १७८  
 घांगांणी हू. १७०  
 घाणोद हू २१०, २१२, २१४, २२१  
 घीरावद प ४५  
 घीरावादगढ ती २१६  
 घीवली प १७५  
 घुवावत प १८०  
 घूळकोट प ११३  
 घूळोप प ११६  
 धोष प ३३५  
 धोघुको प. ३३५  
 धोरीनमो प २४८  
 धोलपुर प २०६, २३४  
 धोळहर दे धोळहरो ।  
 धोळहरो प. २५  
 ,, हू. १, २४०, २४४, २४७, २४८  
 ,, ती ८४  
 धोळेरो प २५  
 धोलपुर दे. धोलपुर ।

## न

नदराय प, ४७  
 नदिघो प १७४  
 नगरकोट प. ३००  
 नगरगाव हू १३६  
 नगरथट्टा प. ८, ६०  
 नगर-सामिई हू २३७  
 नगराजसर हू १११, १३६  
 नडियाद ती १७४  
 ननेउ हू. ६१, १२८, १३३, १३४  
 नरवर प. १२८  
 नरवरगढ ती १७४, २१७  
 नरसांणी हू १४८  
 नरांणी प. ३०४, ३०५, ३३०, ३३१,  
 ३५६



नराइणो दे. नराणो ।  
 नरायणो दे. नराणो ।  
 नरावस प. २३८  
 नळघर प. २६३, २६४, ३०३  
 नळघरगढ प. २८६, २६३, २६५, ३०३  
 नघकोट द्व. १४  
 नघदीप द्व. ३८  
 नवलकली प. १८६  
 नवलखी-सिध द्व. २३७  
 नवलाख-डहर प. १३२  
 नवसर प. २१०  
 ,, द्व. ६२  
 नवसरो प. १६०, १६५, २११  
 नवानगर द्व. १५, १६, २०५, २२०,  
 २२१, २२३, २२४, २३६,  
 २४०, २४१, २४४, २४७,  
 २४६, २६०, २६१  
 ,, ती. २६  
 नवोसहर प. २८०  
 नहवर द्व. ३२  
 नांदणो प. ११७  
 ,, द्व. १३  
 नांदियो द्व. १५०, १६६, १६७  
 नादोती प. ३०६  
 नांनाळश्रो प. १७८  
 नांमी प. १६२, १७७  
 नाई प. ३२  
 नाउश्रो-वाघरेडो प. ६६  
 नाकोडो प. ३३३, ३३४  
 नागजो फोट द्व. २२  
 नागडो द्व. १६०  
 नागण प. २४७  
 नागवहो प. १, २, ८, ११, ३५  
 नागरचाळ प. २८०  
 नागाणी प. १७७  
 नागाणो दे. नागोर

नागो-जोगीकोट (वेरावर) द्व. २२  
 नागोर प. २४, १२५, २३४, २५०,  
 २५३, २६७, ३२४, ३४२,  
 ३४७, ३४८, ३४९, ३५८  
 ,, द्व. ५४, ६५, ६७, ११०,  
 ११५, १३१, १३६, १४६,  
 १५३, १५६, १५८, १७४,  
 ३००, ३०१, ३१०, ३११,  
 ३१२, ३१३, ३१५, ३१६,  
 ३२४, ३२६, ३२८, ३३६,  
 ३३७  
 ,, ती. २६, ८५, ६०, ६५,  
 ६७, १५४, १८२, २१३  
 नागोर-री-पट्टी प. २५०  
 नाचणो द्व. ८, १२, ११६, १४२,  
 १४३  
 नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३५,  
 १८१, १८६, १८७, १९८,  
 २०२, २०६  
 ,, द्व. ३२६, ३३०, ३३१  
 ,, ती. ४८, १३३, १७३  
 नाडूलगढ दे. नाडूल ।  
 नाडूळई ती. १३४  
 नाडोळ दे. नाडूल ।  
 नाडोलगढ ते. नाडूल ।  
 नाथवांणो ती. २२८  
 नाथूसर द्व. ७५, १२३  
 नांदियो दे. नांदियो ।  
 नापावस द्व. १६३  
 नाभासर द्व. १२३  
 नारगगढ ती. १७४  
 नारणसर द्व. १३५  
 नारदणो प. १६२  
 नारवरो प. १७७  
 नारनोळ ती. १५१  
 नारायसो प. २६०

नाळ हू १२८  
 नासिक प १, १२२  
 नाहरळाव प १७८  
 नाहवार हू १३  
 नाहेसर प ४२  
 निरवांणो प ३२०  
 निवाई प ३१४  
 नीवडी हू २११  
 नीवली प १६५  
 ,, हू. १२, १३४, १३५, १३७  
 नीवां ती २२५  
 नीवांवरी ती. २२५  
 नीवाल प. ६०, १५७, १५६  
 ,, ती. २३५  
 नीवाडी ती २३७  
 नीवलाया हू १२  
 नीवाळियो हू १२  
 नीवूडो प १७५  
 नीवोडो प १७५  
 नीवोळ प. ६२  
 ,, ती. २३६  
 नीवोवरी ती. २२५  
 नीतोडो प १७४  
 नीनरिया हू ५  
 नीभिया हू. ५  
 नीमच दे मीमच ।  
 नीमाज दे. नीवाल ।  
 नीलकठ प २३६  
 नीलपो हू ३२  
 नीलाबो हू. १४८  
 नीलिया प. ८६  
 नीलेर प १७५  
 नीवाई प २८७  
 नूहन प १७६  
 नेउघो प. ६२  
 नेगरडो हू. ६

नेछवो प ३५८  
 नेडांण हू. ३६  
 नेनरवाडो प १८०  
 नेहडाई हू ४, ६  
 नैणघाय प ११०, २८३  
 नैणेर प ६४  
 नोख हू ३६, ११७, ११८, १२७,  
 १३४, १३५  
 नोख-चारणवाळो हू ३६  
 नोख-सेवडो हू. ११७, ११८, १२७, १३४  
 नोहर प. १७६  
 ,, ती १८

प

पचळ देस प. ४५  
 पचाळ हू ३७, २४२  
 पजाव प ३००  
 पई-मपारो प ४३  
 पलाळव हू २२१, २५६  
 पलंरोगड प. २१०  
 पछवाळो हू ४  
 पटाऊ प. २४२  
 पट्टन दे पाट्टण ।  
 पट्टनखेड दे खेड ।  
 पट्टन देवको प. २१३, २१४, ३३५  
 पट्टन-प्रभास प २१३  
 पट्टन-दाव प २१३  
 पट्टन-सोमनाथ प २१३  
 पठार प. ४४  
 ,, ती. २४०, २४१, २४७  
 पडावळ प. ५४  
 पडिहारो ती २३३, २५०, २५१  
 पथग प. १७३, १७४, १७५  
 पडोळायो हू. ३०४, ३१७, ३१८  
 पतवाड प. ३१५  
 पनोतो हू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६	२७७, २८४, ३३६
पवई प १२७	” दू ३३, २३४, २५८,
पवउधो प १२८	२५६, २६६ २६७,
पमांगा प १७४	२६६, २७२, २७३
परवतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६,	” ती २६, ४६, ५०,
३१२	५३, ५६, ५८,
परवर गाव प. ३६०	२८५
पळाइतो-हाडांवाळो प. ४४	पाटण (वूदी) प १०८, ११३
पलू (पळ) ती २२६	पाटरिया (प्रदेश) दू २५८
पल्लू ती १७३, २२६	पाटरी दे पाटडी ।
पश्चिम-रेलवे दू २६६	पाटोदी (पाटोधी) प ८६, २४३
पांचडो प १७४	पाडरी दू १८५
पाचनडो दू १८७	पाडलोळी प ४७
पाचपदरो दू. १८६	पाडीव प. १५५, १७६
पांचलो प १७५, १७८, २००	पातवर-चारणारो प १८०
” दू १७०, १७५, १८७	पातळसर ती. २३३
पाचाडी-भाहरो दू. ६५	पातळासर ती. २३३
पाचाल प ४५	पाताळदेश प. १६२
” दू २४२	पाद्रोड प. ४१
पांडरी-भाटां-री प १८०	पाद्रोलाया दे पद्रोळायां ।
पाडवारी प. १२७	पाघोर प १७६
पाणीपथ ती १६	पानीपत दे पाणीपथ ।
पायावाडो प. १७६	पानोरो प. ३८, ३६
पानीलो प २४३	पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
पासवो दू २५३	” दू ३८, ५१, ५४, ५५,
पासुवाळा प १७६	२१४
पाखड ती. २	पारसी (पारस) दू. २४२
पाटडी दू २५८, २५६	पाल दू. ३८
” ती. १७४	पालडी प. ३२, १५६, १५८, १६२,
पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०,	१६८, १७५ १८०
११३, १८६, २५३	पालडी बाहरली प. १७७
२५८, २५६, २६०,	पालडी-माहेली प १७७
२६१, २६३, २६४,	पाळडी रावळा-री प. १८०
२६५, २६६, २६७,	पालसी प. १७८
२६६, २७१, २७२,	पाली प. २०७, २०८, २०६, २११,
२७३, २७४, २७५,	२१२, २३५, २३६, २४१

,, दू १६६, १८०, २७७, २७८  
 ,, ती १३०, २३५  
 पालीताणो प ३३५  
 पावट दू. ३८  
 पावागढ नी २५  
 पाहरादगढ प १२७  
 पाहुवेरो दू. ११. १११  
 पिडरवाडो प १७४  
 पीडवाडो प ४१  
 पीगियो प १७६  
 पीछोली प ३२  
 पीठवाडो दू १११  
 पीढी प ८८  
 पीचापुर प १५८  
 पीयामर दू. ७६, १३६  
 पीचोली प १७६  
 पीपळ-बडनाथो दू ५३, ५४  
 पीपळथो दू ६  
 पीपळहडो प ४३  
 पीपळाई प ३२०  
 पीपळी-रावळा-री प १८०  
 पीपळू प १११, १२४  
 पीपळो दू ६५  
 पीपलोण प १६७  
 पीपाड प ११४, ३४१  
 ,, दू १५०, १८६, १६३  
 ,, ती ८८, ६४  
 पीरान-पाटण दे पाटण (गुजरात) ।  
 पीळियोळाळ प १६  
 ,, दू २६२  
 पीहलाप प. ३४७  
 ,, दू. १२२  
 पुजूरी प ८६  
 पुनपुरी प १७६  
 पुर प १४, ३७, ४७, ५३  
 ,, दू १५१

पुष्कर प. २४  
 पूगळ दे पूगळ ।  
 पूजा-साठियारी-घरती प २७७  
 पूगळ प २५३, ३४६, ३४८, ३४९,  
 ,, दू १०, ११, १२, ४२,  
 ११०, १११, ११३, ११४,  
 ११५, ११६, ११७, ११९,  
 १२०, १२२, ३१२, ३१८,  
 ३२४, ३२७, ३२८  
 ,, ती. ३१, ३३, ३४, ३६  
 पूछणो दू. १६४  
 पूनो प २०६  
 पूनासर दू ६६, १६३  
 पूरव-रो सुवो प. २६७  
 पेयापुर प १७५  
 पेयोडाई दू ६, ८  
 पेरवा प १७६  
 पेशावर प. ३०२  
 पेशवा-चारणां-रो प. १७६  
 पैळाइतो प ११४  
 पैसोर प ३०२  
 पीकर दे पुष्कर ।  
 पीकरण प १८६, २३६, ३५७  
 पीकरण दू ६, ११, १६, ५३,  
 ७४, ७५, ७६, ८०,  
 ८४, ६७, ६९, १०३,  
 १०४, १०५, १०६, १०७,  
 १०८, ११३, ११७, १३१,  
 १३२, १३८, १४४, १८३,  
 १६६, २००  
 ,, ती. १०३, १०४, १०५, १०६,  
 १०७, ११०, १११, ११२,  
 ११३, ११४  
 पीछीणो दू. ३३  
 पीठलियो दू ६  
 पीलावास प. २४०  
 पीसतरा प १७५

पोसांगो प १६२  
 पोसाळियो प १७७  
 प्रभासक्षेत्र दे. प्रभासखेत्र ।  
 प्रभासखेत्र दू ३  
 प्रयाग प. १३२  
 ,, ती. २७६  
 प्रोहितवाळो-गांव दू १३५

## फ

फतहगढ ती २१७  
 फतहपुर दे फतेपुर ।  
 फतेपुर प. ३१२  
 ,, ती १६२, १६३, १६४, २७३,  
 २७४  
 फळवध प. १७७  
 फळसूड दू. १०४  
 फळोडी दू. ४  
 फळोधी प ६०, ३५०  
 ,, दू ११, ६८, ७७, ६४,  
 ६८, १०६, ११३, ११४,  
 १२२, १२४, १२८, १२९,  
 १३०, १३१, १३२, १३६,  
 १३८, १४१, १४३, १४५,  
 १५२, १५६, १६०, १६१,  
 १६३, १६४, १६६, १७६,  
 १७७, १८०, १८१  
 ,, ती. २८, १०३, १०५, ११४  
 फागुणी प १७६  
 फारस ती ५५  
 फिर्सूळी प. १७४  
 फुलाज दू १८६  
 फूलमरेठ प १७६  
 फूलियो प २६, ३७, ४८, ११०, २७६  
 ,, दू ६  
 ,, ती. २२२

## व

वगस प. ३१६, ३३१

वंगाल ती. १८६, २६६  
 वंगालो दे. वंगाल ।  
 वठास प. ३१६  
 वध दू. १११  
 वधडी दे. वांधडी ।  
 वधप प १३२, १३३  
 वधवगढ प. २०, १३२, १३३  
 वधवो प २०  
 वधो ती २२४  
 वभरावाड-आऊळकोड दू २३६  
 वभारो प. ४५  
 ,, दू. २३६  
 वंभोरी-रो-परगनी प. ११६  
 वभोरो प. ४३, ४५  
 वग प. १७६  
 वगडी प. ६०  
 वडोदा (गुजरात) ती. २५  
 वडोदो (सीरोही) प. १७५  
 ,, ती. २५  
 वधनोर प. ५३  
 वधाउडी दू. ६६  
 वसू ती. २३३  
 वरडी दू. २२०, २२६  
 वरियाहेडी . ३३४  
 वळदुरो प. १७७  
 वळोर प ६४, ६६  
 वसाड दू. ४  
 वह दू. १३४  
 वहलवो दू. १७१  
 ,, ती. २५०, २५१, २५२, २५३,  
 २५५  
 वांगो प ६७, ६८, १०१  
 वांट प. १७५  
 वांडी ती. १७  
 वांधडी दू ४, १११, १६३, १६४,  
 १८६, १६५

बांधवगढ दे० बांधवगढ ।  
 बांधव-रो मुलक प १३२  
 बाभणवाड प. १७६  
 बाभणहेडो प. १७६  
 बाभणीका-गाव (प्रदेश) दू ८  
 बाभोतर प ६६  
 बाभोरो प ४३  
 बानवाडा दे० बांसवाहलो ।  
 बासो ती २३७  
 बाहाळो दू ४  
 बाकरलो प ४७  
 बाकारोळी प. ६८  
 बाघलप प. २३६  
 बाचारावाळी दू २६०  
 बाटवडोद प. ८०  
 बाटियो प १७६  
 बाटुमेर दे० बाहडुमेर ।  
 बाडेल बाभर्णा-रो प १८०  
 बापदोतरो प २४८  
 बापणसर दू ६  
 बापला प १५८  
 बार प २५२  
 बारवरडा प ४३  
 बाट दू. १२, १८०, १४२, १४३ दे० पारु  
 बाह-झाहिन दू. ५३, ७३  
 बाळघो प १७३  
 बालपुर प. २३७  
 बालां दू १८३  
 बालांगो दू. १४२  
 बालां-रो-गाव दू ४  
 बालापुर प. २६७  
 ,, दू. १८२  
 बालामेट प २५२  
 बालो गूदोच रो दू. १६३  
 बालो भाद्राजण रो प. २३६  
 बालोतरा प. ८६, ३३३

बालोतरा दू. १३०  
 ,, ती २२६  
 बाहडुमेर प १४३, १४८, ३३३, ३३७,  
 ३३८, २६१, ३६३  
 ,, दू. १२६  
 ,, ती. ३, ४, ११३  
 बाहतर-घड-गुजरा वाळी दू. १६२  
 बाहरडो प ४३  
 बाहरलो-पालडी ती. १२४  
 बाहरोट- रो- पयग प. १७३, १७४  
 बाहिरलो वास प. २४७  
 बाहुल प. १७६  
 बिटडया ती. १०६, ११०  
 बीकानेर दे० बीकानेर ।  
 बीजवा प. १८०  
 बीजापुर ती. २७७  
 बीभोली प. ४४  
 बीड दू ६८  
 बीलाडो दू १५०. १८७  
 बीलेसर दू २२६  
 बीसलपुर प ४५  
 बीदेलखड प. १२७  
 बुगलाण ती. २१८  
 बुचकठो दू ८  
 बुज दू. ७८  
 बुजडो प. ३२  
 बुजेरो दू ४  
 बुडकियो प. ३५७  
 बुहण प. १२८  
 बुढारो दू. १३६  
 बुघेरो-दू १६  
 बुघे-रो-खरड दू ११, १६  
 बुरघटो-श्रीईसां-रो दू १७२  
 बुरघटो लवेरा-रो दू. १८६  
 बुरहांनपुर प २५, ७७, १२०, १३१,  
 १६७, २००, २३४, २३५,  
 २६८, ३१६, ३२१

बुरहानपुर द्व. १५६, १५८, १७०, १७२  
 बूटेची द्व. १८०  
 बूदी प २६, ३७, ३८, ४४,  
 ४६, ५६, ६७, ६९,  
 १००, १००, १०१, १०२,  
 १०३, १०५, १०६, १०७,  
 १०८, १०९, ११०, १११,  
 ११२, ११३, ११४, ११५,  
 ११७, ११८, २८०, २८३  
 ,, द्व १७१  
 ,, ती. २४१, २६६, २६७, २७२  
 बूदेली प. १६  
 बूचाडो प. १७६  
 बूट प. २७  
 बूटडी प. १७६  
 बूटेलाष द्व. १७७  
 बूढहर द्व. १२  
 बूराळ प. १७५  
 बूसियो प. १७८  
 बेघू प. ५३  
 बेहछो प १२८  
 बेदली प. ३२  
 बेहडो प ४१, १७६  
 बेहू सिधलवाळी प. ११५  
 बेहगटी प ३४८, ३५१, ३५२  
 ,, ती. ७, १०३, १०५  
 बेराई द्व १७०, १७२, १७५, १६०  
 ,, ती ६०  
 बेराही दे० बेराई ।  
 बेरू द्व. १६८  
 बेरोळ ती २३६  
 बेसडा प. ४२  
 बेहयो द्व १८०, १८१  
 बेहानडो (बेहानाडो) द्व. १८०  
 बेघरी द्व ५

बेरबो प. ३४०  
 बेळ द्व १६६  
 बेळो द्व ४  
 बेहरावास प ३६०  
 बेळी ती. ६८  
 बेयावर प. ३८  
 बेहमंड प. १६२  
 बेहमाण प. १४६  
 बेहानपुर दे० बुरहानपुर ।  
 बेहसर द्व २, ४, ३६  
 बेह्यावासणी द्व. १६६  
 बेहणवाडो ती. १७४

भ

भडण द्व १११  
 भभारो द्व ४  
 भवरी प २११  
 भगतावासणी द्व. १६७, १७३, १७४, १६४  
 भगवतगढ प. ४७  
 भटनेर प. २१२  
 ,, द्व १६, १२२, १२३, १२४  
 ,, ती. १५, १६, १७, १८,  
 १६२, २२१  
 भटिडो द्व १०  
 भट्टी प. २६८, ३१६  
 भठी प २६८  
 भडियाद द्व. १  
 भणाय प. ६४, ६५  
 भवलो द्व. १२  
 भदाण प. २५०, २५१  
 भदाणो प. २५१, २५३  
 भदावर प १२८  
 भदावर-रो-मैडो प १२८  
 भदियावव प. १२३  
 भनाई ती २२४  
 भरघळ (भर्घोच) द्व. १६  
 भरौसर (भरेसर) द्व. १३७

भव प. १६२  
 भवर्णो प ३२  
 भवराणी प २११, २३७  
 ,, द्व. १६७  
 भाउडो दे० भाउडो  
 भागेसर द्व. १६४, १६२, १६४, १६७  
 भाडोतर प १७६  
 भाडोळाव द्व १५१  
 भाणगढ प २६६  
 भाणल (?) द्व ६१  
 भांनावास प. २३६  
 भानियो द्व ६  
 भाभेरो द्व. ६, ३८  
 भाभेळाई द्व १५०  
 भाभरा १७८  
 भाभोळाव प ३६२  
 भावरी द्व ४  
 भाहरो द्व १६६  
 भाउडो द्व १५३, १५८  
 भातर द्व ३१  
 भातरी द्व. १७०  
 भागवो प. २००, २०१  
 भागीनडो द्व. ६  
 भागेमर द्व. १४६  
 भाचरांणो प २३६  
 भाचाहर द्व १११, १२६  
 भाटरांस प १७५  
 भाटरो प ६१  
 भाटवो प २४८  
 भाटांणी प १७५  
 भाटो प ३१५  
 भाटोपा द्व १५  
 भाटोव प २४१  
 भाटोवटी द्व १५  
 भाटेर द्व. १६४  
 भाटेघो (भाटो?) प. २४८

भाटोद प ४१ .  
 भाठवां ती १८  
 भाडग ती १३, १४, १५  
 भाडली प. १७६  
 भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७  
 भादळो ती २२५  
 भादासर द्व. ४  
 भाद्राजण प. १५८. १६०, २०६, २१०.  
 २१२, २३६, २३७, २३६,  
 २४०  
 ,, द्व १४६, १४७, १५८, १६३,  
 १६७, १८१, १८६, २७८  
 ,, ती. २५६, २५७, २५८  
 भाद्रावळ द्व २१६  
 भाद्रेसर द्व. २१६, २२०  
 भारत प. १४७  
 ,, ती. १७३  
 भारमलसर द्व. १०४, १३५  
 भालाही द्व. ६६  
 भालेसरियो द्व १८०  
 भावी द्व. १६४  
 भाहरजो प १७४  
 भाहरू प. १७४  
 भाहरो द्व ६५, १८६  
 भिणाय दे० भणाय ।  
 भिणियाणो ती ११२, ११३  
 भिरड ती २८  
 भिरडकोट दे० भिरड ।  
 भौंवि-रो तोडो प. ३०१  
 भौंवासर द्व ६८  
 भौडवाडो प. ३८  
 भौतरोट प ४६, १५१, १५२, १७३  
 भौतरोट-रो-पथग प १७३, १७४  
 भौदासर द्व. १३५  
 भौनमाळ प. १३६  
 ,, ती. २३



भीमाणो प. १७४  
 भीमेळ प ६१  
 भीलडांमो प १७६  
 भीलट्टियो प. ६०  
 भीलडो नांग्हो प. १७६  
 भीलमाळ दे० भीनमाळ ।  
 भीलवण प. ७६, ७७  
 भुज प ३६४  
 ,, वू १५, १६, २१४, २१८,  
 २२०, २२५, २३८, २४४,  
 २५३  
 भुजनगर दे० भुज ।  
 भुठहठ वू. १८२, १८३  
 भुरळिया प ६१  
 भूह प. १६८  
 भूडेल प. ३४७, ३४८, ३५०  
 भूण वू ६  
 भूणोद प. ४१  
 भूमळियागळ ती. १७४  
 भूमळियो प. ६०  
 भूभावडो प. २४१  
 भूकर ती. २२३  
 भूकरकी ती. २२३  
 भूकरी ती. २२३  
 भूकांणो प. १७६  
 भूका दे० भूखो ।  
 भूखो प ३५६  
 भूतगांण प. १७७  
 भूतेल प २४१  
 भूमळियागळ ती. १७४  
 भूवो वू ६  
 भेटनडो वू ६०, १५६  
 भेटाळो प. २४७  
 भेट वू ६५  
 भेळू ती. २२५, २८२, २८३, २८४  
 भेवो प. १७७

भेम्डेणो वू १०  
 भेराडो वू. २, ३६, ६५  
 भेंसरोड प २०, २६, ३८, ४४,  
 ४५, ४६, ५२, ६५,  
 ६७, ६८, २८०

भेंरवी-राणा रो प. ८६  
 भोजनंर प ११७  
 भोजू वू १८६  
 भोवाळ (?) वू. ६१  
 भोरव प. ४०  
 भोवाव वू १६२  
 भोवादी वू. १६१  
 भोवाळ प. ३०६  
 ,, वू १६०

म

मंगळीका-वळ वू. ३१  
 मघतो प १६२  
 मंठळ प. ४३  
 मटळगठ प. ५३  
 मटळप वू ४१, ४२  
 मटावरो वू. १८२  
 मडाहड प १७३  
 मडोर दे० मडोवर ।  
 मडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४,  
 ३४८  
 ,, वू ६६, ३०८, ३०९, ३१०,  
 ३३६, ३३७  
 ,, ती. १०, १२, २८, १३०,  
 १३२, १३५, १४०, १४१,  
 १४६, १५८, १६०, १६१,  
 १६४, १६६, १७३, १८०,  
 १८२, १८४, २१३  
 मडोहर दे० मडोवर ।  
 मवसोर प २७, २६, ३७, ४६,  
 ६४, ६५, ६६  
 मऊ प. ११३, ११४, ११५, २५२,  
 २५६, ३६०

मऊ हू २६२  
 मकरोडो प १५८  
 मकवाळ प १७५  
 मकाघळ प १७५  
 मकावळी प. १७६  
 मक्का हू. ४६  
 मगराउषो प १७८  
 मगरो प १७३, १६३  
 मगरो हू ३१४  
 मगरो-भोरो प. १७३, १७६  
 मगरोप प. ५६, ८८  
 मगरोपगढ ती. १७३  
 मचीव प ४१  
 मछवाळो हू १४४  
 मट्टू प. ३२  
 मढली हू. १६१  
 मढलो प ३६२  
 मणोहरो प १७७  
 मतोडो हू १५६  
 मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६  
 „ हू. ११, १६, १४०  
 „ ती. २०६  
 मदार प ४१, ४७, ५३, १४५, १५७  
 मदारडो प ४१  
 मदासर हू ३६  
 मनदसोर प. ४६  
 मनसोर हू २६३  
 मनोहरपुर प ३१८, ३१६, ३२६, ३३२  
 ममणवाहण हू १०  
 दे० मूमणवाहण ।  
 मरुप्रदेश हू ३१, २६६  
 मरुस्थल हू ३१  
 मरोट हू ११५, ११७, १२०, १३७,  
 १३६  
 „ ती ३४, २२०  
 दे० महारोठ ।

मरोठ दे० मरोट ।  
 मलकासर ती २३०  
 मलार हू. १४७, १८५  
 मलारणो ती. ६८  
 मलीरणो प ४७  
 मरुहार दे० मलार ।  
 मवडो दे० मोडी ।  
 मवडो-भाटा-री प. १७६  
 महकर ती २१४  
 महमदाबाव ती २८  
 महसाना जकशन हू. २६६  
 महाजन हू. १११  
 „ ती २२८  
 महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७  
 दे० मरोट, मारोठ, मारोठ, माहरोठ  
 महियड हू. ३८  
 महीकाठा हू. २७६  
 महीनाळ प ४४  
 महेश्व हू १८७, १८८, १६०  
 महेश्वो दे० मेहेश्वो ।  
 महेश्वरी प १७६  
 महेश्वरियो हू १४६  
 मांकडो प. ४५  
 मांगळो हू. १५४  
 मांगळोद प. २६३  
 मांगळोर प. २६३  
 मांचाळो प. १७७  
 मांडणसर हू. १२६  
 माडणी प. १७७  
 माडळ प ६८, १२४, १७६, ३०१  
 „ हू. ३४२  
 मांडळगढ प. २६, ३७, ४४, ४७,  
 ४८, २७६, २८०  
 „ ती. १७३  
 मांडली प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,  
 ५६, ८२, ८७, ८७,  
 ६१, ६६, १०२, १२२,  
 ,, वू. २६२, २८५  
 ,, ती. १, १३६, २४०, २४३,  
 २४४, २४७, २४८  
 मांडवगढ ती २  
 मांडवाडो प १७४, १७७  
 मांडवो प. १७६, २३६  
 ,, वू १५०, १७१, १७४  
 मांडहडगढ ती. १७३  
 मांडहो ती. १२३  
 मांडाळ वू १३१  
 मांडाघरो वू. १८६  
 मांडाघाडियो प. १७७  
 मांडावाडो प. १७८  
 मांडाहडो प. १७५  
 मांडाही वू ६  
 माणकळाव प २४१  
 ,, वू १७६  
 माणकियावास वू १४६, १८६  
 माणव प. ४३  
 माणेवी वू. १७५, १७६  
 मातपुरो प. ३६, ३८, १७४  
 मांहिलोवास प. २४७  
 माछ प. ४७  
 माटपणां प. १७६  
 माटासण प १३६, १७६  
 माड वू. २१, २२, २५, ६३  
 माडपुरो प २८५  
 माड-राठी घाळी वू. ३३  
 माडाऊ वू ४  
 मायको वू. २५६  
 मायासरो प. १६३  
 मावडी प. १६५  
 मादळियो वू. ७६, १६६

मायपी वू. ४

मारती प. ११५

मारवाड प. १७, १७, २१, २५,  
 ३१, ३५, ३८, ५५,  
 ६०, ६२, ८८, ८६,  
 ६०, १२२, १२३, १४७,  
 १४६, १६४, १६५, १८७,  
 १६३, २०८, २०७, २०६,  
 २११, ३०३, ३०४, ३३३,  
 ३३७, ३३८, ३६१  
 ,, वू. १०७, ११०, १३०, १५८,  
 १७२, २६१, २६८, २७७,  
 २८०, ३४२  
 ,, ती १०, २८, ८३, ८८,  
 ६५, ६६, १०५, १२०,  
 १२४, १७३, २१४, २२६,  
 २३७

मारेल प. १७५

मारोट वू. १०

वे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोठ वू. ५३

वे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोली प. १७७

माळ प. १४६

मालकोट ती. २१५

मालगडो वू. ४

मालगड प. ६०

मालणियाळ वू. २५५

मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,

२८०, २६६, ३०६

मालव प. ४, ५३, ६४, १८५

मालवदेश ती. १७३

मालवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४

,, वू. १६३

मालाणी प ३१, ३३३

,, वू. २१६, २८०

मालांगी ती २८, २५६  
मालागाँव प. १७५, १६६  
मालाजाळ दू. १३०, २८४, २८५  
मालानी दे० मालांगी ।  
मालावास प. १८०  
माळियो दू. २५३  
माळीगडो दू. ३२  
मालेर प. ३३२  
मालेरी प. ८  
माल्हणसू प. ४१  
माहरोठ प. १२२, १२३, १२४, ३२१  
माहिडियाई दू. ८  
माहोली प. २१, २०७  
मियां-रो-गुढो प. १०१, ११७  
मिलकापुर प. ३०१  
मिलकी-अभिरामपुर प. ११४  
मिलसियाखेडी ती. २४२  
मीया-रो-खेडी प. १०२  
मीठडियो दू. १२५  
मीठोढो प. १६६  
मीतासर दू. ३२१, ३२२  
मीमघ प. ३७, ३८, ४६, ५३,  
६२, ६३, ६५  
मीरमीप (मीरमी-पहुषो) प. ४७  
मुगाह दू. ४  
मुजपुर दू. २५६  
मुडघाप दू. १६५  
मुंदरडो प. १७४  
मुमणवाहण दे० मूमणवाहण और  
ममणवाहण ।  
मुकुदपुर प. १३३  
मुणाघद प. २८४  
मुयराजी दे० मयुरा ।  
मुर्घराखड दू. ३८  
मुलताण प. ८, ३५३

मुलताण दू. १२, २२, ११३, ११४,  
११५, १२०, १३७, १४२,  
३१३  
मुल्तान दे० मुलताण ।  
मुहार दू. ५, ६, ८  
मूठली प. १६५  
मूढखसोल प. ३२  
मूढथळ प. १५८  
मूढथळो प. १७४  
मूढळदेस प. ४३, ४५  
मूढळ मुलक दे० मूढळदेस ।  
मूढलो प. ३८  
मूडेडी प. १७७  
मूडेळाई दू. १३२, १४४  
मूणावद्र प. १७७  
मूघियाड प. ३३६  
मूमणवाहण दू. १०, ११५, ११७, ११६  
मूसाघळ प. १५८  
मूळ दे० मूळी ।  
मूळपुरो प. ३८  
मूळी दू. २५८, २५९, २६०  
मूळी-रो-परगतो दू. २६०  
मेऊ दे० मऊ ।  
मेघां-रो-गाव दू. १३६  
मेडतो प. १३, २६, २८, ३५,  
६०, ६२, २३६, २४०,  
२४१, ३०२, ३०४, ३०६,  
३२३, ३३६, ३५४  
,, दू. ६, ३१, ११६, १२५,  
१३८, १४७, १४८, १४९,  
१५०, १५१, १५३, १६०,  
१८७, १६२, १६३, १६८,  
१७३, १८६, १६६  
,, ती. २८, ६३, ६४, ६५,  
६८, १०१, १०२, ११५,  
११६, ११७, ११८, १२०,  
१२१, १२२, २१५

मेढो प १५८, २४७  
 मेढी-रो-माळ वू. ३४  
 मेवपाट प ७  
 मेवसर ती. २२७  
 मेरता दे० मेडतो ।  
 मेरवाडो प ४५  
 मेरवाडो घड प ४५  
 मेरियोवास प. ३४३  
 मेलांगरी प. १७४  
 मेघडो प. १७६  
 मेघरो वू १५६, १५६, १६०  
 मेघल प ४३  
 मेघल-मेरां-री प. ४५  
 मेघाड प १, ३, ४, ६,  
 ७, ११, १६, २४,  
 २६, ३६, ४०, ४२,  
 ४३, ४४, ४७, ४८,  
 ५५, ५६, ५८, ५९,  
 ६४, ८६, ९०, ९१,  
 ९६, १३६, १३७, १४४,  
 १८६, १८६, १९७, २३२,  
 २६५, २८२, २८४, ३४२,  
 ,, वू ३८, ६३, २६२, २६३,  
 ३३५, ३४३  
 ,, ती. ६, १०, १२, १३६,  
 १३६, १६२, १६४, २३६,  
 २४७, २६६  
 मेहगडो प. २३८, २३६  
 मेहर वू. ३१  
 मेहलांगो प २३८  
 मेहळी प २३६  
 ,, वू १८५  
 मेहधानगर दे० मेहवो ।  
 मेहवो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०  
 ,, वू ५४, ६८, ८४, ९०,  
 ९६, १०४, १३०, १४१,

२८०, २८१, २८२, २८३,  
 २८४, २८५, २८६, २८७,  
 २८८, २८९, २९०, २९२,  
 २९३, २९४, २९७, २९९,  
 ३००, ३०७, ३०९, ३२०  
 ,, ती. ३, ४, ५, २३,  
 २४, २८, ५८, २५१,  
 २५२, २५६, २८०

मेहाफोर वू. १२२, १२३  
 मेहाजळहर वू ७८  
 मेवानो प २५२, २५६  
 मेहकर वू १६०  
 मोकरडो प. १७४  
 मोकळनडो वू १८३  
 मोकळाइत वू. ४  
 मोफीली प. ५२  
 मोखेरी वू ६५, १६५  
 मोजावाव प, २८७, ३१४ दे० मोजायाद  
 मोटपुर प. ११६  
 मोटाण प. १८०  
 मोटासण प. १७६  
 मोटासर वू ११, १११  
 मोटेळाई वू १११  
 मोडो प १७५  
 मोरषळो प. १८०  
 मोरवो प. ३५६  
 मोरवो वू २१३, २१४, २६०, २६१  
 मोरवडा प १७६  
 मोरवण प. ६३  
 मोरियांवाळो वू. १११  
 मोलेळो प. ४०  
 मोलेसरी प. १७६  
 मोहनी प. १२८  
 मोहारी प ३१३  
 मोहिल-सांकडो प. ४५  
 मोहिल-सांकडा रो परगनो प. ४५

मोहिलावाटी ती. १५३  
 मोही प ३७, ४७, ५२, ११६  
 मौजावाद-ती ६८ दे० मौजावाद ।  
 मौड़ी प १६४, १६५  
 म्निगासर ती. ४७

य

यादवस्थली दू. ३

र

रगाईसर ती २२६  
 रडोद दू. १५७  
 ,, ती. ६५  
 रणयंभोर दे० रिणयभोर  
 रतनपुर प. ४४, ६२, ६४  
 रतनपुर-री-चौरासी प. ६४  
 रतवडो (रंवडो ?) प १६४  
 रतलाम प. ६४  
 ,, ती. २५  
 रवीरो दू. ४  
 रवणियो दू १७५  
 रहवाडो प. १६२  
 रांणकवाडो प. १७५  
 रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९  
 रांणार्ई प ५  
 रांणासर ती. २२६  
 रांणी गाव (पारकर) प ३६४  
 रांणोर-रायमल वाळी दू १२५  
 राणेरी दू १३५  
 रांणहर दू. ११, १११  
 रामगढ प २५२, २७६  
 रांमडावास दू १८०, १८६  
 रांमपुरो प २६, ३८, ४५, ४६, ६५  
 ,, दू १७६  
 ,, ती. २३६, २४०, २४६, २४७  
 रांमसर दू १३५  
 रांमसेण प १४४, १४६, ३३७

रांमावट दू १६२  
 रांसिस दू ३८  
 रांयण दू. १३८  
 रांवणियांणो दू १८७  
 रांहिण प. २६, ३१५  
 राकडवो दू ३६  
 राखाणो प. २३६  
 राजकोट प २७१  
 राजगियावास दू १६१  
 राजपीपळो प ८८  
 राजलो-तेजा-रो दू. १५०  
 राजस्थान प ४८, १४७  
 ,, दू २५८, २६६, २७८, २८७,  
 ३३२  
 ,, ती १४, १५५, १७३, १८१  
 राजासर दू १११  
 ,, ती. २१  
 राजोडो प १७८  
 राजोद दू ११६  
 राठ प १०५, १२७  
 राठ-कोदमियो प. १०५  
 राठघरो प २२८  
 ,, दू ६७, १७६  
 ,, ती २५६  
 राडवरा प. १७७  
 रातोकोट प ३३८  
 राय-कोहरियो दू १८८  
 रायवणपुर (राघनपुर) प. ३३७  
 रायपुर प. ३१४  
 ,, दू. २६२  
 ,, ती. २३६  
 रायपुरियो प. १७५  
 रायमलवाळी दू ११, १११  
 रायमो प २३७  
 राघतसर दू. ४  
 ,, ती २२६

राधर प. ४७, ३१५  
 रास ती २३५  
 रासा-रो-गुढो वू १३१  
 राहड वू, ३३  
 राहिण दे० राहिण ।  
 राहुषो प १७५  
 रिख-विसळपुर प ४५  
 रिडियो वू ८  
 रिडी वू. ६  
 रिणथभोर प ३७, १०३ १०४, १०८,  
 ११०, १११, ११२, २७६,  
 ३००, ३०१  
 ,, ती ६६, १८४  
 रिणधीरसर प ३४६  
 रिणमलसर वू ६२, ६६, १३८  
 रिणी प. २१२  
 ,, ती. १५४  
 रिवडी वू. १४७  
 रिधद्र प १७५  
 रिधियो प १७६  
 रिषीकेश (घावू पर्वत) प १७८  
 रोछडी प १७६  
 रोछेर प. ४०  
 रीयां दे० रेया ।  
 रीवां प. १३३  
 रीवी प. १७५  
 रूग्नांष प ३२  
 रूण प ३४२ ३४४  
 ,, ती ८, १४१  
 रूणकोट प ३३६  
 रूणघाय प. ३३६  
 रूदियो वू १६३  
 रूपजी प. ४०, ४१  
 रूपजी-घासरोड प. ४०, ४१  
 रूपनगर ती. २२०  
 रूपावास प. २३६  
 रूम सूम वू. ४५

रेतळो ती. २८०  
 रेयां प. ३०२, ३१४  
 ,, वू. २०१  
 ,, ती ६४, ६५, ६६  
 रेयडो प. १६४, २३७  
 रेयत वू १५०  
 रेवली प ४२  
 रेघाटी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३,  
 ३२४  
 रंतळो ती. २८०  
 रेयां दे० रेयां .  
 रेवासो प ३२०  
 रोजेड प. १७६  
 रोणषो ती. २२६  
 रोह प. १४६  
 रोहचो प. २३७  
 रोहडो प. १२३  
 रोहणषो वू १६१, १७२  
 रोहार्ड प. १७३  
 रोहार्ड-भीतरोट प. १७३  
 रोहिडो प ४२, ४७  
 रोहितगड दे० रोहिरगड ।  
 रोहिताश्वगड दे० रोहितासगड ।  
 रोहितासगड प २६३  
 ,, ती १७४  
 रोहिरगड ती १७३  
 रोहिलगड दे० रोहिरगड ।  
 रोहिसो प ३४०  
 रोहीडो प. १७४  
 रोहीणी ती २२६  
 रोहीणो ती २२६  
 रोही-भीतरोट प १७३  
 रोहीसी प. १६३  
 रोहुरो प. १७६  
 रोहुरो प १७५

## ल

लका द्व ३६, २४२  
 लकडवा प ३२  
 लखमणसर ती २३३  
 लखमेर प. १७६  
 लखानखेडो प १०१  
 लदाणो प. ३०७, ३११  
 लदावण प ३०७  
 लवीह द्व. ४  
 लवांइण प २८७, ३०२  
 लवांणागढ प ३३२  
 लवाणो प ३३२  
 लवेरो द्व. १५०, १५४, १५५, १५६,  
 १५७, १५६, १६०, १६१,  
 १७४, १८६, १८८, १८९  
 लांगरपुर प १२८  
 लाणेलो द्व ४, ८  
 लांबियो ती. १२१, २३५  
 लाकडवाळो द्व १११  
 लाखडी द्व. २०६, २१०, २११, २१२,  
 २१६  
 लाखा-रो-घट द्व ३२  
 लाखासर द्व १११, १३८  
 लाखाहोळी प ३२, ४३  
 लाखूटा (लाखोटा) ती पोळ ती ५५  
 लाखेरी ती. २६७  
 लाखेरी-गोडांवाळी प ११३  
 लाखे-रो-नाथ प ११०  
 लाद्यडी प २२८  
 लाज प. १७६  
 लाठी प. ३३५  
 लाठी द्व ७६  
 लाठीहर द्व २६१  
 लाडणू ती १५४, १५७  
 लाडेलो प १७५  
 लाघडियो ती १३, १४

लायां द्व ३२७  
 लालसोट प ३१४  
 लालाणो द्व १८५, १८८  
 लालावर द्व १११  
 लास प. १७७, २८४  
 लास-मुणावद प २८४  
 लाहोर प २६३  
 ,, द्व. ५५, १४६  
 ,, ती २१४  
 लिखमडी प ३८  
 लिखमीवास प १७७  
 लिखमेली द्व ६२  
 लीकडो द्व. १२  
 लीकणो द्व १४२  
 लूद्रवो प. २५३  
 लूद्रवो द्व ६, ८, १६, २६,  
 २७, २८, ३३, ३४,  
 ३५, ३६, ७६  
 ,, ती १७४, २२२  
 लूणावाडो प ८६  
 लूणोई द्व ३६, ६६  
 लोईयांणो दे० लोहियांणो ।  
 लोटांणो प. १७४  
 लोटीवाडो प. १७७  
 लोटोती प ६२  
 लोठीघरी प ६२  
 लोदरी प. १७३  
 लोलटो प ३५१  
 लोलापुडी द्व. ८  
 लोलियाणो प ३३५  
 ,, द्व ६५  
 लोवो ती. २३२  
 लोहगढ प १८७  
 लोहटवाली प १०१  
 लोहडी द्व १४१  
 लोहवागढ ती १७४



लोहसींग प. ४०, ४१  
लोहाघट दू. १६२, १६६, १८१  
लोहियांणो प. १४६, १६०

व

वको प. ६०  
वगो वे० वांगो ।  
वसहीगढ ती १७४  
वगडो ती ८१, ८३, १०५  
वघरेडो प ६६  
वछणोट दू. १३  
वजु दू ७६, ७७, १३६  
वडगांव प. ६६, १३६, १४६, १७७,  
१७८

वडगिर दू. ६३  
वडलो दू. १७२, १६४  
वडवज प. १५६, १७५  
वडवाळो प. ४३  
वडांणी दू ८५  
वडी प. ३२  
वडेरण दू १११, ३०४  
वडेर-रा-गाव प. ११५  
वडोव प. ८१, २५२  
वडोवती ८१  
वडोटो प. १७६  
वडवाण दू २५६, २६१  
वणखेडो प १११  
वणहटो प. ३१४  
,, ती ६८  
वणहडो प. ४७  
वणाड दू ३३  
वणाडो दू ६७  
वणोर प ५३  
वदनोर प १७, १८, २६, ३७,  
४७, ४८, ५३, ११०,  
११६, १८६, २८०, २८१,  
२८२, २८३, ३४०

वधनोर वे० वधनोर ।  
वरकांणो प १३७  
वरजांगरो दू. १३६  
वरजांगसर दू. १६६  
वरणो प ४१  
वरवाडो प. ४१  
वरवाडो प. ४१, ४७  
,, ती. ६८  
वरसडो प. ३२  
वरमलपुर दू १०, ११०, १११, ११७,  
११६, १२०, १२१, १२६,  
१३५  
वराहोल प. १७६  
वरियाहेडो प. ३३४  
वरिहाहो दू. २५  
वसाड प. २६, ४६, ५३, ६४  
वसी प. ५१, ६६, १५१  
वहवडो दू. १३६  
वाकानेर दू २५६, २६१  
वांगो दू. २२६, २३१, २३२, २३३  
वासडो प. २८५  
वांसरोट प. २८५  
वासलो प. १  
वासवाळो वे० वांसवाहळो ।  
वासवाहळो प १४, २६, ३७, ३८,  
३९, ४३, ४६, ५३,  
६६, ७०, ७३, ७४,  
७५, ७६, ७७, ८६,  
८७, ८८, ६४  
वासवाहळो ती. २६६  
वासियो-पोपळियो प. ६४  
वासोर दू. ३२६  
वासोली प ६१, ६२  
वागड प. ५, ७०, ८६, ८७,  
८८, ११६  
,, दू. ३८, १६१, १६२, १६४  
वागडियो प. १७८

वागोर दे० वाघोर ।  
 वाघरडो प ६२  
 वाघसणो प १७७  
 वाघार प. १६२  
 वाघावास द्व १८८, १९८  
 वाघोर प ४०, १७६, ३०२  
 ,, द्व १, १६, २३२  
 वाघोरियो प ३३८  
 वाचडा प १७७, १७९  
 वाचडा-बीजो प १७७  
 वाचडोळ प. १७५  
 वाचण द्व २५९  
 वाचाहडा प १७८  
 वाचेल प. १७५  
 वाजणो प. ६०, १०७  
 वाभनाइयो द्व ८  
 वाटेरो प. १७४  
 वाडो द्व १५०  
 वाणारसी प ११२, १२८  
 वाप प २१२  
 ,, द्व १२, ११४, १२७, १३१,  
 २००  
 ,, ती. २२३  
 वाय ती. २२३  
 वारणाऊ द्व. १६०, १७५  
 वाराही द्व ३२  
 वारु दे० वारु ।  
 वालजीसर द्व. ९९  
 वालरवो द्व १६४, १६५, १६७, १६८  
 वालिया प. ९१  
 वालेसर द्व १२९  
 वाव प. १४९, १७२, ३६५  
 वावडी द्व. १२, १४०  
 वासडेसो-भाटा-रो प १८०  
 वासडो प १६२  
 वासण प. १७७  
 वासणडो प १७९

वासणपी द्व ४, ९, १०, ७२  
 वासणी प २३९  
 ,, द्व १७५  
 वासणी लवेरा-रो द्व १५४, १६०, १६१  
 वासयांत प १७८  
 वास-वाहिरलो प २४७  
 वास-मांहिलो प २४७  
 वासरोड प. ४०  
 वासुदेव प १७८  
 वासो प. १७४  
 वाहिण द्व. १४१  
 विकूकोहर दे० वीकूकोहर ।  
 विकूपुर दे० वीकूपुर ।  
 विजाई द्व. १४६  
 विजियावासणी द्व १५०  
 विमळोखो द्व १५९  
 विलायत द्व. २३६  
 ,, ती. १९२  
 विल्हणवाटी प. १२२  
 विसळपुर प ४५, ४७  
 विसाइन द्व १७९  
 वीजोराई दे० वींभोराही  
 वींभोतो द्व ४, ११  
 वींभोराई दे० वींभोराही ।  
 वींभोराही द्व ६, ८४, ९७  
 वींढली ती ९५  
 वींठाडो द्व १०  
 वीकमपुर प २५३  
 वीकानेर प २५, ५१, ९०, १४९,  
 २१२, ३०२, ३४९ ३५४  
 ,, द्व. १, २, ७, ११,  
 १६, ३३, ३९, ७५,  
 ८५, ९२, ९४, ९६,  
 ९७, ११०, १११, ११३,  
 ११४, १२३, १२४, १३०,  
 १३१, १३२, १३३, १३७,  
 १३८, १४०, १४५, १६४,  
 १७७

घोकानेर ती. १५, १६, १७, १८,  
१९, २०, ५१, ५२,  
६०, १५१, १७६, १७७,  
१८०, १८१, २०५, २०६,  
२०७

घोकूकोहर प ३५१

घोकूकोहर दू १२२, १२८, १५७, १५९,  
१७४

घोकूपुर प ३४६

„ दू १, २, १०, १२,  
२५, ३९, ७६, ७७,  
१०४, १०७, ११०, १११,  
११२, ११३, ११४, ११५,  
११६, ११७, ११८, १२१,  
१२६, १२७, १२८, १२९,  
१३०, १३१, १३२, १३३,  
१३४, १३५, १३७, १४०,  
१४१

„ ती. ३४, ३६, २६०

घोखरण दू. ३२

घोचघाडो प. १७८

घोछूदो प ४७

घोजळी प २३७

घोभणो प. ६१, ६२

घोभणोट दू. १३

घोभळघाळी दू १११

घोभवाडियो दू. ११९, १५१, १६०, १८७

घोभेवो प १३७

घोभोळाई दू ८

घोठणोक दू ११३, १२५, १३०

घोट्ट दू १८६

घोदासर ती. २३०

घोनावास दू १८६

घोनोतो प. ६४

घोमणवो दू १२३

घोरपुरी प १५८

घोरमगाम (घोरमगांव) दू २१३, २५८,  
२५९, २६०,  
२६१

घोरमो दू. ३२

घोरघाडो प १७३

घोरांणी दू ६०, १७४

घोराळियो-भाटां-रो प. १७४

घोरोळी-वाभणां-री प. १७९

घोरोळी-भाटां-री प १७९

घोसळू प २३५

घेकरियो प ४१

घेघम प. २९, ३७, ४४, ४९,  
६२, ६३, ६४, ६५,  
६६, २८०

घेघू प ५३

घेठवास दू. १६१

घेठच प ३३, ३५

घेणातो ती २३१

घेरसलपुर दू ११७, ११९, १२१, १२६,  
१२९, १३०, १३५

„ ती ३७

घेरागर दू ३८

घेराट प. ३३२

घोपारी दू १४७

घ्यावर राणारी प ३८

घ्रमसर दू. ३९

घ्रमाण प. १७५

घ्रहमाण प १४६

घ्रहानपुर प ३१९, ३२१ दे० बुरहानपुर।

घ्रहानपुर प ७७ दे० बुरहानपुर।

श

शात्रुजय दे० सेत्रूजी।

शाहपुरा प ३२४

शिखरगढ दे० सिखरगढ।

शिवपट्टन प. २१३

शेखावाटी दे० सेखावाटी।

शेखासर दे० शेखासर ।

श्री महादेवजी सारणेसरजी रा गांवां

रो पयग प. १७३, १७८

श्रीमोर-परगनो ती. १५५

स

सतपुरो प १७४

सभर प २५०

सकतीपुर प २३१

सकर प १७६

सकराणो प २१३, २१६, २१७, २१९

सजडाऊ हू ४

सभाणो (सभाडो) प २४०

सतापुर प १७७

सतारो ती १८१

सतावता-रो-वास हू १७९

सतिश्राहो हू. १४२

सतिहाहो हू १२

सतोही हू ७९

सत्याणो प २८२, २८३

सपतदीप प १७, १९०

सपत पताळ प १९२

सपहर हू ४

समदडो प. २८, २३३

समदडो हू ३२

समावळी प २३३, २४१

” हू १६४

समियाणो दे० सिघाणो ।

समीचो प ४१

समूभो प १६४

समेळ प. ३८, २०७

समोगढ ती. १९२

समोगर दे० समोगढ ।

सरऊपर हू ११६

सरकसर हू ६७

सरणुओ प १८१, १८८, १८९

सरनावडो हू. १६२

सरेचो प. २७

सरोतरो प १४६

सलखावासी हू ३८०, २८१

सलास प. १६८

सलूवर प. ३६, ३८, ३९, ४३,

४८, ६६

सवराड हू. १६९

सवाळख दे० स्वाळख ।

साकरगढ प २७९

सांखली हू ३१

सांखू ती. २२४

सांगण हू. ६ ३९

सांगवाडो प १७४

सागानेर प. ३११, ३३१

सांगोद प ११४

सांचोर दे० साचोर ।

सांजीत हू ३९

साडवो ती २३२

साडूडो प. १७५

सांगणपुर प १७६

सांतरवाडो प. १७६

सातळपुर हू सातळपुर ।

साघाणो प २४८

सांबो प ३४६

सांभर प. ५, १००, ११९, २५०,

३०६

” हू ५६, २६६

सामई हू २१५, २३६, २३७, २३८

सांमरलो हू १८३

सामळवाडो प १७८

सामूजो प २४०

सांवडाऊ हू १७९

सावत-कूधो हू १६९, १७१, १८१, १८६

सावतसी-रो-गांव हू ४

साधरलो हू १८२

सांवळतो हू. १९३

साकवडो प १७९

साघोर प १७८, २२७, २२८, २२९,  
२३०, २३२, २३४, २३६,  
२४२, २४४, २४८

साठ महाहड प १७३

साठ-रो-पथग प १७५

सातलपुर हू २१४, २५३

सातलमेर ती ११४, २२०

सातवाडो प. १७८

सातसेण प. १७६

साथाणो हू १६०

सादडी प. ५, ५३, ५६, ४१,

४३, ४६, ५३, ६१,

६२, ६३

सादडी-भालावाळी प. ५

सादियाहेडो प १०२

सापली हू ४, १३

सापो प २४१

साबो प ३४६, ३५२

सायरो प ४२

सारगपुर प २५२

सारगरो प. ४३

सारण प ३८

सारणेसर प. १७३, १७८

सारसी हू २४२

साळ प १७७

सालेर-मालेर प ३३२

साळोडी प ५३, ५४

सावड प ८, ४७

सावडो हू २, ३१, ८१

सावर प १२२

सावरीज हू १२५, १६५

साहडां प. ६६

साहपुरो प. ३२४

„ ती. २१७

साहरियाणो प २३७

साहळवो हू ३२

साहिजिहानाबाद प. ५३

साहिजिहानाबाद-कणबीर परगनो प. ५३

साहिजिहानाबाद-कपासण परगनो प. ५३

साहिलगढ ती. १७३

साहिलो हू. १४८

साहोर ती. २३०

सिधलदीप प. ८

सिधाघासणी हू. १८८

सिध प. ८, ६०, १८५, २६२

„ हू १७, २१, २२, २५,

२६, ३१, ७६, ८१,

८६, ८७, १०६, ११६,

११७, ११८, २१५, २३१,

२३५, २३७, २३८, २६६

„ ती. १७४

सिधडी हू २३१

सिधु हू. २४२

सिधुद्वीप ती. १७८

सिहस्वली दे० सीहथल ।

सिखरगढ प. ३१८, ३१९

सिणगारी प. २०६

सिणली हू. १५०

सिणलो प. २५

सिणवाडो प १७४

सिणवार ती. १७३

सिणहडियो प १२३, १२४

सिद्धपुर प. २५६, २७६, २७७

„ हू. २७२

सिधपुर दे० सिद्धपुर ।

सिधमुख ती. १४, १५, २३३

सिरगसर ती. २२४

सिरड प. ३५०

सिरडियो हू. १०७

सिरवाज प. १२७

सिरवाड प. ३८

सिरवो हू. ३८

सिरहडू दू ११४, १२८, १३०, १३४  
 सिरहडू बडी दू. १३६  
 सिराणो प. २३६, २३९  
 सिरिवाज प. १३१  
 सिरौहणी प. १७८  
 सिरौही दे० सीरौही ।  
 निव दू. १३, ९९  
 सिवपुरी प १८९, १९०  
 सिवरटो प १७६  
 सिवाणची प. १९३  
 सिवाणी ती १४  
 सिर्वाणो प २८, १६४, १८७, १९३  
 २०३, २०४, २३३, २३६,  
 २३८, २३९  
 ,, दू १२१, १५४, १६१, १७३,  
 १८२, १८३, १८४, १८५,  
 १८८, २८४  
 ,, ती २८, १८४, २१४, २२०,  
 २७२  
 सिवानची पट्टी प १९३  
 सिवाना दे० सिर्वाणो ।  
 सिर्वियाणो दे० सिर्वाणो ।  
 सींगडियो प. ३९, ४३  
 सींघाड प ४२  
 सींघळावाटी ती ४१, ४८, १२५  
 सीकरी प. १९, ३००  
 ,, दू २६२, २६४  
 ,, ती. २६७  
 सीकरी-पोळियो खाल दू. २६२  
 सीकरी-फतहपुर ती. २६७  
 सीघणोतो प १७४  
 सीभोतरो प १७९  
 सीतडहाई प ३३४  
 सीतहडाई दू. ६  
 सीतहळ दू ४  
 सीतहळाई दू. ८

सीताहर दू २६१  
 सीघपुर प २५९ (दे० सिद्धपुर, सिघपुर)  
 सीयळा रो (जाभोरो ?) दू. ६  
 सीरोड प. ४२, ४३  
 सीरोडी प १७४, १७६  
 सीरोडी-द्रगडा-रो प १७७  
 सीरोही प २२, २३, ३७, ३९,  
 ४१, ४२, ४६, ८६,  
 ८८, ९०, १३४, १३५,  
 १३६, १३८, १३९, १४०,  
 १४१, १४२, १४५, १४६,  
 १४७, १४८, १४९, १५०,  
 १५१, १५३, १५४, १५६,  
 १५७, १५८, १६०, १६२,  
 १६८, १६९, १७२, १७३  
 १७८, १८०, १८१, १८५,  
 १९१, १९२, १९५, २४५,  
 २४६, २७२, २८४  
 ,, दू १७५, १८६  
 ,, ती. २९, ५९, ६४, ६८,  
 ६९, ७५, ९९, २१५  
 सीलवनी प १२७  
 सीळवो दू ९७  
 सीवळतो दू १५१  
 सीवेर प १७३  
 सीसारमो प. ३२  
 सीसोवो प १, ८  
 ,, ती २३९  
 सीहडंगो दू ३३  
 सीहणवाडो प १७३  
 सीहथळ प. २८५  
 ,, दू. १९, २५  
 सीहरांगो प. २३७, २४८  
 सीहवाग ती १७  
 सीहवाडो प २२९  
 सीहांणो दू. १२३

सीहार दू. १६८  
 सीहारो दू. १७३  
 सीहो प. १७८  
 सीहोर प. २७६, ३३५  
 सुआळी प ६१  
 सुईगांव प १७२, ३६५  
 सुगाळियो प २३६, २३८  
 सुणेर प २६, ४६  
 सुरडियो दू ३२  
 सुरतांगपुरो प. १७४  
 सुरवाणियो प ३५४  
 सुहागपुरो प. ६३, ६४  
 सूडळ दू. २६२  
 सुंम दू ४५  
 सुजेवो-वांभणीको दू ७६  
 सूरजवासणी दू. १५०, १७४  
 सूरपुर ती. २१६  
 सूरपुरो दू १८३  
 सूरसेन प २५३  
 सूर्रांणी दू १८०, १८८  
 सूर्राचव प. २२८, २३१, ३६४, ३६५  
 सूर्रासर दू. १११  
 सूघो प ५३  
 सूहडलो प. १७६  
 सूहतो प २८३  
 सेखपाट दू २२४  
 सेखावाडी ती २७४  
 सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७,  
 १४२, १४३,  
 सेणो प २४५, २४६, २४७  
 सेत वे० सेतुवध ।  
 सेतरावो ती ७  
 सेतुवध प. ६  
 ,, दू. ३८  
 सेतोराई दू. ११  
 सेत्रूजो प. २७६, ३३५

सेपटावास दू १६८  
 सेरडो ती. २३  
 सेराणो दू १४८  
 सेरुवो प. १७५  
 सेलाघट दू. ५  
 सेलो ती २३२  
 सेवत्री प. २८५  
 सेधका ती. ६१  
 सेधडो दू. १२७, १३४, १३५  
 सेवना प ६४  
 सेवाडी प. ३८, ४१  
 सेवा सांखला रो गांव दू २६१  
 सेसू-त्रिवाडियां-री प १८०  
 सेहुरो प. १७७  
 सैभर प. ५ वे० सांभर ।  
 सैणो प २०४  
 सैबरा प ३७  
 संसभारिजो प ४७  
 सोआळ दू १०४  
 सोजत वे० सोभक्त ।  
 सोजेरो दू. ३६  
 सोजेवो दू ४३  
 सोभक्त प २३, २५, ३७, ५१,  
 ११४, २३३, २४१, ३६१  
 ,, दू ८४, ८६, १४७, १४८,  
 १६१, १६३, १६४, १६५,  
 १६६, १७७, १७८, १८१,  
 १८३, १८७, १८८, ३१३,  
 ३३१, ३३६  
 ,, ती. ८१, ८२, ८३, ८४,  
 ८५, ८६, ८७, ८८,  
 १२३, २१५  
 सोभेवो दू ४  
 सोनगिर (जालोर) प १८७, २३१  
 सोनाणी प. १७६  
 सोनागर वे० सोनगिर ।

सोनेही प २०६  
 सोमईयो प ३३५  
 सोमनाथ प ३३५  
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३  
 सोयलो द्व. १७१  
 सोरठ प. न, २२, १४६, २१३,  
 २१५, २७१, ३३५  
 ,, द्व. १६, २५, २६, ६४,  
 १६८, २०३, २०५, २२०,  
 २४२, २६६  
 ,, ती २२०  
 सोळकियां-रो-उत्तन (पयग) प १७३  
 सोळकियां वाळो द्व. १३६  
 सोळसन्ना प. १७५  
 सोलावास प १७६  
 सोळियाई द्व ६  
 सोलोई प १७८  
 सोवाणियो द्व १२४  
 सोहडापुर प. १७६  
 सोहलवाडो प. १७५  
 सोराट्ट दे० सोरठ ।  
 सोरें प. २१४  
 स्याणो प १४६  
 स्यालकोट प ३००  
 स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर  
 स्वाळख प. १८५, ३२४

## ह

हंस वाहळो प २६  
 हसार दे हांसार ।  
 हट्ट हटांरो द्व. ३३  
 हड्डफो द्व. १२३  
 हड्डवो द्व. ६६  
 हड्डेल द्व ४  
 हणवंतियो प. १७५  
 हयाद्रो प. १७५  
 हयणापुर द्व. २४२

हयणापुर ती १७४  
 हयूडियो द्व. १६१  
 हवा-रो-वास द्व. ३६  
 हमोरपुर प ५३, १७५  
 हरडापो प २३  
 हरदेसर ती. २३२  
 हरभमजाळ प ३५०  
 हरनूसर प. ३४७  
 हरमाडो प ६०  
 हरवाडो ती १०१  
 हरवार प ६६  
 हरसोर प. १२२  
 हरीगढ प ११६  
 हळदी-रो-घाटी प २०८  
 हळवद द्व २१४, २४५, २४६, २४८,  
 २५०, २५३, २५४, २५५,  
 २५६, २५८, २५९, २६०,  
 २६१, २६२  
 ,, ती. २२०  
 हळोद दे. हळवद ।  
 हळोद्र दे हळवद ।  
 हळदी-घाटी दे हळदी-रो-घाटी ।  
 हवेली-मोकीली परगनो प ५२  
 हवेली-रानांव प ४५  
 हस्तिनापुर दे. हयणापुर  
 हासार ती २१, २२, २७३, २७४  
 हानी प २७३  
 हाडोती प. ४७, ११६, २०२  
 ,, द्व. २६२  
 ,, ती. २६८, २६९  
 हायळ प १७६  
 हापासर द्व ११, ११०, १११, १२०,  
 १२१, १२४, १२५  
 हाबुर द्व ४  
 हारांणी-खेडो ती १५  
 हानार द्व २२१



हाळीवाडो प १७६  
 हिदुस्यान प. १६२, २१७, २१६, २८६  
 ,, दू. १५, ३३१  
 ,, ती. १६, १७२, १६२  
 हिसार दे. हासार ।  
 हिरणामो प १०६  
 हिरमजगढ ती १७४  
 हिसार दे. हासार ।  
 हींगोळा-री-वासणी दू. १८८

हीडोळो प. १०६, ११७  
 हीरादेसर प. २३५, २३६, २४०  
 ,, दू १६६  
 हुरड-वाहण दू २०  
 हुरमभ दू. २३६  
 हगोरी प. २८३  
 हूण प. २३३  
 हेकल दू. ४  
 हेठामाटी प. १७७

## २. भौगोलिक नामावली

### [२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामो को ढूँढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

अरहट	- रहट ।
घाटावळो	- अरवली पर्वत ।
उनाव	- १ जलाशय । २. नीची भूमि ।
कुवो	- कुँआँ ।
फूओ	- कुँआँ ।
कोहर	- कुँआँ ।
खाभ	- १. तलहटी । २ पहाडी ढलाव । ३. पहाड़ का भीतर घुसा हुआ भाग ।
गिर	- गिरि । पर्वत ।
घाटावळ	- १ बड़ी घाटी । २ विकट पहाड का बड़ा मार्ग । ३ एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाडी मार्ग ।
घाटी	- पहाडी मार्ग ।
घाटो	- बडी घाटी ।
जाळ	- पीलू वृक्ष ।
भालरी	- चारों ओर सीढ़ियो वाला कुँआँ अथवा बड़ा कुड ।
टूक	- शिखर ।
टोभो	- १. छोटा तालाव । २. बडा कुँआँ ।
डूगर	- पर्वत
डूगरी	- पहाडी

तळाई	- छोटा तालाव
तळाव	- तालाव
तळो	- कुँआँ ।
ब्रह	- १. पानी से भरा रहने वाला गहरा और बडा लड्डा । २. बिना बंधा हुआ कुँआँ ।
नळो	- पर्वत ।
नाळ	- घाटी । पहाडी मार्ग ।
नाळो	- नाला ।
पार	- १. कुँआँ । २. छोटा तालाव । ३ गाँव ।
भाखर	- पर्वत ।
भाखरी	- पहाडी ।
मगरी	- पहाडी ।
मगरो	- पर्वत ।
बळो	- पर्वत ।
वाय	- वापी । वावली ।
वावडी	- वापी । वावली ।
वाहळो	- नाला ।
वेरो	- कुँआँ ।
समव	- १. तालाव । २ भील ।
समुद्र	- १. तालाव । २ भील ।
सर	- १. तालाव । २ कुँआँ ।
सागर	- १. तालाव । २. भील ।

## पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अचली रो टूक प. ९६  
 अखा वेरो (कूप) ती १३४  
 अचलाणी तळाई द्व. १३५, १४२  
 अटक द्व १६८  
 अनतसी-रो-डूगरी प १४  
 अनळकुड-आवू प १३४, ३३६  
 प्रमजमाळ-रो-भाखर प. ४०  
 अरवण-रा-मगरो प. ४४  
 अरावली पर्वत प. ११३  
 अवाह (कूप) द्व. १४२

आ

आवाघ-रा-भाखर प. २७७  
 आकळी (कूप) द्व १४२  
 आडोषळो प. ३४०  
 आडोषळो ती १४०  
 आवू पर्वत प १३४, १३५, १४१, १४४,  
 १५१, १७३, १७७, १८०,  
 १८१, १८२, १८३, १८४,  
 ३३६  
 आघड-सावड रा-मगरो प. ३६  
 आसल समुद्र (तालाव) प २०२  
 आहोरगढ-रा-मगरो प ४२

इ

इरायती नदी ती ७०

ई

ईसघाळ-रो-मगरो प ४१

उ

उर्वसागर (तळाव) प २१, ३४, ३५,  
 ४३, ४५, ४८

उर्वसागर-रो-नाळो प ४५

उनाघ द्व. ५

क

कणियागिर (पर्वत) प. १८७  
 कनकगिरि ( ,, ) प १८७  
 कपूरदेसर तळाव द्व. ३५, ३६  
 कनड-रा-पहाड ती. २७९  
 कानडिया-रो-तळाई द्व १३५  
 कांसां पहाडी प. ३१८  
 काक नदी द्व. ४  
 काका वेरो द्व. ३२  
 काळीभर मगरो प. ३६४  
 काळो डूगर द्व ४, १३, २७  
 ,, ,, ती. १५३, १५४  
 किडाणो कोहर द्व ११३, १३६  
 कुभळमेर-रो-घाटो ती. ४७  
 कुभळमेर-रो मगरो प. ३५, ४१  
 कुहाडियो नळो प. ४२  
 कूपासर (कोहर) द्व. १३६  
 केरडू मगरो ती ११०  
 कवडा-रो-नाळ प. ३५  
 कैर डूगर द्व १३१, १४४  
 कैर-डूगर-वाहळो द्व १४४  
 कैलास पर्वत प. ८  
 कोढणी-रो-डूगरी ती. १५४  
 कोढर्ण रो तळाव ती. २६१  
 कोनरो-भास नाळो प. ४१  
 कोर डूगर द्व. ३  
 कोलर रो तळाव द्व ३३०  
 कोळियासर (कोहर) द्व. १३६  
 कोहर वलू रो प. २२७

ख

खमण-रो-मगरो प. ४१

पमपोर-रो-घाटो प ३५  
 पाट री भागरी प. २५१  
 पाची नदी प. ४७  
 पीचिया घाटो कोहर दू १४२  
 पीरयो तलाव दू १४३  
 पुण्डि-रो-डनाय ती १६  
 पेमपाळ री टोभी दू. १३५  
 पित्त री तलाई दू १४०

ग

गगा नदी प १२०, ३३२  
 गगाणी दू २००  
 गगादास री गाटनी-रा-मगरा प. ४३, ८६  
 गगारदी तलाव ती, ११८  
 गट आहीर-रो-मगरो प ४०  
 गणेशजी की पगडी

दे० विनायर रो डूगरी

गांगडी नदी प ८७  
 गागा-रो-घाटो ती २१५  
 गांगेताव तलाव ती २१५  
 गिरनार पर्वत प २२  
 " " दू. १, २०२, २०४,  
 २०५, २०६, २४०

गिरगाजसर कोहर दू १३६  
 गिरवा रा-भागर प. ३६, ४१, ६१, ६२  
 गिरमोन दे० सोनगिरि ।  
 गीर्वाणी तलाव प. २५३  
 गोघटो कोहर दू १४२  
 गुदघाण-रो-भागर प ११३, ११५  
 गुलाव मागर ती २१३  
 गुंजयो कोहर ती ७७  
 गंजलीता घाटो कोहर दू १३५  
 गोगनीमर कोहर दू १३५  
 गोदावरी नदी प. १२२  
 गोघणली तलाई दू. १३५  
 गोपाळी तलाई दू १३४  
 गोमती नदी दू. २६८

गोयाणी भाखर ती २५६  
 गोरहर (जैसलमेर दुर्ग) दू. १२६  
 गोलीराव तलाव प. २६३

घ

घटमीमर तलाव दू ७३  
 " " ती ३६  
 घांणरा-रो-घाटो प. ३६  
 घांसार-रो-मगरो प ४१, ४७  
 घामेर-रो-मगरो दे० घानार-रो-मगरो ।  
 घाटो ती ४७  
 घूषरोट रा पहाड दू २६०, २६१, २६४  
 " " ती १०१, १०२, १२८

च

चंद्रमागा नदी ती ७०  
 चद्राव-भाटो री तलाई दू १३४  
 चवल नदी दे० चाविल नदी ।  
 चरला-री-डूगरी ती १५४  
 चहुषाण तेजसी-री-वाय प २२७  
 चावळ नदी प ४५, ४७, ११४, ११६  
 " " दू १७३  
 चाटी कोहर दू १४२  
 चारण घाटो कोहर दू १३५  
 चावंट-रा-मगरा प ३५  
 चावडा-रा-मगरा प ५७  
 चित्रकूट (पर्वत) प ८  
 चित्रकोट ( " ) प ८  
 चिनाव नदी ती. ७०  
 चिमर-री-डूगरी ती १५४  
 चीरवा-रो-घाटो प ४४  
 चेलळो भाखर प. १५६

छ

छपन-चावड-रा-मगरा प ४३  
 छपन-रो-मगरो प ५८  
 छहोटण-रा-भाखर दू ५  
 छाळी-पूतळी-रा-मगरा प ४३, ४७

## ज

- जगमाल-री-तळाई दू. १४२  
जमुना नदी प. १३२, ३३२  
जरगा रो-भाखर प. ४२, ४७, ११६  
जवणा री तळाई दू. १०६  
जवणी-री तळाई दू. १४२  
जवाछ-रा-मगरा प. ४३  
जसू वेरो दू. १३६  
जांजाळी नदी प. ६४  
जाखम नदी प. ६४  
जाह्लवी ती २०६  
जाधर-री-खाण, रूपा री प. ३५  
जावर री नाळ प. ३५, ४३  
जीलवाडा-रो-घाटी प. ३६  
जूजळ रो-वेरो दू. २६१  
जूही नदी प. ४१  
जेठाणी तळाई दू. १४३  
जेठाणी नदी दू. २६०  
जेसळू वेरो दू. ३५  
जैता-री तळाई दू. १३४  
जोगी-रो तळाव प. ३४७  
" " दू. ११३

## झ

- झटोल-रा-मगरा प. ४२  
झास नाळी-फोनरो प. ४१  
झाडोळी-रा-मगरा प. ४६  
झेनम नदी ती ७०  
झोटेळाव तळाव ती. २५२, २५३

## ट

- टगराघटी-रा मगरा प. ४२, ४६  
टावरियावाळी कोहर दू. १३५

## ड

- डूगरसर तळाव दू. १०८

## ढ

- ढल नदी प. ३१  
ढाकसरी-रो कोहर प. ३४७

## त

- तणूसर तळाव दू. २७  
तिलाणी तळाई दू. १३४  
तेजसी-री वाय प. २२७  
तेळाऊ कोहर (बीजो) दू. १४२  
त्रिकुट दू. २४२

## दु

- दळपत भाटी घाळी घावडी दू. १३६  
दलोल-कलोल-रा-मगरा प. ४३, ४७  
दहवारी-री घाटी प. ३५  
देराणी तळाई दू. १४३  
देराणी नदी दू. २६०  
देवरावसर तळाव दू. २७  
देवरासर तळाव दू. ३२  
देवहर-रा-मगरा प. ४३  
देवाइत-रो-तळाव दू. १६, ११३  
देवजी-री-डूगरी ती. १५४  
देवीदास-री-तळाई दू. १४२

## ध

- धवळागिर प. १८  
धार-रो-पहाड प. ४३  
धारा-री-तळाई दू. १०६, १४३

## न

- नगराजसर (कोहर) दू. १३६  
नरसिंघ घाळी कोहर दू. १४२.  
नरासर तळाव ती. ११३  
नांवडो कोहर दू. १४२  
नागनय नदी दू. २२०  
नाचणो कोहर दू. १४२  
नायां-रो कोहर दू. १३६  
नारणसर कोहर दू. १३५  
नाळ भाखर प. ३५  
नाहेंसर-रा-मागरा प. ४२, ४६  
नींबलियो तळाव दू. १४३  
नींबली तळाई दू. १३५, १३७

प

पंच नद ती- ६७, ७०  
 पई-मघारा रा-मगरा प. ४३  
 पई-रा-डूंगर प. १६  
 ,, डू. ३३८  
 ,, ती १  
 पगघोई नदी प. ४५  
 पठार प ४४  
 पदमसर तालाव ती २१५  
 पद्रोळाई तळाई प ३४८  
 पनोता रो धाहळो डू ३३०  
 पनोर रा-मगरा प ४३, ४६  
 पहियड (पवंत) ती. १३६, १३७  
 पही रो डूंगर दे० पई-रा-डूंगर ।  
 पार डू १३६, १३७  
 पार नदी प ११७  
 पींडर झांप-रो-मगरो प ४१  
 पीछोली तळाव प ३२, ३३, ३४, ४३  
 ,, ,, ती १२  
 पीघासर (कोहर) डू. १३६  
 पीपळहडी-रा-मगरा प. ४३  
 पुडण नदी प. ११७  
 पूनादे-री तळाई डू. १३५  
 पीकरण रो धाहळो डू. ५३  
 प्रोहितवाळो कोहर डू १३५  
 व  
 बहृतसागर ती २१३  
 बनास नदी प. ४०, ४१, ४७  
 बरडो डूंगर डू २२०, २२६  
 बलू-रो-कोहर प २२७  
 बह तळाई डू १३४  
 बहधनसर तळाव प ३३३  
 बांभणांवाळो सर डू १३७  
 बांभणी नदी प. ४५  
 बारवरडा-रा-मगरा प. ४३  
 बालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५६

बिब सरोवर प. २७७  
 बीघासर तळाव प १२४  
 बीलेसर डूंगर डू. २२६  
 बैराई रा-द्रह ती. ६०  
 ब्राह्मणी दे० वांभणी नदी ।

भ

भडळो कोहर डू. १४२  
 भघरी तळाई डू १३४  
 भरोसर (कोहर) डू. १३७  
 भाखर नाळ प. ३५  
 भागीरथी ती २०६  
 भाडेर-रा-मगरा प. ४२, ४३, ४६  
 भावर नदी प २७१  
 भारमलसर कोहर डू १३५  
 भीदासर कोहर डू. १३५  
 भीरवी घाटो प. ६६  
 भैसे सिरा-री-डूंगरी ती. १५४  
 भोजासर तळाव डू १०६  
 भोरड रो-पहाड प ४०

म

मडळप तळाव डू ४१ ४२  
 मवाकिनी ती. २०६  
 मछाधळो मगरो प. ४०, ४१, ४२  
 महिरानांणो तळाव प. ३४७  
 महिला घाग रो झालरो ती २१३  
 मही नदी प. ६७, ८६, ८७, ८८, १२०  
 मांगणी-रो तळो वू २६१  
 माढाळ तळाई वू १३५  
 माडावो धरहट ती ८४  
 माणच-रा-मगरा प. ४३  
 माणल देवाडत-रो तळाव डू. १६  
 मानपुरे-रो-घाटो प ३६, ३८  
 मांमा कुंड प ५१  
 माळळा-रो-मगरो प ३२, ३३  
 मोठडियो वेरो डू १४२

मुहार रं खडीण-रो-उनाव वू. ५  
 मेर (पर्वत) प. १६२, २२६  
 " " वू. ५३  
 मेरगिर वू. १४, ५२  
 मेर-सिखर वू. ५२  
 मेरा-री-तळाई वू. १४३  
 मेरु वे० मेर । मेरगिर ।  
 मेळू-री-तळाई वू. १४२  
 मेवल-रा-मगरा प. ४३

## र

राणा-री-तळाई वू. ११२, १४२  
 राणाहळ तळाव वू. १३४  
 राणीवाळो तळाव वू. १३४  
 राणोळाव तळाव प. १२४  
 राजवाई-री-तळाई वू. ७२, ७५, ८५  
 राठासण-रो-मगरा प. ४४  
 रायमल वाळो तळाव वू. ६६  
 राव बलू-रो-कोहर प. २२६  
 राव-रो-तळाव वू. १२६, १४२  
 रावी नदी ती ७०  
 राहग-रो-मगरा प. ४१, ४२  
 रुदियो फुघो प. २३८  
 रियां री डूगरी ती. ६५

## ल

लखी जगळ वू. १६  
 लाखाहोळी (पहाड) प. ४३  
 लाखेळाव तळाव प. १३६  
 लाठीहर वू. २६१  
 लायां रो मगरा वू. ३२७  
 लीकणो वेरो वू १४२  
 लूभासर तळाव प. ३४७  
 लूडी-रामसर तळाई वू. १३६  
 लूणी नदी प २८, २२६, ३३३  
 " " वू १३०, २८४, २८५  
 " " ती १४७

लूनी नदी । वे० लूणी नदी ।  
 लोहडी तळाई वू १३४, १४१

## व

वडगिर (जंसलमेर का पर्वत और किला)  
 वू ६३  
 वडाणी तळाव वू ८५  
 वरजांग-तळाई वू १३४  
 वरजागसर तळाव वू. १६०  
 वर नदी प ४१  
 वरवाडो मगरा प. ४१, ४७  
 वळो (आडावळो) प ११३  
 वसी-रा-मगरा प. ६६  
 वासोर डूगरयां वू ३२६  
 वाखळवाळी तळाई वू. १३५  
 वाघोर-री खांभ प. ४०  
 वालसीसर तळाव ती. २५६  
 वावडी तळाई वलपत री वू १३४  
 विर्जरावसर तळाव वू. २७  
 वितस्या नदी ती. ७०  
 विनायक-री-डूगरी ती. १५४  
 विपासा नदी ती. ७०  
 वीटळीगढ ती. ६५  
 वीका सोळको-रो-तळाव वू. १३५  
 वीर समंब प. १३१  
 वेकरिया-रो-घाटो प. ४१  
 वेडव नदी प. ३३, ३५  
 वेत नदी ती. २४१  
 घ्यास नदी ती, ७०  
 वीण तळाव वू. १४३  
 वेरोलाई तळाव वू. १४३

## श

शतद्रू नदी ती. ७०

## स

संतन-री-वावडी ती. १५७  
 सजन-री-गिडी प. १६३

सतलज नदी ती. ७०  
 सरणउम्रो भाखर प ४१, १३५, १८१,  
 १८८  
 सरणुषो दे० सरणउम्रो भाखर ।  
 सरस्वती नदी प. २७९  
 „ „ कू. ३, २६६  
 „ „ ती. २९  
 सहस्रलिंग तलाव कू. ३३  
 साठीको-फोहर कू. २८६  
 सायर-रो-घाटी प. ३६  
 सारण घाटाषळ प. ३८  
 सालेर-री-डूगरी ती १५४  
 साह्या-रो-तलाव ती २१  
 सिध नदी (हाडोती) प. १३३, ११५,  
 ११६  
 सिधु कू. २४२  
 सिधु नदी ती. ७०  
 सिरहड तलाई कू. १३४  
 सिरहड लोहडी कू. १३४  
 सिरहड वडी कू. १३५  
 सींगड़ियो भाखर प ४३  
 सीताहर कू. २६१  
 सीप नदी कू. २१८

सीरोड-रा-मगरी प ४३  
 सीसरवा-रो-मगरी प. ३३  
 सूघो भाखर प २०३, २०४  
 सूर सागर प ११३  
 सेखासर तलाव कू. १४२, १४३  
 सोनगिरी प १८७, २३१  
 सोनागर दे० सोनगिरि ।  
 सोम नदी प ३८, ८६  
 सोळकियांवाळो फोहर कू. १३६  
 सोहांण रो-भाखर कू. ३५  
 स्याम नदी प. ८७, ८८  
 स्वर्णगिरि दे० सोनगिरि ।

## ह

हरख तलाई कू. १३४  
 हरभम जाळ प. ३५०  
 हरभूसर तलाव प. ३४७  
 हरराज-री-लोहडी (तलाई) कू. १३४  
 हळवी-री-घाटी प. २०८  
 हळवी घाटी दे० हळवी-री-घाटी ।  
 हिमालय प. ६, १८, २७८  
 „ कू. २०४  
 हेम दे० हिमालय ।  
 हेमराजसर फोहर कू. १२, १४०, १४२



## ३. सांस्कृतिक नामावली

### [१] ग्रंथ, संस्था, कर, भाषादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

#### अ

- अगारां-लाग (वाह-सस्कार) दू. २४६  
 अचड़ा-बोल दू. २६  
 अजित ग्रन्थ ती. २१३  
 अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३  
 अणहलवाहा-पाटणरी-वात (ग्रन्थ) ती. ४६,  
 ५०, ५२  
 अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४  
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी वीकानेर (संस्था)  
 दू. ३१०  
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, वीकानेर (संस्था)  
 ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७,  
 २०७, २०८  
 अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४  
 अमर-कांचली ती. ६६  
 अमल (अमल-पाणी) प. १३४  
 " " दू. २५१  
 अमल (अमल-पाणी) ती. ६२, १३४,  
 १६३, २५७, २८१  
 अमल-रो-पोतो ती. २६०, २६१, २६२  
 अमृत ती. ६  
 अराबो दू. २३  
 अलफलां की पंड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५  
 अश्वमेध प. २३०  
 असत घान दू. ५१

#### आ

- आकाश गंगा वे० अवारमग ।  
 आखड़ी प. ४६  
 आखाड़ो (नृत्य सभा) प. २७४

- आखाड़ो (नृत्य सभा) दू. ३७  
 आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४  
 आयुष्मान् ती. ४६  
 आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४  
 आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

#### इ

- इंद्र विद्या (वि.वि.) प. १२८  
 इक-पभियो महल ती. २१३

#### उ

- उत्पावन-शुल्क दू. २५८

#### ऊ

- ऊनाळी हंसो (कर) प. ३६  
 ऊनाळी-हंसो (कर) दू. ८

#### औ

- औहलरो (घास) दू. ८

#### ओ

- ओळ प. १८२

#### क

- कंकण-डोरडा वे० कांकण-डोरडो ।  
 कवळ-पूजा प. ३३६  
 कवार-मग (खगोल) दू. ६१  
 कवार-सूखड़ी (कर) ती. ५४  
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) प. २६६  
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४,  
 २३७  
 कटारी दू. २६६  
 कच्छी पलाण ती. ६७

कपाळीक (तात्रिक) प. ३२२  
 कपूर-वासियो-पाणी दू. ३३  
 कवाण दे० कमान  
 कमान दू. ६६  
 कर प. ६४, ७७, ९४, ११६, १२०, १७३  
 कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८  
 कर ती ५४,  
 करदु घास दू. ८  
 करमुक्त-जागीरी प. २८३  
 करवत दू. ४५  
 कळजुग प. ३१  
 कलियुग दे. कळजुग । कळू  
 कळू ती १८५  
 कघार नी सूखडी ती. ५४, ५८  
 कवि प्रिया (प्रथ) प. १२८  
 कस्तूरियो-मिरघ (विलासिता की उपाधि)  
 दू. ४१  
 काकण-डोरडो (काकण-डोरी) प. ७३  
 काकण-डोरडो (काकण-डोरी) दू. २६५,  
 ३१८  
 काचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८  
 काचळी (पुत्री नेग) ती. ६६  
 काटीवाळी लाग (कर) ती ५४  
 काजी नी लाग (कर) ती. ५४  
 कान्हडदे प्रवन्ध (प्रथ) दू. २०४, २१५  
 कान्हडदे प्रवन्ध (प्रथ) ती. २६३  
 काळवी-ज्वार दू. ५१  
 कालर दू. २५  
 काष्ट-भक्षण ती. ३३  
 किरमाळ दू. १०१, १२६  
 कुवर नजराणो (कर) ती. ५४  
 कुंवर-पछेवडो (कर) ती. ५४  
 कुंवर-पामरी (कर) ती. ५४  
 कुंवर-माणो (कर) ती ५४  
 कुंवर सूखडी (कर) ती ५४  
 कुतवत्याही नाणो (मुद्रा) ती. ५३

कूतो दू० ५  
 कृत (मृतक सस्कार) दू. २७१  
 कृषि-कर दू. २६०  
 कृष्ण स्तुति (प्रथ) ती. २०६  
 केसरिया ती. १११  
 कर्णामर्खा रासा ती. २७४  
 कवार-मग दू. ६१

## ख

खडाऊ ती. ५१  
 खमा ती ४६  
 खरक कूण (वि. दि.) प. ३३, ३८, ४३  
 खालसो प. १७४  
 खालसो दू. ४, ७  
 खालसो ती. १८, ११५  
 खेडा-री-वाघण (आखेट) प. २८४

## ग

गगा-स्तुति (प्रथ) ती. २०६  
 गज-उद्धार (प्रथ) ती २१३  
 गाय-दान दू० २६६  
 गिरवी ती ५  
 गोंदोली री घात (प्रथ) दू. २८७  
 गुण दूहा (प्रथ) ती. २१३  
 गुण सागर (प्रथ) ती २१३  
 गुरड दू. २५२, २५३  
 गुव प्रार्थना (प्रथ) ती २०६  
 गुळ-लाग (कर) दू. ७  
 गेहर ती. ८५  
 गोडो-घाळणो ती ६७  
 गोत्र-कवव दू. २६६  
 गोहिल-टोळो (स्थान) प. ३३५  
 ग्रास (कर) प. १४७, ३३५  
 ग्रास (कर) ती. ८६, १६७  
 ग्रासवेध (कर-कलह) प. ९१, ११२,

१५४

## घ

घणवेधजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती २८३  
 घरवासो ती. २३  
 घूटी दू ३१२  
 घूघरिया ती. २६४  
 घोड़ा-चारण (कर) ती. ५४

## च

चवरी प १३४, २३२  
 चघरी दू. २८७, ३१०  
 चूगी दू. २६०  
 चेढी (परिमाण) प ३६४  
 चोटी-बढियो प. ६८  
 चौथ (कर) प. ६३  
 चौथ (कर) दू. २२१  
 चौहान कुल कल्पद्रुम (प्रथ) प २२१

## छ

छकड (मुद्रा) ती. ११२  
 छतोस-भास दू. १५  
 छत्र दू० ५६, ५७, ५८, ८३, २३७  
 छत्र ती १७१  
 छत्र ११०  
 छाट ती ११०  
 छाट घालणी ती. ११०

## ज

जत्र दू ५७, २२५  
 जत्र-वत्तीसू दू २३१  
 जवर दे जोहर ।  
 जजिया दे जेजियो ।  
 जन्म घूटी दू ३१२  
 जबावि जळहर (जलक्रीडा) दू ४१, ६८  
 जमहर दे० जोहर ।  
 जलालशाही नाणो (मुद्रा) ती. ५३  
 जनाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नाणो ।  
 जानो ती ४५, ४७  
 जान्हवी रा दूहा (प्रथ) ती. २०६  
 जिगन दू. ८३

जिग्य-कुंड प. ११  
 जुहर दे० जोहर ।  
 जेजियो (कर) प ५५  
 जेजियो (कर) दू ७  
 जैन दे० देवता आवि नामावली ।  
 जोगणी (शकुन) ती. ७१  
 जोहर प. ३३३  
 जोहर दू. ५६, ६०, ६१  
 जोहर ती १७, २५, ३४, ५५  
 ज्युहर दे० जोहर ।

## ट

टकसाळ (कर । मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८  
 टको (तोल । कर । मुद्रा) प. ६६, २६२, २८४  
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) प. ३१, ७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७, ३५६  
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग)दू. १०६, ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२  
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) ती ५३, ६८, ७२, ८१, ६५, १०५, ११४, ११५, १२६, १३२, १३३, १३६, १४६, १६१, १८१, १८२, २३८, २७६, २८५

## ड

डड (कर । शिक्षा) प. ७७  
 डड (कर । शिक्षा) दू. ३१, २८२  
 डड (कर । शिक्षा) ती. १६७, २७१  
 डांगरजत्र दू ५८  
 डाव-पाघ ती ७०  
 डोरडो दे० काकण-डोरडो ।  
 डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

## ढ

ढब्बुसाई पैसा (तोल । मुद्रा) दू. ३१२  
 ढोर नी चराई (कर) ती. ५४  
 ढोल (प्राक्रमण-संकेत) दू. ३०२

ढोल (आक्रमण-सकेत) ती १४७, २६२,  
२८४

ढोल-रो-ढमको प २२३

ढोला-भारवण (ग्रंथ) प. २८६

त

तकियो प. ३१८

तर्पण प. १३२

तलार (कर) ती ५४

तहड़ कुंण प ८७

तावूत दू. ४६, ५०, ५६

ताम्रयुग ती १७३

ताल (माप) दू ३२३

तुरकांणी ती. ५३

तेल-चढी ती ७५

तुलाघट (कर) दू. ७

तोरण-धांदणो ती ४२

तोला दू ३१२

„ ती. १६३

त्याग (दान । इनाम) दू ३२६ ३२७

थ

थडा ती २१३

थापण ती ५

थाळा लाग (कर) प १६

द

दइश-रो फेर प. ७६

दत दायजो वे० दायजो ।

दयाळदास री ख्यात (ग्रंथ) ती. २०६

दळपत विलास (ग्रंथ) ती २०७

दसरधराव उत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती २०६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) प ६६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू २४

दसरावो (दसराहो) ती. ११६

दस्तूरी (कर) ती. ५४

दाण (कर । खेल) प ८४, १५६, १५८,

१७३

दाण (कर । खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६,  
३०१

दाण (कर । खेल) ती. ५४

दांणव दू. ५६

दांन प. ३१

दांन दू. १२०, २२३, २३६, २३७, ३२६

दांम (मुद्रा । कर) प. ५२, २२८, २७६,

३३२

दांम (मुद्रा । कर) दू २६, २५८, २५६,

२७६

दाग (संस्कार) वे० दाह संस्कार ।

दापो (कर) प २३२

दायजो दू ३१०

दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२,

२०३, २७२, २७३, २८२

दाळ री लाग (कर) ती २४०

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) प. १०८

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) दू २४६

„ „ „ ती २६३

दीवाळी (पर्व) प २, ७३, ६६, २७३

दीवाळी (पर्व) दू ७, २४

दीवाळी-मिलण (कर) दू ७

दुगांणी (कर । मुद्रा । गणित) दू. ७

दुहाग ती १०५

दुहागण ती. १३६

देवचो दू. ४०

देवताग्रों की शाला (मडोर) ती. २१३

देवांचा दू ४०, ११६

देसवाळी लोग दू ७, ८

देसोटो दू १७७

दोढवाड कूतो (कर) दू ५

द्वापर (युग) ती १८५

ध

धजवड ती १६७

धनुष दू ६७

धरम द्वार दू. ६४

घर्म-भाई दू. ५१, ३०३

घारेचो दू. ११५

घारेचो ती. ५७

न

नगरा-नीसाण प. ३४०

नगारो (आक्रमण-संकेत) प १५२

नगारो ( , , ) दू. ३४, २४४,  
२४५, २४६, २४७

नगारो (आक्रमण-संकेत)ती. १३२, १४३,  
२७६, २८४

नधकुळ नाग दू. २५२

नाव दू. २४

नारेळ-वे० नालेर ।

नाळ (अस्त्र) दू. २३

नाळवधी (कर) प ६६

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) प ७३, २८६,  
३४५

नाळेर(वाग्दान-संस्कार) दू २६६, २६२,  
३२४, ३३४

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) ती ४१, ७२,  
१०४, १४१, १६५

निवाज (नमाज) दू. ६७

नीसाण प. ३४०

नीसाण प. दू. ५६, ५७, २४२

नेग दू. ७२, ३२६, ३२७

नेगी दू. ७२

नैणसीरी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८,  
२६४

न्याळा ती. १०८

न्योछावर दू. ३२७

प

पच वेवळिया ती २१३

पच प्रवर ती १७५

पचाध कूण (वि. दि) प ३६

पईसो (मुद्रा । तोल) प ७७

पईसो (मुद्रा । तोल) दू २७, २६, ७२,  
१०५, २५८, २८२, ३०१, ३११,  
३१२

पईसो (मुद्रा । तोल) ती. १६३

पटू ती. २६६, २६६

परवाणो दू ५६

परवाह (दान । नेग) दू. ३२५, ३२७

पळी (माप । सफेद घाल) दू ५५, ३११,  
३१२

पळो (माप) दू. १५४

पसाइता प. २२८

पाखड (स्यान) ती. २

पाघडो-बरोड (कर) ती. ५४

पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८,  
१८६, २०५, ३११

पाट दू. १०८

पाट ती. १६१

पायाळ प. २७८

पावडो ती० ५१

पितराई दू. २२२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८

पोंडर-भाप (तत्र) प. ४१

पीरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही-सिक्का ।

पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७

पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४,  
१३६, १४२, २८६

पुराण (घर्म शास्त्र) प. २३०

पुरातत्त्व विभाग, राजस्थान (सस्था)  
ती. १७३

पुरुष वे० पुरस ।

पूखणो ती. ४६

पूछी (कर) ती. ५४

पैरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही सिक्का ।

पेशकशी (कर) प. १४०

पेशकशी (कर) दू. ७, १०५

पेसकस (कर) वे. पेशकशी ।

पेसकशी वे पेशकशी ।

पैसा वे० पईसो ।

पोतो अमल रो ती. २६०, २६१, २६२

प्रेम दीपिका (ग्रंथ) ती. २०६

## फ

फदियो (मुद्रा) दू. ३१५  
 फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०  
 फुरमान दू. ५६, १०५  
 फेरा दू. २७७  
 फेरा ती. ७५

## ब

बरछो ती. १६७  
 बळ (कर) ती. ५४  
 बलि ती १७  
 बहत्तर उमराव ती. ५३  
 बांकीदास की बात (ग्रंथ) ती. २६६  
 बाण दू. ४८  
 बाजरियो ती. २६०  
 बापीका दू. २२१  
 बाव (कर) दू. ७, ८.  
 बान्ने गंजेटियर (ग्रंथ) दू. २६६  
 बीड़ो दू. ६६, ७०, २३१, २६१  
 बुद्धिसागर (ग्रंथ) ती. २७५  
 ब्रह्मड वीस दू. १६२  
 ब्रह्मवाचा दू. २१

## भ

भगवद् गोमंडल कोदा (ग्रंथ) प.  
 भद्रजाती दू. ६५  
 भरहेर कूण (वि. दि.) प. ३४  
 भागीरथी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६  
 भांवर (भांवरी) दू. २७७  
 भांवर (भांवरी) ती. ७५  
 भाषा-भूषण (ग्रंथ) ती. २१४  
 भुवर डोल (वाद्य) ती. ७  
 भूमिया-घट दे० भूमिया-वंट ।  
 भेट (कर) ती. ५४  
 भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७  
 भेरी (वाद्य) दू. ४८  
 भोग (कर) प. ३६, २५६  
 भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६

भोम (कर) ती. ५४  
 भूमियाचारो प. ३३५  
 भूमिया-वट प. २८३, २८४

## म

मगळ-कळशा ती. ४३, ४६  
 मगळीक (कर । कर-मुक्ति) दू. ७  
 मदाकिनी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६  
 मऊ-दुष्काल (पीडित प्रजा) दू. ३२०  
 मकर सक्रांति (पर्व) दू. ३२  
 मण (माप, तोल) प. १६२  
 मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४  
 मदनभेर (वाद्य) ती. ५३  
 मळवो-लाग (कर) ती. ५४  
 मलूक (जल-क्रीडा) दू. ४१  
 मळ्छे दू. ५६  
 महसूदी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४  
 महसूल (कर) दू. १२७  
 महापसाव दू. २३७  
 महाभारत (धर्म-ग्रंथ) दू. ३  
 महिला-वाग ती. २१३  
 मागलिक सूत्र दू. २६५  
 माढी ती. ४५, ४७  
 माणो (माप) दू. २८  
 मानसी सेवा प. २८६  
 मांभा कुड प. ५१  
 मांभा घड प. ५१  
 मातलोक प. २७८  
 माव्यंदिनी शाखा ती. १७५  
 माफी (कर-मुक्ति) प. २२८  
 मारुवां-विरुद प. ३३५  
 मालकोट ती. २१५  
 मालगुजारी (कर) दू. ३०१  
 मावळियाई भाई दू. १६२  
 मुकाती दू. २१६  
 मुकातो (कर) प. ७४  
 मुद्रा प. १८४, १८५

मुद्रा दू २१०  
 मुद्रा ती. २४  
 मूडका-वेरो ती. ५४  
 मूळ, मूळो (आखेट-मच) प. १०७, १०८  
 मृत्युलोक प २७८  
 मेखळी दू. २४  
 मेघाडंबर दू. ५६  
 मोभ (कर) ती. ५४  
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प २५४, २५५  
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती १४६

र

रबाब (बाघ) दू. २३१  
 रळतळी (तलवार) दू. ३१७  
 राणाई रो विरद दू. ५१  
 राणीपदो ती. १०५  
 राजपूताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६  
 राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर  
 ती २७५

राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६  
 राजस्व दू. २५८, २५९  
 राय-आगण ती. ८९  
 राहवारी (कर) दू. १२७  
 राहावणो दू १३१  
 रडमाळ दू. २४७  
 रडवाचा दू २१  
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) प ५२, ५३,  
 ११६, २३४, २५९, २७७, २७९,  
 २८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२  
 रपियो (मुद्रा। वड। भेंट) दू. २९, ४५,  
 ६९, ७१, १६०, २५७, २५८,  
 २५९, ३०१  
 रपियो (मुद्रा। वड। भेंट) ती. ८३, ९९,  
 १००, १३०, १४९, १६५, १९६,  
 २४२, २४५, २६७, २६८, २६७,  
 २६८, २६९, २८३, २८६  
 रुक ती १६९

रुपारास कूण प. ३५, ३८  
 रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९,  
 ३२०

रेख (कर) दू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट वे० लाखोटो।  
 लगान दू ७२  
 लगानदार दू. ७२  
 लाचो (कर) ती. ५४  
 लाख-पसाव प. १०६  
 लाख-लोवडी दू. ७  
 लाखोटो (जल-मानक) प. ३  
 लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२  
 लागत (कर) दू. ५  
 लागवार दू ७२  
 लीक प. ९९  
 लोकाचार ती ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५  
 वढी-तरवार प. २८३  
 वघांमणो-लाग (कर) ती. ५४  
 वरकसी प. १४१  
 वरजांग-री-चवरी प. २३२  
 वरतियो दू. २२५, २२६  
 वरसाळी-हेसो (कर) प. ३९  
 वरहेडो ती. ४६  
 वळ दू. ७३  
 वळ ती. १९५  
 वळ लाग (कर) ती. ५४  
 वसदेरावउत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६  
 वसी प ४५, ६९, ८२, ९८, १३२,  
 ४११, १४४, १४८, १५१, २०९,  
 २८३, ३०९, ३२३  
 वसी दू १४५, १४६, १४९, १५३, १५७,  
 १५८, १५९, १६०, १६१, १८१,  
 २३६

वसी ती. ८१, ८४, १५७, १६२, २४१  
 बहुतीयाण (कर) दू. ७  
 वास (नाप) दू. ५  
 वासा डोव ती. ७०  
 वाही लाग (कर) ती ५४  
 वात ग्रणहलवाढा पाटण री (ग्रथ) ती  
 ४६, ५०  
 वातपोस ती ३८  
 वावळ महल प. ३३  
 वामीवंघ ती ७०  
 विनाति-पद्धति ती. १४  
 विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य-मुद्रा) ती २१३  
 विट्टलनाथजी-रा-दूहा (ग्रथ) ती २०६  
 विभोग य १५८, १७३, १७८  
 विवाह-फकण दू. २६५, ३१८  
 विवाह-सूत्र वे० विवाह-फकण ।  
 विसवो (कर-भाग) दू. ३०१  
 वीसी ती. १४  
 वीटली ती २१५  
 वीघो प ११६  
 वीण (वाद्य) दू. २३१  
 वेद (वर्म ग्रथ) प १६२  
 वेलि फ्रिसन रुकमणी री, राठोड प्रिधीराज  
 री कही (ग्रंथ) ती २०६  
 वेह ती ४३  
 वंत (नाप) दू. ४२  
 वेंहन (नाप) दू. ४२  
 वैफुठ दू. ७५  
 व्याज दू. ८

## श

शख प. ३३६  
 शास्त्र पुराण (धर्म ग्रथ) दू. ६१  
 श्याम-लता (ग्रथ) ती. २०६

## प

पोढश-महादान प १२८

## स

सख प २७८, ३३६  
 सख दू. २२५  
 सतनावा (ग्रथ) ती. २७५  
 सत्तर खान ती ५३  
 सरग प ७, १६०, २७८  
 सरग दू. ५८, ५६, ६०, ६२, २६१  
 सरगापुर दू. ७५  
 सरचाजं (कर) ती. ५४  
 सवेरी प १६७  
 सामेळो ती ४५  
 सासण प. १०६, १७४, १७६  
 सासण दू. ३८  
 सांसण ती २८१  
 साको दू. ४४, ५६  
 साठा (माप) दू. ५  
 सायरो दू. १२०  
 सायरो ती १२८  
 सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट,  
 वीकानेर ती. २०७  
 सायर महसूल दू. ७  
 सापदू दू. ४५  
 सासत दू. २३१  
 सासतर दू. ११५  
 साहो प ६७  
 साहो ती ७५  
 सिक्को दू. २४  
 सिद्धान्त-वोध (ग्रथ) ती. २१४  
 सिद्धान्त-सार (ग्रथ) ती २१४  
 सिरपाष दू. २६  
 सिरोपाव ती १६६, २४४, २४५  
 सिव-मारग दू. ४५  
 सीरावणी दू. २५१  
 सुरगाई दू. ६०  
 सुरथान प. १८८  
 सुरा-गुर प ३५४



मुर्जन-वरित (प्रथ) ती. २६६  
 सुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८  
 सुहागण प. १३  
 सुखही (कर) ती. ५४  
 सूतग दू. २३६  
 सेई (माप) दू. २१२  
 सेर (तोल) दू. ८. ११८ ३१३  
 सोळाळ-व्रद दू. १५  
 सोनइयो (मुद्रा) प. ३, १२  
 सोमवारिधा-अमल ती. १३४  
 सोळह-शृंगार दू. ५८  
 सोमस (मुद्रा) प. ७  
 सोभाग्य-रात्रि प. १३४  
 स्वर्ग दे० सरग ।

ह

हरिचंदा पुंराण (धर्मशास्त्र) दू. १५  
 हळगत (कर) ती. ५४  
 हलाणो ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२  
 हासल (कर) प. ७४, ८७, ९६  
 हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७  
 हासल (कर) ती. १३०  
 हासलीक दू. २५६, २६०  
 हिंदवाणो ती. ५३  
 होळी (पर्व) प. ७३  
 होळी (पर्व) दू. ७  
 होळी (पर्व) ती. ८४  
 होळी-मगळावणो ती. ८४  
 होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अमाक्षी प २७७  
 अषाव प ४६  
 अगन हू २४६  
 अगम प ६६  
 अग्नि हू. २७७  
 अग्निफुड दे० अनळकुंड ।  
 अजोष्या प २६२  
 अनळकुंड प १३४, १८५, ३३६,  
 ,, ती. १७४, १७५  
 अनादि प. १८४. २६१  
 ,, हू ५७  
 अयोष्या दे० अजोष्या ।  
 अरक प १६०  
 अरणोद गोतमजी तीर्थ प. ६४  
 अलल ती. २६३  
 असन प. १८४  
 असुर हू. ६५, १३८  
 असुरां-गुह प. ३५४

आ

आबाई देवी प. १, २७७  
 आबाष प. ४६, २७७  
 आद हू. ५७  
 आद नारायण प. १२२, २६१, २८०  
 आद श्रीनारायण प २८७  
 ,, ,, हू. ६  
 आदि प. १८४. २६१  
 आदि देव प. ७  
 आदिनाथजी प. ३६  
 आदि पुरुष ती. १७५  
 आदि श्रीनारायण प. ७७, २८७  
 ,, ,, हू. ६

आबू दे० ग्राम नामावली में  
 आयास हू २५४  
 आयास ती. २८३  
 आषह प ३६  
 आसापुरा देवी हू. २१७, २१८, २२०  
 आसापुरी देवी ती. १३४. २६२  
 आसावर (देवी) प १८६

इ

इदु प. १६०  
 इद्र प. १६२, २७५, ३३६  
 इर्कलिंग महादेव प २३

ई

ईश्वर प. २२०  
 ईश्वर ती १२१  
 ईस हू २४६

उ

उज्जेण (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में ।  
 उमादेवी भट्टियाणी दे० स्त्री नामावली में ।

ए

एकलिंगिड धाराह प. १७०  
 एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,  
 ३४, ३५, ४४  
 एकलिंगदेव प. ७  
 एकलिंग महा देव प. ७  
 एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८  
 एकादश रुद्र प. २७८  
 एकादश रुद्र महालय प २७८  
 एकादसी हू. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

## क

- ककाली प ३३६  
 कघरूढा प. १८५  
 कवळ दे० कमळ ।  
 कवळ-पूजा प. ५६, ३३६  
 ,, ,, दू. १७  
 कपालीक प. ३२२  
 कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०,  
 २८७, २६३  
 कमळ दू. ६  
 कमळ ती १७५  
 कमळा प. १८५  
 करणीगर दू. २३७  
 करतार दू. ४५  
 कला-पळा प. १८५  
 कश्यप दे० कश्यप ।  
 कश्यप प. ७८, २८७  
 ,, ती. १७५, १७७  
 कापालिक प ३२२  
 कालिका प. १८५  
 काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।  
 कासी-करोत प. २१६  
 कुळदेवी दू २६७, २७२  
 कुळदेवी ती. १७५  
 कृष्ण दे० श्रीकृष्ण ।  
 कृष्णजी दू. १५ १६, ३५, ६३  
 केदार(केदारनाथ)दे० ग्राम नामावली में ।  
 केवायदेवी प १२३  
 ,, ती. १७३  
 केसोरायजी प. १३१  
 कैलास प. ८  
 कोटेश्वर महादेव प. २, २७७  
 कौमारी प. १८५  
 क्षीरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।  
 क्षेत्रपाल प. २६४  
 ,, दू. २२  
 ,, ती. १७

## ख

- खुवा दू ४७  
 खेड-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।  
 खेडा-देवत दू. २२  
 खेतपाळ दे० खेत्रपाळ  
 खेतळ प. २४५  
 खेतळ-वाहण प. २४५  
 खेत्रपाळ प. २६४, ३१२  
 ,, दू २२, १३५, २६७  
 ,, ती. १७

## ग

- गगश्यामजी ती २१५  
 गगस्थामो दे० गगश्यामजी ।  
 गगाजळ दू. २०२  
 गगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२  
 ,, दू २०२  
 गगोदक प. २१३, २१४  
 गगोदक-कावळ प. २१३, २१४, २१५  
 गणेशजी ती. १५४  
 गवदेव दू, ५०  
 गाय-दान दू. २६६  
 गिरनार प. २२  
 ,, दू. १, २०२, २०४, २०५,  
 २०६, २२०, २४०  
 गुरड दू २५२, २५३  
 गुसाई-री-पाटुका प ४२  
 गोकह्न तीर्थ प. १०७  
 गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७  
 गोकळीनाथ दे० गोकुळीनाथ ।  
 गोकुळीनाथ प. २०४, २१३  
 गोखभ प १६०  
 गोगादे दे० गोगादेजी ।  
 गोगादेजी प ३४७ ३४८, ३४९, ३५०  
 गोगादेनी दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०,  
 ३२१, ३२२, ३२६  
 गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती सनान) दू. २६८

गोमती सगम प २८६

गोरखनाथ जोगी दू. ३२०

गोरखनाथ जोगी ती. ७६

गोवरघननाथ प ८६

गोविंद भगवान प १८४

### च

चण्डेश्वर महादेव दू ३२

चंद्र (चद) प. १८५, १६२, २७२

चंद्र (चद) दू ३७

चंद्र (चद) ती. ५०, ५२

चक्र प २८६

चक्र तीर्थ (चक्र तीर्थ, चित्र तीर्थ) ती २७७

चपळा (देवी) प. १८५

चाटीसी महादेव दू ३२

चाद दे० चद्र ।

चामुडा देवी दे० चावटाजी ।

चारण देवी प ५६

चालेर-रो-पारसनाथ प ४७

चावहाजी प २०४

चीरासी गच्छ ती १६

### ज

जगकृता प १८५

जमजाळ प १२५

जमवूत दू ४६, २६८

जमुना-तीर्थ प १३२, ३३२

जात (तीर्थयात्रा, देवपूजन) प. १, १११,

१३२, २६३, २८६, ३३६

जात दू. १३, २३६, २४६, २४७

जात्रा दू २६६, २६८, ३२५

जात्री, तीर्थ प. २८६

जान्हवी ती. २०६

जिंदो प ३३६

जिग्य प ११

जुगाद ती. १७५

जुगाद ब्रह्मा प. २६१

जैन (धर्म) प ३३, २२७, २७६

जैन (धर्म) दू ११३

जैन (धर्म) ती १६, २८

जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)

जोतविंद प १६०

जोतलिंग दे० ज्योतिलिंग ।

ज्यान दे० जैन ।

ज्योतिलिंग प ११, २१३, २७८, ३३५

ज्योतिलिंग श्रीएकलिंगजी प ११

### झ

झींढोळियो भूत ती. २५४

झोडिंग भूत ती. २५२ २५३, २५४, २५५

### ठ

ठाकुर (श्रीकृष्ण) प, १३१, २१३, २८६,  
३०३

ठाकुर (श्रीकृष्ण) दू २२२, २४७, २७०

ठाकुर (श्रीकृष्ण) ती २४६, २५०

ठाकुरहारो प ८४

### त

तीर्थ-गुरु पुष्कर प २४

तीर्थ-यात्रा दू २६६

तुळछीवळ दू ५६

तुळती ती २६२

तुळसी थाणो ती २६२

तेलोचन दू ५६

तेही वदन दू. ५६

त्रिलोचन दू ५६

त्रिघदन दू ५६

त्रिसूळ प ४०, ४२

त्र्यवक प १, १२२

### द

दहव प ७६

दइष दू. ६३

दईत ती २५१

दत्ताधरी प. १८५

दसमों साळगराम प. २०४

बाणघ प. २१३  
 बाणघ दू ५६  
 बांन दू. २२३, २३६, २३७  
 बांन-पुष्य प. १३६  
 दिल्लीद्वर ईश्वर प. २२०  
 दुगापचा (दूगर माता, दुगाय माता)  
 ती. २५७  
 दुगायचा दे० दुगापचा ।  
 दुर्गा देवी ती ५३  
 दुर्गापचा दे० दुगापचा ।  
 देव दे० देवता ।  
 देव-ऊठणी-एकादशी दू. ३२२  
 देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५  
 देवगति दू २७१  
 देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५  
 देवता ती. ५७  
 देवनीक ती. ७६  
 देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५  
 देवपाटन दे० देव-पट्टन ।  
 देव-रो-पाटण दे० देव-पट्टन ।  
 देवाण-विद्या प. १८५  
 देवाय प. १६२  
 देवी, (देवीजी) प ११, १८५, २०२,  
 २०३, २७३, २७४, ३३६  
 देवी, (देवीजी) दू १३, १७, १८,  
 २२, २०३, २०४, २१७,  
 २१८, २२०, २३७, २६७,  
 २७२  
 देवी, (देवीजी) ती १७, ६६, १५४, २६२  
 देवोत्थान पर्व ती. २६५  
 दंत प. ३३६  
 दंत ती. २५२  
 देवी-शक्ति दू. २०३  
 दैव्यांशी दू. २०३  
 द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४,  
 २८६, ३३७

द्वारकाजी (तीर्थ) दू २२५, २६६,  
 २६७, २६८

द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६

द्वारकानाथ दू. २६८

द्वारामती दू. २२५

ध

धनवाता देवी प. १८५

धरतीमाता दू. ३०४

धू प. ७, २२६

धू दू ५२, ५३

ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू २५२

नाग ती. ७४

नागही चारणी दू. २०२, २०३, २०४

नासिक-त्रयक प. १, १२२

नासिक-त्रयम्बक दे० नासिक-त्रयक ।

प

पनग दू. २५३

परब्रह्म ती. १७५

परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५

परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२

परमेश्वर ती. ४, ५, ८, ६४, १२०, २५५

पावुजी दे० पुरुष-नामावली ।

पारसनाथ प. ४७

पितर प. १६

पींडी (शिर्वालिग) प. २१३, २१५, २१६

पोकरजी (पुष्कर) प. २४

प्रवक्षिणा दू २७७

„ ती. ८६

प्रभासक्षेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३

प्रभास-पट्टन प. २१३

प्रम प १८४

प्रमहंस प. १८५

प्रयागजी प. १३२

„ ती. २७६

प्राग्वह्य प. २२६

प्राची-माघव प. २७७

फ

फणद्व (फर्णाद्र) प. १६०

व

वभेत्तर दू. २१५

बभूत ती. २७

बहुळी-जोगणी प. २०४

बावण-विसन प. १५

बिंब-सरोवर (तीर्थ) प. २७७

ब्रह्मा वे० ब्रह्मा ।

ब्रह्म प. ७

ब्रह्मकोप प. २१५

ब्रह्मतेज प. २१५

ब्रह्मवाचा दू. २१

ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२,

१६२, २८०, २८७, २६२

ब्रह्मा दू. ६

ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३

,, दू. ३५, २४६, ३२०

भगवान राम प. ६३

भद्र ती ५३

भद्रकाळी ती. १७

भध (शकर) दू. २४६

भागीरथी ती. २०६

भुवनेश्वरी प. १८५

भूत दू. ४६

भूत ती २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगळ (अग्नि) दू. २५२, २५३

मंत्र-प्रावाहन प. १

मंदाकिनी ती. २०६

मक्का दू. ४६

मथुरा (मथुराजी) प. १३१, १३२,

३१२, ३५६

मथुरा (मथुराजी) दू. ११, १६, १४०

मथुरा (मथुराजी) ती. २०६

मरीच प. ७७, २८७

मरुनायकजी ती. २१३

मह-मोहण (महा मोहन श्रीकृष्ण) दू. ६३

महाकाळ प. १२५

महादेवजी प. ७, ११, १४४, १५४,

२१३, २१५, २१६, २१७,

२१८, २१९, २२०, २८६

महादेवजी दू. २६७, २७२

महादेवजी री पीडी प. २१६

महादेवजी रो लिंग प. २१३, २१६

महादेव-सोमद्वयो प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७

महा रौख प. ६, १६१

महीनाळ-तीर्थ प. ४४

महेसुर प. १८५

माताघेन प. १

मांमा-खेजळी प. २४७

मांमाजी (लोक देवता) प. २४७

माताजी (देवी) दू. १८, ३३८

माया ती ७१

मित्रावरण प. १२२

मुद्रा प. १८४, १८५

,, दू. २१०

,, ती २४

मेळळी ती. २७

य

यद्र प. २७८

यमपाश प. १२५

यमुना वे० जमुना ।

यात्रा (तीर्थ) प. २८६

युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११  
 ,, दू. २६८  
 रामचंद्र प. ६२  
 रामदे पीर प. ३५०, ३५१  
 रामेश (रामेश्वर) दू. ३८  
 राकस (राक्षस) प. १३४  
 राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५  
 राक्षस दे० राकस ।  
 राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४  
 राम भगवान प. ६३  
 राष्ट्रश्रेया देवी प. ३४  
 रिणछोड़जी दे० रणछोड़जी ।  
 रिष प. २३१, ३५४  
 रिषीकेश (श्राव पर्वत पर) प. १७८  
 रुडमाल दू. २४६  
 रुद्र प. १६२, २७७  
 रुद्रनाग प. १६०  
 रुद्र महालय प. २७२, २७७, २७८  
 रुद्रमालो (झूगरपुर-राजस्थान) प. ८५  
 रुद्रमालो (विद्वपुर-गुजरात) प. २७२,  
 २७६, २७७,

रुद्रवाचा दू. २१  
 रुपादे राणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मी दू. २७४  
 लक्ष्मी ती. ५३  
 लक्ष्मीनाथ ती. २२१  
 लाग सगती ती. २२२  
 लाछ सगती ती. २२२  
 लाभध्रम दू. ११८  
 लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगच्छ ती. १६  
 वर दू. २६७

वर ती. १६५  
 वरदान ती. १२०  
 वर-वासण देवी प. ४७  
 वाचाछळ देवीजी प. १३४  
 वाणारसी दे. ग्राम मामावली ।  
 वामन अवतार प. १५  
 वासग प. २७८  
 विधाता दू. २७४  
 विनायक ती. १५४  
 विष्णु दे० विष्णु भगवान ।  
 विष्णु भगवान प. १५  
 विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५  
 विसनर दू. २४६  
 विह दे० विधाता ।  
 वेद प. १६२  
 वैवस्वत दे० वैवस्वत-मनु ।  
 वैवस्वत-मनु प. ७८, ११६  
 वैश्वानर दू. २४६  
 वैष्णव प. ३०३  
 वैष्णव ती. २१३  
 वल्लभ प. २७८

श

शकर दू. २४६  
 शल प. ३३६  
 शत्रुजय प. ३३५  
 शिव प. ८५  
 शिव दू. २४६  
 शिव ती. २८  
 शिव-पट्टन प. २१३  
 शिवलिंग प. २१३, २१५  
 शेषनाग प. ६  
 शेष (सिध) प. ३३  
 श्रीश्राविनायकी प. ३६  
 श्रीश्राविनारायण ती. १७७  
 श्रीकुजविहारीजी ती. २१३  
 श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) दू १, ३, ६, १५,  
३५, ६३, २०६, ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती १७४, २७५

श्रीगणेश्यामजी ती २१३, २१५

श्रीगोकुण्डनाथ (श्रीगोकुण्डलीनाथ) प २१३

श्रीठाकुरजी प १३१, २१३, २८६, ३०३

„ दू २२२

„ ती १५७, २५०

श्रीपरमेश्वर दू ३२२

श्रीभगवान ती. २५०

श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी ।

श्रीमहादेवजी सारणेश्वरजी प. १७३, १७८

श्रीरणछोडजी (श्री रणछोडराय) प १११

„ „ दू. २४६,

२४७, २६८

श्रीरणछोडजी (श्री रणछोडराय) ती १७६,

२६६

श्रीरणछोडराय खेडू ती. १७३

श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २९२,

२६३, २६५

„ ती. १७८, २४६

श्रीलक्ष्मीनाथजी (जैसलमेर) ती २२१

श्रीवाराहजी प. २४

श्रीविष्णु दू. ३

## स

संकर (शकर) दू. २४६

सख प २७८, ३३६

सकत (शक्ति) प. १८६

सच्चिदायदेवी (सच्चिदाय) प. ३३७, ३३६

„ „ ती. १७५

सपत पताळ प. १९२

सरग प. ७, १६०, २७८

„ दू २७३

सरस्वती प. १८५, २७७

„ दू. ३, २६६

„ ती. २६, १७३

सहस्रलिङ्ग दू ३३

सारणेश्वरजी महादेव प १७३, १७८

सारसत्त दे० सरस्वती ।

साळगरांम प २०४

सावड प ३६, ४७

सिकोतरी ती. २

सिद्ध प २५४, २७८, २८५

„ ती २७, ७६

सिद्धपुर प २७६, २७७

सिद्धपुर दू २७२

सिध दे० सिद्ध ।

सिध (सिधधर्म—शैव) प ३२

सिधपुरी प. १८६, १६०

सीतळा दू. १०६, १५५

सुर प २७७, २७८

सुरधान प. १८८

सुरां-गुर प ३५४

सूरज (सूर्य) प. १ ३, ४३, ७८, १६०, २८७

„ दू. ३७, ३०४

सूर्यवंश ती. १७७

सेत दे० सेतुवध ।

सेतुवध प ६, २७

„ दू. ३८

सेत्रूजी प. २७६, ३३५

सेस प, ६, २२६

सेंणी चारणी देवी प २०४

सोमद्वयो प. २१४, २१५

सोमद्वयो महादेव प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७, ३३५

सोमद्वयो महादेव ती. २६४

सोमद्वयो-लिङ्ग प. २१३

सोमनाथ-पट्टन प. २१३

सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७, २१८,

२१९, ३३५

सोमनाथ महादेव, ती. २६४



सोरंभजी प. २१४  
 सीरौं-घाट प. २१४  
 स्वर्ग प. ७, २७८  
 त्रग प. १८६, २४५  
 खग-सातमों प. २४५

ह

हङ्गुली दे० हरभम पीर सांखली ।

हर प. ३४२, ३४६  
 हर कू. ३२०  
 हरभम दे० हरभम पीर सांखली ।  
 हरभम जाळ प. ३५०  
 हरभम पीर सांखली प ३४८, ३५०,  
 ३५१, ३५२  
 हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखली ।  
 हरि प. ३४२, ३४६



# सम्पत्ति

## छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-सख्या

[ नाम की पक्ति सख्या उस नाम का उस पंक्ति में होना चाहिये बताया है ]

पृ.	काँ	प	पुरुष नाम
२	२	२२	१३६, १४१
३	१	६	अखी प ३६३
५	२	२०	३१, ३६१
७	२	२	आलमसाह प. ५६
८	१	४	३६१
८	१	१०	३६२
९	१	२	३६१
९	२	९	३२०
१२	१	७	कथक वृ. २१४
१२	१	८	कथकनाथ योगी वृ. २१४
१३	१	११	५, ६, १३, १५, १९, ७०
१३	२	१०	करमचंद पंवार प. १२२
१४	१	३	१६६
१४	१	२७	१९५
१५	१	३	१५६
१६	२	२	काबो गढी प. १३६
१९	२	१३	३१५
२०	२	५	३६३
२१	१	२४	३६१
२१	२	११	खीमो संकरोत वृ. ८४
२२	२	४	गगस घोषो प. ५
२२	२	१३	३३८
२३	१	३	गढी काबो प. १३६
२३	१	१६	३६३
२३	१	३४	३५९
२४	१	१२	गोकळ प ३६१
२७	१	३६	धवंडो वे० चूडो ।

पृ.	काँ.	प.	पुरुष नाम
३२	१	१४	३१८
३३	२	२८	३१०
३५	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८
३९	२	११	१६४
४१	२	३१	३१७, ३१८
४४	२	१४	१९८, १९९
४७	१	२१	१८३
५८	२	६	१९९
४८	२	७	१९८
४८	२	अन्तिम	१६१
५०	१	२६	३५२
५०	२	३	११९
५४	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५	१	२६	१७
५५	१	अन्तिम	प्रथीराव प २४३
५७	१	२३	बहन्नाल प. १८६
५७	२	५	९७, ९८
५७	२	२४	खालरथ प. २८८
६५	२	२५	३४५, ३४६
६६	२	२७	२९४, २९५, २९७
७२	२	९	यशवंतसिंह रावल वे० पताई रावल
७६	१	अन्तिम	३१९
७७	१	३५	१८९, १९०
८१	२	२६	लसकरी कैमरो प. ३००
८९	१	४	१०१

पु.	काँ.	प.	पुरुष नाम
६८	१	३	साह आलम प. ५६
१०१	२	२६	२८३
१०२	२	२३	१०२ ते ११०
भौगोलिक			
१२०	२	६	२३६
१२८	२	१६	४१
१३२	२	१७	जांभोरो सीयळा रो वू० ६
१४३	२	३	पूछणो वू १६४ वे० पूछणो
सांस्कृतिक			
१७२	१	१६	अमल रो पीतो प. १०२
१७२	१	२४	अलाइ-बलाइ प. १००
१७२	२	६	आहुखानो प. ८६
१७२	२	१३	१३४, २०६

पु.	काँ.	प.	सांस्कृतिक
१७	१	३१	किरियांगो (प्रसूता की पौष्टिक खाद्य-सामग्री वू. २८०)
१७३	२	६	कीड़वान वू. २२३
१७३	२	२५	पोडो बाळणो वू. ११६
१७४	१	७	३३६
१७५	२	७	बोन-पुन्य प. १३६. २६६
१७५	२	१३	बायजो प. ७६
१७५	२	२५	डुहागण वू. १०
१७६	२	९	पाणी वेणो वू. ३३७
१७६	२	११	पाघही-भाई वू. ६६
१७६	२	३७	पीतो प. १०२
१७६	२		अंतिम प्रळंवातार वू. १२०

## परिशिष्ट २

### अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी री हस्तलिखित ख्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुंडलियां भी ख्यात में उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन् की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुंडलिया ज्योतिष-शास्त्र में रचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और शोध की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुंडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही दी हुई हैं। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थी; अतः यहाँ दी जा रही है—

#### राणा सांगा री जन्मकुंडली

संमत १५३६ रा वैशाख वद ६ सांगा री जनम । समत १५६६ जेठ सुद ५ रांगो सांगो पाट बैठो । (ख्यात पत्र ५ सू उद्धृत )

३	२ शु	१
४ वृ	वु	१२ र
५	श्री॥	११ च
६	न	१०
७ म. श.	के	९

#### राणा उदैसिध री जन्मपत्री

रांगो उदैसिध, समत १५७६ भाद्रवा सुद ११ जनम । सं० १६२६ रा फागुण सुद १५ रांगो उदैसिध काळ प्राप्त हुओ । (ख्यात पत्र ६ सू उद्धृत)

६ शु के	५	४ म
७	र	३
८ चं	श्री॥	२
९	११	१
१० वृ	ग	१२ रा

## जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

स० १६११ असाढ वदी ५ रविवार रो जनम (ख्यात पत्र ६ सू)

४	३	२ कु
५ म	सु रा	१ शु
६	श्री॥	१२ ष गु
७	६	११ च
८	के	१०

## सगर रो जन्म

स० १६१३ भादवा वदी ३ रो सगर रो जन्म (ख्यात पत्र १)

३ मं	२	१ ष
४ र	रा	१२
५ कु	श्री॥	११ च
६ शु	८	१०
७	वृ के	६

## महाराराणा प्रताप री जन्मकुंडळी

स० १६१६ जेठ सुद ३ रविवार रो राणा प्रताप रो जन्म (ख्यात पत्र ७)

११	१०	६
१२ रा		८
१	श्री॥	७
२ र	४	६ म ष के
३ शु. बु. चं.	वृ	५

राणा करन री जन्मकुंडली

जन्म सं० १६४० सावण मृदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (व्यात पत्र ६)

३ के		१
८२	२	१२ वृ.म.
५ मृ. वृ	श्री॥	११
६ म		१०
७	६	६ म. व.

राणा जगन्निध री जन्मकुंडली

जन्म सं० १६६४ म मादवा मृदि १२, मृत्यु १७१४ म जेठ माहि घवळपुर री नशर्दि काम आयो ।

६ मृ वृ	५	४
७	६	३
८		२
९ म	११	१
१०	के	१२ वृ



## परिशिष्ट ३

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्ट

संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नामावली

सकेताक्षर

स०	—	सज्ञा	प.	—	नैणसी रो ख्यात का पहला भाग
ब.व.	—	बहु वचन	दू.	—	दूसरा भाग
दे०		देखिये	ती.	—	तीसरा भाग

अखैसाही नांगो—जैसलमेर के रावल अखैराज द्वारा प्रवर्तित एक रोप्य मुद्रा ।

अनवी—परवतसर और महारोट के अनन्न घीर राधत उद्धरण दहिये का विरुद ।

अभगनाथ—विजयी घीरों में श्रेष्ठ घीर ।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का वस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ ।

असख प्रवाड़े-जैतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असह्य

युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद ।

असत घान—१. हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सडा-गला) अनाज ।

असुख—१. शत्रुता २. रोग ।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय ।

( ब. व.—असुरां, असुराण, असुरायण, असुराळ, असुराळ, अत्ताळ )

आऊठ कोड़ बभणवाड़ } — नवलखी सिध का बभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर ।  
 आऊठ कोड़ सांमई } (कहा जाता है कि सिध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग  
 नवलखी सिध के नाम से प्रसिद्ध थे । बभणवाड़ आठ करोड की आय का प्रदेश कहा  
 जाता है ।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल । २. विजयराव चूडाळ का विरुद ।

आगू—१. यात्रा में आगे चलने वाला और भय स्थानों एव शत्रुओं की सूचना देनेवाला  
 व्यक्ति । २. मार्गदर्शक ।

आदित, आदित्य—दे. दीत-ब्राह्मण ।

आयस, आयसजी—राजस्थान के नाथ सत्यासियों का विरुद या उपाधि ।

आरभरांम—('आरभ + आरांम' का अपभ्रंश रूप) यह शक्तिमान राजा या बादशाह जो  
 किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये  
 तैयार रहता है ।

आलमगीर—बादशाह औरगजेव रा विरुद ।

आसा—गर्भ ।

आहाड़ा—'आहोड़ा' नामक गाँव में बसने के कारण मेवाह के शिशोदियो (शासको) का एक विरुद ।

आहूठमा नरेश—चित्तौड़ के शिशोदिया नरेशो का एक विरुद ।

इद्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह दिशाओं में से एक ।

इक्की—दे० एकी ।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन के अदर टोडा और जालोर को विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि ।

उड़दावो—कई धान्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक खाद्य ।

उपाधियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अव्यापक की एक उपाधि ।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि ।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थीं । हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर घड़ से लहते थे और घड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं । इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो सट्यायें शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं ।

'उमराव' अमोर शब्द का बहुवचन रूप है ।

'उमराव' और 'उमराव धनो' राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है ।

उवही—समुद्र ।

ऋषि, ऋषीश्वर—१. वेद-मंत्रों का प्रकाशक, मन्त्र-द्रष्टा । २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्वों का ज्ञाता ।

एकी—अनेक योद्धाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का अंग-रक्षक ।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति । गडरिया ।

ओकर—१. कुवंचन, गाली । २. विष्टा ।

ओठी—ऊट सवार ( १. ऊंट । २. ऊट से सम्बन्धित । )

ओढो-रांवण—रावण के समान भयकर महाबली दोदा सूमरे का विरुद । ( विकट महाबली )

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य को गिरवी रखना पड़ता था । २. मनुष्य को गिरवी रखने की प्रथा ।

ओळगण—गानेवाली ढाड़िन नौकरानी । ( १. वियोगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी )



ओळगू—गाने बजाने वाला ढाढ़ी नौकर ।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का । २. राजकुमारी । ३. पुत्र ।

कँवरांणी—कुमर की पत्नी ।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गया ।

कणवारियो—खेतों में से कूता किया हुआ नाज इकट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर ।

कनवजियो, कनवजो—कन्नोज से मारवाड में आये हुए राठीड़ क्षत्री का विरुद ।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-वासित पानी ।

कमध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठीड़ क्षत्रियो का विरुद ।

करहीरो—ऊट सघार, करभारोही ।

करोड़ी, किरोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बावशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी ।

कनल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कनल टॉड की सैनिक उपाधि । ३. कनल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवरराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्ता चारण २. कवि ३. भाट-कवि ।

कसतूरियो मिरघ—१. विलासिता की एक उपाधि । २. कस्तूरीमृग ।

कलावत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि । ३. एक संगीतज्ञ जाति । ३ एक क्षत्रिय जाति । ४. संगीतज्ञ ।

कांचळी—पुत्री नेग

कांठळियो—१. सीमा रक्षक । २. पडोसी राज्य का लुटेरा । ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा ।

कांनूगो—बावशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो ।

कांमदार—जागीरदार की जागीरी का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी ।

कांमेती—वे० कामदार ।

काछ पचाळ—कच्छ और पाचाल देश की एक देवी ।

काछराय—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी ।

कारण—१. गर्भ । २. प्रतिष्ठा । ३. मान-मर्यादा । ४. कृपा ।

कारणीक—१. योग्य । २. प्रामाणिक । ३. ज्ञाता, जानकार । ४. परोपकारी । ५. विवेकी । ६. दरमियानगिरी करने वाला ।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ । २

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलक रूप उपाधि । २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम ।

किलंब, किलम—कलमा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम । (ब. व.—किलबा, किलबाण, किलमां, किलमाण, किलमायण)

किलेदार—१. दुर्गरक्षक । २. दुर्गरक्षक का पद ।

कुंवर-मांगो—  
 कुंवर पछेवड़ी—  
 कुंवर पांमरी—  
 कुंवर सूखड़ी—

कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर ।

कुतबसाही-नांगो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रवर्तित कुतुबशाही मुद्रा ।

कूरवाण—मास-खाद्य रखने का एक पात्र ।

कृत—मृतक-संस्कार ।

केसरिया—विवाहार्थ व युद्धार्थ पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक ।

कैलपुरो—कैलवा नाम के गाँव में बसने के कारण शिशोदियों का एक विरुद ।

कोटवाळ—१. शासनाधिकारी का एक पद । २. दुर्गरक्षक और उसका पद ।

खटायत—सहन करने वाला वीर पुरुष ।

खबरदार—सदेश-वाहक अनुचर ।

खरक कूंग—षायब्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा ।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर । २. नाई । ३. दासी । ४. रखेल स्त्री ।

खांगड़ो—१. राठोड़ राजपूत । २. राठोड़ों का एक विरुद । ३. वीर ।

खांगीवध—राठोड़ो का एक विरुद ।

खांट जात—भील, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि ।

खान—१. बाबशाह की सभा के मुसलमान दरवारी । खानों की संख्या बाबशाही दरवारों में ७० होती थी । इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे । 'सदर खान और बहतर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है ।

२. पठानों की एक उपाधि । ३. मुसलमान ।

खाड़े ती—बैलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति । २. हल चलाने वाला व्यक्ति ।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार । २. रखेल । ३. दासी ।

खिलहरी, खिलहोरा, खिलोरी, खिलोहरी—१. जंगली मनुष्य । २. भेड-बकरी चराने वाला व्यक्ति ।

खुरसाण—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ( व. व. खुरसाणा, खुरासाणा )

खूंदालम—बाबशाह ।

खून—१. अपराध । २. हत्या ॥

खूमाणो—रावळ खूमाण के वंशज शिशोदिया क्षत्रियों का विरुद ।

खूर—लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति ।

खेड़ा री बाघण—शिकार का एक प्रकार ।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियों का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विरुद्ध ।

खेड़ायत—१. एक गाँव का धनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

गग—१. राना घणसूर मोहिल का विरुद्ध । २. राघ गाँगा की उन संज्ञा ।

गजघर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. गाने वाली । २. वेश्या ।

गुढी—रक्षा-स्थान ।

गूल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक कर ।

गेहलो—अणहिलपुर पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विरुद्ध ।

गोडो वालणो—मृतक की सम्बेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदव—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का सालिक ।

२. विद्रोही, धागी । ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन । ३. देवी-देवता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पशनी रूप में पर-पूरुष के घर में रहना ।

घावड़ियो—हानि पहुँचाने या मारने के लिये ताक में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरघार—कोळू के शासक पमे का विरुद्ध ।

चक्रवं—चक्रवर्ती राजा, सम्राट ।

चरवैदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नौकर, सईस । २. घोड़ों को जगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नौकर ।

चवरासियो—चौरासो गाँवों का स्वामी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

चींधड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा धीर योद्धा । २. अधिक अफीम खाने के कारण सुष-बुध रहित व गदा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध धीर भाटी विजयराव का विरुद्ध ।

चोटी-वढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी चोटी कटाई हुई रखनी पडती थी ।

चोधरी—१. गाँव की चौधराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

चौरासिया-ठाकर—१. चौरासो गाँवों का जागीरदार । २. बड़ा जागीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छठी—१. मृत्यु । २ युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीवरदार, चौबदार ।

छतीस पवन—१. चारों धर्ण और उनके अतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ । २ सत्तार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१ मरहटों का राज्य स्थापित करने वाले धीरवर शिवाजी की उपाधि और विरुद्ध । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

- छात्राळा—जैसलमेर के भाटी शासकों का विरुद्ध ।

जवादि जलहर—१ वह जलागार जिसके जल में क्रीडा या मंजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । ३ सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रीडा ।

जमीदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जांगलधर—१. वीकानेर के राठौड़ राजाओं की उपाधि और विरुद्ध । २ वीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही रूपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणाऊ—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, विज्ञ ।

जांस--सौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी--१. रण-पिशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २ आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१. बड़ा योगी, योगीश्वर । २ राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर--योगीश्वर ।

जोसी--ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झोटोळियो--१ एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोटिंग--१. घने बालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति ष काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रूपया । २. दो पैसे (६०  $\frac{1}{2}$ ) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युवराज । २. मुखिया, अधिष्ठाता ।

ठकराणी--१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलवान क्षत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा--१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर--१ ठाकुर, जागीरदार । २. कुलवान क्षत्री ।

ठाकुर--१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण । ३. दे० ठाकर ।

ठाकुरजी--१ श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) । २. श्रीकृष्ण ।

डावड़ी --१ जागीरदार की एक दासी । २ पुत्री ।

डोली--ब्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि ।

ढोल बिरावणो--आक्रमण के समय सूचना देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना ।

डावी-पाघ--राठीडों की पगडी का एक पेश ।

तपसी--तपस्वी साधु ।

तहड़-कूंग--सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम ।

तुरक--मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम ।

तुरकाणी--१ तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य । २ मुसलमान स्त्री ।

थाळी-लाग--१. प्रति व्यक्ति कर । २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर ।

दळथभण--जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विरुद्ध ।

दसमो साळगराम-गोकुळीनाथ--जासोर के प्रख्यात वीर राघ कान्हडदे सोनगरे का विरुद्ध ।

दानेसर, दानेसवर--प्रभात नाम महावानी कुन्ती पुत्र कर्ण (धसुषेण) का विरुद्ध ।

दांम--पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के ६० १ के १६०० दाम होते थे) ।

दीत--दे० दीत-ब्राह्मण ।

दीत-ब्राह्मण--चित्तौड़ के शासक सीसोदियों के पूर्वजों (घन शर्मा के बाद गोवसीवित्य से भोगवित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या श्रल्ल ।

दीवाण--१ मेवाड़ के सीसोदिया शासकों (महारानाओं) का पद और एक विरुद्ध । (मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीहर्कलिंगजी और महाराना उनके दीवान हैं ) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान ।

दुर्गाणी--१ रुपये के सौवें भाग का एक पुराना सिक्का ।

२, व्याज की फलाघट में गणित का एक साधन, दुरगाणी ।

दुगापचा (दुगाय माता)--हंवाघाटी में दुगाय पर्वत पर की दूगर माता देवी । दुर्गा-पचा नाम भी प्रसिद्ध है ।

देसोत--१. देशपति, राजा । २. जागीरदार ।

देवचो, देवाचो--प्रतिज्ञा ।

घाड़वी, घाड़ायत, घाड़ायती, घाड़ेत, घाड़ेती--डाका डालकर घन लूटने वाला व्यक्ति ।

घाय-भाई—घा-भाई, दूध-भाई । स्तनपान कराने वाली घाय का पुत्र । २. घाय-भाई के वंशजों की उपाधि ।

घारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना ।

नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में आने तथा उनकी सवारी के समय विरुद-गान करने वाला सेवक ।

नगारो दिराणी—आक्रमण के समय सूचना देने और चीरों का संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना ।

नबाव—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि । २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक ।

नव कोटी-मारवाड़—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य ।

नव-सहस्रो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राव मालदेव का विरुद । २. वीर राठौड़ क्षत्री ।

नागदहा—नागदहा गाव में बसने के कारण सेवाड के सीसोदिया-शासकों का एक विरुद ।

नादेत-नीसारोत—चाचग के वंशज रुणवाय के सांखलों का विरुद ।

नेगी—नेग लेने वाला व्यक्ति ।

न्याळां—१. आखेट-गोष्ठी । शिकारियों की भोजन-गोष्ठी ।

पचाध कूण—उत्तर और वायव्य के बीच की दिशा का नाम ।

पटू—प्रतिभू, जामिन ।

पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पर्दे में रहने का सम्मान मिला हो ।

पताई-रावळ--पावागढ (गुजरात) के वीर रावल यशवतसिंह का विरुद ।

परत-रो-वेढ--शतं की लड़ाई ।

परधान—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री । २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए झगड़े-टटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति ।

पांडव--घोड़े का सईस ।

पाइक —१. पंदल सैनिक । २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक ।

पाखा-देवळी--१. राजा का परिजन या परिग्रह । २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन ।

पाटवी--१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज । २. जागीर का अधिकारी ।

पाटोघर--पट्टाधिकारी, राजा ।

पात--१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि । २. चारण ।

पातर--१. राजाओं की गायिका । २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या ।

पातळ--जग-विद्ययात महाराना वीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम ।

पातसाह—बादशाह ।

पासवान्त—१. राजा का खास सेवक । २. राजा की एक रखेल स्त्री और उसका बर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रुपया ।

पीथल—'क्रिस्तन रुकमणी री धेल्लि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त वीकानेर के राठी पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांणो—वे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—वासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—वे० उडणो-प्रथीराज

पेरोजी नांणो—वे० पिरोजसाही ।

प्रवाङ्मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा ।

२- वे० प्रसन्न प्रवाङ्-जंतवावी ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । ३. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फरसि ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

बघांणी—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्ति ।

बगसी—चेतन बँटने वाला अधिकारी, बक्षी ।

बलबड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

बहुली-जोगणी—एक योगिनी ।

बा--१. सौराष्ट्र और गुजरात के राजघाटों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला माध्यम-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

बाजारियो—१. एक मांस भोजन । २. बरात का एक विशेष भोजन-समारोह ।

बादशाह-- हिन्दू-तर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

बायड--नशा करने की तीव्र इच्छा ।

बायडियो--नशा करने की आवृत्त वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

बारोटियो—१. लुटेरा । २. विद्रोही, चलबाखोर ।

- बीबी—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का खाधिन्व या फरजव होने के नाते साक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय ।
- बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी ।
- ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिष—ब्रह्मर्षि ।
- भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—रूपाट की मांति भ्रवरोष बनकर शत्रु को आगे नहीं बढ़ने देकर देश की रक्षा करने वाले धीर योद्धाओं का विरुद ।
- भड़-लखमसी—घित्तोड़ के राना रतनसी के भाई लखमणसी का विरुद ।
- भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की विशा ।
- भांग-रा-हिमायचा—१. भांग से बना एक नशीला पदार्थ । २. भांग पीने की आदत वाला ।
- भूँछ लोण—१. धर्मनीति और राजनीति से अनभिज्ञ लोण । २. असभ्य लोण ।
- भोमियो—१. छोटी भूमि (पेतों) का स्वामी, जमींदार । २. बहूज ।
- मडलीक—१. देरावर के देहड़, वूहड़ और गुणरंग का विरुद व उनकी उपाधि । २. मडलीक राजा, मडलपति ।
- मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (अगले वर्ष सुकाल हो जाने पर घापिस लौट आने के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी सुकाल वाले स्थान को जा रही हो । २. गरीब प्रजा ।
- मनसबदार—बादशाही राजत्वकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी ।
- मलेछ, मलेछ—१. साक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति । २. विधर्म ।
- महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का ।
- महाजन—१. वैश्य, धणिक । २. धनी व्यक्ति । ३. श्रेष्ठ-पुरुष ।
- महारांणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि ।
- महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम । २. राजा ।
- महाराज कँवार—युवराज ।
- महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि ।
- महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट ।
- महावत—फौलवान ।
- मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के डोला की पत्नी । २. मारवाड़ देश की स्त्री । ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक-गीतों की नायिका ।
- मारवा-राव—मारवाड़ में से सौराष्ट्र को गये हुए गोहिल क्षत्रियों का विरुद ।
- मारू—१. मारवाड़ देश । २. मारवाड़ देश का निवासी (म. व. मारुवा, मारुवा) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ४. वे० मारवणी ।



मालाणा—१. मारवाड के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन । २. मालानी प्रदेश का क्षत्री ।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अतरग लोग ।

मिरजा—१. मुगलो की एक उपाधि २. मीरजा ।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि । २. लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि । २. अमीर ।

मुंहणोत—राघ सीहा के वंशज खेड-पाटण के राठोड राघ रायपाल के पुत्र मोहण के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की ओसवालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' शाखा ।

मुंहता--१. 'मुहणोत' का अपभ्रंश रूप । २. मोहताई या मुंहताई का पद । ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक श्रृंखला ।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद ।

मुंछाळो-मालदे--जालोर के राघ कान्हडवे सोनगरा का भाई घोर मालदेव सावतसीप्रोत का विरुद ।

मूर्त्ता-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊंचे मचान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, श्रोत्री की शिकार । २. किसी झाड़ी, खड्डे या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार ।

मेछ—दे० मलेछ । ('मलेच्छ' का अपभ्रंश रूप । व. व. मेछाण, मेछाइन, मेछायण)

मेळग—चारण ।

मेवाडो--१. लाक्षणिक अर्थ में मेवाड के महाराना का पर्याय । २. मेवाड का निवासी ।

मेवासी--विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला ।

मेवासो--मेवासियों का दुर्गम व छिपा स्थान ।

मोटा-राजा--जोधपुर के राजा उदैसह की उपाधि या उपनाम । (शरीर में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है ।)

मोदी--१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद । २. आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया ।

रढ-रांवन—१. राना इन्द्रवीर मोहिल का विरुद । २. रावण के समान दृढ़ और हठी घोर का विशेषण । ('रढरांन' इसका छोटा रूप है)

रवद--रौद्र लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय । (व. व. रवदां, रवदाण, रवदाइन, रवदायण, रवदायत, रवदाळ)

रसोईदार--रसोइया ।

रांणा--१. करण रावल के पुत्र 'राना' राहप से चली आ रही मेवाड के सीसोदियों की उपाधि । २. मारवाड के मालानी प्रान्त के गुड़ा और नगर के जागीरदारों की

- उपाधि । ३, छापर-द्रोणपुर के मोहिल शासकों की उपाधि । ४. राजा. राजा ।  
(सं० रांगाई)
- राणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी । २. राज्य की स्वामिनी ।
- रा—कच्छ और सोरठ के शासकों की उपाधि । (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी । दे० अणखीसर कूप की देघली का शिजालेख, स० १३४० वि.)
- राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग । २. राज्य वर्ग ।
- राउ—दे० राघ ।
- राजलोक—१. श्रंतःपुर, रनिवास । २. रानी । ३. रानियाँ ।
- राजवी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि । २. राजघराने का व्यक्ति ।
- राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि । २ नृपति । (स. राजाई)
- राठी--एक जाति जो राज्य की बेगार निकालती है । बेगारी ।
- रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुंवर । २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक ।
- राव--१. मारवाड़ के शुरु के कुछ राठौड शासकों की उपाधि । २ भाटों की उपाधि ।  
३. राजा । ४. सरदार । (स० रावाई)
- रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि । (स० रावताई) २, भील जाति ।
- रावल—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि । २ रावल बापा के पिता भोजादिश्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक चित्तौड के शासकों की उपाधि । ३. मारवाड़ के जसोल और सियाघरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि । ४. डूंगरपुर और वासवाह्ला (वासवाडा) के रावल माहप से शासकों की उपाधि ।
- राहवेधी--दूरदेश ।
- राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग । (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहा ही रहने के अधिकार के कारण यह संज्ञा दी गई कहा जाता है)
- रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिष—१ हारीत ऋषि । २ ऋषि ।
- रूठी-राणी—१. राघ मालदेव की रानी उमादे भटियानी का स्वाभिमानी नाम ।
- रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की दिशा का नाम ।
- रौद—दे० रवद । (व. घ. रौदां, रौदाण, रौदाहळ, रौदायळ, रौदाळ)
- रौद्र—दे० रवद । (व. व. रौद्रां, रौद्राहण, रौद्रायण, रौद्राळ)
- लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद ।  
२. राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ३. बहुत शौकीन ।
- लसकरी—कामरा की उपाधि ।

लांघां-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अद्भुत वीरता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद अथवा विशेषण ।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी ।

लूंटेरू—लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

वजीर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

बड कँवार—पूर्ण यौवनवती कुमारी ।

बडारण—ऊँचे बर्जे वाली दासी ।

वरतियो—१. सात्रिक । २. जैन जती ।

वसी, वसीवांन (वसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हे विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गांव में बसने वाली प्रजा ।

वांफड़ो—राजा पृथ्वीराज फछवाहे के बेटे बलिभद्र का विरुद ।

वातपोस—राजाओं के मनोरजनार्थ कहानियें और ख्यात-वातें सुनाने वाला अथवा हाँकारा देने वाला व्यक्ति ।

वावसू—१. गुप्तचर । २. वायुवेग के समान भाग कर खबर लाने वाला व्यक्ति ।

वाहग—१. गुप्तचर । २. दौडा करने वाला ।

वाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

वाहारू—वे० वाहरू ।

विचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय ।

विजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा विजयसिंह द्वारा प्रवर्तित एक रौप्य मुद्रा ।

वैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

वैरायत—१. वैर का बदला लेने वाला व्यक्ति । २. बदला लेने की सोज में रहने वाला व्यक्ति ।

वोढो-रांवरण—वे० ओढो रांवरण ।

वोहरो—१. ब्याज पर रुपये उधार देने वाला वणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

षोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, वस्त्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गध, माला, फल, शय्या, पादुका, गौ, सुवर्ण और चादी—इन सोलह वस्तुओं का दान षोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकळीनाथ—वे० बसमों साळगराम गोकळीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भटियामी प्रादि किसी लोकदेवी का आवेस

होता हो । २. देव्याशी स्त्री । ३. जोगिनी ।

सतवादी—दे० सत्यव्रत ।

सती—१. दानी । २. सत्यवादी । ३. पतिव्रता । ४. मृत पति की चिता के साथ जलन वाली स्त्री । ५. जौहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री ।

सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरुध ।

सर्मा—चित्तौड़ के शासकों के आदि पूर्वज विजयपान शर्मा से बन शर्मा की ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि ।

सवणी—शकुनी, शकुन-शास्त्री ।

सहेली—१. दासी का एक प्रकार । २. साथिन ।

सामिधरमी—दे० सामभगत ।

सामभगत—स्वामीभवत ।

सांवत—१. धीरे में प्रधान धीर. सामत । २. ठाकुर, सरदार ।

सापुरस—भला भादमी ।

साह—१. प्रतिष्ठित व्यक्ति । २. बादशाह । ३. वुदेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि ।

साहणी—घोटों के तवेले का वरोगा ।

साहिजादी—शाहजादी ।

साहिजादो—शाहजादा ।

सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी ।

सिद्धराव, सिधराव—अणहिलवाड़ा-पाटण के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विरुध ।

सिरदार—१. राजपूत । २. जागीरदार, सरदार ।

सीसोदिया—सीसोदा गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि ।

सुख—१. प्रेम, २. मेल-मिलाप, ३. नैरोग्य ।

सुलतान—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी । २. बादशाह ।

सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकर्मज्ञ ।

सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि ।

सेलहय—१. धीर पुरुषों की एक उपाधि । २. भालाधारी धीर पुरुष ।

सेसू—गुप्तचर ।

सोदागर—घोड़ों का व्यापारी ।

सोनइया, सोनैया—स्वर्ण मुद्रा, सोने का सिक्का ।

हलालखोर-खासो—१. बादशाह का खास एतवारी नौकर ।

हांभू—महाराजा हमीर का साहित्यिक नाम ।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कृषक के यहा हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवाणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मैदा, घेडा ।

हरड़वनो—विजयराव चूडाले के पुत्र देवराज का विरुद और उपनाम ।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुसप, परषश पुसप ।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी ।



## परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

भंग	डावड़ो
भगज	ढीकरो
भगोभव	तण
भगोभ्रम	तणे
भसी	तणो
भभिनभो	वीकरो
भ्रांणी	धन
भ्रातमज	पाटोघर
उत	पुत्त
ऊत	पूंगड़ो
भोत	पूत
कंवर	पेट
कळोघर	वेटी
कुवर	भ्रम
कुळचंद	रो
कुळदीप	लाडो
कुळदीपक	घसघर
कुळघर	घत
कुळघारक	वाळो
कुळभांग	सभ्रम
कुळमंड	साध
कुळमडण	सुजाध
धावड़ो	सुत
धावो	सुतण
जायो	सुध
ओध	सुवण
जोघार	

## परिशिष्ट ५

ख्यात में प्रयुक्त पीय या वशाज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

प्रभनमो	धीमो
प्रभिनमो	धीमो
कळोघर	वशाज
कुळज	घमोघर
बुयो	मभन
पेट	सपीभ्य
पीतरो	हर
पीतो	हरो
पीत्रो	

---

# परिशिष्ट ६

## शुद्धि पत्र

पृ. क्र. पं. अशुद्ध

शुद्ध

१ १ ॥ दं० ॥

एक अक्षर-ब्रह्मवाची अपभ्रंश-परपरा का मगल-चिह्न, जो मारवाडी भाषा का विलीटी (वर्णमाला) के आदि में लिखा-पढाया जाता है ।

१ ७ इछना

इछना

१ २६ ब्राह्मण

ब्राह्मणों के

२ ३ बलियाँ

बलियाँ

२ ५ रहि नें

रहिनें

२ ६ पटोला

पटोला

२ ११ वेटो<sup>२२</sup> हूँ

वेटी हूँ<sup>२२</sup>

३ १८ चीतीड

चीतीड

४ ३० म

मे

५ ३ तयण

नयण

५ ६ भालावळी

भालावाळी

६ ८ जसकर

जसकर

६ १५ धीरसर्मा

धीरसर्मा

१० २० पीढाँ

पीढियाँ

११ २० देव राठासण

देवी राठासण

१२ २ अविचल

अविचळ

१२ ७ बघियो

बघियो?

१३ ६ महापनुं

माहप नू

१३ ६ घरांरी

घरां री

पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'अर्जसी' के स्थान 'जंसीह' होना चाहिये ।

१४ ६ डेरासू

डेरा सू

१४ ६ गढ-रोहै

गढरोहै

१५ १७ खमणोर

खमणोर

१६ १ महियो

महियो

१६ २ डूगररा

डूगर रा

१६ २३ बहती

बस्ती

१६ २५ ी

ली



पृ. काँ. पं. प्रश्न

शुद्ध

- १७ २८ 'असख प्रवाह-जैतवादी' (असख्य युद्धों में विजयी) का विद्वान् प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके चाप राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया ।
- १८ ७ पारवतीरे पाखती रे
- १८ ६ 'सुणियो छै' के भाव पूर्ण-विराम नहीं है ।
- १८ २७ अक्रमण आक्रमण
- १९ २ घर घर
- १९ २६ राज्यधिकारी राज्याधिकारी
- २२ पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '६ सगर' जोड़िये ।
- २२ २८ इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये—  
17. आघा दिया । 18. जिससे । 19. अपनी । 20. सहायता की ।
- २३ १७ दोहोतो दोहीतो
- २३ २१ ऊपर करे छै<sup>१७</sup>, ऊपर करे छै,
- २३ २७ १७ जैता का पुत्र १७ रूपसिंह, जैता के पुत्र बेबीदास का दोहिता ।
- २४ २८ १६२६ १६३६
- २५ १५ ६ सबलसिध १० सबलसिध
- २५ १६ गाँव ४ जालोररा कुरड़ासू । गाँव ४ जालोर रा कुरड़ा सू दिया ।  
बीया ।...बीबी बस ।
- २५ २७ घास के निमित्त जो गाँव कुरड़ा सहित जालोर के ४ गाँव दिये ।  
ये उनमें से चार उसे दिये ।
- २७ ३१ संव माखन संद माखन
- २८ १३ काल काल
- २९ ४ मिलीयो मिलियो
- २९ ११ जागीर कियो तागीर कियो
- २९ १२ नीमच नीमच
- २९ १३ देवलिया रो गढ़ासिध देवलिया रो गढ़ासिध
- २९ २२ गाँउ गाँउ
- २९ २६ 10 जन्त 10 देवलिया के निकट
- ३० ७ मिलीया मिलिया
- ३० १२ काल कियो काल कियो
- ३२ २३ पाल पाल
- ३४ २६ बरी बरी ।
- ३५ ३६ जावर जावर

पृ. काँ	प. अशुद्ध	शुद्ध
३६	१३ उदपुर कोस छपनिया- राठोडारो उतन छँ	उदपुर सू कोस** छपनिया-राठोडारो उतन छँ
४०	२ डुरदास	डुरसदास (डुरगदास)
४०	१० मार लार्छां	मारलार् छां
४०	१८ वाघोरा	वाघोर
४०	२० भोरडा	भोरह
४१	५ धरदाडो	धरवाडो
४३	१८ सारंग दे मोतारो	सारगदेमोतां रो
४३	२८ महल में	महल
४७	१ दलोल-कलोस	दलोल-कलोल
४७	६ खमणोर	खमणोर
४७	११/१२ मीरमी पहु नै	मीरमीपहुवै
५०	१६ रतसीरो	रतनसी रो
५०	२८ जगमाल कां पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की वेटी हाडी
५३	३६ देहरै	देहरै
५२	२२ कोसाथळ	कोसीथल
५३	२६ रावघदे	राघषदे
५४	२२ ऊपर <sup>२६</sup> डाय	ऊपरड़ाय <sup>२६</sup>
५४	३० ऊपर दाष=आक्रमण करने वालो से	ऊपर वालों से
५६	१ तेरे	तरै
५६	१० चढती ही नै	नै चढतां ही
५६	१६ वूढ	हूठ
५७	१ चाषडारा	चावंड रा
५७	३ चाषडारा	चावड रा
५७	२१ छूट	छूट
५६	२ थाप लियो	थापलियो
५६	१० खूमाण	खूमाणै
५६	२६ हडा	हाडा
६१	१६ वेह नै कीर्ज	वेह न कीर्ज
६१	१६ प्राग	प्रागै
६२	४ बालीसा	बालीसो
६३	४ वे घमरी	वेघम रो
६३	७ वाघारो	वाघारो
६४	१ बिसोरिया-चाकर	बिसोरियो-चाकर

पृ. काँ	प. अशुद्ध	शुद्ध
६४	१५ पीया षाळो बाळियो	पीया षाळो गाम बाळियो
६४	१८ म्हां मारे	म्हा माहे
६५	१८ फिर संका	फिर सकां
६७	२१ पचाहण । रूपसीरो	पचाहण रूपसी रो
७०	१६ पछ सं	पछ सं <sup>६</sup>
७०	१७ रजुआत <sup>६</sup>	रजुआत
७१	२५ २ सत्कार	२ सत्कार होगा
७१	२८ टिप्पणी सं० ८ और १० के बीच में सं० ९ इस प्रकार जोड़िये— '९ हम तुमको दोनों वास्तों में (जगहों में) नहीं रखेंगे ।'	
७१	२६ शपथ	शपथ करके
७३	२५ ४. प्रताप की घर में रखी हुई बनिये के स्त्री के गर्भ से	४. रावल प्रताप की खवास पद्मा बनियाइन के गर्भ से
७४	६ वासवारलारो	वासवाहळा रो
७४	६ 'माहो-माह' के ऊपर सं० ९ लगाकर आगे की सभी सख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पक्षि २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम संख्या १८ को १९ समझें और टिप्पणी की अंतिम पक्षि में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले सं० १६ लगाकर '१६ ननिहाल' को '१७ ननिहाल', '१७ महल' को '१८ महलों' और '१८ राज-करा' को १९. राज-कर पढ़िये ।	
७६	१८ मेल बीनो	मेलबीन्हो
७६	१६ डील	डील
७७	६ ऊभो मेलन	ऊभो मेलन
७६	१३ तेतसी	तेजसी
८०	२६ चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०	२७ चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१	१८ बीठ	बीठी
८१	१६ डगरपुर	डूगरपुर
८१	१३ कहेक	केहेक
८२	१० डूगरसूँघणी	डूगर सूँ घणी
८३	६ घरां	घरा
८३	२० दया	दिया
८४	८ उवेचकिया	उवे चकिया
८४	२३ घर	घर
८५	१६ तासु	सा सु
८६	५ ठाड	ठीड

पृ. क्र. प.	अशुद्ध	शुद्ध
८७	१४ कुळसिघ	कुसळसिघणु
८७	१८ भळेरो	भलेरो
८७	२५ पोन	पोन कोस मे
८७	२७ की ओर	पूर्व दिशा की ओर
८७	२४ गडा	} गडासंध
८८	१ सघ	
८८	६ वडो इतवाय	घडो इतवार
९१	४ तठ	तठे
९२	४ ईणारं	इणारं
७५	१ वळायं	वळायं
९६	८ नाहररो	नरहर रो
९९	२१ दशहरा	दशहरा को
९९	२५ तव रहने के लिये	जहां रहने के लिये
९९	२५ भविष्य	भविष्य की
९९	२९ अरवी घोड़े	ऐराकी घोड़े
१००	६ घोड़ा	घोड़ा
१०१	१७ ६ जब	६ जबवू
१०३	१३ कह्यो	कह्यो
१०३	२९ सौ बरस पोहेंचे मर जाना	सौ बरस पोहचें—मर जाय
१०४	१३ भावें नहीं	भावें नहीं
१०४	२८ करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परंतु सूरजमल आने नहीं देता	वे तो बहुत ही (खुशी से) आ जायें परंतु सूरजमल आने नहीं देता
१०५	५ मोडारो वारहठ	गोड़ा रो वारहठ
१०६	२ लाख दे विदा कियो	लाख पसाव दे विदा कियो
१०६	८ 'सुहाणो नहीं' पर सं० ७ पढ़िये। पंक्ति ९ में 'कुमया करै छै' पर ८ और 'कासू दीठो ?' ९. इसी प्रकार सब में एक-एक बढ़ाकर प० २२ में 'पात' पर लगी सं० १५ को १६ पढ़िये। पंक्ति २९ में '१६ चारण' जोड़िये।	
१०६	१६ लखपसाव	लाख पसाव
१०७	२७ १३ ऊंचे वृक्ष पर मचान बांधकर किया जाने वाला शिकार।	
१०८	६ रांणो कह्यो	रांणो कह्यो
११०	२० आंतरवो	आंतरवो
११३	२ भाखरके	भाखर रं
११३	३ भाखरवाळारो	भाखर वळा रो
११३	६ बाघ-बाड़ी	बाग-बाड़ी

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

११३	१६ खीचियांरो । उतन	खीचिया रो उतन
११३	१८ घुडवाणरा	गुडवाण रो
११३	२६ 19 मऊसै । 20 कोस पर घूलकोट . . . .	19 मऊ से ७ कोस पर घूलकोट...
११३	२८ 21 गुडगांव ।	20 गुडवान ।
११३	२९ 22 यही ।	21 यही । 22 नीचे ।
११४	१३ नान	नाम
११४	२६ सेवज	सेवज
११५	१५ खाताखेड़ी	खाताखेड़ी
११५	१५ भील चक्रसेणी	भील चक्रसेण
११५	१७ वाघरी	वाघ री
११५	२६ 11 जिसको भील''''करलिया	11 'मारली' एक गांव का नाम है ।
११५	२७ वाघकी	वाघ की
११५	२८ 13 दोनों	13 'बेहु' एक गांव का नाम है ।
११६	१० जीलवाड़ो	जीलवाड़ो
११८	५ षीड़ पना	षीड़ पना
११९	२१ घावै	घावै
१२०	२ तापिया	तापिया
१२२	शीर्षक अत	अत
१२२	३ सुणियो छै । बिखणनू	सुणियो छै बिखण नूं
१२२	१५ मित्रावरण	मित्रावरण
१२३	१६ रोहड़ी	रोहड़ी
१२४	१९ कुतरी	कुतल री
१२४	२७ कुतकी	कुतल की
१२५	२२ 'दुरात्मा बावशाह के' आगे की समस्त	टिप्पणी का नोट पृ. १२६ की टिप्पणी है ।
१२६	९ बूह	बूठ
१२७	४ जगहरो	जतहर-रो
१२७	९ राठ	राठ
१३१	२४ चंपराय	चपतराय
१३४	१५ बलाह	बलाह
१३५	२ ७ १४ कीतू	१४ कीतू <sup>६</sup>
१३५	२५ 1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में ।	1 सोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खन में आबू से १० कोस पर नया शहर बसाया ।
१३६	२१ बगतरी	बगतर री

पृ. काँ.	प.	अनुद्ध	शुद्ध
१३८	६	बडा	बडो
१३८	१५	बीठी	बीठी
१३९	२९	बिनय	बिनय से
१४१	१६	घरकसी	घरकसी
१४१	१९	सूळ	सूल
१४१	२१	सूळ	सूल
१४१	२९	दिया	दिलघाया
१४३	३	रणघीरोत	रणघीरोत
१४३	१२	बाहमेर	बाहडमेर
१४४	२	कोई	काई
१४६	१६	कह्यो	कह्यो
१५०	१५	सीसोदियो	सीसोदियो
१५१	२	खिसाण	खिसाणो
१५५	११	रावळा-घरा मांहे	रावळा घरा मांहे
१५५	२२	लेकिन दिन था	लेकिन जीवन के दिन शोष थे
१५८	९	ऊदो लखारो	ऊदो लाखा रो
१५८	२८	रावल सेखावत	रावत सेखावत
१६०	२६	नवसरो	नवसरो
१६३	२१	कुळधाणे	कुळधाणो
१६४	२५	सिधाणरो	सिधांणा रो
१७०	९	चीवोळ एकलघा घर	चीवो एकल वाड़ घर
१७०	१०	छाळ	छड़ा
१७०	१	लूट	तूट
१७१	३	हा कलियो	हाकलियो
१७१		शुरूकी चार पवितर्यो घाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अतिम तीन पवितर्या हैं ।	
१७२	२३	वे ही राव	वे भी राव
१७३	१२	भोररा	भोरा रा
१७४	२१	सीघणोतो	सीघणोतो
१७५	१	३ उडवापिडो	उडवाडियो
१७६	१	१५ भोररा	भोरा रा
१७६	२	१४ अकेली	अकेली

पृ० सं० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ सख्याएँ गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में लगी पृष्ठ सख्याओं को दो-दो फस करके ठीक कर लें ।

नू. कॉ. १ अशुद्ध

शुद्ध

पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं। दुबारा वाली १८५ और १८६ सत्याएं यथाक्रम हैं।

१७८ १	१ घागडियो । देवहारो उत्तन	१ घागडिया-देवडां रो उत्तन
१७९ २	२२ माहिचावो	अहिचावो
१८० १	४ अहिचावो खुरवा	अहिचावो खुरव
१८० १	१३ ओडवाडिया । चारणारो	ओडवाडियो चारणां रो
१८० १	१४-१५ कासघरा । घघवाडिया । खीवराजनू	कासघरा घघवाडिया खीवराज नूं
१८२	२७ खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख वीं ।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख वीं ।
१८४	२० असमथ	असभ
१८४	२८ टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टोकायतो की वंशावली के कवित्त-छप्पय आसिया माला के कहे हुए ।'	
१८६	२८ 12 जोराबर ।	12 १. जोराबर । २. चौहान-सत्री
१८७	२० हूठ	हूठ
१९०	१९ वीकम्म	वीकम्म
१९१	२५ महारोर वं	महा रोख
१९२	१८ वएहि	वरगह
१९२	२२ पनोसीह बळिरो	पनो सीहबळ रो
१९२	२७ विश्व	विश्व
१९३	१४ बळी	बळी
१९३	२२ चांपा सीघली	चांपा सीघल
१९३	२७ सिवाने	सिवाना
१९४	१७ रेवठे	रेवतठे
१९८	५ छांटे नै	छांटेनै
१९८	२६ नागा के	नगा के
१९९	२१ जोगीदास	जोगीदास
२०१	७ विमसरो	वीसळरो
२०४	९ गढरो है । जाळोर रं	गढरोहै जाळोर रं
२०५	२६ मेघो	मेघो
२१७	७ कहिया तासु	कहिया ता सु
२१७	१६ जे	जे
२१९	१४ मोरगमरु	मोर गाभरु
२२०	१ रायळीजी	रायळजी

पृ. क्रं.	पं. क्रं.	मशुद्ध	शुद्ध
२२०	३	रावळीजी	रावळजी
२२०	८	सूळ	सूल
२२०	१६	आपे	आपै
२२१	१०	वरवर	वरावर
२२२	१४	रांण	राणं
२२४	१७	१ लिखमण सोमत	१ लिखमण सोमत
२२७	८	षड्	षेड
२२७	२१	मंहता	मुहता
२३०	२१	मोहळ	मोह्ल
२३१	५	खि	खि
२३१	१८	भावर	भाखर
२३२	३	चॅवरीको	चॅवरी को
२३४	१४	विहानू	विहारी नू
२३७	२३	कांन्हसिघ जैतसीयोतरै	कांन्ह, सिघ जैतसीप्रोत रै
२४०	१	सभाडो	सभाणो
२४०	१६	अमो	अभो
२४०	२१	अमो	अखो
२४१	६	भावर	भाखर
२४३	२३	भींवा का वेटा राणा का	भींवा का वेटा राणा
२४५	११	लोद्रां चीलू आंध	लीद्रा ची लूआंध
२४५	२२	टिप्पणी सं० 18 इस प्रकार पढ़िये— इसका निवास जालोर परगने का सेणा एक छोटा सा परगना है ।	
२४६	४	तासु	ता सु
२४६	७	निपठ	निपट
२४६	१३	वाहर	वाहर
२४७	२	१७ नवघण	नवघण
२४६	२७	जैतमाल की वेटी को	जैतमाल की वेटी पत्नी को
२५०	२	खेढो	खेटो
२५०	१३	माणकरा व	माणकराव
२५१	१३	जाहल	जायल
२५३	६	वरि हा हा सकं	वरिहाहा सकं
२५६	१०	साथ रैने खीचियाँ	साथरै नै खीचियाँ
२५६	१६	घारसा	घरसां
२५८	१०	गाडरनै	गाडर नै



पृ. क्रॉ.	प. अशुद्ध	शुद्ध
२६०	६ तिणनू	तिणानू
२६१	२८ बीस वर्ष तक करण	बीस वर्ष तक लघु करण (करण-नैहसो)
२६५	८ वडो	वडो
२६५	१६ चूक लियो	चूकलियो
२७१	४ पाटख	पाटण
२७२	१ प्रिथीरो रूप	प्रिथी घेर रो रूप
२७२	१२ उभरणी	उभरणी
२७२	१७ ठाणियो	ठाणियो
२७३	२१ वेधताए	वेधताआ
२७५	४ पाछे	पछे
२७६	२२ वडा	वडो
२७७	२ मुगळे	मुगलें
२७७	६ सिधपुरयो कोस ११ विदसरोघर	सिधपुर यो कोस ॥० [आधो] विदसरोघर
२७९	६ बलूहुल	बलू हुल
२८२	१७ गाडियो समूह	गाडियो का समूह
२८३	१७ तरै सो नाहरखान	तरै सो॥ नाहरखान
२८४	१७ हणेसो रायमल	हणे सो॥ रायमल
२८६	२१ राणो आय पगे लागो	राणो आय पगे लागो
२८७	१ २४ सखासु	सरवासु
२८७	१ २५ बहवध	बृहवध
२८८	१ १४ सघदीप	सघदीप
२८८	२ ११ प्रछेमघन्वा	प्रछेमघन्वा
२८९	१ ५ ब्रयवर्थ	बृहवर्थ
२८९	१ १८ अतरिस्थ	अतरिस्थ
२८९	१ २२ वरवी	वरही
२८९	१ २४ राणजराय	राणकराय
२८९	१ २५ सजोसराय	सुजसराय
२८९	२ २ सुधोन	सुधोन
२९०	२ २ जानरवेव	जानरवेव
२९०	२ ३ 'चत्रभुज' और 'भीखो' के बीच 'रामसिध, कल्याण, प्रतापसिध और रूपसी' ये चार नाम और हैं ।	
२९०	२५ भीधसी, राजा दो मासरे हुधो	भीधसी, राजा मास २ हुधो,
२९०	२७ हूलहवेधने अपने तुवरको खालियर दे दिया ।	हूलहवेध ने अपने भामजे तुवर को खालियर दे दिया ।

पृ. कौ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

२६१ १ ५ लल्हैदी	सल्हैदी
२६३ १८ भोजारी	भोज री
२६६ २५ सिवन्नह्या	सिवन्नह्य
३०० ११ हुंदायल	हुंदाळ
३०१ २१ राज जगनाथ	राजा जगनाथ
३०२ ६ मुंदडा	मुहडा
३०२ ७ सलेहजी	सलेहदी
३०७ १ १५ लवांषण माहै	लवांणा माहै
३१० २ २४ राजरं	राजा रं
३१३ १ १२ मोहारि	मोहारो
३१४ २७ रामके	राम ने
३१५ २ ११ २३ बूहो ४। सुरजनरा ।	{ २३ बूवो । { २४ सुरजन राव ।
३१६ १ १५ घाघवत	घाघावत
३१७ २ { १० मारियो २ । रतने { ११ दासावतरा	मारियो । १८ रतनो दासावत ।
३१८ २ १६ मनोहरपुर गांव	मनोहरपुर रं गाव
३१८ ३० तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर बना हुआ है ।	तकिया मनोहरपुर के ताला गाव मे पहाड़ी पर बना हुआ है ।
३१९ १ १८ वंठास	वगस
३१९ २४ अमरपुर	अमरसर
३२० १ १४ जैतसिध अग्रसेणरो	जैतसिध अग्रसेण रो
३२० २९ रसायलने	रायसल ने
३२३ २६ खोह	खोहरी
३२४ अतिम सब शाहपुरा पट्टे में दिया था। इसकी मा स्वालख की ( नागौर परगना की ) जाटनी था ।	तब शाहपुरा पट्टे में दिया था । बलभद्र नारायणदासोत आया तब उसने मारा । इसकी मा स्वालख की ( नागौर परगना की) जाटनी थी ।
३२० १ ७ घटा	वेटा
३३५ ८ मारवारो	मारवां रो
३३६ २६ थो	था
३४६ २ १७ घावै	घावें
३४९ ३ घररा	घर रा
३४९ १८ आघीसर	साघीसर
३४९ २४ लना नहीं आता	लेना याद नहीं आता

पृ. काँ.	प. अशुद्ध	शुद्ध
३५०	१ मीराज	मेहराज
३५०	४ हू मीराजनू मराइस हेवं कटक खाचियो ।	हू मेहराज नूं मराइस । हेवं कटक खाचियो ।
३५०	६ बोलाऊ	बाहाऊ
३५०	६ सोना- १० तरा देणा कबूल किया ।	सो नातरा देणा कबूल किया ।
३५०	११ जांभघा घोड़ेरो गुढी	जांभ घाघोड़े रो गुढी
३५०	१६ सोवत	सोवत
३५१	१२ हरभमटी	हरभम ही
३५१	१३ गार	गोर
३५१	१६ विकू कोहर करमसियोत मारियो	वीकूकोहर केहर करमसीओत मारियो
३५२	८ राघो	राघो
३५३	१३ रूणोचा	रूणेचा
३५५	१ २२ घोप	घापो
३५७	२० तेगिया, तिलक	तेगिया-तिलक
३५६	२ १० गागारा	गांगा रो
३५६	२ १३ टोक	टोक
३५६	२ २० दासात मारियो	दासोत मारियो
३६०	१ } १३ ऊदो हमीररो हमीर, १४ थिरो अघतारदेरो ।	ऊदो हमीर रो । हमीर थिरा रो । थिरो अघतारवे रो ।
३६०	२७ हमीर और थिरा अघतार- देव के वेटे ।	हमीर थिरा का और थिरा अघतारवे का ।
३६५	६ पाकररी	पारकर री

## भाग २

१	११ बैसणा	बैसण रा
१	२ २२ पीरोजशाह	पीरोसाह
२	२ ७ रूपसी, जैसलमेर गावका छे ।	रूपसी, जैसलमेर रे गांव काछे ।
२	२ १० उरगो	ऊगो
२	२५ जैसलमेर	जैसलमेर
३	२ २ रावळ राजरा पोतरा	रावळ मूळराज रा पोतरा
३	२० ताणुकोट	तणूकोट
४	२ खालनांरी	खालतां री

पृ. कॉ. प. अशुद्ध

शुद्ध

४	५ झरो	झरो
४	११ वासणीपी	वासणपी
४	१७ मालगाडो	मालागडो (मालगडो)
४	१८ टोवरियाळो	टावरियाळो
४	२१ १ कीलो डूगर । १ खवासरो	१ काळो डूगर । १ खवास रो गाव
४	२२ १ गजिया गांव ।	१ गजियो ।
४	२४ उनावा	उनाव
५	११ घुळया	यूळिया
५	१४ मुहारारै	मुहार रै
५	१६ भोग अखै	भोग आखै
६	१२ नेगरडो	तेगरडो
६	१३ आरम	आरग
६	१७ भूण कांसळारी	भुणकमळां रो
६	१७ व्होसतोय	व्हो सत्तां रो (?)
६	२० समत १७००	संमत १७२०
७	८ रु० १५०००)	रु० १५००)
७	९ वावर करी	वाव रा करि
७	२४ लिखी जाने वाली	ली जाने वाली
८	७ रु० ३१००)	रु० ३१०००) री ठोड
८	९ म० २०००)	म० २००००)
८	१० म० १०००)	म० १००००)
८	१५ मुंहारा	मुंहार
८	१६ खडाळा	खडाळ
८	१८ विसै	विसी
८	२२ खाडर	खाडाळ
१०	१ १५ अभाहरिया	अभोहरिया
१०	२८ वींहाडा	वींठाडा
११	१ चीम्तो	चीम्तो
११	२३ वाप	वाप
११	२६ नामोंकी शाखाएं	नामों की हस्तनी शाखाएं
१२	१ वापसू	वाप सू
१२	४ वाप । वावड	वाप । वावडी
१२	१५ नीबलायां	नीवाळिया
१२	१६ सूका	भूखा
१२	१४ पोहडरा	पोहडां रा

पृ. काँ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
१३ १ नाहवार	नहवर
१३ ५ सालो	माळी
१३ १२ बोलायो छे	वाळियो छे (वळियो छे)
१४ १ मारण	मारणा
१५ २ जसल	जेसळ
१६ १० भखछ	भरवछ
१७ २ ३ लणोट	रणोट
१७ २६ ह ककर	कह कर
१८ ४ विजेरावनू	विजेराव तू
१८ ६ घरहाहा	घरिहाहा
१९ १२ घरहाहारा	घरिहाहा रा
१९ २८ घरहाहारी	घरिहाहां री
१९ २६ भाइयो ने पवित मे से	भाइयो ने ररन को पंवि्त में से
२५ २७ लाघ	लाप
२६ २४ तब अपनी अथसे इतितक	तब अपनी बात अथ से इति तक
३१ ३ घावसूता	घावसू ता
३६ १० ऊपाड़े	ऊ पाड़े
३७ ५ सहस बीस हण सुवग सद् ढोला सम चलत	सहस बीस साहण सुवग सद् ढोलां सम चालत
३७ ८ खळ हण	खळहळ
३८ } १६ घणो } } १७ सारव }	घणी साख
३९ २ १४ तेजसी घडो	जेतसी घडो
३९ २१ राषळ लखसेन	राषळ लखणसेन
४१ १ निसींगडी गांवरै	सु तिसींगडी गाव रै
४१ २ नीसरियो	नीसरिया
४२ १३ मडळ परै	मंडळप रै
४२ १७ सोनगरी सेम्भवाळो	सोनगरी रो सेम्भवाळा
४३ १६ घातण लागी	घातण लागा
४४ १३ कघरो सत्र	कघरां-सत्र
४६ १ सिंधारै	सिंधारै
४६ २ तरै कोड़ी	तेरै कोड़ी
४६ १७ रमण घणी	रमण री घणी
५१ १७ उबार राखो <sup>१</sup>	उबार राखो <sup>२</sup> ४
५१ २३ खाट मे लेकर निकल गया	खाट में डाल और लेकर निकल गया

पृ. क्रॉ. पं. प्रमुद्र

शुद्ध

५१	२७	तुम हमारि घर्म-भाई हुए ये	28 तुम हमारे घर्म-भाई हुए ये
५३	२७	घरतीकी लौट आया	घरती को लौटा आया
५४	२०	बासायी	बासा घी
५४	२०	घोडांरो	घोडां रो
५६	२४	हापीकी	हापी का
५६	२५	हीनेकी	सोने की
५८	१६	सातउ सोह हमीर दे	सातउ सोम हमीरदे
६७	१३	च्यारां हीरा	च्यारांही रा
६७	२६	घड़मीने नमाज पटते हुए	घड़सी, नमाज पटते हुए
६७	३०	तलवार मे सिर	तलवार से उसका सिर
६६	११	जुपांहरा	जु पाहरा
७०	३	लूग	लूग
७१	७	मुकासवं (बतं)	मुकासवं
७२	८	दरगाहस	दरगाह सूं
७४	१४	जोगी	जोगी
७६	१८	केहरो	केहर रो
८०	२६	वे ॥	वेटा
८१	१८	गांगारा	गागा रो
८७	१०	एकर	एकर (एक बार)
८६	१६	सोन्त	सोन्त
९२	१७	दोहीतो	दोहीतो
९४	४	पतियो	तपियो
९६	१	२५ पापती	पापवती
९७	१	७ सळीवं	सीलवं
९७	२२	सोळवेकी	सीलवे की
९८	१	१३ रावळ क्तारी वेटी	रामकुंवर रावळ कला री वेटी
९८	२५	वेटी भीमने	वेटी रामकुंवरि की भीम ने
१०३	२८	देहिया	देहिया
११६	१३	घणो	घणो
११७	१६	मची	मोच
१२६	३	सानीदास	सामदास
१३२	७	बल्	बलू
१३७	८	घाच	घाचो
१३६	२७	कान्ह मानसिंह का वेटा	मानसिंह कान्ह का वेटा
१४०	१७	बुधरो	बुधेरो

पू. काँ.	प. अशुद्ध	शुद्ध
१४०	२० टोको	टीको
१४२	२२ मेलूरो	मेलू री
१४३	३ आको	अको
१४५	२ जोगी	जोगी
१४५	८ हमीरार	हमीर रा
१४८	१ रूपसोयात	रूपसीओत
१५१	२० रायमत राणाघत	रायमल राणाघत
१५६	२२ सिघलौके	सीघलो के
१५६	१० अजळदास	अचळदास
१६३	२८ फलोधीम	फलोधी मे
१७२	१५ बुरघटो	बुरघटो
१७३	२८ गाघ दे दिया था ।	गांघ दिया था
१७७	२६ चिह	चिह्न
२१३	६ म्हेजांमनू	म्हे जांम नू
२१५	१७ आहूर	आहूठ
२१५	१६ सुतन बभ वस सम मीढअं,	सुतन बभ वस सम मीढिअं माल सुत,
२१५	२३ हेतुधां अलेखे खंग देखे गहर वडो,	हेतुधां अलेखे खंग दे खंग हर,
	२४ लोहडां वडम आक घळियो ॥४॥	वडो लोहडां वडम आक घळियो ॥४॥
२१६	१७ घाघांसू	घोधां सू
२१६	२० भाद्रसर	भाद्रसर
२१६	२५ २० नाम पर । भाद्रसरको	१० नाम पर । ११ भाद्रसरको
२१७	२२ चुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२०	१३ मांडो	माडां
२२०	२० जेठवो, भीम, काठी, हाजो, वाढेल, भांण	जेठवो भीम काठी हाजो, वाढेल भांण
२२१	१५ घोणोव	घीणोव
२२२	६ आयी	आयो
२३१	२३ टिप्पणी ८ इस प्रकार पढ़िये—	
	जिस फूल से वाडी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है । हे साखा महाराण ! तेरे बिना अब वह सिध सूनी है, तू लोट आ ।	
२३५	८ वाळ	वाळ
२३६	२ तिण ऊनडरें	तिण सम ऊनड रं
२३६	१३ तो सत बोले छं	ऊ तो सत तोले छे
२४१	१७ मांगी	मांग

पृ. कां. प.	अशुद्ध	शुद्ध
२४२	२० सिधुरी साईयां	सिधु रीसाईयां
२४४	शीर्षक जसा धवळोत	जसा हरधळोत
२४८	१२ आणी	अणी
२५२	२६ शत्रुदल	शत्रुदल
२५३	१६ आया । तळाव	आया तळाव
२६४	१ ४ गोमळियावास	गोमळियावास
२७६	२७ मोहिलों को	गोहिलों को
२८५	१६-२६ टिप्पणी तनुकृत समझे पृ. २८४ में आ चुकी है ।	
२९६	१२ जोयनें	जायनें
३०४	१६ धीरभजी	धीरमजी
३०८	३० भारा=घासका बडा भार, बडल	भारा=घास का एक परिमाण
३११	८ आयन	आयनें
३१५	१४ हुसो	हुसी
३१७	२७ ऐसी चली कि । उस स्त्रीको	ऐसी चली कि उस स्त्री को
३१६	१६ ढाढ	ढाढी
३२३	५ ऊठे	उठे
३२३	१० गोगाजीने	गोगादेजी ने
३२६	२६ बठलाया	बिठलाया
३२५	१२ घोडारी	घोड़ा री
३३६	२३ चंडाजीने	चूंडाजी ने
३४२	१७ जोष	जोष

## भाग ३

५	१२ विचारयो	विचारियो
८	१४ विसिलि	विसिली
११	७ पहोडो	पहोड़ी
१४	२५ वशमास	वसमास
३१	१५ बटी	बेटी
३३	१४ मात्रे हीतू	मात्रेही सू
३४	१० देवरो	देवराज रो
३६	१६ कान्हा	कान्हां
५६	२६ ववशाह	वावशाह



पृ. कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
६०	१०	अनिंर	अनिं रे
६०	१७	थोरो	थोरी
६१	११	पावुजो	पावुजी
६२	१३	संकळपो	सकळपी
६२	१६	तेरो	तेरी
६३	१७	आदमो	आदमी
६४	२०	लेणो	लेणी
७५	८	वीमाह	धीमाह
७६	११	जोवं	जीवं
८२	२	बोलाडें	बीलाडें
९२	१३	ससक	ससकें
९४	१७	कह्यो	कह्यो
१०३	२६	महने	हमने
१२१	२	भी हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१	१२	दीठो जाईयेरं जे	दीठो—जा ईयेरं, जे
१२१	१७	भोमता मांनो, .....न छे	भो मता मांनो, .....न छें ?
१२१	१६	घिक्कार है रे भादेवाला !	घिक्कार रे भादेवाला !
१२१	२०	अच्छी हंडिया चाटी रे !	अच्छी हंडिया चाटी !
१२१	२४	निकला	निकला
१३२	१	रिणघोरजी	रिणघोरजी
१३२	११	सोनगरान	सोनगरा नू
१३५	६	तोमरे	तो मरं
१४४	१२	ताहरां	ताहरां
१४४	{ १३	आव, मांचे	आव, मांचे सुय ।
	{ १४	पण सुय ।	
१५६	५	इण सोंको	इणसों को
१६६	७	रठवांघण	रठ रांघण
१७३	२३	खेड्वा	खेडेचा
१७८	१ २०	अजमजस	असमजस
१७६	१ २३	वूहव्वल	वूहव्वल
२०१	२८	वूट गये अ रामा	वूट गये और राजा
२०७	३२	प्रकाशित ह	प्रकाशित हो
२०८	१ ६	माहोर्णसिघजी	मोहोर्णसिघजी
२२६	२५	काणाणा	काणाणा
२२६	१३	घाघूसर	घाघूसर

पृ. कॉ. पं. प्रशुद्ध	शुद्ध
२३१ ७ वंणारीत	वंणार्त री
२३३ १ पडिहारारी	पडिहारा री
२३६ १४ सजन	साजन
२४१ ७ विगावो	विगोवो
२४७ २६-२७ कुवर पृथ्वीराजने ... लडाई लडो ।	राणा रायमल के वे पृथ्वीराज से बडो लडाई लडो ।
२४८ १५ वीघ	वीघो
२५५ १३ बहेलवो	बहेलव
२५६ २० गोयामणाके	गोयाणा के
२६५ ४ मळ्ळीरं	मेळ्ळी रं
२७७ ४ चक्र तीरथ	चक्र तीरथ
२७७ १२ चित्र (?) तीर्थ	चक्र तीर्थ
२८८ १० रुपिय	रुपियों
२८८ २५ सगतावत	सागावत
२९३ ६ गोळियंस	गोळिये सूं

## भाग ४

## नामानुक्रमणिका

३ २ ५ सावत ओत	सांवतसीओत
४ १ २६ अडमाल	अडमाल
४ २ २५ अनुख	अनुख
५ १ १६ पिथो रो	पिथोरो
७ १ ११ आवा	आवो
७ १ ३० आपमलसूरार	आपमल सूरा रो
१३ १ १६ त	ती.
१३ २ १६ करमसा	करमसी
१५ १ १५ कश्यप	कश्यप
१५ २ ११ ४०, ४१, ४२	कान्हडवे रावळ वू. ४०, ४१, ४२
१६ १ २३ कल्हो	केल्हो
२० २ २४ खांत खानो	खानखानो
२४ २ २६ गोपादासळ	गोपाळदास
२५ १ २३ नन के पहले 'वू.'	
३७ १ ३४ चरडो	चरडो
२७ २ १४ चांदसे	चांदसेह

पू. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

३५ २ ८ जैत्रह्य

जैत्रस

३६ २ २८ ब्रह्म

ब्रह्म

४१ १ २२ वल्लवत

वल्लपत

४६ १ २६ घुघळियो

घुघळियो

५२ १ २४ गोवा रो

गोदारो

६३ १ १३ भोजा वत्य

भोजादित्य

६३ २ १ भोपन

भोपत

७७ २ अतिम २०६ के पहले 'बू'

८१ २ १४ बोडो

बोडा रो

८४ १ २६ वतजागदे

घरजांगदे

८५ २ ११ घाघो

घाघो

८८ १ २८ वोवो राघ

घोवो राघ

८९ १ ८ धीरमदे राय

धीरमदेव, राय

१०१ २ ३५ सूरथ

सुरथ

१०२ २ २१ बालासो

बालीसो

१०३ १ १३ सूरसिंह

सूरसिघ

१०६ ७ पुरुष

पुरुष

११४ २ ५ धीकानरी

धीकानेरी

११५ २ ३ रायकधर

रामकधर

११५ २ १६ महार्सिघ री राण ।

महार्सिघ री राणी

११७ १ ६ सोढ

सोढी

१२० १ ८ त

ती

१२७ २ २२ खूहड़ा

खूहड़ी

१२९ २ ३२ घणोल

घणोली

१३२ २ १५ जांभोरो

जांभोरो बाभणा रो

१३६ २ १३ तिलायला

तिलायली

१५२ १ ७ मेरवाडो घडो

मेरवाडो घडो

२६७ २ ७ घाणरा-रो-घाटो

घाणेर-रो-घाटो

१६८ २ ३२ मागरा

मगरा

१६८ २ ३३ बीबलियो

बीबलियो

१७५ १ २१ थाळ लाग

थाळी-लाग

१७७ २ ७ मऊ-बुष्काल (पीडित प्रजा)

मऊ (बुष्काल पीडित-प्रजा)

१८२ २ ३२ गोगादेनी

गोगादेजी

१८३ १ १० चं

चंद्र

पृ. क्रॉ. प. मसुदा

शुद्ध

## पद विरुदादि

१६५	१ श्रीरगजेव रा विरुव	श्रीरगजेव का विरुव
१६५	६ इद्र	इद्र
१६६	२७ काल	काले
२०७	३ जलन	जलने

## शुद्धि पत्र

२१०	१	१ अभनमो	अभनमो
२११	२	२ मारवाडो भाषा का	मारवाडो भाषा की
२१५	१	७ बढो इतबाव	बढा इतबाव
२१५	२	१ कुसळसिघमु	कुसळसिघ
२१७	२	१५ महा रोरष	महा रोरवं
२२४	२	२७ सेन्ग्याळो	सेन्ग्याळो

## भूमिका

३	१	ऐतिहासिक	बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५	१७	५'		५
१२	२२	गद्य		गद्य
१३	१३	जवादि, जलहर (जलकीडा)		जवादि-जलहर (जलकीडा) ;
१३	२०	राजनैतिक		राजनैतिक
१३	२१	विभिन्न		विभिन्न
१६	७	वशावलियाँ		वशावलियाँ
२०	१६	स्वामी । द्रोह		स्वामी-द्रोह
६६	२४	बहुतश्रुत		बहु-श्रुत



